

“सभ्य, समृद्धर सुखी नौबहिनी”

आवधिक गाउँ विकास योजना

आव २०८०/८१ - २०८४/८५



नौबहिनी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

वहाने, प्यूठान, लुम्बिनी प्रदेश

“सम्भ्य, समृद्ध र सुखी नौबहिनी”

आवाधिक गाउँ विकास योजना

आ.व २०८०/८१ - २०८४/८५



नौबहिनी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
बहाने, प्यूठान,लुम्बिनी प्रदेश

आवधिक गाउँ बिकास योजना (आ.व. २०८०/८१ - २०८४/८५)

| | |
|-----------------|--|
| प्रकाशक | नौबहिनी गाउँपालिका गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय बहाने, प्यूठान, लुम्विनी प्रदेश सम्पर्क फोन : ९८५७८३६०२० वेबसाइट: www.naubahinimun.gov.np ईमेल : naubahinirm@gmail.com |
| प्राविधिक सहयोग | अलाना इण्टरनेशनल सर्भिसेज, काठमाडौं |
| सवाधिकार | प्रकाशकमा |
| प्रकाशन वर्ष | २०८० |
| मुद्रक | |

विषय सूची

| क्र.सं. | शिर्षक | पेज नम्बर |
|---------|--|-----------|
| १. | परिच्छेद - एक : परिचय | १२ |
| १.१. | पृष्ठभूमि | १२ |
| १.२. | आवाधिक योजना निर्माणको उद्देश्य | १२ |
| १.३. | आवाधिक योजना निर्माणको कार्यक्षेत्र | १३ |
| १.४. | आवाधिक योजना तर्जुमाका कानुनी तथा नीतिगत आधारहरु | १३ |
| १.५. | आवाधिक योजना तर्जुमाका चरणहरु | १४ |
| १.६. | आवाधिक गाउँ विकास योजनाका सीमाहरु | १५ |
| २. | परिच्छेद - दुई : गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति तथा उपलब्धि समीक्षा | १६ |
| २.१. | भौगोलिक अवस्थिति एवं राजनीतिक विभाजन | १६ |
| २.२. | जनसंख्या, जातजाति र धर्म | १६ |
| २.३. | गरिवीको अवस्था | १७ |
| २.४. | आर्थिक अवस्था | १८ |
| २.५. | सामाजिक अवस्था | १९ |
| २.६. | पूर्वाधारको अवस्था | २१ |
| २.७. | वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन | २२ |
| २.८. | संस्थागत विकास | २२ |
| ३. | परिच्छेद तीन : दीर्घकालीन सोच तथा अवधारणा | २४ |
| ३.१. | पृष्ठभूमि | २४ |
| ३.२. | वस्तुस्थिति विश्लेषण | २४ |
| ३.३. | दीर्घकालीन सोच | २५ |
| ३.४. | निर्देशक सिद्धान्त | २६ |
| ३.५. | समष्टिगत लक्ष्य | २६ |
| ३.६. | विषयक्षेत्रगत उद्देश्य | २६ |
| ३.७. | प्रमुख प्राथमिकता | २७ |
| ३.८. | समष्टिगत रणनीति | २८ |
| ३.९. | परिमाणात्मक लक्ष्य निर्धारण | २८ |
| ३.१०. | गाउँगैरव आयोजना | ३० |
| ३.११. | लगानी तथा श्रोत अनुमान | ३१ |
| ४. | परिच्छेद - चार : आर्थिक विकास | ३३ |
| ४.१. | कृषि तथा पशुपक्षी | ३३ |
| | क) पृष्ठभूमि | ३३ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ३३ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ३४ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ३९ |
| ४.२. | सिंचाइ | ४२ |
| | क) पृष्ठभूमि | ४२ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ४२ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ४२ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ४४ |
| ४.३. | पर्यटन विकास | ४५ |

| | | |
|------|---|----|
| | क) पृष्ठभूमि | ४५ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ४५ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ४६ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ४८ |
| ४.४. | उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय | ४९ |
| | क) पृष्ठभूमि | ४९ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ४९ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ५० |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ५२ |
| ४.५. | वैंक, वित्तीय संस्था तथा सहकारी | ५४ |
| | क) पृष्ठभूमि | ५४ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ५४ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ५५ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ५७ |
| ४.६. | श्रम, रोजगार तथा सुरक्षित आप्रवासन | ५७ |
| | क) पृष्ठभूमि | ५७ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ५८ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ५८ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ६१ |
| ५. | परिच्छेद - पाँच : सामाजिक विकास | ६२ |
| ५.१. | शिक्षा | ६२ |
| | क) पृष्ठभूमि | ६२ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ६२ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ६३ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ६५ |
| ५.२. | आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण | ६८ |
| | क) पृष्ठभूमि | ६८ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ६८ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ६८ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ७२ |
| ५.३. | खानेपानी तथा सरसफाई | ७४ |
| | क) पृष्ठभूमि | ७४ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ७४ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ७५ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ७७ |
| ५.४. | लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण | ७८ |
| | क) पृष्ठभूमि | ७८ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ७९ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ७९ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ८३ |
| ५.५. | कला भाषा साहित्य र सँस्कृति | ८४ |
| | क) पृष्ठभूमि | ८४ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ८४ |

| | | |
|------|---|-----|
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ८५ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ८६ |
| ५.६. | युवा तथा खेलकुद | ८७ |
| | क) पृष्ठभूमि | ८७ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ८७ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ८८ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ८९ |
| ६. | परिच्छेद - छ : पूर्वाधार विकास | ९१ |
| ६.१. | सडक, यातायात तथा पुलपुलेसा | ९१ |
| | क) पृष्ठभूमि | ९१ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ९१ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ९२ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ९४ |
| ६.२. | आवास, वस्तीविकास तथा सार्वजनिक संरचना निर्माण | ९६ |
| | क) पृष्ठभूमि | ९६ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ९६ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ९७ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ९८ |
| ६.३. | विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा | १०० |
| | क) पृष्ठभूमि | १०० |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १०० |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १०० |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १०२ |
| ६.४. | सूचना तथा सञ्चार | १०३ |
| | क) पृष्ठभूमि | १०३ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १०३ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १०४ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १०५ |
| ७. | परिच्छेद सात : वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन | १०७ |
| ७.१. | वन तथा जैविक विविधता | १०७ |
| | क) पृष्ठभूमि | १०७ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १०७ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १०८ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १०९ |
| ७.२. | वातावरण तथा स्वच्छता | ११० |
| | क) पृष्ठभूमि | ११० |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १११ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १११ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ११२ |
| ७.३. | भू तथा जलाधार व्यवस्थापन | ११३ |
| | क) पृष्ठभूमि | ११३ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ११३ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ११४ |

| | | |
|-------|---|-----|
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ११५ |
| ७.४. | विपद व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन | ११६ |
| | क) पृष्ठभूमि | ११६ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | ११६ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | ११७ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | ११९ |
| ८. | परिच्छेद आठ : सुशासन तथा संस्थागत विकास | १२१ |
| ८.१. | सुशासन, ऐन, कानून तथा जवाफदेहिता | १२१ |
| | क) पृष्ठभूमि | १२१ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १२१ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १२१ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १२३ |
| ८.२. | वित्तीय श्रोत परिचालन | १२४ |
| | क) पृष्ठभूमि | १२४ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १२५ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १२५ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १२७ |
| ८.३. | मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास | १२८ |
| | क) पृष्ठभूमि | १२८ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १२८ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १२९ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १३० |
| ८.४. | योजना व्यवस्थापन | १३२ |
| | क) पृष्ठभूमि | १३२ |
| | ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण | १३२ |
| | ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम आयोजना | १३२ |
| | घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष र नतिजा खाका | १३४ |
| ९. | परिच्छेद नौ : वित्तीय व्यवस्था | १३६ |
| ९.१. | पृष्ठभूमि | १३६ |
| ९.२. | वर्तमान अवस्था | १३६ |
| ९.३. | अवसर तथा चुनौतिहरु | १३६ |
| ९.४. | उद्देश्य | १३७ |
| ९.५. | रणनीति | १३७ |
| ९.६. | वजेट व्यवस्था | १३७ |
| १०. | परिच्छेद - दश : कार्यान्वयन योजना | १४१ |
| १०.१. | पृष्ठभूमि | १४१ |
| १०.२. | वर्तमान अवस्था | १४२ |
| १०.३. | सम्भावना तथा चुनौति | १४२ |
| १०.४. | उद्देश्य | १४२ |
| १०.५. | रणनीति | १४२ |
| १०.६. | कायनीति | १४३ |
| १०.७. | सहकार्यका क्षेत्रहरु | १४३ |
| ११. | परिच्छेद एघार : कार्यान्वयन योजना | १४५ |

| | | |
|-------|--|-----|
| ११.१. | पृष्ठभूमि | १४५ |
| ११.२. | वर्तमान अवस्था | १४५ |
| ११.३. | कार्यान्वयन योजना | १४५ |
| ११.४. | मार्गदर्शन तयारी | १४५ |
| ११.५. | कार्यान्वयन विधिको छनौट | १४५ |
| ११.६. | अखिलायारी | १४६ |
| ११.७. | वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजना | १४६ |
| ११.८. | अनुगमनको प्रतिवेदन र समीक्षा | १४६ |
| १२. | परिच्छेद - वाह्न : अनुगमन तथा मूल्यांकन | १४७ |
| १२.१. | पृष्ठभूमि | १४७ |
| १२.२. | वर्तमान अवस्था | १४७ |
| १२.३. | अवसर र चुनौति | १४७ |
| १२.४. | उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम | १४८ |
| १२.५. | अनुगमन तथा मूल्यांकनका लागि जिम्मेवार निकाय | १४८ |
| | अनुसूचीहरू | |
| १ | वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजना | १५९ |
| २ | विषय क्षेत्रगत योजना कार्यान्वयन विवरण फाराम | १६१ |
| ३ | कार्यशाला गोष्ठिका सहभागितहरू | १६२ |
| ४ | नौबहिनी गाउँपालिकाको राजनीतिक नक्सा | १६४ |
| ५ | वडागत आयोजनाहरूको सूची | १६५ |
| ६ | फोटोहरू | |

तालिका/ग्राफचित्र सूचि

| तालिका नम्बर | विवरण | पेज नं. |
|--------------|---|---------|
| १. | राजनीतिक नक्सा | १७ |
| २. | जनसंख्या विवरण | १७ |
| ३. | गरिवीको अवस्था | १८ |
| ४. | शिक्षाको अवस्था | २० |
| ५. | स्वास्थ्यको अवस्था | २१ |
| ६. | खानेपानीको अवस्था | २१ |
| ७. | यातायातको अवस्था | २२ |
| ८. | आवधिक योजनाको समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्य | ३० |
| ९. | गाउँ गौरव आयोजना | ३१ |
| १०. | आय श्रोत अनुमान | ३२ |
| ११. | कृषि विकास : मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना | ३९ |
| १२. | कृषि विकास : नतिजा खाका | ४० |
| १३. | सिंचाइ : मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना | ४५ |
| १४. | सिंचाइ : नतिजा खाका | ४५ |
| १५. | पर्यटन विकास : कार्यक्रम तथा आयोजना | ४८ |
| १६. | पर्यटन विकास : नतिजा खाका | ४९ |
| १७. | उद्योग व्यापार व्यवसाय : कार्यक्रम तथा आयोजना | ५३ |
| १८. | उद्योग व्यापार व्यवसाय : नतिजा खाका | ५४ |
| १९. | वैंक, वित्तीय संस्था तथा सहकारी : कार्यक्रम तथा आयोजना | ५७ |
| २०. | वैंक, वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास : नतिजा खाका | ५८ |
| २१. | श्रम रोजगार तथा सुरक्षित आप्रवासन : कार्यक्रम तथा आयोजना | ६० |
| २२. | श्रम रोजगार तथा सुरक्षित आप्रवासन : नतिजा खाका | ६१ |
| २३. | शिक्षा : कार्यक्रम तथा आयोजना | ६६ |
| २४. | शिक्षा : नतिजा खाका | ६७ |
| २५. | स्वास्थ्य : कार्यक्रम तथा आयोजना | ७२ |
| २६. | स्वास्थ्य : नतिजा खाका | ७३ |
| २७. | खानेपानी तथा सरसफाई : कार्यक्रम तथा आयोजना | ७८ |
| २८. | खानेपानी तथा सरसफाई : नतिजा खाका | ७८ |
| २९. | लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण : कार्यक्रम तथा आयोजना | ८३ |
| ३०. | लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण : नतिजा खाका | ८५ |
| ३१. | कला भाषा संस्कृति : कार्यक्रम तथा आयोजना | ८७ |
| ३२. | कला, भाषा संस्कृति : नतिजा खाका | ८७ |
| ३३. | युवा खेलकुद : कार्यक्रम तथा आयोजना | ९० |
| ३४. | युवा खेलकुद : नतिजा खाका | ९१ |
| ३५. | सडक यातायात : कार्यक्रम तथा आयोजना | ९४ |
| ३६. | सडक यातायात : नतिजा खाका | ९६ |
| ३७. | आवास, वस्ती विकास : कार्यक्रम तथा आयोजना | ९९ |
| ३८. | आवास, वस्ती विकास : नतिजा खाका | १०० |
| ३९. | विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा : कार्यक्रम तथा आयोजना | १०३ |
| ४०. | विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा : नतिजा खाका | १०३ |

| | | |
|-----|--|-----|
| ४१. | सूचना तथा सञ्चार : कार्यक्रम तथा आयोजना | १०६ |
| ४२. | सूचना तथा सञ्चार : नतिजा खाका | १०६ |
| ४३. | वन तथा जैविक विविधता : कार्यक्रम तथा आयोजना | ११० |
| ४४. | वन तथा जैविक विविधता : नतिजा खाका | १११ |
| ४५. | वातावरण तथा स्वच्छता : कार्यक्रम तथा आयोजना | ११३ |
| ४६. | वातावरण तथा स्वच्छता : नतिजा खाका | ११४ |
| ४७. | भू तथा जलाधार व्यवस्थापन : कार्यक्रम तथा आयोजना | ११६ |
| ४८. | भू तथा जलाधार व्यवस्थापन : नतिजा खाका | ११७ |
| ४९. | विपद व्यवस्थापन: कार्यक्रम तथा आयोजना | ११९ |
| ५०. | विपद व्यवस्थापन : नतिजा खाका | १२० |
| ५१. | सुशासन, ऐन कानून तथा जवाफदेहिता : कार्यक्रम तथा आयोजना | १२४ |
| ५२. | सुशासन, ऐन कानून तथा जवाफदेहिता : नतिजा खाका | १२४ |
| ५३. | वित्तीय श्रोत परिचालन : कार्यक्रम तथा आयोजना | १२७ |
| ५४. | वित्तीय श्रोत परिचालन : नतिजा खाका | १२८ |
| ५५. | मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास : कार्यक्रम तथा आयोजना | १३१ |
| ५६. | मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास : नतिजा खाका | १३२ |
| ५७. | योजना व्यवस्थापन : कार्यक्रम तथा आयोजना | १३५ |
| ५८. | योजना व्यवस्थापन : नतिजा खाका | १३६ |
| ५९. | आन्तरिक आय प्रक्षेपण | १३८ |
| ६०. | वाह्य श्रोत प्रक्षेपण | १३९ |
| ६१. | कूल श्रोत प्रक्षेपण | १४० |
| ६२. | विषयक्षेत्रगत वजेट प्रक्षेपण | १४१ |
| ६३. | आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया | १४३ |
| ६४. | सहकार्य हुन सक्ते क्षेत्रहरु | १४४ |
| ६५. | अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया | १५० |

शब्द संक्षेपीकरण

| | | |
|---------|---|-----------------------------------|
| अ.मु. | : | अनुगमन तथा मूल्यांकन |
| अ/गैसस | : | अन्तर्राष्ट्रीय/गैर सरकारी संस्था |
| आ.व. | : | आर्थिक वर्ष |
| आ.वि. | : | आधारभूत विद्यालय |
| मा.वि | : | माध्यमिक विद्यालय |
| उ.स. | : | उपभोक्ता समिति |
| कि.मि. | : | किलोमिटर |
| नपा | : | नगरपालिका |
| गापा | : | गाउँपालिका |
| प्रावि. | : | प्राथमिक विद्यालय |
| मारि. | : | माध्यमिक विद्यालय |
| मे.टन | : | मेट्रिक टन |
| रायोआ | : | राष्ट्रीय योजना आयोग |
| रु. | : | रुपैयाँ |
| लि. | : | लिटर |
| व.नं. | : | वडा नम्बर |
| प्रप्रथ | : | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत |
| स.सं | : | सहकारी संस्था |
| सा.सं | : | सामुदायिक संस्था |
| हे. | : | हेक्टर |

परिच्छेद -एक : परिचय

१.१ पृष्ठभूमि

आर्थिक समानता, समृद्धि, सामाजिक न्याय तथा सहभागितामुलक विकासको जगमा टेकेर समुन्नत समाजको निर्माण गर्ने अभिप्रायबाट निर्देशित वर्तमान संविधानले सार्वजनिक, नीजि र सहकारी क्षेत्रको सहभागिता तथा विकास मार्फत उपलब्ध साधन र स्रोतको अधिकतम परिचालनद्वारा तीव्र आर्थिक बृद्धि हासिल गर्दै दीगो आर्थिक विकास गर्ने तथा प्राप्त लक्ष्यहरुको न्यायोचित वितरण गरी आर्थिक असमानताको अन्त्य गर्दै शोषण रहित समाजको निर्माण गर्न राष्ट्रिय अर्थतन्त्रलाई आत्मनिर्भर, स्वतन्त्र तथा उन्नतशील बनाउदै समाजवाद उन्मुख स्वतन्त्र र समृद्ध अर्थतन्त्रको विकास गर्ने उद्देश्य लिएको छ ।

संविधानतः स्थानीय तहको एकल तथा साभा अधिकार क्षेत्र तथा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ बमोजिको काम कर्तव्य र अधिकारलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्न गाउँपालिकाले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्रका विषयमा स्थानीय स्तरको विकासका लागि आवधिक, वार्षिक, रणनीतिगत, विषय क्षेत्रगत, मध्यमकालीन तथा दीर्घकालीन विकास योजनावार्तालाई लागु गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ । योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रियालाई सहज र स्पष्ट गर्न राष्ट्रिय योजना आयोग तथा प्रदेश योजना आयोगबाट स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शनहरुजारी भएका छन् । सघ, प्रदेशबाट व्यवस्था गरिएका त्यस प्रकारका प्रावधान एवं ऐन तथा कानुनी व्यवस्थाको अधिनमा रही परिभाषित विधि पद्धतिको पूर्ण अवलम्बन गर्दै नौबहिनी गाउँपालिकाले आवधिक योजना (२०८०/८१ - २०८४/८५) तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ । राज्य शक्तिको वाँडफाँड तथा पुर्नसंचरनाको कममा स्थानीय तहको रूपमा स्थापित नौबहिनी गाउँपालिकाले योजनावद्व ढड्गवाट गाउँपालिकाको विकास गर्ने उद्देश्यले पहिलो आवधिक योजना तर्जुमा भएको छ ।

आवधिक गाउँविकास योजना तर्जुमा गर्दा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को भावनालाई सम्बोधन गरिएको छ । यस अनुसार आर्थिक विकास, गरिबी निवारण, रोजगार सिर्जना, आय बृद्धि, दिगो विकास, स्थानीय साधन स्रोत र सीपको अधिकतम उपयोग, छिछै प्रतिफल प्राप्त हुन सक्ने क्षेत्र र कम लागत एवं स्थानीय वासिन्दाहरुको सहभागिता जुट्न सक्ने पक्षहरुलाई प्राथमिकता दिइएको छ । त्यसैगरी नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको दीर्घकालीन सोच, नीति, लक्ष्य, उद्देश्य, समय सीमा र प्रक्रिया एवं दिगो विकास लक्ष्यसँग अनुकूल हुने गरी वातावरण तथा बालमैत्री शासन, सुशासन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, विपद व्यवस्थापन, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण जस्ता अन्तर सम्बन्धित पक्षलाई समेत मनन गरिएको छ । उपरोक्त पक्षहरुलाई आधार मानी नौबहिनी गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, समष्टिगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम, अनुमानित लगानी खाका निर्धारण भएको छ । समावेशी र सहभागितामूलक विधि, प्रक्रियाबाट तयार पारिएको यस आवधिक तथा रणनीतिक योजना मार्गचित्र (Strategic Planning Framework)लाई नौबहिनी गाउँपालिकाको समग्र विकासका लागि महत्वपूर्ण मार्गदर्शक दस्तावेजको रूपमा ग्रहण गरिएको छ । यसै योजना खाका भित्र रही नौबहिनी गाउँपालिकाले मध्यमकालीन खर्च संरचना, वार्षिक नीति, कार्यक्रम एवं बजेट तर्जुमा गरी र सोही अनुसार कार्यान्वयन गर्दै जाने प्रतिवद्धता समेत जाहेर भएको छ ।

१.२ आवधिक योजना निर्माणको उद्देश्य

आवधिक योजना तर्जुमाको मुख्य उद्देश्य नौबहिनी गाउँपालिकाको विकास प्रयास तथा प्रक्रियाहरुलाई मार्गदर्शन गर्न नतिजामा आधारित योजनावद्व विकासको प्रारूप तयार पार्नु रहेको छ । यसका साथै आवधिक योजना तर्जुमाको विशेष उद्देश्य यसप्रकार रहेको छ :

- स्थानीय जनचाहना एवं आवश्यकताका आधारमा राजनीतिक दल, निजीक्षेत्र, सरकारी निकाय एवं गैर सरकारी संघ संस्था लगायत सरोकारवालाहरुको उपस्थितिमा सहभागितामूलक विधिवाट पालिकाको विद्यमान अवस्थाको लेखाजोखा, प्रगति समीक्षा, साधन श्रोतहरुको उपलब्धतालाई मनन गरी सबै पक्षहरुको सहमतिमा आवधिक योजना तर्जुमा गर्नु

- ख) नेपालको संविधान २०७२ को मर्म, भावना, नेपाल सरकार एवं प्रदेश सरकारको दीर्घकालीन सोच, नीति, कार्यक्रम एवं प्राथमिकताहरु, संघ र प्रदेशवाट कार्यान्वयनमा ल्याइएका कानुनी, नेपाल सरकारले राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा जाहेर गरेका प्रतिवद्वाट, दिगो विकास लक्ष्यलाई स्थानीयकरण, नेपाल सरकारवाट समय समयमा जारी गरिएका मार्गदर्शन, एवं निर्देशित सिद्धान्तहरूसंग तादात्म्यता स्थापित गर्दै पालिकाको दीर्घकालीन सोच, नीति एवं कार्यक्रमहरु विकास गर्नु
- ग) साभा लाभका आधारमा अन्तरपालिका समन्वय, सहकार्य एवं साभेदारीमा पालिकासंग उपलब्ध प्राकृतिक लगायतका श्रोतहरुको सुनियोजित, सुव्यवस्थित ढड्गवाट दिगो उपयोगका लागि विकासको खाका तर्जुमा गर्नु
- घ) आवधिक योजनाको आधारमा पालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना, वार्षिक कार्यक्रम तथा वजेट लगायत विषयक्षेत्रगत योजना तर्जुमाका लागि आधार तयार पार्नु।

१.३ आवधिक योजना निर्माणको कार्यक्षेत्र

- क) गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था खासगरी जनसंख्या वितरण, धरातलीय अवस्था, आर्थिक, सामाजिक, भौतिक पूर्वाधार, वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन र सुशासन एवं वित्तिय व्यवस्थाको विश्लेषण गर्दै गाउँपालिकाको सम्भावना तथा अवसरहरुको यकिन गर्ने
- ख) गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच सहित योजनाखाका तयार पार्ने र सोको आधारमा आवधिक लक्ष्य एवं उद्देश्यहरु निर्धारण गर्ने र त्यसका लागि रणनीति, कार्यक्रमहरु तर्जुमा एवं वित्तीय स्रोतहरुको प्रक्षेपण गर्ने
- ग) संघ, प्रदेश र अन्तरपालिका एवं निजी क्षेत्रहरूसंग सहकार्य, साभेदारीका क्षेत्रहरु यकिन गर्ने
- घ) आवधिक योजनाको कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको खाका तयार पार्ने

१.४ आवधिक योजना तर्जुमाका कानुनी तथा नीतिगत आधारहरु

नेपालको संविधान २०७२ अनुसारको मौलिक हक, राज्यका निर्देशक सिद्धान्त तथा नीति, संघीय एवं प्रादेशिक नीति, कानुनी व्यवस्था एवं स्थानीय तहको अधिकारहरुको पृष्ठभूमिमा स्थानीय तहको विकास योजनाको खाका तर्जुमा गर्नु पर्ने व्यवस्था छ। सामाजिक न्याय, ज्येष्ठ नागरिक, दलित, बालबालिका, महिला, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रम, रोजगारी, सूचना, सम्पत्ति, समानताको हकलाई मौलिक हक र कर्तव्यका रूपमा लिएको हुँदा त्यस्ता पक्षहरूलाई पनि आवधिक गाउँ विकास योजना तर्जुमा गर्दा सोही अनुसार सम्बोधन गर्नुपर्ने हुन्छ। नेपाल संविधानको धारा ५७(४) (५) र अनुसूची ८ र ९ मा क्रमशः स्थानीय सरकारको एकल अधिकार र साभा अधिकार सूचीको अधिनमा रही स्थानीय तहले आवधिक, मध्यमकालीन एवं वार्षिक नीति, योजना, वजेट तथा कार्यक्रमहरु तर्जुमा र कार्यान्वयन गर्दा तीनै तहका सरकार वीच सह अस्तित्व, समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने कुरामा जोड दिइएको छ।

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०८४ गाउँपालिकाले योजना बनाउँदा आर्थिक विकास, गरिबी निवारण, उत्पादनमूलक, छिटो प्रतिफल प्राप्त गर्न सकिने, जनताको जीवनस्तर, आम्दानी र रोजगार वढने, स्थानीय सीप, साधन श्रोतको अधिकतम प्रयोग हुने, महिला, बालबालिका तथा पिछडिएका वर्ग, क्षेत्र र समुदायलाई प्रत्यक्ष लाभ पुर्ने, लैङ्गिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण अभिवृद्धि हुने, दिगो विकास, वातावरणीय संरक्षण तथा सम्बद्धनमा सहयोग पुर्ने, भाषिक तथा साँस्कृतिक पक्षको जरोना र सामाजिक सद्भाव तथा एकता अभिवृद्धि हुने पक्षहरूलाई प्राथमिकता दिनुपर्ने कुरामा जोड दिइएको छ।

त्यसैगरी दिगो विकास लक्ष्य, राष्ट्रिय एवं प्रादेशिक र स्थानीय तहको योजनाहरु वीच अन्तरसम्बन्ध स्थापित र तादात्म्यता कायम राख्ने उद्देश्यले स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ ल्याएको छ। यस अनुसारस्थानीय तहले योजना तर्जुमा गर्दा नेपालको संविधान, विद्यमान ऐन, नियम, राष्ट्रिय एवं प्रादेशिक नीति, त्यसको दीर्घकालीन सोच, आवधिक योजना, र मार्ग निर्देशनहरु, दिगो विकास लक्ष्य, स्थानीय तहको प्रमुख समस्या एवं सम्भावनाहरु र राजनीतिक दलका घोषणापत्र र तीनै तहका सरकारहरुको वीच आवधिक लक्ष्य वीच अन्तर सम्बन्ध हुनुपर्ने उल्लेख भएको छ। यसैगरी स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शनमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा, वार्षिक कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा आवधिक योजनाको आधारमा तर्जुमा गर्नुपर्ने पक्ष उल्लेख भएको छ।

आवधिक योजना तर्जुन्नदू तर्गने सन्दर्भमा मुलतः नेपालको संविधान २०७२, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४, अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४, राष्ट्रिय प्राकृतिक श्रोत तथा वित्त आयोग ऐन २०७४, आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन २०७६, दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण, १५औं योजना, लुम्बिनी प्रदेशको आवधिक योजना, नेपाल सरकार एवं प्रदेश सरकारवाट जारी भएका नीति कार्यक्रम, निर्देशिका, मापदण्ड एवं कानुनहरु लगायतका दस्तावेजहरूलाई आधार मानिएको छ ।

१.५ आवधिक योजना तर्जुमाका चरणहरु

नौबहिनी गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमा गर्ने सन्दर्भमा पूरा गरिएका चरणहरु यसप्रकार रहेको छ ।

क) पहिलो चरण : पूर्व तयारी

गाउँपालिकासँग पूर्व तयारी मिटिङ : आवधिक योजना तर्जुमालाई सफलतापूर्वक सम्पन्न गर्ने सन्दर्भमागाउँपालिकासँग विभिन्न चरणमा बैठकहरु आयोजनाहरु गरी आवश्यक निर्णयहरु गरिएको थियो । यस क्रममा आवधिक योजना तर्जुमाका लागि संगठनात्मक संयन्त्र निर्देशक समिति, समन्वय तथा सहजीकरण समिति क्रमशः गाउँपालिका अध्यक्ष र प्रमुख प्रशासकिय अधिकृतको संयोजकत्वमा गठन गरिएको थियो । त्यसैगरी योजना तर्जुमाका लागि तथ्याङ्क तथा सूचनाहरु अद्यावधिक गर्ने कार्य समेत प्रारम्भ गरिएको थियो ।

ख) दोश्रो चरण : प्रारम्भक छलफल तथा अभिमुखीकरण कार्यक्रम

नौबहिनी गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमा गर्ने सन्दर्भमा २०७९ साल चैत्र १४ गते प्रारम्भक छलफल तथा अभिमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न भएको थियो । राजनीतिक दलका प्रतिनिधिलगायतका स्थानीय सरोकारवालाहरुको सहभागिता रहेको सो अभिमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न गरिएको थियो । कार्यक्रममा आवधिक योजना तर्जुमाका लागि गाउँपालिका, परामर्शदाता एवं सरोकारवालाहरुको जिम्मेवारी वाँडफाँड, कार्ययोजना स्वीकृती र योजना तर्जुमा विधि प्रक्रियाका वारेमा छलफल गरिएको थियो ।

ग) तेश्रो चरण : सन्दर्भ सामग्रीहरुको अध्ययन

आवधिक योजना तर्जुमाका लागि नौबहिनी गाउँपालिकासँग सम्बन्धित अभिलेख एवं प्रकाशनहरुको सङ्कलन, अध्ययन एवं विश्लेषण भएको थियो । यसका साथै नेपालको संविधान, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन एवं राष्ट्रिय प्राकृतिक श्रोत तथा वित्त आयोग अन्तर्गतका ऐन, नियम, निर्देशिका एवं मापदण्डहरु सङ्कलन एवं अध्ययन भएको थियो । संघ तथा प्रदेश सरकारको आवधिक एवं वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमहरु, राष्ट्रिय तथा प्रदेशिक योजना आयोगको प्रकाशनहरु र नौबहिनी गाउँपालिकाको विगत वर्षहरुको उपलब्धि, नीति कार्यक्रमहरुको अध्ययन गरिएको थियो ।

घ) चौथो चरण : वडा स्तरीय कार्यशाला गोष्ठि

आवधिक योजना तर्जुमाको सन्दर्भमा नौबहिनी गाउँपालिकाका सबै वडाहरुमा वडास्तरीय कार्यशाला गोष्ठि सञ्चालन भएको थियो । मिति २०७९ चैत्र २४ देखि २०८० वैशाख ३ गते सम्म सञ्चालन भएको थियो । यसैक्रममा वडा नम्वर १ देखि ५ गते सम्म चैत्र २४ गते देखि क्रमशः २८ गते सम्म, वडा नम्वर ७, ८ मा चैत्र २९, ३० गते र वडा नम्वर ६ मा २०८० वैशाख ३ गते वडा स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न भएको थियो । वडा स्तरीय कार्यक्रममा वडा अध्यक्ष लगायत वडा सदस्य, स्थानीय राजनीतिक दल, टोल विकास संस्था, सामुदायिक संघ संस्था, विद्यालय, स्वास्थ्य संस्था, खानेपानी उपभोक्ता, सामुदायिक वन, सहकारी संस्था, महिला तथा वाल सञ्जाल, युवा क्लब, निजी क्षेत्र र स्थानीय पत्रकार समुदायहरुको उपस्थिति रहेकोथियो । कार्यक्रममावडाको वस्तुस्थिति विश्लेषणर आगामी पाँच वर्षहरुका लागि वडा स्तरीय कार्यक्रमहरु तर्जुमा भएको थियो । यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण अनुसूचीमा उल्लेख गरिएको छ ।

ड) पाचौ चरण : आवधिक योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी

नौबहिनी गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमाका लागि मिति २०८० जेष्ठ ७-१० गते सम्म ३ दिने कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गरिएको थियो । पालिका स्तरीय सरोकारवालाहरुको सहभागितामा सञ्चालन भएको कार्यशाला गोष्ठीमा गाउँपालिका पदाधिकारी तथा सदस्यहरु, राजनीतिक दलका प्रतिनिधि, गैरसरकारी संघ संस्थाहरु लगायत स्थानीय पत्रकार लगायतका प्रतिनिधिहरुको उपस्थिति रहेको थियो । कार्यक्रमको अन्त्यमा राजनीति दलका प्रतिनिधिहरुको उपस्थितिमाविभिन्न व्यक्तित्ववाट आगामी वर्षहरुमा आवधिक योजनालाई कार्यान्वयन गर्दै लैजाने

प्रतिवद्धता जाहेर भएको थियो । त्यसैगरी कार्यशाला गोष्ठीवाट गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, विषयक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्यहरु, रणनीति एवं कार्यकमहरु तर्जुमा भएको थियो ।

च) छैटौ चरण : मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी

आवधिक योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी, राष्ट्रिय एवं प्रादेशिक नीति कार्यकम एवं नेपालको संविधान, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन लगायत सन्दर्भ सामाग्रीहरुको आधारमा नौबहिनी गाउँपालिकाको आवधिक गाउँ विकास योजनाको मस्यौदा प्रतिवेदन तयार पारिएको थियो । यस कममा स्थानीय तहको एकल एवं साभा अधिकार क्षेत्रका सबै विषय तथा उपक्षेत्रहरुका विषयमा प्राप्त सुभाब तथा प्रतिक्रियाहरुलाई तर्कपूर्ण एवं वस्तुनिष्ठ ढड्गवाट प्रस्तुत गरी आवधिक योजनाको मस्यौदा दस्तावेज तयार भएको थियो ।

छ) सातौ चरण : प्रतिवेदन प्रमाणीकरण कार्यक्रम

सहभागितामूलक कार्यशाला गोष्ठीको निष्कर्ष, विषय विज्ञहरुसंगको परामर्श तथा छलफलको कममा प्राप्त सुभाबहरुको आधारमा तयार भएको आवधिक गाउँविकास योजनाको मस्यौदा दस्तावेज गाउँकार्यपालिका समक्ष प्रस्तुत गरी थप राय सुभाब तथा पृष्ठपोषण सङ्कलन गरिएको थियो ।

ज) आठौ चरण : अन्तिम दस्तावेज स्वीकृति र प्रकाशन

आवधिक योजना विभिन्न कार्यकमबाट प्राप्त सुभाब तथा पृष्ठपोषणहरुलाई समावेश गरी तयार पारिएको नौबहिनी गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच सहितको गाउँ विकास योजना दस्तावेजलाई गाउँसभाबाट स्वीकृत गरिएको थियो ।

झ) नवौ चरण : योजना कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्यांकन

स्वीकृत आवधिक गाउँ विकास योजनालाई कार्यान्वयनमा ल्याइएको छ । कार्यान्वयनका कममा योजनाको अनुगमन तथा मूल्यांकनका लागि गाउँपालिकाले एक संयन्त्र निर्माण गरी सोहीवाट योजनाको अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने र आवधिक योजनाको अन्तिम अवधिमा प्रभाव मूल्यांकन गर्ने प्रतिवद्धता समेत गाउँपालिकावाट भएको छ ।

१.६ आवधिक गाउँ विकासयोजनाकासीमाहरु

यस आवधिक गाउँ विकास योजना तर्जुमाका सीमाहरु निम्न अनुसार रहेका छन् :

- क) नेपालको संविधान २०७२ र स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले व्यवस्था गरेको अधिकार क्षेत्रभित्र रही स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ ले निर्दिष्ट गरेको ढाँचामा पालिकाको आवधिक योजना तर्जुमा गरिएको छ ।
- ख) गाउँपालिकाले उपलब्ध गराएको तथ्याङ्क तथा सूचनालाई मुख्य आधार बनाइ आवधिक योजना तर्जुमा गरिएको छ । त्यसैगरी गाउँपालिकावाट विभिन्न समयका प्रकाशनलाई समेत सूचनाको श्रोतका रूपमा ग्रहण गरिएको छ । पालिका स्तरमा उपलब्ध हुन नसकेका सूचना तथा तथ्याङ्कहरु लुम्विनी प्रदेशको प्रथम आवधिक योजना (२०७६/७७- २०८०/८१) र १५ औं राष्ट्रिय योजना (२०७६/७७ - २०८०/८१) लाई आधार मानिएको छ ।
- ग) सहभागितामूलक विधिवाट गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विश्लेषण भएको र सोका आधारमा पालिकाको विषयक्षेत्रगत उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति एवं कार्यकमहरु तर्जुमा गरिएको छ । कार्यकमहरु तर्जुमा गर्दा राष्ट्रिय एवं प्रादेशिक नीति कार्यकम, प्राथमिकता र आवश्यकतालाई मध्यनजर गरिएको छ । त्यसैगरी वित्तीय प्रक्षेपण पालिकाले चालु आर्थिक वर्षमा अनुमान गरिएको आन्तरिक आय र वात्य श्रोतलाई आधार मानिएको छ ।
- घ) आवधिकगाउँ विकास योजना राजनीतिक प्रक्रियावाट तर्जुमा गरिएको छ । यो रणनीतिक मार्गदर्शक योजनाको खाका भएकोले गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, आवधिक लक्ष्य, विषयक्षेत्रगत उद्देश्य, रणनीति, प्रमुख कार्यकम तहसम्म मात्र केन्द्रीत छ ।

परिच्छेद-दुई :

गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति तथा उपलब्धि समीक्षा

२.१ भौगोलिक अवस्थिति एवं राजनीतिक विभाजन

नेपालको मान चित्रमा नौवहिनी गाउँपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति २८००९'००" देखि २८०२१'००" उत्तरी अक्षांश देखि र ८२०४९'३०" देखि ८३०१'००" पूर्वी देशान्तरसम्म फैलिएको छ। प्यूठान जिल्लामा अवस्थित २१३.४१ वर्ग कि.मि. क्षेत्रफल रहेको यस नौवहिनी गाउँपालिका समुद्र सतहबाट न्यूनतम ८७४ मिटरदेखि अधिकतम ३६०६ मिटरसम्मको उचाइमा रहेको छ। २१३.४१ वर्ग.कि.मी. क्षेत्रफल रहेको यस गाउँपालिकाको पूर्वमा गौमुखी र भिमरुक गाउँपालिका, पश्चिममा रोल्पा जिल्ला, उत्तरमा रोल्पा र बागलुङ जिल्ला र दक्षिणमा प्यूठान नगरपालिका र भिमरुक गाउँपालिका पर्दछन्।

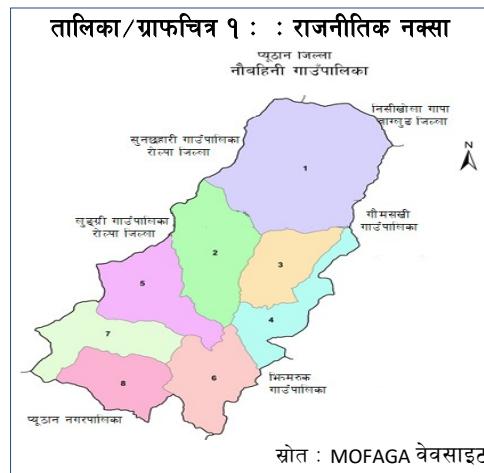
पालिकाको भूउपयोगको विश्लेषण अनुसार पालिकासंग खेतीयोग्य भूमि ६४०५ हे. (३०.०१ प्रतिशत) रहेको पाइन्छ। त्यसैगरी वनजंगलको क्षेत्र १२०४९ हे. (५६.४६ प्रतिशत) रहेको छ भने जलाशय क्षेत्र ४१ हे. (०.१९ प्रतिशत), चरन क्षेत्र १५४९ (७.२६ प्रतिशत), वालुवा क्षेत्र २२३ हे. (१.०४ प्रतिशत) र भाडी बुट्यान क्षेत्र १०७३ हे. (५.०३ प्रतिशत) रहेको पाइन्छ।

२.२ जनसंख्या, जातजाति र धर्म

१ जनसांख्यिक अवस्था :

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार गाउँपालिकाको कूल जनसंख्या ३२६८२ रहेको छ। यसमा महिलाको जनसंख्या १७६४९ र पुरुषको जनसंख्या १५०३३रहेको छ। महिलाको तुलनामा पुरुषको जनसंख्या करीब १४.८२ प्रतिशतले न्यून देखिन्छ। यसअघि राष्ट्रिय जनगणना २०६८ अनुसार यस पालिकाको कूल जनसंख्या ३०२९२ रहेको थियो। १० वर्षको अन्तरालमा पालिकाको जनसंख्या करीब ०.७३ प्रतिशतले बढेको पाइन्छ।

वडागत रूपमा सबैभन्दा वढी जनसंख्या भएको वडाहरूमा वडा नम्वर ५पर्दछ। कूल जनसंख्याको करीब १६.१५ प्रतिशत जनसंख्या अर्थात ५२७८ जनाको वसोवास यसै वडामा रहेको पाइन्छ। यसैगरी कूल जनसंख्याको करीब १५.७६ प्रतिशत जनसंख्या वडा नम्वर ६ मा रहेको पाइन्छ भने वडा नम्वर ८मा ४७७३ जना अर्थात कूल संख्याको करीब १४.६० प्रतिशत जनसंख्या यसै वडामा रहेको छ। सबैभन्दा न्यून जनसंख्या रहेको वडाहरूमा वडा नम्वर ३रहेको पाइन्छ। कूल संख्यामा करीब ९.५५ प्रतिशत अर्थात ३१२१ जनसंख्या यस वडामा रहेको पाइन्छ भने यसपश्चात वडा नम्वर ७ मा करीब १०.५८ प्रतिशत अर्थात ३४५९ जनसंख्याको वसोवास रहेको पाइन्छ। वडा नम्वर १ र २ मा कमशः ३७०० र



| वडा नम्वर | घरधुरी संख्या | जनसंख्या | | | क्षेत्रफल |
|-----------|---------------|----------|-------|-------|-----------|
| | | जम्मा | पुरुष | महिला | |
| १ | ७३३ | ३७०० | १७११ | १९८९ | ६१.६२ |
| २ | ७६७ | ४००५ | १८६१ | २१४४ | २९.८५ |
| ३ | ६३९ | ३१२१ | १४२७ | १६९४ | २३.५ |
| ४ | ७१२ | ३१९६ | १४३८ | १७५८ | १२.३३ |
| ५ | ११३४ | ५२७८ | २४४८ | २८३० | २५.०९ |
| ६ | १२६५ | ५१५० | २३९१ | २७५९ | २२.१३ |
| ७ | ७४५ | ३४५९ | १६१९ | १८४० | २०.५९ |
| ८ | ११३८ | ४७७३ | २१३८ | २६३५ | १८.३१ |
| २०७८ | ७१३३ | ३२६८२ | १५०३३ | १७६४९ | २१३.४१ |
| २०६८ | ५८०९ | ३०२९२ | १३६२० | १६६७२ | |

श्रोत : राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

४००५ अर्थात् ११.३२ र १२.२५ प्रतिशत कमशः रहेको पाइन्छ। यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख गरिएको छ।

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को गणनालाई आधार मानी उमेर समुह वमोजिम खासगरी तीन भिन्न वर्गमा विभाजन गरी ग्राफचित्रमा प्रस्तुत गरिएको छ। यस अनुसार १४ वर्ष सम्मको एक समुह, १५ देखि ६४ वर्ष सम्मको अर्को समुह र सो भन्दा माथिका लागि अर्को समुहमा विभाजन गरी हेर्दा कूल संख्याको करीब ५७.७१ प्रतिशत जनसंख्याको हिस्सा दोश्रो समुहमा रहेको देखिन्छ। उमेर समुह अनुसार ६५ वर्ष माथिका जनसंख्या न्यून करीब ६.६७ प्रतिशत रहेका देखिन्छ भने १४ वर्ष सम्मका जनसंख्या करीब ३५.६२ प्रतिशत रहेको देखिन्छ।

► घरधुरी :

वि.सं. २०७८को जनगणना अनुसार गाउँपालिकामा ७१३३ घरधुरी छन्। वि.सं. २०६८ को जनगणना अनुसार घरधुरी संख्या ५८०९२हेको थियो। १० वर्षको अन्तरालमा गाउँपालिकामा घरधुरी संख्यामा परिवर्तन आएको पाइन्छ। यस अन्तरालमा कूल २२.७९ प्रतिशतले वि.सं. २०६८ को तुलनामा बढेको पाइन्छ।

► जातजाति र धर्म :

नौवहिनी गाउँपालिकामा विविध जातजातिहरूको वसोवास रहेको पाइन्छ। पालिका क्षेत्रभित्र मुख्यगरी क्षेत्री, गमर, ब्राह्मण, विश्वकर्मा, सन्यासी, परियार, र ठकुरी हुन्। यसका साथै मुस्लिम, गुरुड, मिजार, तेली, सुनुवार, थकाली लगायतका जातजातिहरूको उपस्थिति ज्यादै न्यून रहेको पाइन्छ।

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसारस्वैभन्दा बढी मगर जातिको वाहुल्य अधिक रहेको देखिन्छ। त्यसपछिको वाहुल्यता क्षेत्री जातिको पाइन्छ। उपरोक्त जातिहरूको संख्या कूल जनसंख्यामा कमशः ४४.८० र २०.३६ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। विश्वकर्मा जातिको उपस्थिति यस गाउँपालिकामा त्यसपछिको बढी रहेको देखिन्छ। कूल जनसंख्यामा यसको हिस्सा करीब १८.०३ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसरी मगर, क्षेत्री र विश्वकर्मागरी इजातिहरूको हिस्सा कूल जनसंख्याको करीब ८३.१९ प्रतिशत रहेकोले यिनै जातिहरूको वाहुल्यता यस गाउँपालिका रहेको देखिन्छ। यसपछिका जातजातिहरूमा ब्राह्मण, परियार, ठकुरी, सन्यासी, भुजेल देखि वाहेक अन्य जातजातिहरूको उपस्थित एक प्रतिशत भन्दा पनि न्यून पाइन्छ।

धार्मिक आस्था अनुसार गाउँपालिका क्षेत्रभित्र हिन्दु, बौद्ध, इस्लाम, र किंश्चयन गरी ४ प्रकारका धर्मालम्बीहरूको वसोवास रहेको पाइन्छ। संख्यात्मक हिसावमा पालिका क्षेत्रमा अधिकांश हिन्दु धर्ममा आस्था राखेहरूको वाहुल्यता अधिक देखिन्छ।

२.३ गरिवी अवस्था

► मानव विकास सूचकाङ्क :

मानव विकास सूचकाङ्क प्रतिवेदन, २०२० अनुसार नेपालको मानव विकास सूचकाङ्क ०.५८७ रहेको पाइन्छ। यसमा लुम्बिनी प्रदेशको औषत मानव विकास सूचकाङ्क ०.५६३ रहेको छ। प्रदेशको औषत भन्दा नौवहिनी गाउँपालिकाको अवस्था तुलनात्मक रूपमा सुदृढ भएको हुन सक्ने अनुमान भएतापनि पालिका स्तरीय अभिलेखीकरण गर्ने संयन्त्र नहुँदा प्रदेशको औषत सूचकाङ्कलाई आधार मानिएको छ। यसअनुसार नौवहिनी गाउँपालिका मानव

विकास सूचकाङ्क ०.५६३ रहेका मान्न सकिन्छ। जुन तुलनात्मक रूपमा वारमती, गण्डकी र कोशी प्रदेशको भन्दा

| तालिका/ग्राफचित्र : ३ गरिवी दर : उपलब्धिको अवस्था | | | | |
|--|---------------------------------|--------|-------------------|--------------|
| क्र. सं | विवरण | नेपाल* | लुम्बिनी प्रदेश** | नौवहिनी गापा |
| १ | मानव विकास सूचकाङ्क | ०.५८७ | ०.५६३ | ०.५६३ |
| २ | लैंगिक विकास सूचकाङ्क | ०.८८८ | ०.९०१ | ०.९०१ |
| ३ | वहुआयामिक गरिवी दर प्रतिशत | २८.६ | २९.९ | |
| ४ | निरपेक्ष गरिवी दर प्रतिशत | १८.७ | २४.५ | १५ |
| ५ | प्रतिव्यक्ति आय(PPP)अमेरिकी डलर | १०४७ | ९५० | १००० |

श्रोत :

* नेपालको मानव विकास प्रतिवेदन, २०२०

** लुम्बिनी प्रदेश आवाधिक योजना (२०७६/७७-२०८०/८१)

न्यून हो । त्यसैगरी लैङ्गिक विकास सूचकांक तर्फ देशको औषत सूचकांक ०.८८६ रहेको छ । यसमा लुम्बिनी प्रदेशको औषत सूचकांक ०.९०१ रहेको देखिन्छ । नौवहिनी गाउँपालिकाको सन्दर्भमा लैङ्गिक विकास सूचकांक पनि ०.९०१ हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ । वहुआयामिक गरिवीको दर नेपालको २८.६ प्रतिशत रहेको र लुम्बिनी प्रदेशको २९.९ प्रतिशत रहेको मानव विकास सूचकांक प्रतिवेदन २०२० मा उल्लेख छ । यस अनुसार नौवहिनी गाउँपालिकाको पनि करीब २९.९ प्रतिशत हुन सक्ने अनुमान भएपनि सो वारे यकिन तथ्यांक उपलब्ध हुन सकेन भने निरपेक्ष गरिवीको दर करीब १८.७ प्रतिशत रहे पनि यसपालिकाको दर १५ प्रतिशत रहेको छ । प्रतिवर्ति आय नौवहिनी गाउँपालिकाको अमेरिकी डलरमा १०००रहेको अनुमान गरिन्छ । देशको औषत आय करीब १०४७ र लुम्बिनी प्रदेशको ८०३ अमेरिक डलर (पिपिपि) रहेको पाइन्छ ।

► सुकुम्वासी :

नौवहिनी गाउँपालिकामा सुकुम्वासीको तथ्यांक यकिन हुन सकेको देखिदैन । गाउँपालिकावाट घरधुरी सर्वेक्षण एवं अभिलेख पनि अद्यावधिक नभइरहेको सन्दर्भमा भूमिहीन नागरिकहरुको वसोवास कर्ति संख्यामा रहेको छ, सो वारे यकिन गर्न सकिदैन । तापनि केही संख्यामा भूमिहीन नागरिकहरु ज्यादै न्यून संख्यामा रहेको अनुमान गर्न सकिन्छ ।

२.४ आर्थिक अवस्था

► कृषि, पशुपक्षी तथा माछापालन :

गाउँपालिकाको प्रमुख खाद्यान्नमा धान, मकै, गहुँ र कोदो हुन् । तुलनात्मक रूपमा पालिका क्षेत्रभित्र धान खेतीकै व्यापकता पाइन्छ यस पश्चात मकै, गहुँ र कोदोको उत्पादन बढी हुँदै आएको छ । पालिका क्षेत्रभित्र कूल खाद्यान्न खेती करीब ५० हेक्टर भूमिमा हुने गरेको छ । पालिकामा उपलब्ध अभिलेख अनुसार करीब १० हेक्टर भूमिमा उच्च स्तरको नगदे तथा वेमौसमी तरकारी खेती हुने गरेको पाइन्छ भने आलु खेती करीब २० हेक्टर भूमिमा, १२ हेक्टर भूमिका मसलाजन्य उत्पादनहरु र ८ हेक्टर भूमिका फलफुल उत्पादन हुने गरेको देखिन्छ ।

त्यसैगरी पशुपक्षीमा आवद्ध घरधुरीको संख्या ४१८ रहेको अभिलेख पालिकामा पाइन्छ । पशुपक्षीको वीमा गरिएको पशुपक्षीको संख्या २५० रहेको छ भने सक्रिय पशुपक्षीको समुह १८ वटा रहेको छ । पशुको चरनका लागि पालिका क्षेत्रभित्र करीब ७.५ हेक्टर भूमि उपलब्ध छ ।

उपरोक्त पक्षहरुका अलवा खासगरी कृषि पूर्वाधारमा शीतभण्डार, रष्ट्रिक स्टोर, प्रशोधन केन्द्र, खाद्य गोदाम, दुध चिस्यान केन्द्र, हाटवजार, पशुआहार, कृषि प्राविधिक शिक्षालय लगायतका पूर्वाधारहरुको अभाव देखिन्छ भने कृषि तथा पशुपक्षीहरुको वजार विकास र प्रवर्द्धनका लागि पालिकावाट अरु थुप्रै प्रयासहरु गर्नुपर्ने जरुरी देखिन्छ । पशुपक्षीको औषधी, परजिवी नियन्त्रण, व्यवसायिक खेतीका लागि माटो परीक्षण, वन्यजन्तुवाट वालीनालीमा हुँदै आएको आक्रमण, रसायनिक मलको व्यवस्थापन लगायत पक्षहरुको व्यवस्था अझै प्रभावकारी हुन सकेको छैन ।

► सिंचाइ सेवा :

गाउँपालिकामा उपलब्ध तथ्यांक अनुसार करीब ३ प्रतिशत खेतीयोग्य भूमिमा सिंचाइ उपलब्ध छ । वाँकी ९७ प्रतिशत भूमि आकाशेपानीमा निर्भर रहेको पाइन्छ । यसरी उपलब्ध सिंचाइको श्रोत भनेको खोला मुहानहरु नै हुन् । सिंचाइका लागि विभिन्न खण्ड गरी करीब ४६.७ किमि लामो कुलो निर्माण भएको छ । यसमध्ये करीब ४५ वटा कुलोहरु नियमित मर्मत सम्भार हुँदै आएको छ । सिंचाइका आधुनिक प्रविधिहरु लिफ्ट प्रविधि प्रयोगमा आउन सकेको छैन भने आकाशो पानी सङ्कलन, प्लाष्टिक पोखरीहरु पालिका क्षेत्रभित्र करीब २६ वटा छन् ।

► आयात निर्यातको अवस्था :

पालिकामा वाहिरी क्षेत्रहरुवाट खाद्यान्न, लत्ताकपडा लगायत दैनिक उपभोग्य उत्पादनहरु वजार क्षेत्रहरुवाट आयात हुँदै आएको पाइन्छ । कृषि उपजहरु गाउँपालिका क्षेत्रभित्र उत्पादन गर्ने र आत्मनिर्भरका प्रयासहरु भएपनि पर्याप्त हुन सकेको छैन र नपुग खाद्यान्न वाह्य क्षेत्रवाट आयात हुँदै आएको छ । गाउँपालिकावाट खासगरी तरकारी, फलफुल, दुध जस्ता उपजहरु र कुखुराका अण्डा स्थानीय स्तरमा उत्पादन हुँदै आएको र वचत परिमाण नजिकका वजार क्षेत्रहरुमा विक्री वितरण हुने गरेको पाइन्छ ।

► वैदेशिक रोजगारी :

गाउँपालिकाका वेरोजगार युवाहरुका लागि वैदेशिक रोजगारीता एक आकर्षक गन्तव्य रूपमा विकसित हुँदै आएको छ। पालिका क्षेत्रवाट अहिले सम्म ठूलो जना युवाहरु वैदेशिक रोजगारीमा गएको अभिलेख पाइन्छ। गन्तव्य राष्ट्रहरुमा खासगरी मलेसिया, साउदी अबर, कतार, युएई, कुवेत, बहराइन, ओमन, जापान, कोरिया, अमेरिका र भारत रहेका छन्। वैदेशिक रोजगारीवाटवार्षिक रु.३०० करोड रेमिट्यान्स प्राप्त भएको अनुमान गरिन्छ। सो मध्ये आय क्षेत्रमा उपयोग गर्ने घरधुरी संख्या करीब ०.२५ प्रतिशत रहेको पाइन्छ भने करीब ४० जना युवाहरु वैदेशिक रोजगारीवाट फर्की उच्चोग व्यवसायमा आवद्ध हुन थालेको पाइन्छ।

► पर्यटन :

पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि प्राकृतिक हिसाववाट पालिकाको लिस्ने पहाड, तीनचुलेलेक, जहाधुरी र कोठेभीर यसका प्रमुख क्षेत्रहरु हुन् भने मल्लरानी गुफा, भोकर गडेभीर गुफाहरु यसका अर्को आकर्षक क्षेत्रहरु हुन्। त्यसैगरी धार्मिक हिसाववाट नौबहिनी मन्दिर, इश्नाथानकोट, शिवालय, भुलेनी मन्दिर लगायतका मठमन्दिरहरु पनि पर्यटन प्रवर्द्धनका सम्भावनाहरु हुन्। खासगरी प्राकृतिक र साहसिक पर्यटनका लागि वहाने-स्याउलीवाड-ढोरपाटन पदमार्ग एक प्रमुख र आकर्षक क्षेत्रहरु हुन्। त्यसैगरी पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि खासगरी मगर संस्कृति, रीतिरिवाज यस क्षेत्रको प्रमुख आकर्षकहरु हुन्। यिनीहरुको आफ्नै संस्कार, संस्कृति, परम्परा, रीतिरिवाज, नाचगान एवं भेषभूषा पाइन्छ। यिनै पक्षलाई मध्यनजर राख्दै होमस्टे सञ्चालन हुन सकेमा स्थानीय स्तरमा रोजगारी सिर्जना हुन सक्ने देखिन्छ।

► उच्चोग व्यापार व्यवसाय :

सन २०१८ मा भएको एक आर्थिक सर्वेक्षण अनुसार नौबहिनी गाउँपालिका क्षेत्रभित्र १७३८ उच्चोग व्यवसायहरु सञ्चालनमा रहेको देखिन्छ। यस अनुसार कृषि, वन तथा माछा व्यवसायसंग सम्बन्धित ३३७ वटा, उत्पादनसंग सम्बन्धित ७९ वटा, खानी, विजुली, ग्राहांस, पानी तथा निर्माणसंग सम्बन्धित २३ वटा, थोक तथा खुद्रा व्यवसायहरु ५९७ वटा, यातायात, गोदाम, सूचना तथा संचारसंग सम्बन्धित ११ वटा, होटेल रेष्टरेण्टसंग सम्बन्धित ९५ वटा, वित्तीय, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवासंग सम्बन्धित व्यवसायहरु कमशः २८, ४०९, ८६४ वटा र घरजग्गा कोरोवार, परामर्शसेवा, मनोरञ्जन, कला एवं प्रशासनिक कार्य आदिसंग सम्बन्धित ९५ वटा उच्चोग व्यवसायहरु पालिका क्षेत्रभित्र कियाशील रहेको देखिन्छ।

२.५ सामाजिक अवस्था

► शिक्षा :

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार समग्रमा गाउँपालिकाको साक्षरता दर ७४.१४ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसमा पुरुष साक्षरता दर ८२.४० प्रतिशत र महिला साक्षरता दर करीब ६७.२९ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। यसरी महिलाको तुलनामा पुरुषको साक्षरता अधिक देखिन्छ। आधारभूत तहको खुद भर्नादर ८२ प्रतिशत रहेको पाइन्छ। उमेर समुह अनुसारका वालवालिकाहरु विद्यालय वाहिर अझै पनि करीब १५ प्रतिशत रहेको अनुमान गर्न सकिन्छ। पालिकाको पार्श्वचित्र २०७४ अनुसार पालिका क्षेत्रभित्र कूल ३९ वटा सामुदायिक विद्यालयहरु सञ्चालनमा रहेको पाइन्छ भने संस्थागत विद्यालयहरुको संख्या ३ वटा मात्रै रहेको छ। यस अनुसार प्रा.वि.को संख्या २४ वटा, नि.मा.वि. को संख्या ६ वटा, माविको संख्या ९ वटा रहेको देखिन्छ। त्यसैगरी विद्यालयमा शिक्षकको संख्या ६० जना स्थायी र १०३ जना अस्थायी शिक्षक रहको अभिलेख पार्श्वचित्र, २०७४ मा उल्लेख भएको पाइन्छ।

► स्वास्थ्य :

गाउँपालिका पार्श्वचित्र, २०७४ अनुसार पालिका क्षेत्रभित्र ६ वटा स्वास्थ्य चौकी सञ्चालनमा छन्। त्यस्ता स्वास्थ्य चौकीहरु वडा नम्वर १ को स्याउलीवाड, वडा नम्वर २ को लिघा, वडा नम्वर ३ को खवाड, वडा नम्वर ५ को डाम्री,

तालिका/ग्राफचित्र : ४
शिक्षा क्षेत्रको अवस्था तथा उपलब्धि

| विवरण | अवस्था |
|---|--------|
| साक्षरता दर(प्रतिशतमा) | ७४.१४ |
| निरक्षरता दर(प्रतिशतमा) | २५.८६ |
| आधारभूत तह खुदभर्नादर (प्रतिशतमा) | ८२ |
| माध्यामिक तह खुद भर्नादर (प्रतिशतमा) | ६५ |
| विद्यालय छाइने दर (आधारभूत तहमा) (प्रतिशतमा) | ३५ |
| विद्यार्थी उत्तिर्ण दर (आधारभूत तह) (प्रतिशतमा) | ८२ |

स्रोत : पालिका अभिलेख, २०७९

बडा नम्वर ६ को लुड र बडा नम्वर ८ को फोप्लीमा कियाशील रहेको पाइन्छ भने बडा नम्वर ४ र ७ मा स्वास्थ्य चौकी सञ्चालनमा रहेको पाइदैन । बडा नम्वर ६ को लुडमा आयुर्वेद औषधालय समेत रहेको पाइन्छ । त्यसैगरी २२ बटा गाउँघर क्लिनिक, २७ बटा खोप क्लिनिकहरु कियाशील छन् । सबै स्वास्थ्य संस्थाहरुमा आधारभूत भौतिक पूर्वाधारहरु पुगेको अभिलेख पालिकामा रहेको र सबै स्वास्थ्य संस्थावाट प्रसुति सेवा उपलब्ध हुँदै आएको पाइन्छ ।

उपरोक्त पक्षहरुको अलवा स्वास्थ्य संस्थाहरु प्रभावकारी सञ्चालनका लागि आवश्यक भवनको अभाव, एम्बुलेन्स सेवामा सबैको पहुँच नभएको, न्यून भोल्टेजको विद्युत सेवा, शुद्ध खानेपानी, विरामीका लागि अलगै शौचालय, अपर्याप्त जनशक्ति र दक्ष एवं तालिमको अभाव जस्ता समस्याहरु देखिएका छन् ।

त्यसैगरी नजिकको स्वास्थ्य संस्थामा पुन अझैपनि औषत समय करीव ४५ मिनेट लाग्दै आएको छ । वालवालिकामा कुपोषण खासगरी उमेर अनुसार कम तौल अझै शुन्य संख्यामा आउन सकिरहेको छैन । भाडापखला, स्वासप्रस्वास जस्ता सङ्कामण रोगहरुवाट स्थानीयहरु प्रभावित हुँदै आएका छन् । यसतर्फ स्वास्थ्य सचेतनाको आवश्यकता रहेको महसुस हुन्छ । मातृमृत्य, नवजात तथा शिशुको मृत्यु ५ वर्ष मुनीका वालवालिका मृत्युमा उल्लेखनीय प्रगतिको खाँचो देखिन्छ । क्यान्सर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुटु, क्षयरोग जस्ता रोगहरुको निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भने पालिकावाट हुँदै आएको पाइन्छ । आयुर्वेदिक अस्पताल तथा योग, ध्यान तथा वैकल्पिक प्राकृतिक चिकित्सा उपचार पद्धति खासगरी कियाशील रहेको पाइन्छ र सामुदायिक संस्थाहरुको सहभागितामा आरोग्य केन्द्र, योगकेन्द्रहरुसञ्चालनमा रहेको रहेका छन् ।

► खानेपानी तथा सरसफाई :

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ अनुसार कूल घरधुरी ७१.३३ मध्ये करीव ४७.२८ प्रतिशत अर्थात ३३७५ घरधुरीमा पाइपलाइनको निजीधारा जडान भएको पाइन्छ । यस अनुसार अझैपनि करीव ५२.७२ प्रतिशत घरधुरीमा खानेपानीको निजीधारा उपलब्ध हुन वाँकी रहेको देखिन्छ । त्यसैगरी सार्वजनिक धारावाट खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी संख्या ३४०१ अर्थात करीव ४७.६७ प्रतिशत र खुरक्षित कुवावाट खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी संख्या ८ रहेको छ । यसरी सुरक्षित खानेपानी उपभोग गर्ने कूल घरधुरीमा करीव ९५.१० प्रतिशत रहेको देखिन्छ भने असुरक्षित खुल्ला कुवा, ढुङ्गेधारा एवं नदीखोलावाट खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी संख्या करीव ४.९ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । यस मध्ये कुवा, ढुङ्गेधारा एवं नदीखोलावाट खानेपानी उपभोग गर्दै आएको देखिन्छ ।

त्यसैगरी शौचालय तर्फ राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार करीव ९६.५० प्रतिशत घरधुरीमा शौचालयको सुविधा उपलब्ध भएको देखिन्छ । यस अन्तर्गत ढल सहित सुविधा भएको, सेफिट्ट्याइडकी र खाल्डे शौचालयहरु पर्दछन् । करीव ७.२१ प्रतिशत घरधुरीमा ढल सहितको शौचालय रहेको र अधिकांश घरधुरीमा सेफिट्ट्याइडकी भएको शौचालय

तालिका/ग्राफचित्र : ५ स्वास्थ्य क्षेत्रको अवस्था तथा उपलब्धि

| विवरण | अवस्था |
|--|--------|
| ► नवजात शिशुमृत्यु दर (प्रति १ हजार जीवित जम्ममा) | ५ |
| ► ५ वर्ष मुनीका वालवालिका हरुको मृत्युदर (प्रति १ हजार जीवित जन्ममा) | ९ |
| ► पूर्ण रूपमा सबै प्रकारका खोप लगाउने वालवालिका प्रतिशत | ८७ |
| ► स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुती गराउने गर्भावती (जना) | ३९० |
| ► ३० मिनेटको दुरीमा स्वास्थ्य संस्थामा पहुँच भएको घरधुरी प्रतिशत | ३० |
| ► औषत आयु वर्ष (जन्म हुँदाको) | ६८ |
| स्रोत : पालिका अभिलेख, २०७९ | |
| *लुमिनी प्रदेश आवाधिक योजना (०७५/७६-०८०/८१) | |

तालिका/ग्राफचित्र : ६

खानेपानी तथा सरसफाई क्षेत्रको अवस्था तथा उपलब्धि

| विवरण | संख्या |
|--|--------|
| पाइपलाइनको निजीधारा भएको घरधुरी | ३३७५ |
| पाइपलाइनको सार्वजनिक धारा घरधुरी | ३४०१ |
| सुरक्षित कुवा इनारावाट खानेपानी उपभोग गर्ने | ८ |
| असुरक्षित खानेपानी (खुल्ला कुवा, ढुङ्गेधारा, खोला) वाट | ३४९ |
| खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी | ५१५ |
| ढल सुविधा सहितको शौचालय भएको घरधुरी | ५८७८ |
| सेफिट्ट्याइडी सहितको शौचालय भएको घरधुरी | ४९१ |
| खाल्डे शौचालय भएको घरधुरी | २४ |
| सार्वजनिक शौचालय | २२५ |
| शौचालय नभएका घरधुरी | २२५ |
| स्रोत : राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ | |

प्रतिशत रहेको देखिन्छ । यस मध्ये कुवा, ढुङ्गेधारा एवं नदीखोलावाट खानेपानी उपभोग गर्दै आएको देखिन्छ ।

रहेको पाइन्छ । पालिका क्षेत्रभित्र विभिन्न स्थानहरुमा गरी जम्मा १४ वटा सार्वजनिक शौचालय रहेको पाइन्छ । करीव ३.१५ प्रतिशत घरधुरीमा अझैपनि शौचालयको सुविधा उपलब्ध हुन सकेको पाइदैन ।

► लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण :

गाउँसभामा महिला प्रतिनिधिहरुको उपस्थिति रहेको पाइन्छ । कार्यपालिका अन्तर्गत बनेका समिति तथा उपसमितिहरुमा महिलाहरुको प्रतिनिधित्व हुँदै आएको पाइन्छ । पालिका क्षेत्रभित्र सबै बडाहरुमा आमा र महिला समूहहरु क्रियाशील छन् । तर पालिकामा अन्तरपार्टी महिला सञ्चालस्थापित हुन् सकेको छैन । आमा समूह, महिला सञ्चाल एवं महिलाद्वारा सञ्चालित सहकारी संस्थाहरुकियाशील छन् । पालिका क्षेत्रका महिलाहरु कृषि, पशुपालकी, स्वास्थ्य, इन्जिनियरिङ जस्ता प्राविधिक क्षेत्रमा कार्यरत छन् । यसका साथै कृषक समूह, वन समूह, सहकारी, टोलसुधार समिति, खानेपानी उपभोक्त समितिहरु पनि महिलाहरुको उपस्थिति रहदै आएको छ । त्यसैगरी महिला सशक्तीकरणका लागि उद्यम सञ्चालन कार्यक्रम र सीप अभिवृद्धि तालिम कार्यक्रमहरु पनि सञ्चालन भइरहेको पाइन्छ । वालवालिकाको वालसञ्चाल, वालक्लव, वडास्तरीय वाल संरक्षण समिति, स्वास्थ्य चौकी एवं विद्यालय व्यवस्थापन समितिमा वाल प्रतिनिधित्व हुँदै आएको छ, भने वालमैत्री पालिका घोषणा समेत गरिएको छ ।

२.६ पूर्वाधारको अवस्था

► सडक तथा यातायात :

गाउँपालिकामा उपलब्ध अभिलेख अनुसार पालिका क्षेत्रभित्र कूल सडकको लम्बाई करीव ३७८ किमी रहेको पाइन्छ । अन्तरपालिका जोड्ने सडकको संख्या ८ वटा रहेको पाइन्छ, भने प्रदेश एवं जिल्लालाई जाइने सडकको संख्या ४ वटा रहेको छ । त्यसैगरी कृषि उपजहरुको दुवानीका लागि पालिका भित्र विभिन्न स्थानहरुमा कृषि सडकहरु समेत निर्माण भएको पाइन्छ । नियमित रूपमा वाहै महिना सञ्चालन रहने सडकको संख्या १ वटा रहेको छ । एक अभिलेख अनुसार सडक यातायातमा पहुँच रहेको घरधुरी संख्या करीव ६७.१२ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

तापनि वाहै महिना नियमित रूपमा सञ्चालनमा आउने सडकको संख्या न्यून पाइन्छ, र सडक गुरुयोजना तर्जुमा हुन सकिरहेको छैन । पालिका क्षेत्रभित्रका ऐतिहासिक, पर्यटकीय स्थलहरु सम्म पुग्न सडक यातायात सेवाको उपलब्धता त्यति सहज छैन ।

► वस्ती विकास तथा शहरीकरण

पालिकावाट प्राप्त सूचना अनुसार वजार क्षेत्रमा वसोवास गर्ने जनसंख्या करीव ८.२५ प्रतिशत रहेको पाइन्छ, र सुविधा सम्पन्न वजार क्षेत्र पालिका क्षेत्रभित्र एक ठाउँमा मात्र रहेको देखिन्छ । महिलामैत्री, वालमैत्री एवै अपाइगतमैत्री संरचनाहरुको संख्या पालिका क्षेत्रभित्र ४१ वटा रहेको छ, भने भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका सार्वजनिक भवनहरुको संख्या ३९ वटा र निजी तर्फ करीव ०.६२५ प्रतिशत भवनहरु निर्माण भइसकेको पाइन्छ । त्यसैगरी पालिका क्षेत्रभित्र करीव १८ वटा वस्तीहरु अझैपनि जोखिमयुक्त छन् भने १३ वटा आवास क्षेत्रका वस्तीहरुलाई सुरक्षित गरिएको छ ।

► विद्युत, वैकल्पिक ऊर्जा तथा इन्धन :

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार गाउँपालिका क्षेत्रभित्र करीव ८०.९५ प्रतिशत घरधुरीमा विद्युत सेवा उपलब्ध हुँदै आएको पाइन्छ । विद्युत सेवा राष्ट्रिय विद्युत प्रशारण लाइन मार्फत उपलब्ध हुँदै आएको हो । गाउँपालिका क्षेत्रभित्र साना तथा लघु जलविद्युत उत्पादनको सम्भावना देखिन्छ । वैकल्पिक ऊर्जाहरुमा सौर्य ऊर्जा र मट्टितेल प्रयोगमा रहेको पाइन्छ भने वायोग्यांसको प्रयोगकर्ता पालिका क्षेत्रभित्र रहेको देखिदैन । त्यसैगरी पालिका क्षेत्रभित्रका सडक किनाराहरुमा सौर्य वत्तिहरुको जडान पनि पाइदैन ।

| तालिका/ग्राफिचित्र : ७ | | | |
|--|--|---------|--------|
| यातायात पूर्वाधारको आवस्था तथा उपलब्धि | | | |
| क्र.सं | विवरण | एकाई | लम्बाई |
| १ | पिच सडक | कि.मि. | ०.५०० |
| २ | ग्रामेल सडक | कि.मि. | ६.८ |
| ३ | धुले सडक | कि.मि. | ३७१ |
| ४ | सडकले नजोडिएका वस्ती | संख्या | १६ |
| ५ | ३० मिनेट सम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको घरपरिवार | प्रतिशत | ६७.१२ |
| ६ | पक्की पिच सडक सम्म पुग्नलाग्ने समय (अधिकतम) | घण्टा | १.३ |

स्रोत : पालिका अभिलेख, २०७८

► सञ्चार :

अधिकांश स्थानीयहरुसंग मोबाइल फोन रहेको छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार करीव ७९.१३ प्रतिशत घरधुरीमा सामान्य स्तरको र ६८.०२ प्रतिशत घरधुरीमा स्मार्ट मोबाइल फोन पुगेको पाइन्छ। त्यसैगरी इण्टरनेट सेवा पुगेको घरधुरी करीव १३.३२ प्रतिशत रहेको देखिन्छ।

२.७ वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

► वन तथा जैविक विविधता :

गाउँपालिकामा उपलब्ध तथ्याङ्क अनुसारकूल क्षेत्रको करीव ५६.४६ वर्ग किमिभूमिमा वन क्षेत्र फैलिएको छ। वन क्षेत्रको संरक्षणका लागि सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति लगायतले महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दै आएका छन्। पालिका क्षेत्रभित्र करीव ५६८९ हेक्टर भूमि सामुदायिक वन क्षेत्रले ओगटेको छ।

► जैविक विविधता :

गाउँपालिका जैविक विविधतामा भरिपूर्ण रहेको पाइन्छ। पालिका क्षेत्रभित्र विभिन्न किसिमका जडीबुटीहरु, रुखविरुवा, चराचुङ्गी, घरपालुवा जनावर एवं वन्यजन्तुहरु पाइन्छ। रैथाने प्रजातिका विरुवामा धुपी, कटुस, साल, चिलाउने, खयर, काफल, सल्लो, सिमल, अमला, चौतारो, मायुरो आदि पाइन्छ भने जडीबुटीहरुमा तितेपाती, असुरो, हर्रो, वर्रो, केतुकी, बेसार, अदुवा, तेजपता, अल्लो, अमला, टिमुर, चौतारो, पाङ्गो, पानीअमला, पाखनबेद, वनकुरिलो, वयर, सिस्नु, र पाइन्छ भने वन्य जनावरहरुमा मुख्यगरी चितुवा, स्याल, दुम्सी, बाँदर, खरायो पाइन्छ भने पशुपक्षीहरुमा कौवा, कोइली, ढुकुर, कालिज, तित्रा, जुरेलो, भारीकोटा, वकुला, भंगेरा, मलेवा, वनकुखुरा आदि पाइन्छ।

► विपद व्यवस्थापन

गाउँपालिकामा क्षेत्रभित्र सार्वजनिक भवन तथा संरचनाहरु भूकम्प प्रतिरोधात्मक निर्माण हुँदै आएको पाइन्छ। आपतकालीन अवस्थामा आश्रय लिनपालिका क्षेत्रभित्र विभिन्न ४० स्थानहरु व्यवस्था गरिएको छ भने आपतकालीन उद्धार कार्यका लागि संघ संस्थाहरु कियाशील रहेका छन्। आपतकालीन उद्धारका लागि पालिकावाट ऐम्बुलेन्स सेवा उपलब्ध गराएको छ भने विपद व्यवस्थापनकोष स्थापना गरी सोही अनुसार सहयोग प्रदान गर्दै आएको छ।

२.८ संस्थागत विकास

गाउँ कार्यपालिकामा कूल ७७ जना कर्मचारीहरु कार्यरत छन्। प्राविधिक तर्फका ५७ जना छन्। पालिका मुख्य कार्यालयमा प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत लगायत शाखागत प्रमुखहरु अधिकृत स्तरका कर्मचारीहरु पनि कार्यरत भएको पाइन्छ। गाउँकार्यपालिका अन्तर्गत प्रशासन, लेखा, योजना तथा अनुगमन, पूर्वाधार विकास तथा वातावरण व्यवस्थापन, शिक्षा, युवा तथा खेलकुद, आलेप, आयुर्वेद औषधालय शाखाहरु गरी २३ वटा शाखा, उपशाखा, इकाइहरु कियाशील छन्। कार्यविवरण दिई कार्यसम्पादन गर्ने कर्मचारीको संख्या ११ जना छन्।

संगठनात्मक संरचना तर्फ गाउँपालिकामा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ अनुसारका समितिहरु विधायन समिति, स्रोत अनुमान तथा वजेट सीमा निर्धारण समिति, राजस्व परामर्श समिति, वजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति, अनुगमन समिति, न्यायिक समिति र विषयक्षेत्रगत समितिहरुमा पूर्वाधार विकास समिति, आर्थिक विकास समिति, सामाजिक विकास समिति, वन वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन समिति र सार्वजनिक सेवा तथा क्षमता विकास समितिहरु गठन गरिएको छ। त्यसैगरी आयोजनाहरुको दिगोपनाका लागि मर्मत सम्भार विशेष कोष सञ्चालन समिति समेत गठन भएको छ। गाउँसभा अन्तर्गतका समितिहरुमा खासगरी लेखा समिति र सुशासन समिति गठन अझै वाँकी रहेको देखिन्छ।

► वित्तीय स्रोत परिचालन :

गाउँपालिकाको वजेट किताब २०७९ अनुसार पालिकाको आर्थिक वर्ष २०७९/८०का लागि रु.६७ करोड ९७ लाख ४९, हजारको वजेट वजेट विनियोजन भएको देखिन्छ। सोमा आन्तरिक तर्फ रु.६० लाख प्राप्त हुने अनुमान गरिएको

थियो भने वाँकी ६७ करोड ३७ लाख वाट्य श्रोतहरु राजस्व वाँडफाँड, संघ र प्रदेशको अनुदानवाट प्राप्त हुने अपेक्षा राखिएको थियो ।

आर्थिक वर्ष २०८०/८१ का लागि गाउँपालिकाले रु.६५ करोड ८२ लाख ८६ हजार प्राप्त हुन सक्ने गरी अनुमान गरिएको छ । यस अन्तर्गत राजस्व वाँडफाँडवाट रु.११ करोड ६८ लाख प्राप्त हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ । त्यसैगरी संघवटा वित्तीय समानीकरण तर्फ रु.१० करोड १९ लाख, सशर्त अनुदान रु.२३ करोड ५६ लाख, विशेष र सम्पूरक अनुदान मार्फत कमशः रु.६५ लाख र ५० लाख प्राप्त हुने गरी कूल रु.४६ करोड १४ लाख अनुदान वापत प्राप्त हुन सक्ने गरी वजेट विनियोजन भएको छ । प्रदेशवाट आर्थिक वर्ष २०८०/८१ का लागि कूल रु.२ करोड ७७ लाख प्राप्त हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

परिच्छेद - तीनः दीर्घकालीन सोच तथा अवधारणा

३.१ पृष्ठभूमि :

नौवहिनी गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य एवं रणनीतिहरु निर्धारण गर्दा निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरु, क्रियाशील राजनीतिक दलका प्रतिनिधिहरु, निजी क्षेत्र, पालिकाका सरोकारवाला निकाय तथा संघसंस्था, सामुदायिक संस्था, नागरिक समाज, गैसस, स्थानीय पत्राकार लगायतका प्रतिनिधिहरुको बृहत उपस्थिति एवं सहभागितामा व्यापक छलफल एवं अन्तरक्रियावाट समष्टिगत पक्षहरु भल्किने गरी निर्धारण गरिएको छ। यसरी निर्धारण गरिएका दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य एवं रणनीतिहरु निम्न अनुसार उल्लेख गरिएको छ।

३.२ वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ कृपक प्रोत्साहित तथा आकर्षण प्याकेज नहुनु
- ▶ नियमित सिंचाइ सेवाको अभाव तथा वैकल्पिक सिंचाइ प्रविधिहरु प्रयोगमा ल्याउन नसक्नु
- ▶ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योग व्यवसायको विकास, प्रवर्द्धन एवं वजारीकरणमा न्यून प्राथमिकता र उपलब्ध जडीवुटीहरुको व्यवसायीकरण एवं दिगो उपयोग हुन नसक्नु
- ▶ शिक्षामा गुणस्तरीय सुधार तथा शैक्षिक उपलब्धिमा वृद्धि ल्याउन नसक्नु
- ▶ गुणस्तरीय एवं आपतकालीन स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच अभिवृद्धि ल्याउन कठिन
- ▶ सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरु अपाङ्गतामैत्री, वालमैत्री, महिलामैत्री एवं वातावरणमैत्रीको अभाव
- ▶ भौतिक पूर्वाधारका सेवा सुविधाहरुको उपलब्धतामा पहुँच एवं सहजतामा कमि
- ▶ पानी मुहान, ताल पोखरीहरुको दिगो संरक्षण गर्नु र गल्ढी पहिरो, आगलागी जस्ता प्रकोपहरु न्यूनीकरण गर्नु
- ▶ सेवा प्रवाहमा प्रभावकारी, पारदर्शिता र जवाफदेहिता कायम नहुनु र सेवाग्राहीको सन्तुष्टिदर वढन नसक्नु
- ▶ पारिस्पारिक लाभ तथा दीर्घकालीन प्रभाव पार्ने आयोजनाहरु सञ्चालनमा सीमाना जोडिएका, नजिकका पालिकाहरुसंग न्यून सहकार्य, साझेदारी तथा समन्वय

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ गरिवी न्यूनीकरण गर्नु
- ▶ युवा वेरोजगार घटाउनु
- ▶ कृषि जैविक विविधता तथा रैथाने प्रजातिहरुको संरक्षण गर्नु
- ▶ खाद्यपदार्थ लगायतका उत्पादनहरुको आयातमा न्यूनीकरण गर्नु
- ▶ निर्वाहमुखी कृषिलाई आधुनिकीकरण तथा व्यवसायीकरण गर्नु
- ▶ युवा वर्गको वैदेशिक रोजगारीतर्फको मोह तथा त्यसतर्फको पलायनलाई कम गर्नु
- ▶ विप्रेषणलाई आयमुलक क्षेत्रमा परिचालन गर्नु
- ▶ वाह्य क्षेत्रमा हुदै आएको वसाइ सराइलाई न्यूनीकरण गर्नु
- ▶ सामाजिक सञ्जालहरुवाट हुदै आएको साइवर अपराध एवं युवा वर्गमा लागु औषध दुर्व्यसनको नियन्त्रण गर्नु
- ▶ वातावरणीय, जैविक विविधता तथा पारिस्थितिकी प्रणाली सन्तुलन ल्याउनु
- ▶ प्राकृतिक प्रकोप एवं जलवायु परिवर्तनवाट हुदै आएको खेतीपाली तथा धनजनको क्षति न्यूनीकरण गर्नु
- ▶ अति संवेदनशील तथा जोखिम क्षेत्रवाट वस्ती स्थानान्तरण गर्नु
- ▶ मानव र वन्यजन्तु वीचको द्वन्द्व न्यूनीकरण तथा हिंसात्मक वन्यजन्तु नियन्त्रण गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

प्राकृतिक सौन्दर्यता एवं जैविक विविधता नै नौबहिनी गाउँपालिकाको एक पहिचान हो । समुन्द्र सतह देखि करीव द७४ देखि ३६०६ मिटरको उचाइमा अवस्थित यस भूमिमासमशितोष्ण हावापानीको सम्मिश्रण पाइन्छ । मानव वस्ती, कृषि र पशुपंक्षीपालनका लागि अत्यान्तै उर्वर क्षेत्र मानिएको यस क्षेत्रमा वन सम्पदाहरु यथेष्ट मात्रामा उपलब्ध हुँदै आएको छ । तेजपात, गुर्जिगानो, वादलपाते, पाखनवेद, कनकुरिलो, सितलचिनी, वेलौरी, टिमुर, हरोवरो, टाप्रेभार, चौतारो, दुधेभार लगायत मध्यपहाडी क्षेत्रमा पाइने महत्वपूर्ण जडीबुटीहरु यस क्षेत्रमा परिपूर्ण छ । करीव २१३.४१ वर्ग किमि भूमिमा फैलिएको वन क्षेत्र ठूलो सम्भावना वोकेको पाइन्छ । यिनैमा आधारित भई वर्गदै आएका साना ठूलो खोलाहरुले सतह सिंचाइ, वालीनाली एवं पर्यावरण सन्तुलनमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दै आएको पाइन्छ ।

नौबहिनी गाउँपालिका आफैमा धार्मिक एवं प्राकृतिक सम्पदाको रूपमा पर्यावाची वन्दै आएको छ । पालिकाको नामाकरणले पनि यसै पक्षलाई उजागार गर्दछ । गाउँपालिकाको विभिन्न क्षेत्रमा अवस्थित मठमन्दिर, शिवालयहरुमा हुँदै आएको पूजापाठ तथा मेलापर्वहरु पनि यो क्षेत्र एक धार्मिक एवं पवित्र भूमिको रूपमा परिभाषित हुन्छ ।

क्षेत्री, मगर, र विश्वकर्मा जातजातिहरुको साभा वसोवास यस गाउँपालिकामा रहेको पाइन्छ । आपसी मेलमिलाप, सदभाव, धार्मिक सहिष्णुता यस पालिकाको प्रमुख विशेषतामा पर्दछ । एकअर्काको चाडपर्व, संस्कृति, रीतिथिति, भेषभुषाहरुको आदर सत्कार र आपसी हातेमालोको अभ्यास यस पालिका क्षेत्रमा नमुना उदाहरण प्रसस्तै पाइन्छ । मुलतः मगर जातिहरुको संस्कृति नै यस क्षेत्रका मुख्य पहिचान हो ।

- ▶ मध्यपहाडी भूमिका अवस्थिति उपयुक्त हावापानी
- ▶ कृषि एवं पशुपंक्षीपालनका लागि उपयुक्त क्षेत्र
- ▶ नगदे वाली, तरकारी एवं फलफुलका अति उपयोगी भूमि र व्यवसायिक खेतीको अभ्यास
- ▶ आर्थिक रूपमा सक्रिय जनसंख्या अधिक
- ▶ कृषिमा आवद्ध जनसंख्या
- ▶ सामाजिक, जातीय सदभाव, धार्मिक सहिष्णुता कायम
- ▶ धार्मिक एवं पर्यटकीयस्थलहरु
- ▶ मसलाजन्य उत्पादनहरुको निकासी
- ▶ फलफुलहरुको व्यवसायिक खेतीका लागि कृषकहरुलाई अनुदान, प्रोत्साहन
- ▶ कृषि पूर्वाधारहरुमा कृषिसङ्कलन केन्द्र र कुलो निर्माण भएको
- ▶ स्थानीय कच्चा पदार्थ, सीपशैलीमा आधारित लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरु सञ्चालनमा
- ▶ विद्यालयहरुमा आधारभूत भौतिक पूर्वाधारहरुको व्यवस्था, आइसिटि जडान, स्थानीय पाठ्याकम एवं प्रयोगशालाको व्यवस्था भएको
- ▶ पालिकाको निर्णय तहमा महिला, दलित वर्गको उपस्थिति, अपाङ्गता लगायत लक्षित वर्गको सशक्तीकरणका लागि सीप विकास तालिम प्रदान भएको
- ▶ अधिकांश वस्ती तथा घरपरिवारहरुको सडकमा पहुँच वृद्धि, कच्ची तथा ग्रामेल सडक निर्माण तथा स्तरोन्नति भएको
- ▶ एम्बुलेन्स, आपतकालीन उद्धार सामागीहरु, स्वयंसेवक एवं खुल्ला संरक्षित क्षेत्रहरुको व्यवस्था भएको
- ▶ सामाजिक जवाफदेहिका औजारहरुको प्रयोग भएको, नागरिक सहायता केन्द्र क्रियाशील रहेको,
- ▶ आन्तरिक आय वृद्धि भएको, वेरुनु फछ्योट दर वढादो,
- ▶ पालिकाका सेवा प्रवाहहरु डिजिटल प्रविधिसंग जोडिदै

३. दीर्घकालीन सोच

नेपाल सरकारले लिएको दीर्घकालीन सोच “समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली” र लुम्बिनी प्रदेश सरकारले लिएको दीर्घकालीन सोच “समृद्ध लुम्बिनी : आत्मनिर्भर प्रदेश” रहेको छ । सधीय सरकार र प्रदेश सरकारले लिएको दीर्घकालीन सोच तथा त्यसको मर्मलाई आत्मसाथ गर्दै गाउँपालिकाले आफ्नो भौगोलिक अवस्थिति, आर्थिक एवं

सामाजिक अवस्था, साँस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक श्रोत तथा सम्पदाहरु लगायत स्थानीयहरुको आशा अपेक्षालाई सम्बोधन हुने गरी दीर्घकालीन सोच निर्धारण भएको छ । यसरी पालिकाको दीर्घकालीन सोच निर्धारण गर्दा छिमेकी पालिकाहरुले निर्धारण गरेका दूरदृष्टिलाई समेत मनन गरिएको छ । आगामी २५ वर्ष भित्रको अवधिमा हासिल हुन सक्ने गरी निर्धारण भएको दीर्घकालीन सोच तयार पार्दा पूरै सहभागितामूलक विधिवाट सहभागिहरु सबैको आ-आफ्ना सपनाहरु सझकलन गर्दै समुहमा र समुहका सपनालाई पुनः एक प्रतिनिधिमूलक समुहमा राखी अन्तत एक साभा सोच तयार पारिएको छ । यस अनुसार गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच यसप्रकार रहेको छ ।

“सभ्य, समृद्ध र सुखी नौबहिनी”

३.४ निर्देशक सिद्धान्त

उपरोक्त दीर्घकालीन सोचलाई आगामी २५ वर्षभित्र पूरा गर्न गाउँपालिकाले देहाय वमोजिमको निर्देशक सिद्धान्त तथा मार्गदर्शन सिद्धान्तको रूपमा अंगिकार गरेको छ ।

- क) सन्तुलित एवं योजनावद्व विकास
- ख) दिगो विकास
- ग) समन्वय, सहकार्य र साभेदारी
- घ) पारदर्शि, जवाफदेही र सुशासन प्रवर्द्धन
- ड) सामाजिक न्याय, समावेशीकरण एवं समतामूलक समाज
- च) स्थानीय स्रोत परिचालन, व्यवसायिक उत्पादन र आर्थिक विकास
- छ) वातावरणमैत्री, दिगो, सुरक्षित पूर्वाधार निर्माण
- ज) पर्यावरण संरक्षण र सम्बद्धन

३.५ समष्टिगत लक्ष्य

गाउँपालिकाको प्रथम आवधिकगाउँ विकास योजनाका लागि देहाय वमोजिम समष्टिगत लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ :

कृषिमा व्यवसायीकरण, रैथाने कृषि वालीको संरक्षण, प्रवर्द्धन र वजारीकरण, पर्यटनको प्रवर्द्धन, स्थानीय श्रोत साधनमा आधारित उद्योगहरुको प्रवर्द्धन गरी रोजगारी सिर्जना, गुणस्तरीय एवं प्रविधि सहितको प्राविधिक शिक्षा, गुणस्तरीय र सर्वसुलभ स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद सेवा, स्वच्छ एवं सुरक्षित खानेपानीमा सहज पहुँच वृद्धि, सामाजिक न्याय, संरक्षण सहितको समतामूलक समाज निर्माण, लैङ्गिकमैत्री एवं पर्यावरणमैत्री दिगो पूर्वाधार, भू तथा जैविक विविधताको संरक्षण, दिगो वन व्यवस्थापन, प्रविधिमैत्री सेवाप्रवाह एवं सुशासन प्रवर्द्धन गर्दै अन्तरपालिका सहकार्यवाट समृद्धिको आधार तयार भएको हुने ।

३.६ विषय क्षेत्रगत वृहत उद्देश्य

गाउँपालिकाले समष्टिगत लक्ष्य प्राप्तिका लागि देहाय वमोजिम विषयक्षेत्रगत वृहत उद्देश्य निर्धारण गरिएको छ ।

- क) आर्थिक विकास :
 - स्थानीय अर्थतन्त्रमा गतिशीलता ल्याई रोजगारी एवं आय आर्जनवाट आमनागरिकको आर्थिक स्थितिमा सुधार ल्याउनु
- ख) सामाजिक विकास :
 - सामाजिक सेवा सुविधाहरुमा सबै वर्ग समुदायको पहुँच अभिवृद्धि गर्दै समन्यायिक समाजको निर्माण गर्नु
- ग) पूर्वाधार विकास :

पूर्वाधारहरुको विकास र विस्तार गरी आधारभूत सेवा सुविधाको पहुँचमा अभिवृद्धि गर्दै आमनागरिकहरुको जन जीवनमा सहजता त्याउनु

घ) वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन :

विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जैविक विविधता एवं प्राकृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण, सम्बर्द्धन गर्दै दिगो उपयोग गर्नु

ड) सुशासन तथा संस्थागत विकास :

संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्दै सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी, पारदर्शी, र सुशासनको प्रत्याभूति गराउनु।

३.७ प्रमुख प्राथमिकता

गाउँपालिकाले अगिकार गरेको दीर्घकालीन सोच, आवधिक नगरविकास योजनाले निर्धारण गरेको लक्ष्य र वृहत तथा क्षेत्रगत उद्देश्य हासिल गर्न देहाय अनुसारका विषयक्षेत्रलाई विशेष प्राथमिकता दिइने छ।

क) कृषि :

भौगोलिक वनावट र हावापानीका आधारमायस गाउँपालिका कृषिका लागि एक उपयुक्त भूमिका रूपमा लिन सकिन्छ। माटोको उर्वरता र मनसुनी वर्षाले यसै पक्षलाई पूष्टि गर्दछ। विद्यमान अवस्थामा स्थानीयहरुको पेशागत आवद्धतावाट उपरोक्त पक्षलाई सिद्ध गर्दछ। तापनि पालिका क्षेत्रभित्र उत्पादित खाद्यान्न वालीले स्थानीय मागलाई सम्बोधन गर्न सकिरहेको छैन। सिंचाइका अभावका कारण सबै खेतीयोग्य भूमिहरुमा खेतीपाती हुन सकिरहेको छैन। आकाशेपानीमा निर्भर कृषि प्रणालीलाई आधुनिकीकरण एवं व्यवसायीकरण गर्नु आफैमा चैनौतिपूर्ण देखिन्छ। पशुपालनतर्फ स्थानीय कम भैसीपालन, वाखा तथा खसीवोका गाईपालन व्यवसायिक रूपमा हुँदै आएको छ। ठूलो परिमाणमा दुध उत्पादन भएपनि वजार पहुँचको अभावका कारण कृषकले अपेक्षित लाभ हासिल गर्न सकिरहेका छैनन।

उपरोक्त पक्षहरुलाई मध्य नजर राख्दै कृषिमा व्यवसायिकीकरणको सम्भावना, रोजगारीता शूजना, र आयआर्जनको बलियो श्रोतको रूपमा विकास हुने सक्ने भएकोले गाउँपालिकाको समग्र आर्थिक विकासको लागि पहिलो प्राथमिकता क्षेत्रको रूपमा परिभाषित गरिएको छ।

ख) पर्यटन :

खासगरी मगर समुदायको आवद्धता पर्यटन क्षेत्रमा उल्लेख्यनीय रूपमा रहदै आएको छ। मगर सांस्कृति, रितिरिवाज, रहनसहन, भेषभुषामा आधारित साँस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धनवाट स्थानीय समुदायको आर्थिक र सामाजिक समृद्धिमा ठूलो सहयोग पुग्ने देखिन्छ। धार्मिक एवं ऐतिहासिक पर्यटकीय हिसावले महत्वपूर्ण स्थानहरुहेका छन् जसको प्रवर्द्धनवाट पर्यटनमा आधारित उद्योग व्यवसाय सञ्चालनवाट रोजगारीको सिर्जना भई आर्थिक एवं सामाजिक समृद्धिमा र साँस्कृतिक परिचानमात्राले खेतीयोग्य सहयोग पुर्दै आएको र थप अरु पुग्ने सम्भावना रहेकोले यस पर्यटन क्षेत्रलाई दोश्रो प्राथमिकतामा राखिएको छ।

ग) शिक्षा :

गाउँपालिकामा ठूलो संख्यामा निरक्षर जनसंख्या रहेको पाइन्छ। उमेर समूह अनुसार पनि विद्यालय वाहिर रहेका वालवालिकाहरुको संख्यामा शुन्यता आउन सकेको छैन। विद्यालयको सिकाइ उपलब्ध एवं विद्यालय छाडनेमा शुन्यता आउन सकिरहेको छैन। गुणस्तरीय शिक्षाका लागि पालिकावाट अन्यत्र वसाइसराइ हुँदै आएको र शिक्षा नै विकासको एक अनिवार्य शर्त दक्ष, सीपमुलक र व्यवसायिक जनशक्ति विकास हुने भएकाले पनि शिक्षाका विशेष प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा राखिएको छ।

घ) स्वास्थ्य :

अधिकांश स्थानीयहरुलाई स्वास्थ्य सेवामा सहज र सुलभ पहुँच पुग्न सकेको छैन । ३० मिनेटको पैदल दुरीमा स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हुने क्षेत्रहरु सीमित छन्। विरामी हुँदा पहिले स्वास्थ्य संस्थाहरुमा जाने, प्रसुती सेवा र स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुती गराउने अभ्यासमा सुधार कमिक रूपमा आउन थालेको पाइन्छ । तापनि महामारी, आपतकालीन सङ्क्रमण रोगहरुलाई समयमै नियन्त्रण गर्न सक्ने क्षमताको विकास पालिकामा अझै हुन सकिरहेको छैन । निर्धारित उमेर अनुसार तौलको कमि र कुपोषणवाट बालबालिकाहरु प्रभावित हुदै आएको सन्दर्भमा पालिकाले स्वास्थ्य क्षेत्रमा नीतिगत सुधार सहित पूर्वाधार र जनशक्तिको क्षमता विकासमा लगानी वृद्धि गर्नुपर्ने आवश्यकतालाई ध्यानमा राखी स्वास्थ्य क्षेत्रलाई प्राथमिकता क्षेत्रको रूपमा परिभाषित गरिएको छ ।

ड) उद्योग :

आर्थिक सर्वेक्षण, २०१८ अनुसार पालिका क्षेत्रभित्र १७३८ वटा उद्योग, व्यापार व्यवसायहरु सञ्चालनमा रहेको देखिन्छ । यस अन्तर्गत कृषि, वन तथा माछापालनसंग सम्बन्धित ३३७, उत्पादनमूलकसंग सम्बन्धित ७९, होटेल रेस्टरेष्टसंग सम्बन्धित ५९७ वटा पर्दछन् । यसैगरी वित्तीय, शैक्षिक, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रसंग सम्बन्धित व्यवसायहरुको संख्या पनि अधिक नै देखिन्छ । खासगरी, स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित, कृषि एवं जडीबुटीमा आधारित उद्योग व्यवसायहरुको सम्भावना यस क्षेत्रमा अधिक देखिन्छ । वुटवल, भैरहवा, तौलिहवा क्षेत्र कमिक रूपमा शहरीकरण हुदै गएको सन्दर्भमा तिनैलाई मुख्य आधारमानी तिनीहरुको मागलाई सम्बोधन हुने गरी कृषि उपजहरुमा आधारित कृषिजन्य उद्योग व्यवसायको सम्भावना प्रवल देखिन्छ । यसवाट स्थानीय स्तरमा ठूलो सख्यामा स्व/रोजगार शृद्ध तगनदर्ड सकिने छ ।

च) पर्यावरण :

गाउँपालिकाको कूल भूमिको वन जड्गलले करीव ५६.४५ प्रतिशत ढाकेको छ । यसवाट जैविक विविधताको संरक्षणमा ठूलो सहयोग पुगेको छ । वन क्षेत्रको संरक्षणका लागि पालिका क्षेत्रभित्र सामुदायिक उपभोक्ता समितिहरु पनि क्रियाशील छन् । तापनि मिचाहा प्रजातिहरु अनियन्त्रित रूपमा फैलिएका छन् । जसका कारण पारिस्थितिकीय प्रणालीमा अवरोध सिर्जना, वनमा आगलागी, पानीका मुहान, सीमसार तथा जलश्रोतहरु सुक्ने र जलवायु परिवर्तनवाट ठूलो क्षति स्थानीयहरुले व्यहोदै आएका छन् भने पर्यावरणमा पद्दै गएको असरवाट मानव जातिको जीवनयापन, खेतीपाती, अन्नवाली र बन्यजन्तु वीचको द्रन्द वढ्दै गएको छ । उपरोक्त पक्षलाई मध्यनजर राख्दै पालिकाको प्राथमिकता क्षेत्र राख्दै पर्यावरणको दिगो संरक्षण, सम्बद्धन र सदुपयोगवाट स्थानीयहरुको आयआर्जनमा समेत ठूलो सहयोग पुग्ने पक्षलाई नकार्न सकिदैन ।

३.८ समष्टिगत रणनीति

नौवहिनी गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको दीर्घकालीन सोच, आवधिक गाउँ विकास योजनाले निर्धारण गरेको लक्ष्य र वृहत तथा क्षेत्रगत उद्देश्य हासिल गर्न देहाय अनुसारका रणनीति अवलम्बन गरिने छ ।

- क) कृषिको आधुनिकीकरण, यान्त्रिकीकरण, व्यवसायीकरण मार्फत उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि, रोजगारी एवं आय आर्जनका अवसरहरु सिर्जना गरी स्थानीय अर्थतन्त्रलाई गतिशील बनाउदै निरपेक्ष गरिबी न्यूनीकरण गर्ने ।
- ख) शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी लगायतका आधारभूत सामाजिक सेवा सुविधामा नागरिकको पहुँच अभिवृद्धि गरी सामाजिक समावेशीकरण, सामाजिक न्याय सहितको समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने ।
- ग) यातायात, विद्युत, सिंचाइ लगायतका पूर्वाधार विकास एवं निर्मित पूर्वाधारहरुको दिगो उपयोगका लागि नियमित मर्मत सम्भार एवं स्तरोन्नति गर्ने ।
- घ) प्राकृतिक सम्पदाको दिगो उपयोग एवं वातावरणको संरक्षण सहित विपद सम्वेदनशीलता विकास गर्दै विपद जोखिम न्यूनीकरण गर्ने ।
- ङ) सार्वजनिक सम्पत्तिहरुको दिगो संरक्षण र व्यवस्थापन गरी सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई पारदर्शी, जवाफदेही, नागरिकमैत्री र प्रभावकारी बनाउने ।

३.९ परिमाणत्मक लक्ष्य निर्धारण

संघीय सरकार तथा प्रदेशको परिमाणात्मक लक्ष्यको आधारमा दीर्घकालीन सोच तथा आवधिक योजनाको समष्टिगत लक्ष्य तथा उद्देश्यहरुको मापनका लागि प्रमुख सूचकहरु समावेश गरी परिमाणात्मक लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ । परिमाणात्मक लक्ष्य निर्धारण गर्दा दिगो विकास लक्ष्यसंग समेत तादात्म्यता कायम राखिएको छ ।

| नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष | | | | | | योजनाको अन्त्यको अवस्था | | |
|---|----------|----------------|-------------------------------|----------------------------|--------------------|-----------------------------------|--------------------------------|-------------------------|--|--|
| | | २०७९/८० सम्म | | | | | | | | |
| | | संघ २०७६/७७ | लुम्बिनी प्रदेश २०७६/७७ | नौबहिनी गापा २०७९/८० | संघ २०८०/ ८१ | लुम्बिनी प्रदेश २०८०/ ८१ | नौबहिनी गापा २०८४/ ८५ | | | |
| समष्टिगत सूचक तथा परिमाणात्मक लक्ष्य | | | | | | | | | | |
| मानव विकास सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.५८७ | ०.५६३ | ०.५६३ | ०.६२४ | ०.६३ | ०.६३५ | | | |
| लैंड्रिक विकास सूचकाङ्क | सूचकाङ्क | ०.८८६ | ०.९०१ | ०.९०१ | ०.९६३ | | | ०.९६५ | | |
| वहुआयामिक गरिवी | प्रतिशत | २८.६ | २९.९ | | ११.५ | १५ | | | | |
| निरपेक्षित गरिवी | प्रतिशत | १८.७ | १८.२ | १५ | ९.५ | १० | १० | | | |
| प्रतिव्यक्ति वार्षिक आय | अ. डलर | १०४७ | ८०३ | १००० | ९५० | १६०० | १६०० | | | |
| औषत आयु (जन्म हुँदाको) | वर्ष | ६९.७ | ६९.३ | ७० | ७२ | ७२ | ७२ | | | |
| साक्षरता दर १५वर्ष माथि | प्रतिशत | ६६ | ५८ | ८१.७४ | ९५ | ८५ | ९० | | | |
| वेरोजगारी दर | प्रतिशत | ११.४ | ११.२ | १६ | ४.४ | ६ | १० | | | |
| विषयक्षेत्रगत सूचक तथा परिमाणात्मक लक्ष्य | | | | | | | | | | |
| प्रतिव्यक्ति खाद्यान्त उत्पादन | केजी | ११७.५ | | १६ | २५० | | २१ | | | |
| नियमित सिंचाइ भूमि | प्रतिशत | ३३ | ५१ | ३ | ५० | ७० | १५ | | | |
| कृषिमा आवद्ध जनसंख्या | प्रतिशत | ६०.४ | | ६५ | | | ६० | | | |
| रोजगारीमा गैरकृषि क्षेत्रको योगदान | प्रतिशत | ३६.५ | | ३५ | ५० | | ४० | | | |
| आधारभूत तहको भर्नादर | प्रतिशत | ९२.३ | | ९२ | ९९ | ९७ | ९८ | | | |
| ३० मिनेटको दुरीमा नजिकको स्वास्थ्य सेवामा पहुँच भएका घरधुरी | प्रतिशत | ४९.३ | | ५० | ८० | | ७० | | | |
| आधारभूत खानेपानीवाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | ८९ | ८९.८३ | ८९.८६ | ९९ | १०० | १०० | | | |
| ३० मिनेट सम्मको दुरीमा यातायातमा पहुँच भएका घरपरिवार | प्रतिशत | ८२ | | ६७.९२ | ९५ | | ९५ | | | |
| विद्युत सेवावाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | ८८ | ८१.०३ | ९७.४१ | १०० | १०० | १०० | | | |

| नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | | | योजनाको अन्त्यको अवस्था | | |
|---|---------|---------------------------|-------------------------------|----------------------------|-------------------------|-----------------------------------|--------------------------------|
| | | संघ २०७६/७७ | लुम्बिनी प्रदेश २०७६/७७ | नौबहिनी गापा २०७९/८० | संघ २०८०/ ८१ | लुम्बिनी प्रदेश २०८०/ ८१ | नौबहिनी गापा २०८४/ ८५ |
| | | | | | | | |
| इन्टरनेट सेवामा पहुँच प्राप्त घरधुरी | प्रतिशत | ६५.९ | ४९.४ | ५३.२३ | ८० | ८५ | ७० |
| वन क्षेत्र ओगटेको भूमि | प्रतिशत | ४५.३१ | ४५ | ५६.४६ | | | ६० |
| सेवा प्रवाहवाट सन्तुष्ट अनुभूतिगर्ने सेवाग्राही | प्रतिशत | - | - | ८० | | | ९५ |
| श्रोत : मानव विकास प्रतिवेदन, २०२२, आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, लुम्बिनी प्रदेश आवाधिक योजना २०७६/७७, पन्थ्यौ योजना २०७६/७७ | | | | | | | |

३.१० गाउँ गौरव आयोजना

यस गाउँपालिकाको समग्र सामाजिक आर्थिक पुनरुत्थान, सन्तुलित विकास, पर्यावरणीय सन्तुलन, जलवायु परिवर्तन तथा विपद जोखिम न्यूनीकरणमा वहुप्रभाव पार्ने आयोजना तथा कार्यकमलाई गाउँपालिकाको गौरवको आयोजनाको रूपमा यस योजना अवधिमा अध्ययन तथा कार्यान्वयनका लागि प्रस्ताव गरिएको छ। गाउँपालिका गौरवका आयोजना तथा कार्यकम्मको विवरण सम्बन्धित विषयगत क्षेत्रमा समावेश गरिएको छ। यससम्बन्धी संक्षिप्त विवरण देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ।

| तालिका/ग्राफचित्र : ९ गाउँ गौरव आयोजना | | | | | | |
|---|---|------|--|---------------|----------------------|-----------------------------------|
| क्रसं | आयोजना | एकाइ | उद्देश्य | अनुमानित लागत | जिम्मेवारी | स्थानगत तथा कार्यकम सञ्चालन स्थान |
| १. | वारदुला-वहाने-खवाड - स्यालीवाड-ढोरपाटन | १ | यातायात सञ्जाल विकास र पर्यटन प्रवर्द्धन | २० करोड | संघ, प्रदेश र पालिका | सुरक्षित मार्ग निर्माण भएको हुने |
| २. | यातायात सञ्जाल विकास (पालिका क्षेत्रभित्र) | ८ | सहजता, पहुँच अभिवृद्धि | १५ करोड | संघ, प्रदेश | वस्तीहरु |
| ३. | गरिवी न्यूनीकरण (पहिचान, आयवृद्धि, वेरोजगार, साक्षरता वृद्धि) | | गरिवी न्यूनीकरण | १० करोड | संघ, प्रदेश र पालिका | पालिका क्षेत्रभित्र |
| ४. | पर्यटन प्रवर्द्धन | | पर्यटन विकास | ५ करोड | पालिका | धार्मिक स्थल, प्राकृतिक क्षेत्र |
| ५. | जल विद्युत उत्पादन | | विद्युत उत्पादन | | निजी क्षेत्र | |
| ६. | सिंचाइ विस्तार | | कृषि उपज वृद्धि | १० करोड | प्रदेश | पालिका क्षेत्रभित्र |

| तालिका/ग्राफचित्र : ९ गाउँ गौरव आयोजना | | | | | |
|---|--------------------------------|------------------------|--------|----------------|----------|
| ७. | स्वच्छ खानेपानीमा पहुँच वृद्धि | स्वच्छ खानेपानी उपलब्ध | ५ करोड | प्रदेश, पालिका | वस्तीहरु |
| | | | | | |

३.११ लगानी तथा श्रोत अनुमान

वित्त व्यवस्थाको भूमिका पालिकाको मध्यमकालीन एवं आवाधिक योजनाहरु सञ्चालनमा महत्वपूर्ण हुने गर्दछ। वित्तको अभाव तथा वित्त अपुग भएमा, वा निर्धारण गरिए अनुसारका आयश्रोतहरु निर्धारित समय भित्र उपलब्ध हुन नसकेमा विनियोजित कार्यकमहरु सफलतापूर्वक कार्यान्वयन हुन सक्दैनन। परिणाम स्वरूप, कार्यकमहरु अधुरो हुने, कार्यान्वयन नहुने र सम्पन्न कार्यकमहरुको पनि गुणस्तर कायम हुन नसक्ने सम्भावनाहरु रहन्छ। यसर्थ, पर्याप्त वित्त व्यवस्थावाट मात्रै नागरिकहरुको आवश्यकतालाई प्रभावकारी ढड्गवाट सम्बोधन गर्न सकिने छ। यसका लागि आन्तरिक र वात्य गरी दुई प्रकारका श्रोतहरुको व्यवस्था गरिएको छ। आन्तरिक श्रोतमा स्थानीय करहरु खासगरी सम्पत्तिकर, भूमिकर, व्यवसाय कर, घर वहाल आयकर, जडीबुटी तथा जीवजन्तु कवाडी कर नै प्रमुख छन् भने वात्य श्रोतहरुमा संघ र प्रदेश सरकारका अनुदानहरु। अनुदानहरु सर्वात अनुदान, वित्तीय समानीकरण, समपूरक र विशेष अनुदान प्रमुख रहेका छन्। त्यसैगरी राजस्व वाँडफाँड स्थानीय तहको अर्को प्रमुख श्रोत अन्तर्गत पर्दछ। खासगरी घरजग्गा रजिस्ट्रेशन दस्तुर, मूल्य अभिवृद्धिकर, अन्तःशुल्क, सवारी साधनकर, विज्ञापन कर र दहतर वहत्तरको विक्री वापत सङ्कलित राजस्वको एक निश्चित प्रतिशत संघ र प्रदेश सरकारले स्थानीय तहलाई दिनुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ। रोयल्टी वापत सङ्कलित कूल राजस्व पनि तीनै तहको सरकारलाई वाँडफाँड गर्ने गरिन्छ।

नौवहिनी गाउँपालिकाको आगामी ५ वर्षका लागि प्राप्त हुन सक्ने वित्तीय स्रोतहरुको अनुमान देहाय वमोजिम प्राप्त हुन सक्ने आंकलन गरिएको छ। यसरी अनुमान गर्दा पालिकाले विगत वर्षमा प्राप्त गरेको यथार्थ आय, संशोधन अनुमान र आव २०८०/८१ का लागि गरिएको अनुमानका आधारमा आगामी ५ वर्ष सम्मका लागि राजस्व अनुमान गरिएको छ।

| राजस्व शिर्षक | २०७९/८० को अनुमान | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु हजारमा) | | | | | जम्मा ५ वर्षका लागि |
|--------------------------------|-------------------|-------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------------------|
| | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | |
| जम्मा आन्तरिक आय | ६० | ६६ | ८२ | १०३ | १२८ | १६१ | ५४१ |
| वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत) | | | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| वात्य श्रोत | | | | | | | |
| संघ : राजस्व वाँडफाँड | ११४७ | ११२४ | १२३६ | १३६० | १४९६ | १६४५ | ६८६२ |
| संघ : वित्तीय समानीकरण | ११४४ | १०९९ | ११२१ | १२३३ | १३५६ | १४९२ | ६२२२ |
| संघ : सर्वात अनुदान | २३४९ | २३५६ | २५९१ | २८५० | ३१३५ | ३४४९ | १,४३८३ |
| संघ : विशेष अनुदान | १६० | ६५ | ७१ | ७८ | ८६ | ९५ | ३९६ |
| संघ : समपूरक अनुदान | ५,० | ५,० | ५,५ | ६,० | ६,६ | ७,३ | ३०,५ |
| प्रदेश : राजस्व वाँडफाँड | ६० | ४४ | ४९ | ५४ | ५९ | ६५ | २७४ |
| प्रदेश : वित्तीय समानीकरण | ६१ | ७१ | ७८ | ८५ | ९४ | १०३ | ४३३ |
| प्रदेश : सर्वात अनुदान | ८० | ६१ | ६७ | ७४ | ८१ | ९० | ३७५ |
| प्रदेश : समपूरक अनुदान | १५० | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | ६१० |

| राजस्व शिर्षक | २०७९/ ८० को अनुमान | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु हजारमा) | | | | | जम्मा ५ वर्षका लागि |
|-----------------------------|--------------------------|-------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|---------------------------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | |
| प्रदेश : विशेष अनुदान | - | १६ | १७ | १९ | २१ | २३ | ९९ |
| जम्मा : वाह्य श्रोत | ५२०२ | ४९०८ | ५३९८ | ५९३८ | ६५३२ | ७१८५ | २,९९६४ |
| वार्षिक वृद्धिदर | | | १० | १० | १० | १० | |
| कूल : आन्तरिक र वाह्य श्रोत | ५२६२ | ४९७४ | ५४८१ | ६०४१ | ६६६१ | ७३४७ | ३,०५०६ |
| वार्षिक वृद्धि प्रतिशत | | | १०.२० | १०.२३ | १०.२६ | १०.२९ | |
| औषत वृद्धि दर प्रतिशत | | | | | १०.२४ | | |

परिच्छेद चार :आर्थिक विकास

पृष्ठभूमि

आर्थिक विकासका लागि प्रमुख सम्भाव्य क्षेत्रको रूपमा रहेका कृषि, पशुपक्षी, उद्योग व्यवसाय, पर्यटन जस्ता क्षेत्रहरूको विद्यमान अवस्था, समस्या तथा चुनौतिहरूको विश्लेषण गरी आगामी ५ वर्षका लागि उद्देश्य निर्धारण, लक्ष्य परिमाण र सोको प्राप्तिका लागि अवलम्बन गर्नुपर्ने रणनीति तथा कार्यनीति निर्धारण र प्रमुख कार्यकमहरू समेत तर्जुमा भएको छ ।

४.१ कृषि तथा पशुपक्षी

क) पृष्ठभूमि

नेपालको सर्विधानले खाद्य सम्बन्धी अधिकारलाई मौलिक हकका रूपमा प्रत्याभूति गरेको छ । देशलाई खाद्य सम्प्रभुत्व तुल्याउन र स्वाधीन अर्थतन्त्रको विकास गर्ने कृषि क्षेत्रलाई विशेष जोड दिइएको छ । यसै कममा देशले कृषि विकास रणनीति (२०१५-२०३५) तर्जुमा समेत भएको छ । यसरी तर्जुमा भएको कृषि रणनीतिले खासगरी कृषि तथा पशुपक्षीजन्य उत्पादनहरूको वजारीकरण, यान्त्रिकीकरण र विविधीकरण गरी प्रतिस्पर्धी वनाउने कुरालाई विशेष जोड दिइएको छ । त्यसैगरी दिगो विकास लक्ष्यलाई एक मार्गदर्शनको रूपमा ग्रहण गर्दै विशेषतः कृषि क्षेत्रलाई औद्योगिकीकरणका माध्यमबाट रोजगारी सिर्जना गरी आयआर्जन वृद्धि, गरिवी निवारण, भोकमरीको अन्त्य, खाद्य सुरक्षा तथा पोषणको सुनिश्चितता, दिगो रूपमा कृषिको प्रवर्द्धन गर्दै आयात व्यवस्थापन गर्ने पक्षमा केन्द्रीत भएको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरू

- ◆ कृषि उपजहरूको वजार व्यवस्था तथा प्रवर्द्धनमा कमि
- ◆ कृषि उपजहरूको भण्डारण, रस्टिक स्टोर, शीतभण्डार, स्टोरेज, प्रशोधन केन्द्र, जस्ता कृषि पूर्वाधारको व्यवस्था नहुनु
- ◆ वीउविजन, मल, किटनाशक औषधी समयमै उपलब्ध नहुनु र प्राङ्गारिक कृषि प्रवर्द्धन नभएको
- ◆ रैथानेवालीहरूको अनुसन्धानमा कमि र कृषि उपजहरूको प्रशोधन घेरेलु विधिमा सुधार नहुनु
- ◆ कृषि अनुदान, कृषि वीमा, सहुलियत दरका ऋणमा असहजता
- ◆ कृषि समर्थन मूल्य, खाद्यान्त वैक, सामुदायिक कृषि प्रसार सेवा केन्द्रको व्यवस्था नहुनु
- ◆ नियमित सिंचाइका लागि सिंचाइ पूर्वाधारहरूको -कुलो, लिफ्ट) अपर्याप्तता र कृषि भूमि वाँझो हुँदै
- ◆ माटो परीक्षण, सोही अनुसारको वाली लगाउने अभ्यासको कमि
- ◆ दुध प्रशोधन तथा विविधीकरणको व्यवस्था अभाव
- ◆ पशुपक्षी पालनका पूर्वाधारहरू : संकलन केन्द्र, दुध चिस्यान केन्द्र, पशुपक्षीवधशाला, पशुहाटवजारको अभाव
- ◆ सीमित पशुपक्षी उपचार केन्द्र तथा प्राविधिक सेवा कमि
- ◆ भकारो एवं गोठ सुधार र पशुमुत्रको उपयोग हुन नसक्नु
- ◆ उन्नत जातका घाँस तथा आहाराको कमि
- ◆ पशुपक्षीको वजार विस्तार तथा प्रवर्द्धन गर्नु

मुख्य चुनौतिहरू

- ◆ परम्परागत, जीविकोपार्जन तथा निर्वाहमूखी कृषि प्रणालीलाई आधुनिक एवं व्यवसायिक प्रणालीमा रूपान्तरण गर्नु
- ◆ युवाहरू कृषि पेशा प्रति आकर्षण बढाउनु
- ◆ कृषि सामुहिक, चक्कावन्दी तथा करारखेती कार्यान्वयन गर्नु
- ◆ बन्यजन्तुवाट हुँदै आएको वालीनाली क्षति कम गर्नु

- ▶ कृषि उपजहरु जलवायु अनुकूलन वनाउनु, जलवायु परिवर्तन वाट भएको क्षति न्यून गर्नु
- ▶ कृषि उपजहरुको प्राकृतिक हानी नोक्सानीको मूल्यांकन गरी राहतको व्यवस्था गर्नु
- ▶ जीविकोपार्जन, परम्परागत, निर्वाहमुखी पशुपालनलाई व्यवसायिकरण एवं आधुनिकीकरण गर्नु
- ▶ पशुपंक्षीजन्य रोग नियन्त्रण गर्नु
- ▶ उन्नत जातका पशुपंक्षी विकास तथा विस्तार गर्नु
- ▶ पशुपंक्षीहरुको व्यवसायिक पालनमा सहुलियत दरमा कर्जा सुविधा प्रदान गर्नु
- ▶ युवाहरुलाई पशुपंक्षीपालन प्रति आकर्षण वढाउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ भौगोलिक अवस्थिति, हावापानी एवं अनुकूल मौसमका कारण कृषिखेतीका लागि उपयुक्त
- ▶ व्यवसायिक खेती र कृषिका उन्नत प्रविधि, उपकरणहरुको प्रयोगमा कृषकहरुको आकर्षण वढादो
- ▶ कृषि सहकारी, व्यवसायिक फर्म, समुहरु दर्ता भई अगुवा कृषकहरु क्रियाशील
- ▶ नगदेवाली, फलफुलहरुको व्यवसायिक खेतीमा प्रोत्साहन र सहयोग उपलब्ध हुँदै आएको
- ▶ कृषिको अर्गानिक खेतीमा सहयोग र प्रोत्साहन उपलब्ध
- ▶ व्यवसायिक वेमौसमी तरकारी खेती अभ्यास
- ▶ कृषक प्रोत्साहन कार्यक्रम सञ्चालनमा
- ▶ व्यवसायिक नरसरी सञ्चालनमा
- ▶ कृषकहरुको क्षमता अभिवृद्धि तालिमहरु सञ्चालन
- ▶ कृषि सङ्कलन केन्द्र स्थापना भएको
- ▶ कृषि प्राविधिक सेवाहरु उपलब्ध हुँदै आएको
- ▶ पर्याप्त चरन क्षेत्र
- ▶ पशु आहारका लागि डाले तथा भुई घाँस उत्पादन गर्न सकिने
- ▶ घरघरमा पशुपंक्षीहरु गाई, भैसी, वाखा, वडगुर, कुखुराहरु पालन हुँदै आएको र आय आर्जनका स्रोतमा स्थापित
- ▶ मासु र कुखुराको अण्डा वार्षिक उत्पादन वढादो
- ▶ स्थानीय वजार क्षेत्रमा पशु आहार तथा दाना आदिको उपलब्धता
- ▶ नश्ल सुधार, कृत्रिम प्रजनन, प्राथमिक उपचार केन्द्रहरु क्रियाशील
- ▶ पशु, वाखा, भैसीपालन, कुखुरापालन जस्ता व्यवसायिक फर्महरु क्रियाशील रहेको
- ▶ पशुजन्य औषधी, उपचार, तथा खोपको व्यवस्था भएको
- ▶ पशु प्राविधिक तथा भेटेरीनरी सेवा उपलब्ध गराएको
- ▶ पशुपालन कृषकहरुलाई तालिम, परामर्श तथा प्राविधिक ज्ञानसीप प्रदान हुँदै आएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, एवं कार्यक्रम तथा आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : दिगो कृषिको आधार : व्यवसायिकता, प्रतिस्पर्धी र आत्मनिर्भरता

लक्ष्य : स्थानीय उत्पादन, रोजगारी र आयमा वृद्धि गर्दै दिगो आर्थिक उत्थानशीलता भएको हुने

उद्देश्य :

- ▶ कृषिलाई आधुनिकीकरण, यान्त्रिकीकरण, व्यवसायीकरण गर्नु

- ▶ कृषि तथा कृषिजन्य उद्योग व्यवसायहरुको प्रवर्द्धन एवं वजारीकरण गर्नु
- ▶ कृषि उपजको उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्दै खाद्यमा आत्मनिर्भर हुनु

रणनीतिहरू

१. कृषिको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने
२. कृषक, कृषि व्यवसायी, प्राविधिक लगायत कृषि सेवामा आवद्ध पक्ष तथा संस्थाहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने
३. कृषि उपजहरुको व्यवसायीकरण तथा बजार विस्तार एवं कृषिजन्य उद्योग व्यवसायहरुको प्रवर्द्धन गर्ने
४. कृषि पूर्वाधारहरु निर्माण गर्न निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थासंग सहकार्य गर्ने
५. समावेशी कृषि विकासमा महिला, दलित, अति विपन्न वर्गको आवद्धतामा वृद्धि ल्याउने
६. कृषि नीति तर्जुमा तथा योजना निर्माण, कार्यान्वयन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने
७. कृषिमा लगानी वृद्धि गर्न निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थाहरुसंग समन्वय गर्ने
८. कृषि विकाससंग सम्बन्धित अनुसन्धान केन्द्र, शैक्षिक संस्था एवं सरोकारवालाहरुसंग समन्वय गर्ने

कार्यनीतिहरू

रणनीति १ को कृषिको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि अन्तर्गत कार्यनीतिहरू

- १.१. पालिकाका अगुवा कृषकहरुको लगत तथा डाटावेस तयार गरिनेछ । कृषि उत्पादन वृद्धि सम्बन्धी कृषकहरु वीच अनुभव, ज्ञान तथा शिक्षा आदनप्रदान गर्ने वातावरण सिर्जना गरिनेछ ।
- १.२. कृषिसमूहमा आवद्ध कृषकहरुलाई प्राविधिक कर्मचारीहरु एवं अगुवा कृषकहरुवाट घुम्ती तालिम सञ्चालन गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.३. रसायनिक मल र विषादीको प्रयोगलाई दुरुत्साहित गरी प्राङ्गणिक मल, गड्यौले मल, विषादी तथा जैविक विषादीको उत्पादन तथा प्रयोगलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- १.४. कृषकहरुवाट उत्पादित हरियो तरकारीको बजारीकरणका लागि तोकिएको समर्थन मूल्यमा उत्पादन स्थलबाटै खरिद गरी मुख्य मुख्य बजार क्षेत्रहरुमा काउन्टर खोली बिक्की गर्न सहकारी संस्थालाई प्रोत्साहित गरिनेछ । छनौट भएका सहकारी संस्थाहरुको व्यवस्थापनका लागि निश्चित दरमा अनुदानको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.५. तरकारी, मकै, आलुको पकेट क्षेत्र विस्तार गरिनेछ । यसका लागि आवश्यक प्राविधिक सहयोग एवं कृषि अनुदानको व्यवस्था मिलाइने छ ।
- १.६. वेरोजगार युवाहरु (वैदेशिक रोजगारीवाट फर्किएका समेत) लाई करार खेती, चाक्लाबन्दी वा सामुदायिक खेतीका लागिप्रोत्साहित गरिनेछ । यसका लागि पालिकामा युवा स्वरोजगार घुम्ती कोषको स्थापना गरिनेछ ।
- १.७. चक्लाबन्दी खेती विधि, नयाँ नयाँ प्रविधिहरुको प्रदर्शनी, भूमि तथा श्रम बैकको व्यवस्थापन, कृषि, पशुपंक्षी एवं कृषि पर्यटन आदिका वारेमा जानकारी गराउन र सीप तथा प्राविधिक सेवाको विस्तार गर्न सामुदायिक कृषि प्रसार सेवा सञ्चालनमा ल्याइने छ ।
- १.८. फलफुल, कागती, बेसार, खुर्सानी, लसुन, प्याज जस्ता उपजहरुका लागि सम्भाव्यता अध्ययनको आधारमा क्षेत्र निर्धारण गरिनेछ, र त्यस्ता क्षेत्रहरुमा व्यवसायिक खेतीका लागि कृषकहरुलाई उन्नत जातका वीउवेना उपलब्ध गराउदै प्राविधिक सेवा प्रदान गरिनेछ ।
- १.९. माटो परीक्षणको दायरा विस्तार गरिने छ । यसका लागि आवश्यक उपकरण एवं जनशक्तिको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.१०. व्यवसायिक रूपमा मौरीपालन, च्याउ खेती गर्न कृषकहरुलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- १.११. स्थानीय वीउविजन, वेर्नाहरुको संरक्षण गर्दै गुणस्तरीय एवं उच्च मूल्यका नगदे वालीहरुको व्यवसायिक खेतीलाईजोड दिई तिनीहरुको उत्पादन र उत्पादकत्वमा अभिवृद्धि ल्याइनेछ ।
- १.१२. वसाइसराइ, वैदेशिक रोजगारीमा युवाहरुको आर्कषण तथा कृषि मजदुरहरुको अभाव जस्ता विविध पक्षहरुवाट जमिन वाँझो हुने र खण्डीकरण गरिने अभ्यासलाई निरुत्साहित गरिनेछ, र सामुहिक खेती, साभेदारी एवं सहकारी तथा करार खेती प्रणालीलाई स्थापित गर्न नीतिगत तथा कानुनी व्यवस्था गरिनेछ ।
- १.१३. विद्यमान सिंचाइ प्रणालीलाई मर्मत सम्भार एवं स्तरोन्नति गरी खेतीयोग्य क्षेत्रमा नियमित रूपमा सिंचाइ सेवा उपलब्ध गराइने छ । सिंचित क्षेत्र विस्तारका लागि आधुनिक सिंचाइ विधि अवलम्बन गरिनेछ ।

- १.१४. कृषि बालीमा लाग्ने रोग, कीटाणुवाट हुने क्षतिलाई समयमै नियन्त्रण गर्न प्राविधिक सेवा सहयोगलाई प्रभावकारी बनाइनेछ र क्षति न्यूनीकरण गर्न कृषि वीमा गर्न कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- १.१५. कृषि खेतीका आधुनिक प्रविधि, यन्त्र-उपरणहरूको प्रयोग गर्न कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गरिनेछ र कृषि यन्त्र खरिदका लागि आवश्यक अनुदानको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.१६. जलवायु परिवर्तनलाई कृषिमा अनुकूलन गर्दै कृषि जैविक विविधताको संरक्षण र प्रविधि उपयोग गर्न कृषकलाई प्रोत्साहीत गरिनेछ ।
- १.१७. सिंचाइ सेवामा न्यून पहुँच वा अभाव भएका क्षेत्रमा आकाशे पानी सङ्कलन गर्न प्लाष्टीक पोखरी व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति २ को कृषक, कृषि व्यवसायी, प्राविधिक लगायत कृषि सेवामा आवद्ध पक्ष तथा संस्थाहरूको क्षमता अभिवृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- २.१. कृषक, तथा सरोकारवालाहरूको सीप, क्षमता अभिवृद्धि एवं व्यवसायिकता बिकासमा सहजीकरण गरिनेछ ।
- २.२. कृषक वर्गीकरणका आधारमा किसान परिचयपत्र वितरण गरिनेछ र सोही अनुसार सेवा सुविधा तथा अनुदानको व्यवस्था मिलाइनेछ । उत्कृष्ट कृषकलाई पुरस्कृत गर्दै कृषि पेशालाई सम्मानित बनाइनेछ ।
- २.३. वेरोजगार युवाहरूमा सीप बिकास तालिमहरू प्रदान गरी कृषि मजदुर तथा जनशक्तिका अभावलाई न्यूनीकरण गर्दै स्थानीय स्तरमा युवाहरूको रोजगारीका लागि सहजीकरण गरिनेछ ।
- २.४. कृषि जनशक्ति बिकास तथा युवाहरूलाई कृषि पेशामा आवद्ध गर्न सिटिइभिटिवाट मान्यता प्राप्त कृषि प्राविधिक शिक्षालय सञ्चालन गर्न निजी क्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- २.५. कृषकद्वारा कृषकमा सीप अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालनका लागि प्रत्येक कृषक समूहमा महिला र पुरुष कृषक अगुवाको विकास गरी संस्थागत प्रसारको व्यवस्था गरिनेछ ।
- २.६. जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सम्बन्धी अभिमुखीकरण गरी सोवाट हुन सक्ने क्षति, नोक्सानी न्यूनीकरण गर्न कृषकको क्षमता अभिवृद्धिका साथै राष्ट्रिय स्तरमा तयार गरिएको कार्ययोजनालाई स्थानीयकरण गराइने छ ।
- २.७. सहकारी खेतीलाई प्राथमिकता दिई मूल्य शृङ्खला पद्धति अनुसार उत्पादन देखि बजारीकरण सम्मका कार्यहरू एकीकृत रूपमा सञ्चालन गरिने छ ।
- २.८. प्रत्येक बडामा एक कृषि प्राविधिकको व्यवस्था मिलाइने छ ।
- २.९. पालिका स्तरीय कृषि बिकास समिति निर्माण गरी कियाशील बनाइनेछ ।
- २.१०. एक वस्ती एक उत्पादन अवधारणालाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- २.११. खाद्यान्त संरक्षण बैक सञ्चालन गरिनेछ ।
- २.१२. कृषि बिकास रणनीति २०१५-२०३५ अन्तर्गत स्थानीय कृषि तथा पर्यटन बिकास रणनीतिहरूमा आधारित रही पालिकाको बडाहरूमा सामुदायिक कृषि प्रसार सेवा केन्द्रहरूको स्थापना तथा सञ्चालन गरिनेछ ।

रणनीति ३ को कृषि उपजहरूको व्यवसायीकरण तथा बजार प्रवर्द्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- ३.१. व्यवसायिक सम्भावना भएका खाद्यान्त तरकारी, खाद्यान्त, फलफुल लगायतका बालीको व्यवसायिक उत्पादनका लागि सम्भाव्यताका आधारमा थप क्षेत्रहरूमा पकेट, ब्लक, कृषि जोन घोषणा गरिनेछ र त्यस्ता क्षेत्रहरूमा एकीकृत रूपमा पूर्वाधारको बिकास गरिनेछ ।
- ३.२. कृषिमा यान्त्रिकीकरण, आधुनिकीकरण र बजारीकरणका लागि अनुदान, प्रोत्साहनको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- ३.३. कृषि सहकारी संस्था तथा निजी क्षेत्रको भूमिकालाई प्रभावकारी बनाउदै कृषि बजार प्रवर्द्धन गर्न कृषक र वात्य बजार क्षेत्रसंग अन्तरसम्बन्ध (Forward and Backward Linkage) बिकास गरिनेछ ।
- ३.४. मूल्य शृङ्खला (Value chain) र वृहत उत्पादन (Mass production)को अवधारणालाई अवलम्बन गरिने छ । यसका लागि नीतिगत एवं कानुनी व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- ३.५. कृषि उपजहरूको व्यवसायिक उत्पादनकालागि दिगो सिंचाइ सुविधाका पूर्वाधारको पहुँच बढाइनेछ ।
- ३.६. खेतियोग्य जग्गालाई बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गरिने छ ।
- ३.७. कृषि बजार प्रवर्द्धनका लागि बडाहरूमा कृषि उपज सङ्कलन केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।

- ३.८. पालिकाको मुख्य मुख्य स्थानलाई (केन्द्र स्थान सिद्धान्तको अवधारणा) वजार क्षेत्रको रूपमा बिकास गर्दै त्यस्ता क्षेत्रहरुमा हाटवजारको व्यवस्था गरी राष्ट्रिय एवं प्रदेश स्तरीय विक्रेताहरुलाई कृषि उपजहरु विक्री वितरण गर्ने अवस्था शृजना गरिनेछ ।
- ३.९. अर्गानिक एवं निर्यातको सम्भावना भएका कृषि उत्पादनहरुको व्यवसायिक खेतीका लागि प्रोत्साहित गर्दै अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
- ३.१०. कृषि उपजहरुको आन्तरिक एवं वाह्य वजार क्षेत्रको स्थिति तथा अवस्था वारेमा जानकारी गराउन विद्युतीय उपकरण तथा सूचना प्रविधिको प्रयोगलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- ३.११. कृषि तथा कृषिजन्य उपजहरुको व्यवसायीकरणका लागि सहकारीलाई प्रवर्द्धन, कृषि सामाग्रीको विक्री, उपजको खरिददारी गर्दै विचौलियाको न्यूनीकरण गरिनुका साथै संस्थागत सङ्कलन र दुवानीका लागि सहकारीको क्षमता अभिवृद्धि गरी क्रियाशील बनाइने छ ।
- ३.१२. प्रतिस्पर्धात्मक लाभ तथा तुलनात्मक लाभ भएका कृषि तथा कृषिजन्य उपजहरुको व्यवसायिक उत्पादन गर्न प्रोत्साहित गर्दै त्यस्ता उपजहरुको वजारीकरण तथा वजार प्रवर्द्धनका उद्यमी व्यवसायीहरुसंग सहकार्य गरिने छ ।
- ३.१३. कृषि उपजहरुको वजार प्रवर्द्धन गर्दै वजार संरक्षणका लागि उपयुक्त उपजहरुको ब्राण्डड गरिनेछ । अध्ययनका आधारमा सामुहिक व्यापार चिन्ह, भौगोलिक सङ्केत लिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।

- रणनीति ४ को कृषि पूर्वाधार निर्माण निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थासंग सहकार्य अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु**
- ४.१. कृषि उपजहरुको दुवानीका लागि आवश्यकताका आधारमा वातावरणमैत्री कृषि सङ्कलनहरु निर्माण गरिनेछ ।
 - ४.२. उपयुक्त स्थानमा कृषि उत्पादनको विविधीकरण तथा मूल्य अभिवृद्धिका लागि गोदामघर, प्रशोधन केन्द्र, शीत भण्डारण सहितको सुविधा उपलब्ध हुने एककृत कृषि वजार केन्द्र स्थापना गरिनेछ । यसका लागि निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
 - ४.३. कृषि उपजहरुको वजार प्रवर्द्धनका लागि कृषि हाटवजार तथा विक्री कक्षहरु सञ्चालनमा ल्याइनेछ । यसका लागि कृषि सहकारी संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
 - ४.४. कृषि एम्बुलेन्स मार्फत कृषि उत्पादन सामग्रीहरु र कृषि उपजहरुको वितरणमा सहजता ल्याइनेछ ।
 - ४.५. विद्यमान दुध सङ्कलन केन्द्र र दुध चिस्यान केन्द्रको स्तरोन्नति गरिने छ र आवश्यकता अनुसार दुध सङ्कलन केन्द्रहरु एवं दुध चिस्यान केन्द्र निर्माण गरिनेछ । यसका लागि निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।

- रणनीति ५ को समावेशी कृषि विकासमा महिला, दलित एवं अति विपन्न वर्गको आवद्धता अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु**
- ५.१. महिला, दलित, अति विपन्नहरुलाई व्यवसायिक खेतीका लागि प्रोत्साहित गर्दै उद्यमशीलता बिकास गरिने छ र निःशुल्क कृषि वीमा, कृषिमल, वीउविजन, सहुलियत दरमा कृषि ऋणको व्यवस्था गरिनेछ ।
 - ५.२. महिला, दलित, अति विपन्नहरुवाट सामुहिक रूपमा गरिने व्यवसायिक खेतीलाई यान्त्रिकीकरण गर्न कृषिका आधुनिक प्रविधिहरु तथा कर्जा सामुहिक जमानीमा उपलब्ध गराइनेछ ।
 - ५.३. अति विपन्न वर्गवाट गरिने व्यवसायिक कृषि खेतीका लागि आवश्यकताका आधारमा वीउ पूँजीको व्यवस्था गरिनेछ ।
 - ५.४. भूमिहीन तथा सीमान्तकृत कृषकका लागि जग्गा कवुलियत पट्टामा (लिज) लिने नीति अवलम्बन गरिने छ ।

- रणनीति ६ को कृषि नीति तर्जुमा, योजना निर्माण, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु**
- ६.१. कृषि विकास तथा उत्पादन व्यवस्थापन सम्बन्धी दीर्घकालीन नीति, कानुन र मापदण्ड तयार पारी कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता ल्याइनेछ ।
 - ६.२. व्यवसायिक कृषि विकासका लागि दीर्घकालीन गुरुयोजना बनाइनेछ ।
 - ६.३. कृषि आयोजना तथा कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन, नियमित अवलोकन गरिनेछ । कार्यक्रमहरुको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि आवश्यकताका आधारमा तेश्रो पक्षसंग सहकार्य गरिनेछ ।

- रणनीति ७ को कृषिमा लगानी वृद्धि गर्न निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थाहरुसंग समन्वय अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु**

- ७.१. आवश्यकताका आधारमा कृषि पूर्वाधारहरु कृषिमल उत्पादन, सिंचाइ, हाटवजार निर्माण, गोदाम, शीतभण्डार, चिस्यान केन्द्र, कृषि प्रशोधन निर्माण गरिनेछ । यसका लागि निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ । सहकार्यको तरीका BOT (निर्माण तथा हस्तान्तरण) वा BOOT (निर्माण, सञ्चालन, हस्तान्तरण) हुनेछ ।
- ७.२. कृषि उपजहरुको वृहत उत्पादन तथा व्यवसायिक खेती (Commercial production) का लागि आवश्यक भूमि करार तथा लिजमा उपलब्ध गराइनेछ ।

रणनीति ८ को कृषि विकाससंग सम्बन्धित अनुसन्धान केन्द्र, शैक्षिक संस्था एवं सरोकारवालाहरुसंग समन्वय अन्तर्गतको कार्यनीतिहरु

८.१. कृषि क्षेत्रको व्यवसायिक विकासका लागि सम्बन्धित अनुसन्धान केन्द्र, शैक्षिक संस्था एवं सरोकारवालाहरुसंग समन्वय गरी अध्ययन अनुसन्धान गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र-११
कृषि विकास : मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना विवरण

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथ मिक ता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|--|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|----------------------------|-------------------------|------------------|---------------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | वेमौसमी तरकारी खेती | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | २ | २ | १ |
| २. | नगदेवाली प्रवर्द्धन | २० | २० | २० | २० | २० | १ | २ | २ | १ |
| ३. | हाटवजार सञ्चालन | १० | १० | १० | १० | १० | १ | २ | २ | ३ |
| ४. | कृषि उपज भण्डारण | २५ | २५ | २५ | | | २ | २ | २ | २ |
| ५. | शितभण्डार स्थापना | ५० | ५० | ५० | ५० | | २ | २ | २ | ३ |
| ६. | पकेट विकास कार्यक्रम | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | २ | २ | १ |
| ७. | अदुवा खेतीविकास | १० | १० | १० | १० | १० | १ | २ | २ | १ |
| ८. | अलैची खेतीविस्तार | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | २ | २ | १ |
| ९. | उन्नतप्रविधि, औजार, सिप, र व्यवसायिकरण | १० | १० | ७ | ७ | ६ | २ | २ | २ | ३ |
| १०. | जैविकविषादीउत्पादन | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | १ | २ | २ | १ |
| ११. | आलु, मकै,टिमुर प्रवर्द्धन | १५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | २ | ३ | ३ |
| १२. | रैथाने बालीप्रवर्द्धन | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | १ | २ | २ | १ |
| १३. | कृषि मेलाप्रदर्शनी | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | १ | २ | १ | ३ |
| १४. | प्लास्टिक पोखरी निर्माण | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | २ | २ | १ |
| १५. | फलफुल नर्सरी स्थापना | ७ | ५ | ५ | ५ | ३ | १ | २ | १ | २ |
| १६. | मौरी प्रवर्द्धन | ३ | १ | १ | १ | १ | १ | २ | १ | २ |
| १७. | सिताके च्याउ खेती | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | १ | २ | १ | २ |
| १८. | युवा उद्यमशीलता विकास | १० | १० | १० | १० | १० | १ | २ | १ | २ |

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | तालिका/ग्राफचित्र-११ | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत | | | | |
|--------|---|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|--|--|--|--|
| | | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | | | | | | | | |
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | | | | | | | | |
| १९. | कृषक तथा प्राविधिकको क्षमता विकास तालिम | १० | १० | १० | १० | १० | २ | २ | १ | २ | | | | |
| २०. | कृषिप्राविधिकशिक्षालय स्थापना | ५० | २५ | २५ | १५ | १० | १ | २ | २ | ३ | | | | |
| २१. | बाँदर नियन्त्रण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | २ | ३ | ३ | | | | |
| २२. | पशुपंक्षीपालन | | | | | | | | | | | | | |
| २३. | दुधचिस्यान तथा प्रशोधन केन्द्र | ६० | ५० | ४० | | | १ | २ | २ | ३ | | | | |
| २४. | पशु प्रजननतथा नश्ल सुधार | १० | १० | १० | १० | १० | २ | २ | ३ | ३ | | | | |
| २५. | पशुमाप्राकृतिकतथा कृत्रिमगर्भाधान | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | २ | २ | ३ | ३ | | | | |
| २६. | पशु आहार | १० | १० | १० | १० | १० | २ | २ | ३ | २ | | | | |
| २७. | पशुपंक्षी रोग नियन्त्रण | २० | २० | २० | २० | २० | २ | २ | ३ | ३ | | | | |
| २८. | पशुपंक्षीबीमा | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | १ | २ | २ | ३ | | | | |
| २९. | व्यवसायिक वाखा, वंगुरपालन | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | २ | २ | २ | | | | |
| ३०. | व्यवसायिक गाईभैसी फर्म सहयोग कार्यक्रम | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १ | २ | २ | २ | | | | |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष :

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट पालिका क्षेत्रभित्र कृषिमा आधुनिकीकरण, व्यवसायीकरण भएको हुनेछ र वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन वृद्धि हुनेछ। फलफुल, नगदेवाली एवं वेमौसमी तरकारीको व्यवसायिक खेती हुनेछ। कृषिका पूर्वाधारहरु खासगरी सड्कलन केन्द्र, गोदामधर, शीतभण्डारण, चिस्यान केन्द्र, कृषि हाटवजारहरुको निर्माणवाट कृषि उपजहरुको संरक्षण हुने र व्यवसायिक वातावरण सिर्जना भई कृषकहरुमा एक उत्साहजनक वातावरण सिर्जना भएको हुनेछ। साथसाथै संघीय सरकार र प्रदेश सरकारको नीति, नियम एवं प्रचलित कानुनहरूले कृषिको व्यवसायीकरण र स्थानीय तहलाई निकासा हुने अनुदानहरु अपेक्षित रूपमा प्राप्त हुन नसक्ने पक्षहरु र सोवाट प्रस्तावित कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन हुन नसक्ने पक्षहरु यसका जोखिम पक्षहरु हुन।

► नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|------------|------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | | | | | | | | |

तालिका/ग्राफचित्र : १२
कृषि विकास : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|--|---|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | आफ्नो उत्पादन तथा आयले वर्षभरी खान पुग्ने परिवार | प्रतिशत | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ |
| असर | वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन | मे.टन | ५० | ५५ | ५७ | ६० | ६२.५ | ६४ |
| प्रतिफल हरु | वार्षिक वचत खाद्यान्न विकी | मे.टन | ० | ०.५ | १ | २ | ३ | ४ |
| | प्रतिव्यक्ति वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन | केजी | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ |
| | उच्च स्तरको नगदे र बेमौसमी | मे.टन | १० | १५ | २० | २२ | २५ | ३० |
| | वालीको वार्षिक उत्पादन | संख्या | ० | १ | २ | ३ | ७ | ८ |
| | व्यवसायिक कृषि नर्सरी | मे.टन | २० | २५ | ३० | ३४ | ३६ | ४० |
| | फलफुल वार्षिक उत्पादन | मे.टन | ८ | १० | १२ | १४ | १५ | १६ |
| | आलुको वार्षिक उत्पादन | मे.टन | २० | २५ | २७ | ३० | ३५ | ४० |
| | मसलाजन्य उत्पादन (अदुवा, लसुन वेसार) | मे.टन | १२ | १४ | १५ | १६ | १८ | २० |
| | उन्नत वित्त, जैविक मल र विषादी प्रयोग गर्ने, आधुनिक कृषि प्रविधि प्रयोग गर्ने कृषक | प्रतिशत | ५ | १० | १२ | १४ | १५ | २० |
| | आधुनिक कृषि औजारहरु प्रयोग गर्ने कृषक | संख्या | ८७ | १०० | १२० | १५० | १८० | २०० |
| व्यवसायिक एवं आधुनिक तरिकाको खेतीले ओगटेको भूभाग | हेक्टर | २० | ३० | ४० | ५० | ६० | ९० | |
| | गैरकृषि पेशा (उद्यम, व्यापार र जागिर) मा निर्भर जनसंख्या | प्रतिशत | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ९ |
| | कृषि व्यवसायमा सहुलियत ऋण, कृषि सामानमा अदान तथा यान्त्रिकी करणमा पूँजीगत अनुदानवाट लाभान्वित कृषक | संख्या | ५०० | ७०० | ९०० | १०० | १२०० | १३०० |
| सुचारु सामुदायिक खेती | हेक्टर | ० | ५ | ६ | ८ | ९ | १० | |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|---|------------|------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| तथा करार खेतीले ओगटेको भूमि | | | | | | | | |
| विभिन्न क्षेत्रमा तालिम प्राप्त कृषक | संख्या | २६६ | २७० | ३०० | ३२० | ३६० | ४०० | |
| स्थानीय व्यवसायिक कृषि फार्म | संख्या | २६२ | ३०० | ३२० | ३४० | ३९० | ४०० | |
| व्यवसायिक कृषिवाट प्रदान भएको प्रत्यक्ष रोजगारीता | संख्या | ३९१ | २०० | २१० | २३० | २५० | २७० | |
| प्रधानमन्त्री तथा कृषि आधुनिकीकरण परियोजना वाट लाभान्वित किसान | संख्या | १५९ | २०० | २५० | ३०० | ३५० | ४०० | |
| सञ्चालनमा रहेको कृषि वजार, हाटवजार तथा कृषि थोकवजार | संख्या | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | |
| सञ्चालनमा रहेको कृषि पकेट, ब्लक, जोन तथा सुपरजोन | संख्या | ६ | ८ | ११ | १४ | १५ | २० | |
| कृषि उपजहरू विक्रीका लागि नजिकको वजार क्षेत्रमा पुग्न लाग्ने समयावधि | घण्टा | १.५ | १.५ | | | | | |
| तरकारी, फलफुल, आलु एवं मसलाजन्यको वार्षिक विक्री | रु.लाख | ४ | ५ | ५.५ | ६ | ७ | ८ | |
| वैमासमी तरकारी तथा उच्च नगदेवालीको विक्री | रु.करोड | १ | १.५ | २ | २.५ | ३ | ३.५ | |
| कोण्ड स्टोरेज तथा रिष्टक स्टोर क्षमता | मे.टन | ० | ० | ० | १ | ० | ० | |
| कृषि उपज सडकलन केन्द्र, बजार, प्रवर्द्धन केन्द्र, तथा सामुदायिक कृषि प्रसार सेवा केन्द्र | संख्या | १ | ० | ० | ० | १ | | |
| किसान केडिट कार्डवाट लाभान्वित कृषकहरू | संख्या | ० | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | |
| कृषि वीमा सेवावाट लाभान्वित कृषक | संख्या | ० | २० | २५ | ३० | ३५ | ४० | |
| कृषि पेशामा संलग्न जनसंख्या | प्रतिशत | ७० | ७०.१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|--------------------------------------|------------|------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| व्यवसायिक कृषि उत्पादनमा संलग्न कृषक | संख्या | १८६२ | २००० | २२०० | २३०० | २४०० | २५०० | |
| अगुवा वा व्यवसायिक कृषक | संख्या | १० | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ | |
| सक्रिय व्यवसायिक कृषक समूह | संख्या | ८० | १०० | १२० | १३० | १४० | २०० | |
| कृषि सहकारी संस्था | संख्या | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | ९ | |
| कृषि सहकारीमा आवद्ध कृषक | संख्या | १९५० | १९५० | २३०० | २३०० | २६०० | २९०० | |
| कियाशील ग्रामीण कृषि कार्यकर्ता | संख्या | २ | ५ | ७ | ८ | ९ | १० | |

४.२ सिंचाइ

क) पृष्ठभूमि :

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ अनुसार सा-साना सतह तथा भूमिगत सिंचाइ प्रणालीको सञ्चालन, मर्मत सम्भार, रेखदेख, स्तरोन्नति एवं अनगमन तथा नियमन गर्न सक्ने अधिकार स्थानीय तहलाई दिएको छ। कृषियोग्य भूमिमा नियमित वाहै महिना सिंचाइ सुविधा उपलब्ध गराई कृषिको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन सिंचाइको दिगो व्यवस्थापन गर्नुपर्ने, परम्परागत सिंचाइ प्रणालीको मर्मत सम्भार एवं नयाँ प्रविधिमा आधारित सिंचाइ प्रणालीको माध्यमबाट सिंचित क्षेत्र विस्तार गर्नुपर्ने आवश्यकता महसुस भई सिंचाइ पूर्वाधारहरु निर्माण गरी सिंचाइ प्रणालीलाई सुदृढीकरण गर्नुपर्ने भएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु तथा चुनौतिहरु

- ▶ कृषियोग्य सबै भूमिमा वाहै महिना सिंचाइको व्यवस्था गर्नु
- ▶ खेतीयोग्य भूमिमा सिंचाइ विस्तार गरी कृषि उपजहरुको व्यवसायिक उत्पादन बढाउनु
- ▶ वैकल्पिक सिंचाइ विधि प्रयोगमा कमि -आकाशेपानी सङ्कलन, पानीपोखरी तथा पानीट्याङ्गी)
- ▶ कुलो मर्मत सम्भार हुन नसक्नु
- ▶ उपलब्ध पानीका स्रोतहरुको पूर्ण रूपमा सबुपयोग गर्न नसक्नु

सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ जलाधार : दुवाड, खाकावेशी, फिमरुक, छिर्तिङ, साउने, लिम्च खोलाहरु
- ▶ वैकल्पिक सिंचाइ प्रविधिहरु प्रयोगमा ल्याउन सकिने
- ▶ सिंचाइ आयोजनाहरुमा ठूलो संख्यामा सञ्चालनमा आएको
- ▶ सिंचाइ कुलोहरु -करीव ५ किमि लम्बाइको) निर्माण भएको
- ▶ खेतीयोग्य भूमिका करीव ४.५ प्रतिशत भूमिमा नियमित सिंचाइ हुँदै आएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम तथा आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

लक्ष्य : दिगो सिंचाइ, कृषि उत्पादन र उत्पादकत्वमा अभिवृद्धि

लक्ष्य : सिंचाइ सेवाको विस्तारवाट उत्पादकत्वमा अभिवृद्धि

उद्देश्य

- ▶ जलाधार क्षेत्र, सीमसार, ताल तलैया, नदी खोला खोल्सी, तथा मुहानहरुको दिगो संरक्षण एवं उपयोग गर्दै नियमित रूपमा सिंचाइ सेवा उपलब्ध गराउनु
- ▶ सिंचाइका आधुनिक तथा वैकल्पिक प्रविधिहरुको अवलम्बनवाट सिंचाइ सेवा सुनिश्चित गर्नु ।

रणनीति

१. सिंचाइ आयोजनाहरुको मर्मत सम्भार र स्तरोन्नति गर्ने
२. सिंचाइ सेवा सुविधा विकास र विस्तार गर्ने
३. वैकल्पिक सिंचाइ प्रविधिको व्यवस्थाघ गर्ने
४. सिंचाइ सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीति

रणनीति १ को सिंचाइ आयोजनाहरुको मर्मत सम्भार र स्तरोन्नति अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ चालु अवस्थाका सिंचाइ आयोजनाहरुको मर्मत सम्भार गर्दै नियमित रूपमा सिंचाइ सुविधा उपलब्ध गराउदै कृषि उत्पादनमा वृद्धि ल्याइनेछ ।
- १.२ चालु अवस्थाका सिंचाइ प्रणालीको स्तरोन्नति गरी थप नयाँ क्षेत्र र आंशिक रूपमा सिंचाइ हुँदै आएका क्षेत्रमा नियमित रूपमा सिंचाइ सुविधा उपलब्ध गराइ कृषि उत्पादनमा सहजता ल्याइनेछ ।

रणनीति २ को सिंचाइ सेवा सुविधा विकास र विस्तार अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ पानीका स्थायी श्रोत तथा मुहानहरुको पहिचान गरी सम्भाव्यताका आधारमा श्रोतहरुको सदुपयोग गर्दै खेतीयोग्य क्षेत्रहरुमा सिंचाइ सुविधा उपलब्ध गराइनेछ ।
- २.२ संघीय र प्रदेश सरकारको सहयोगमा सतह सिंचाइलाई व्यवस्थित गरी कृषि उपजहरुको उत्पादनमा वृद्धि ल्याइनेछ ।
- २.३ उपभोक्ताहरु मार्फत नजिकको तालतलैया, सिमसार र जलाधार क्षेत्रहरुको संरक्षण गरिनेछ र नजिकका क्षेत्रहरुमा नियमित सिंचाइ सेवा उपलब्ध गराइनेछ । यसको व्यवस्थापनका लागि नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।
- २.४ पानी पर्याप्त उपलब्ध छिमेकी पालिकाहरुसंग सहकार्य र समन्वय गरी कृषियोग्य क्षेत्रहरुमा नियमित सिंचाइ सेवा उपलब्ध गराइनेछ ।

रणनीति ३ को वैकल्पिक सिंचाइ प्रविधिको व्यवस्था अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ स्थानीय प्रविधि एवं सामाजीहरुको प्रयोग गर्दै वर्षातको पानी सङ्कलन गर्ने प्रोत्साहन गर्दै महिला, दलित र विपन्न वर्गको आय वृद्धिका लागि करेसावारीमा व्यावसायिक तरकारी खेती गर्न सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।
- ३.२ पानी सुविधा उपलब्ध नभएका खेतीयोग्य वाँझो जमिनमा सिंचाइका वैकल्पिक प्रविधिहरुलाई (थोपा र छर्किने) प्रयोगमा ल्याउन प्रोत्साहन गर्दै थोरै पानीमा खेतीगर्न सकिने बालीहरु लगाउन जोड दिइनेछ ।
- ३.३ आकाशे पानी सङ्कलनका लागि प्लाष्टिक पोखरी निर्माणमा र एक बडामा एक पोखरीका माध्यमबाट पानीको श्रोत संरक्षण समेत गरी सिंचाइ र पशुपंक्षीहरुलाई पानीको व्यवस्था गरिनेछ ।

रणनीति ४ को सिंचाइ सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ सिंचाइ सम्बन्धी दीर्घकालीन नीति, कानुन, मापदण्ड तर्जुमा गरी गुरुयोजना, त्यसको कार्यान्वयन र नियमन गरिनेछ ।
- ४.२ उपभोक्ताहरुको लागत सहभागितामा सिंचाइ आयोजनाहरु सञ्चालन गर्दै आयोजना माथि स्थानीयहरुको अपनत्व शृंजना गर्ने, नियमित रूपमा तिनीहरुको मर्मत सम्भार गर्ने वातावरण विकास गरिनेछ ।
- ४.३ सिंचाइ योजना निर्माण गर्दा क्षेत्रगत, लैङ्गिक, जातीय समानुपातिक प्रतिनिधित्व सहितको उपभोक्ता समिति गठन गरी लक्षित वर्गलाई प्राथमिकता दिइनेछ र उक्त समितिको आवश्यकता अनुरुप क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|-------------------------------|-----------------------------------|----------|----------|----------|----------|------------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | थोपा सिंचाइ | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १ | २ | २ | १ |
| २. | लिपट सिंचाइ | ४०० | ४०० | ४०० | ४०० | ४०० | १ | २ | २ | १ |
| ३. | प्लाष्टिक पोखरी | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १ | २ | २ | १ |
| ४. | कुलो मर्मत सम्भार | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | १ | २ | २ | १ |
| ५. | नयाँ कुला निर्माण तथा विस्तार | ५० | ५० | २५ | २५ | ५० | १ | २ | २ | १ |
| ६. | सिंचाइका लागि पाइप | २० | २० | २० | २० | २० | १ | २ | २ | १ |
| ७. | सिंचाइ मुहान संरक्षण | २० | २० | २० | २० | २० | १ | २ | २ | १ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष :

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट कृषियोग्य भूमिको करीब ८० प्रतिशत भूमिका नियमित सिंचाइ हुनेछ र सिंचित भूमि विस्तार भएको हुनेछ । आकाशेपानीको निर्भरतामा रहेको अहिलेको कृषि प्रणालीमा सुधार भई आधुनिक विधिवाट लिपट, स्पिडक्लर, प्लाष्टिक पोखरीहरु निर्माण भएको हुनेछ । संघीय र प्रदेश सरकारको अनुदानमा अत्याधिक निर्भर रहेको सन्दर्भमा स्थानीय तहलाई दिइने अनुदानहरुमा कटौती भई निर्धारित कार्यक्रम तथा आयोजनाहरुको कार्यान्वयन हुन नसक्ने जोखिम त्यक्तिकै रहेको छ ।

► नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|-------------------------------------|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | खेतीयोग्य जमिन मध्ये सिंचित क्षेत्र | प्रतिशत | ३ | ६ | ९ | १२ | १५ | १८ |

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ द० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|--|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ द१ | २०७१/ द२ | २०७२/ द३ | २०७३/ द४ | २०७४/ द५ |
| असर | आकाशेपानीमा निर्भर सिंचाइ भूमि | प्रतिशत | ९७ | ९४ | ९१ | ८८ | ८५ | ८२ |
| प्रतिफल हरु | खोला तथा महानवाट सिंचित भूमि | प्रतिशत | ३ | ५ | ७ | ९ | ११ | १३ |
| | वर्षभरी नियमित सिंचित क्षेत्र | प्रतिशत | ३ | ६ | ९ | १२ | १५ | १८ |
| | सिंचाइका लागि निर्मित नहरको कूल लम्बाइ | किमि | ४६.७ | ४९.२ | ५१.९ | ५४.९ | ५८.१ | ६१.६ |
| | नहर सिंचाइवाट लाभान्वित भूमि | हेक्टर | ६७ | ६७.५ | ६८ | ६९ | ७० | ७२ |
| | स्तरोन्नति तथा मर्मत संभार भएका पानी कलो | संख्या | ४५ | ४८ | ५१ | ५४ | ५७ | ६० |
| | लिपट प्रणालीवाट लाभान्वित भूमि | हेक्टर | ० | १ | १.५ | २ | २.५ | ३ |
| | प्रयोगमा आएका प्रयोगमा आएको आकासे पानी सडकलन तथा प्लाष्टिक पोखरी) | संख्यां | २६ | ३० | ३४ | ३८ | ४२ | ४६ |
| | प्रयोगमा आएका सिंचाइ प्रविधि (सतह पोखरी, ड्रिप, स्पिडक्लर) | संख्या | ३ | ७ | ११ | १५ | १९ | २३ |

४.३ पर्यटन विकास

क) पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ अनुसार पर्यटन क्षेत्रको विकास, विस्तार र प्रवर्द्धन एवं नवीन पर्यटकीय सेवा तथा कार्यहरु सम्बन्धी आयोजनाहरूको पहिचान, कार्यान्वयन, व्यवस्थापन, अनुगमन तथा नियमन गर्ने अधिकार स्थानीय तहलाई दिएको छ । पर्यटनलाई राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको प्रमुख आधारको रूपमा ग्रहण गर्दै वैदेशिक मुद्रा आर्जन गर्ने एक प्रमुख श्रोतको रूपमा लिएको छ । रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना हुने, स्थानीय उपजहरूको विक्री वितरण भई आयआर्जनमा सहयोग पुग्ने, स्थानीय सम्पदा एवं संस्कृतिहरूको संरक्षण, प्रवर्द्धन हुने जस्ता विविध पक्षमा महत्वपूर्ण सहयोग पुगी अन्तत, स्थानीय अर्थतन्त्र समेत चलायमान हुने हुँदा सम्भावना वोकेकोयस क्षेत्रको प्रवर्द्धन गर्नु उपयुक्त हुने हुन्छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

समस्या तथा चुनौति

- ▶ पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि प्रचार प्रसार गर्नु
- ▶ पर्यटकीय पूर्वाधार तथा संरचनाहरूको निर्माण गर्नु
- ▶ स्थानीय भाषा, संस्कृति, चाँडपर्वहरु कमिक रूपमा लोपोन्मुख र त्यसको संरक्षण गर्नु
- ▶ लगानी गर्न निजीक्षेत्रलाई आकर्षित गर्नु

- ▶ नजिकको धार्मिक, संस्कृति, ऐतिहासिक र पुरातात्त्विक सम्पदाहरुसंग सहकार्यवाट लाभ आर्जन गर्नु
- ▶ दीर्घकालीन पर्यटन विकास गुरुयोजना तर्जुमा नभएको
- ▶ सम्भाव्य पर्यटकीय क्षेत्र र सेवाहरुको पहिचान नहुनु
- ▶ साहसिक पर्यटन क्षेत्रको विकास हुन नसक्नु
- ▶ धार्मिक एवं ऐतिहासिक क्षेत्रहरुको प्रचार प्रसार एवं प्रवर्द्धन नहुनु

सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ धार्मिक सम्पदाहरु भएको
- ▶ प्राकृतिक सम्पदा भएको
- ▶ साहसिक पर्यटनको सम्भावना रहेका
- ▶ सांस्कृतिक सम्पदामा मगर जाति
- ▶ पर्यटकीय क्षेत्रहरुको संरक्षण र प्रवर्द्धन हुँदै आएको
- ▶ होटेल, होस्टेल सञ्चालनमा
- ▶ पर्यटन विकासका पूर्वाधारहरु कमशः निर्माण हुँदै
- ▶ पर्यटनलाई आयआजनसंग जोड्न प्रयास
- ▶ पर्यटन उद्योगसंग सम्बन्धित जनशक्तिको क्षमता विकास तथा तालिम प्रदान भएको
- ▶ वहाने देखि ढोरपाटन सम्म पदमार्ग निर्माणको सम्भावना भएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम तथा आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : स्थानीय समृद्धिको आधार, पर्यटनको दिगो विकास

लक्ष्य : धार्मिक, सांस्कृतिक र ऐतिहासिक पर्यटकीय गन्तव्य

उद्देश्य

- ▶ पर्यटकीय गन्तव्यहरु एवं सांस्कृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण, प्रवर्द्धन एवं पूर्वाधारहरुको स्तरोन्नति गर्नु
- ▶ पर्यटक व्यवसायलाई विविधीकरण गर्दै रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना गर्नु

रणनीतिहरु

१. गुणस्तरीय पर्यटन पूर्वाधार सुविधाको विकास र विस्तार गर्ने
२. ऐतिहासिक, पुरातात्त्विक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्वका सम्पदाहरुको पहिचान, संरक्षण, सम्वर्द्धन एवं प्रवर्द्धन गर्ने
३. महिला, दलित तथा अति विपन्न वर्गको आवद्धता बढाउने
४. पर्यटन विकास सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को गुणस्तरीय पर्यटन पूर्वाधार सुविधाको विकास र विस्तार अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ पालिका भित्र सम्भावित पर्यटकीय क्षेत्र तथा पर्यटकीय उत्पादनहरु पहिचान गरी त्यसको विवरण तयार पार्दै त्यस्ता उत्पादनहरुको विकास गर्न तथा गन्तव्य क्षेत्रहरुमा पुन आवश्यक सबै प्रकारका भौतिक पूर्वाधारहरु निर्माण र सुरक्षा व्यवस्था गरिनेछ ।
- १.२ सामाजिक सञ्जाल लगायत विभिन्न विद्युतीय माध्यमहरुवाट व्यापक प्रचार प्रसार गरी गन्तव्य स्थलहरुको वारेमा जानकारी गराइनेछ ।

- १.३ पर्यटन व्यवसायमा आवद्ध राष्ट्रिय तथा स्थानीय संघ संस्था, होटेल, ट्राभल्स एजेन्सीहरुसंग सहकार्य एकीकृत रूपमा पर्यटन प्रवर्द्धनका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछ ।
- १.४ पर्यटनमा आधारित उद्योग व्यवसायहरु सञ्चालनका लागि स्थानीय वेरोजगार युवाहरु एवं सहकारीमा आवद्ध सदस्यहरुलाई सीप तथा उच्चमशील बिकास तालिमहरु सञ्चालन गरी क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- १.५ निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा एक निश्चित समय निर्धारण गरी आन्तरिक एवं वाह्य पर्यटक वृद्धिका लागि पर्यटन महोत्सव नियमित रूपमा आयोजना गरिनेछ ।
- १.६ पर्यटकहरुको सुरक्षा, औषधोपचार, होटेल, गाइड जस्ता न्यूनतम पूर्वाधारहरुको व्यवस्थाका लागि स्थानीय वासिन्दाहरुको क्षमतामा अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- १.७ पर्यटकीय गन्तव्य स्थानहरुमा पुग्न सम्भव भएसम्म सवैप्रकारका यातायातको व्यवस्थाका लागि निजीक्षेत्रलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- १.८ विद्यमान चालु अवस्थामा रहेका पर्यटकीय क्षेत्रहरुमा थप पर्यटकीय उत्पादन वृद्धि गरी पर्यटकहरुको वसाई लागि अरु लम्ब्याइनेछ ।

रणनीति २ को ऐतिहासिक, पुरातात्त्विक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्वका सम्पदाहरुको संरक्षण, सम्बद्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ महत्वपूर्ण सम्पदाहरुको जीर्णोद्धार, मर्मत सम्भार, ताम्रापत्र राख्दै सम्पदाको व्यवस्थापन तथा नियमित सरसफाइका लागि स्थानीयहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- २.२ लोपोन्मुख एवं अन्य सवैप्रकारका कला, भाषा र संस्कृतिहरु भल्कने गरी उपयुक्त स्थानमा एकीकृत सङ्ग्रहालय निर्माण गर्दै सम्पदाको संरक्षण एवं व्यवस्थापनका लागि स्थानीय वासिन्दाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ । थारु संग्रहालयको स्तरोन्नति गरिने छ ।
- २.३ स्थानीय संस्कृतिहरु भल्कने गरी होमस्टे सञ्चालन गर्न स्थानीय महिला, दलित तथा अति विपन्न वर्गलाई प्रोत्साहित गरिनेछ । होमस्टे सञ्चालन गर्न आवश्यक सीप तथा उच्चमशीलता बिकास सम्बन्धी तालिमहरु सञ्चालन गरी क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । सञ्चालनमा रहेका होमस्टेहरुको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।

रणनीति ३ को महिला, दलित तथा अति विपन्न वर्गको आवद्धता बढाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ दलित एवं अति विपन्न समुदायमा होमस्टे सञ्चालन गर्न आवश्यक सवै सीप तथा उच्चमशीलता बिकास तालिमहरु प्रदान गरी क्षमता अभिवृद्धि एवं आवश्यक पूर्वाधारहरुको व्यवस्था मिलाउदै आय आर्जन एवं स्वरोजगारीको अवसर शृजना गरिनेछ ।
- ३.२ होमस्टे सञ्चालन गर्न आवश्यक लगानी पूँजीको अभावमा होमस्टे सञ्चालनमा अवरोध आएमा वित्तीय संस्थासंग समन्वय गरी सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।

रणनीति ४ को पर्यटन बिकास सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ पर्यटन बिकासका लागि दीर्घकालीन नीति, गुरुयोजना बनाई सोही अनुसार कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ४.२ पर्यटन बिकास, प्रवर्द्धनका लागि कानुन, मापदण्ड बनाई त्यसको अनुगमन र नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| तालिका/ग्राफचित्र-१५ | | | | | | | | | | |
|-------------------------------------|----------------------|-------------------|----------|----------|----------|----------|------------------|-------------------|---------------|---------------|
| पर्यटन बिकास : कार्यक्रम तथा आयोजना | | | | | | | | | | |
| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत | | | | | प्राथमिक ता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
| | | रकम (रु. लाखमा) | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | |
| | | | | | | | | | | |

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | | | | |
| १. | होमस्टे संचालन | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | १ | ८ | १ | १ |
| २. | धार्मिक पर्यटन विकास, प्रवर्द्धन, मन्दिर निर्माण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ८ | २ | १ |
| ३. | पर्यटकीय पैदल मार्ग निर्माण (माके वाहन पोल्ने कठवराह, | १५ | १० | १० | ५ | ५ | २ | ८ | २ | १ |
| ४. | स्थानीयसम्पदाको मर्मत, जीर्णोद्धार, स्तरोन्नति (भुलेनी नौवाहिनी) | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २ | ८ | ३ | १ |
| ५. | पर्यटकीय क्षेत्र तथा सम्पदाको प्रचार प्रसार | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ८ | ३ | २ |
| ६. | पार्क तथा पिकनिक स्पट निर्माण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ८ | २ | १ |
| ७. | अतिथि सत्कार तथा व्यवस्थापन तालिम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ८ | २ | ३ |
| ८. | स्थानीय पर्यटन महोत्सव | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | १ | ८ | २ | २ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट पालिका क्षेत्रभित्र खासगरी धार्मिक पर्यटकहरुको आवगमनमा वृद्धि भएको हुनेछ । पर्यटकीय पूर्वाधारहरुको मर्मत सम्भार, स्तरोन्नति लगायत सम्पदाहरुको जीर्णोद्धार, नयाँ संरचना, पर्यटकहरुका लागि खानेवस्ने, यातायात, सुरक्षा लगायतका सेवा सुविधाहरुमा वृद्धि भएको हुनेछ । पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि प्रचार प्रसारमा कमि, निर्धारित कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु कार्यान्वयन हुन नसक्नु, निर्धारित वजेटको व्यवस्था हुन नसक्नु र संघ एवं प्रदेवाट अपेक्षित अनुदान प्राप्त हुन नसक्नु यसका जोखिम पक्षहरु हुन ।

► नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|--|---------------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | स्थानीयको आयमा भएको वृद्धि | प्रतिशत | | ५ | ५.५ | ६ | ६.५ | ७ |
| असर | पर्यटन व्यवसायवाट कूल रोजगारीता प्रदान | संख्या (सयमा) | १५० | २०० | २२५ | २५० | २७५ | ३०० |
| प्रतिफल हरु | धार्मिक पर्यटन सञ्चालन स्थान | संख्या | १० | १० | १० | १० | १० | १० |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|--|------------------|------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| सुविधा सम्पन्न पर्यटकीय गन्तव्य स्थल यातायात, सुरक्षा, होटेल आदि) | संख्या | ३ | ३ | ५ | ७ | ८ | १० | |
| स्तरोन्नति गरिएका पर्यटकीय सम्पदाहरु | संस्था | ३ | ३ | ५ | ७ | ८ | १० | |
| व्यवस्थित, सुविधायुक्त, आकर्षक, सुरक्षित, मनोरम पर्यटकीयगन्तव्य | संख्या | १० | १० | १० | १० | १० | १० | |
| उपलब्ध पर्यटकीय सेवा र सुविधाको प्रकार | संख्या | ० | १ | ३ | ३ | ४ | ४ | |
| सञ्चालित तथा व्यवस्थित पदमार्गको लम्बाइ (कूल) | कि.मि. | ० | ० | ३ | ६ | ८ | १० | |
| कृषि पर्यटन सञ्चालन स्थान | संख्या | | | | | | | |
| व्यवस्थित होमस्टे र ग्रामीण पर्यटकीय गाउँ | संख्या | ० | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| व्यवस्थित बनभोज, पार्क | संख्या | ३ | ३ | ४ | ५ | ६ | ६ | |
| तालिम प्राप्त दुर गाइड | संख्या | | | | | ३ | ३ | |
| तालिम प्राप्त कुक, वेटर | संख्या | १० | २० | २० | ३० | ३० | ३० | |
| सालभरी भ्रमण गर्ने आन्तरिक पर्यटकको | संख्या हजारमा | ४८० | ५०० | १००० | १५०० | २००० | २५०० | |
| भ्रमण गर्ने पर्यटकहरु को औषत वसाइ | दिन | | | | २ | २ | २ | |
| पर्यटकको औषतमा दैनिक खर्च प्रति व्यक्ति | रु.हजार | ५०० | ५०० | ५०० | १००० | १००० | १००० | |
| धार्मिक पर्यटन सञ्चालन स्थान | संख्या | १० | १० | १० | १० | १० | १० | |

४.४ उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

क) पृष्ठभूमि

उद्योग, व्यापार, व्यवसायआर्थिक विकासका प्रमुख मेरुदण्डहरु हुन्। यसको विकास, विस्तार एवं प्रवर्द्धनवाट रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना हुने, आयश्रोत अभिवृद्धि हुने, स्थानीय स्तरमा उपलब्ध कच्चा पदार्थ, श्रम, सीप एवं प्राविधिहरुको सदुपयोग हुने र अन्तत, आर्थिक तथा सामाजिक रूपान्तरण ठूलो सहयोग पुग्ने गर्दछ। नेपालको संविधानले अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान गरी उद्योगको विकास र विस्तार र उपलब्ध साधन र श्रोतको अधिकतम परिचालन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने पक्षलाई समावेश गरेको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ निजी क्षेत्रसंग सहकार्य हुन नसक्नु
- ▶ स्थानीय हाटवजार र वाट्य वजारसंग सम्बन्ध स्थापित हुन नसकेको र वजार प्रवर्द्धन हुन नसकेको
- ▶ उद्योगहरुमा आधारभूत पूर्वाधारहरु उपलब्ध हुन नसक्नु
- ▶ स्थानीय लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरुको विकास विस्तार तथा प्रवर्द्धनका लागि प्याकेज कार्यक्रम नहुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ आयातित वस्तुमा परनिर्भरता घटाउदै कृषि उपजहरुमा आत्मनिर्भरताका लागि स्व उत्पादन बढाउनु
- ▶ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्का आएका युवाहरुलाई व्यवसायतर्फ आकर्षण गर्नु
- ▶ स्थानीय कच्चा पदार्थ, साधन श्रोतमा आधारित लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरुको वजार विकास तथा प्रवर्द्धन गर्नु
- ▶ व्यवसायिक सीपयुक्त जनशक्तिको विकास गर्नु र वजारको माग अनुसार जनशक्ति तयार पार्नु
- ▶ औद्योगिक क्षेत्र विस्तारका लागि निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गर्दै लगानी भित्र्याउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ कृषि तथा पशुपालन -दुध, मासु अण्डा), माछपालन, फलफुल एवं वेमौसमी तरकारी, अलैची अदुवा वेसार आदिमा आधारित उद्योगहरु व्यवसायिक सम्भावना
- ▶ गैरवन पैदावर तथा जडीवुटीमा आधारित उद्योग व्यवसायहरुको सम्भाव्यता अधिक
- ▶ आन्तरिक पर्यटनमा आधारित हस्तकलाका उद्योग, कोशेलीघर, आदिको सम्भाव्यता रहेको
- ▶ उच्चमशीलता विकासका लागि व्यवसायिक सीप तालिम प्रदान भएको
- ▶ ढाका वुनाई, अल्लो जस्ता उद्योगहरुको प्रवर्द्धन हुँदै आएको,
- ▶ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित लघु, घरेलु तथा साना उद्योग र महिलाद्वारा सञ्चालित उद्योग व्यवसायहरु प्रवर्द्धन हुँदै आएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं कार्यक्रम तथा आयोजना

गाउँपालिकाले अगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : घरेलु तथा साना उद्योगको विकास र विस्तार : स्थानीय अर्थतन्त्रको दिगो आधार

लक्ष्य : उद्योग व्यवसायहरुको प्रवर्द्धनवाट स्थानीय अर्थतन्त्रमा सुधार ल्याउने

उद्देश्य

- ▶ स्थानीय साधन, श्रोत तथा कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरुको संरक्षण, प्रवर्द्धन एवं विकासलाई प्रोत्साहित गर्नु
- ▶ घरेलु तथा साना उद्योग व्यवसायमा स्थानीय समुदायको आवद्धता बढाउदै आय वृद्धि र रोजगारीता सिर्जना गर्नु

रणनीतिहरु

१. स्थानीय कच्चा पदार्थ, साधन श्रोत र सीपको सदुपयोगमा वृद्धि गर्ने
२. स्थानीय उत्पादनहरुको वजार प्रवर्द्धन गर्ने
३. उद्योग व्यवसायमा युवा, महिला, दलित तथा अति विपन्न वर्गको आवद्धता बढाउने
४. उद्योग, व्यवसाय तथा सेवा सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को स्थानीय कच्चा पदार्थ, साधन श्रोत र सीपको सदुपयोगमा वृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ स्थानीय स्तरमा खेरगइरहेका साधन, श्रोत, सीप प्रविधिमा आधारित लघु, घरेलु तथा साना उद्योग व्यवसाय सञ्चालनका लागि सहकारी तथा निजी क्षेत्रसंग समन्वय, सहकार्यवाट रोजगारीका अवसरहरु श्रृजना गरिनेछ ।
- १.२ व्यवसायिक सम्भाव्यता भएका वस्तुहरुको विस्तृत अध्ययन अनुसन्धान गरी सोका आधारमा बेरोजगार युवाहरुलाई सीप विकास एवं उद्यमशीलता विकास तालिम प्रदानवाट क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । प्रशिक्षित युवालाई सहुलियत दरमा वैकिङ्ग ऋण उपलब्ध गर्न वित्तीय संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- १.३ वैदेशिक रोजगारवाट फर्केका युवाहरुलाई कृषि, पशुपंक्षीपालन, गैर-काष्ठ बनपैदावर, जडीबुटी, तरकारी, फलफुल तथा पर्यटन क्षेत्रमा व्यवसायिक विकास तथा उद्यमशीलता विकासका लागि प्रोत्साहित गर्दै स्थानीय आर्थिक कारोबारमा गतिशीलता ल्याइनेछ ।
- १.४ सहकारी संस्थामा आवद्ध सबै सदस्यहरुलाई खासगरी रैथाने बाली, जडीबुटी, हस्तकलाका सामान जस्ता निर्यातजन्य उत्पादनका लागि सीप एवं उद्यमशीलता विकास तालिम प्रदान गरी क्षमताका आधारमा एकल तथा सामुहिक रूपमा उद्योग व्यवसाय सञ्चालनका लागि प्रोत्साहित गर्दै स्वरोजगारीमा जोड दिइनेछ ।
- १.५ परम्परागत, मौलिक एवं कला संस्कृतिसंग सम्बन्धित उद्योग व्यवसायहरुको संरक्षण, सम्बद्धन तथा प्रवर्द्धनका लागि नीतिगत व्यवस्था गर्दै युवाहरुमा सीप हस्तान्तरण, उद्यमशीलता विकासका लागि प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- १.६ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योग व्यवसायको व्यवसायिक विकासका लागि आवश्यक सबै प्रकारका भौतिक पूर्वाधारहरुको निर्माण सहित औद्योगिक ग्रामको स्थापना गरिनेछ । यसरी स्थापित औद्योगिक ग्राममा उद्योग तथा वाणिज्य सम्बन्धी प्रशासनिक सेवाहरु, वैकिङ्ग सेवा, व्यवसायिक परामर्श लगायतका सेवाहरु एकै स्थानमा उपलब्ध गराई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि ल्याइनेछ । यसका लागि सहकारी एवं निजीक्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति २ को स्थानीय उत्पादनहरुको बजार प्रवर्द्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ पालिकाको एक प्रमुख बजार क्षेत्रमा विकी कक्ष, प्रदर्शनी कक्ष, कोशेलीघर स्थापना गर्दै स्थानीय उत्पादनहरुको बजार प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- २.२ ड्राईमीट उद्योग, राँगा, वड्गुरको सुकुटी उत्पादन गर्ने, ड्राईफुट, मकै, कोदो, भटमासमा आधारित उत्पादनहरुको बजार व्यवस्थाको लागि निजी क्षेत्रलाई सहयोग उपलब्ध गरिनेछ ।
- २.३ उन्नत जातका गाईभैसी पालन एवं दुग्ध सङ्कलन चिस्यान केन्द्र स्थापना र सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।
- २.४ कागती लगायत फलफुलहरुको जुस उत्पादन गर्न निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- २.५ स्थानीय हाटवजार केन्द्र निर्माण गरी नियमित रूपमा स्थानीय एवं प्रदेश स्तरीय व्यापार मेला, प्रदर्शनी आयोजनाका लागि सहकारी एवं निजीक्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- २.६ विद्यमान बजार क्षेत्रहरुमा क्रमशः भौतिक पूर्वाधार, सेवा सुविधाहरु उपलब्ध गराउदै व्यापारिक केन्द्रको रूपमा विकास गरिनेछ ।
- २.७ स्थानीय उत्पादनलाई वाट्य बजार क्षेत्र सम्म पुऱ्याउन सबै प्रकारका यातायात सेवालाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- २.८ औद्योगिक सेवा, सूचना प्रवाह, प्रविधि सम्बन्धी सूचना सङ्कलन र विरणलाई विस्तार गरिनेछ ।

रणनीति ३ को उद्योग व्यवसायमा युवा, महिला, दलित तथा अति विपन्न वर्गको आवद्धता बढाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ महिला, दलित तथा अति विपन्न वर्गको रोजगारी एवं आय स्तरमा वृद्धिका लागि एकल, सामुहिक, साभेदारीमा उद्योग व्यवसाय स्थापनामा सहजीकरण र सञ्चालनका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।
- ३.२ परम्परागत सीपलाई पुस्तान्तरण गर्दै व्यवसायीकरण गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- ३.३ पूँजीको अभाव उद्योग व्यवसाय शुरुवात गर्न नसकेका सम्भावित उद्यमीहरुलाई सहकारी तथा वित्तीय संस्थासंग समन्वय गरी व्यवसाय सञ्चालनको वातावरण श्रृजना गरिनेछ ।
- ३.४ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरुको ज्ञान, सीप र पूँजीलाई परिचालन गर्न युवालाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- ३.५ परियोजनामा आधारित कर्जा प्रवाहको व्यवस्थाका लागि वित्तीय क्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति ४ को उद्योग, व्यवसाय तथा सेवा सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरूको प्रवर्द्धनका लागि नीति, दीर्घकालीन योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- ४.२ उद्योग व्यवसाय विकास सम्बन्धी कानून, मापदण्ड बनाई अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।
- ४.३ स्थानीय व्यापार, वस्तुको माग, आपूर्ति तथा अनुगमन, उपभोक्ता अधिकार र हित सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड कार्यान्वयन र नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | स्थानीय सीपमा आधारित उद्योगको प्रवर्द्धन (डोको, नाम्लो, ठेकी ...) | १० | १० | १० | १० | १० | १ | ९ | २ | ३ |
| २. | स्थानीय मदिराको व्राण्डिङ गर्ने | १० | १० | ० | ० | ० | २ | ९ | २ | २ |
| ३. | जडीबुटी संकलनप्रशोधन | २५ | २५ | १५ | ० | ० | १ | ९ | २ | २ |
| ४. | सीप तथा उद्यमशीलता विकास तालिम | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ९ | १ | २ |
| ५. | दुधजन्य उद्योग प्रवर्द्धन | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | ९ | २ | २ |
| ६. | कृषि वनमा आधारित उद्योगको विकास विस्तार | २० | २० | २० | २० | २० | १ | ९ | १ | २ |
| ७. | औद्योगिक ग्राम स्थापना | ५० | ५० | ५० | ५० | ० | १ | ९ | २ | ३ |
| ८. | उद्यमशीलता प्रोत्साहन तथा अनुदान | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | ९ | १ | ३ |
| ९. | गरिवी निवारणका लागि लघु, घरेलु तथा साना उद्योग प्रवर्द्धन | २० | २० | २० | २० | २० | १ | ९ | १ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम तथा नतिजा खाका

♦ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट स्थानीय सीप, साधन, श्रोत एवं प्रविधिमा आधारित लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरूको विकास, विस्तार एवं प्रवर्द्धन भएको हुनेछ । जडीबुटीमा आधारित उद्योग व्यवसाय, कृषि तथा कृषि वनमा आधारित उद्योग व्यवसायहरूको विकास भएको हुनेछ । यस अवधिमा पालिका क्षेत्रभित्र औद्योगिक ग्राम सञ्चालन भएको हुनेछ । यसका लागि निजी क्षेत्र, युवा वर्ग एवं वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरूको आकर्षणमा निर्भर हुने हुन्छ, जुन निकै चुनौतिपूर्ण छ । निजी क्षेत्रको लगानी वृद्धिका लागि व्यवसायिक वातावरण सिर्जना हुनुपर्ने हुन्छ, जुन पक्ष देशको राजनीति, आर्थिक एवं सामाजिक परिवेशवाट प्रभावित हुने गर्दछ ।

→ नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : १८
उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-----------------------|---|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| प्रभाव | रोजगारीमा गैरकृषि क्षेत्रको योगदान | प्रतिशत | ३५ | ३५ | ३८ | ४० | ४२ | ४५ |
| असर | पालिकाको वार्षिक आयात निर्यातको अनुपात -आयात : निर्यात) | अनुपात | ५:१ | ५:१.५ | ५:२ | ५:२.५ | ५:३ | ५:३.५ |
| प्रतिफल हरु | चालु लघु, घरेलु तथा साना उद्योग | संख्या | १४० | १५० | १६० | १७० | १८० | १९० |
| | कानून अनुसार सम्बन्धित निकायमा कर चुक्ता गर्ने उद्योग | संख्या | १२० | १३० | १४० | १६० | १७० | १८० |
| | सुचारु व्यापार व्यवसाय | संख्या | १६९ | १९० | २०० | २०५ | २१० | २१५ |
| | स्थानीय सीप शैली, प्रविधि मा आधारित उद्योग व्यवसाय | संख्या | १४० | १५० | १६० | १७० | १८० | १९० |
| | वाँस, अल्लो, केरा जस्ता वनस्पतिजन्य रेशामा आधारित व्यवसाय | संख्या | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| | स्थानीय हस्तकलामा आधारित व्यवसाय | संख्या | ० | १ | २ | ३ | ३ | ४ |
| | जडिवुटीमा आधारित उद्योग व्यवसाय | संख्या | १ | २ | २ | ३ | ३ | ४ |
| | उद्यम सिर्जना व्यवसायिक विकास सम्बन्धी तालिम प्राप्त उद्योगहरु | संख्या | २४७ | ३२७ | ४०७ | ४८७ | ५६७ | ६४७ |
| | सीपमूलक व्यवसायिक तालिम आर्जन गर्ने व्यक्तिहरु | संख्या | ४४७ | ५०० | ६०० | ७०० | ८०० | ९०० |
| | महिलाद्वारा सञ्चालित उद्योग व्यवसाय | संख्या | ७० | ८० | ८५ | ९० | ९५ | १०० |
| सुचारु औद्योगिक ग्राम | सुचारु औद्योगिक ग्राम | संख्या | ० | १ | १ | १ | १ | १ |
| | वौद्धिक सम्पत्ति संरक्षणका लागि आधिकारी रूपमा वाणिडड भएका जडिवुटी, हस्तकला उत्पादनहरु | संख्या | | | | | १ | |
| | तरकारी, फलफुल, खाचान्न लगायत अत्यावश्यक उत्पादनको | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | २ |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|---|--------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | नियमित आपूर्ति तथा विक्री वितरणका लागि सञ्चालनमा रहेका केन्द्रहरु | | | | | | | |
| | सहकारी संस्था मार्फत सञ्चालित सुपथ मूल्यका पसलहरु | सख्यां | ० | १ | १ | १ | १ | १ |
| | मूल्य सूची सहित व्यवस्थित सञ्चालित व्यवसायहरु | सख्यां | २० | २५ | ३० | ४० | ५० | ५५ |
| | नियमित वजार अनुगमन तथा नियमन | संख्या | ६ | ८ | १० | १२ | १२ | १२ |

४.५ वैंक, वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास

क) पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले सहकारी संस्था सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्डको निर्माण, कार्यान्वयन र नियमन, दर्ता, अनुमति, खारेजी, विघटन गर्ने समेत अधिकार स्थानीय तहलाई दिएको छ। सहकारी क्षेत्रको प्रवर्द्धन, परिचालन र विकास, तिनीहरुको क्षमता अभिवृद्धि जस्ता कार्यहरु पनि स्थानीय तहकै अधिकार क्षेत्रभित्र रहेको छ। देशको आर्थिक विकास तथा व्यापार व्यवसाय प्रवर्द्धन, एवं पूँजी परिचालनमा वैकिड क्षेत्रको उल्लेखनीय भूमिका खेल्दै आएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्यसमस्याहरु

- ▶ वित्तीय नीति, नियम तथा मापदण्डहरु निर्माण तथा कार्यान्वयन नहुनु
- ▶ महिला सहकारी संस्थाहरुको विस्तार गर्न नसक्नु
- ▶ सहकारी सदस्यहरुमा क्षमता अभिवृद्धिको कमि तथा व्यवसायिकताको विकास गर्न नसक्नु

मुख्यचुनौतिहरु

- ▶ विपन्न वर्गलाई वैकिड सेवा पहुँच वृद्धि गर्नु
- ▶ कृषि, पर्यटन, लघु, घरेलु तथा साना उद्योगहरुमा कर्जा प्रवाहमा अभिवृद्धि ल्याउनु
- ▶ परियोजना तथा सामुहिक जमानीमा ऋण सुविधा उपलब्ध गर्नु
- ▶ व्याँजदरलाई नियन्त्रण गर्नु
- ▶ धितो मूल्याङ्कन तथा ग्रामीण धितोको जटिलता हटाउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ कर्जा तथा ऋण सेवा सुविधा उपलब्ध
- ▶ वाणिज्य वैंक, लघु वित्त एवं सहकारी संस्थाहरु क्रियाशील
- ▶ वचत, लगानी, रेमिट सेवा सुविधाहरु उपलब्ध

- ▶ निक्षेप सङ्कलन वैकहरुवाट रु.८३ करोड ७३ लाख
- ▶ सहकारीहरुको सञ्चालनवाट बचत सङ्कलन रु.२५ करोड ६८ लाख
- ▶ आम नागरिकहरुको बचत सङ्कलन, कर्जा प्रवाह एवं रेमिट सेवाहरु सञ्चालनमा
- ▶ वित्तीय एवं सहकारी संस्थाहरु पालिका क्षेत्र भित्र कियाशील रहेको
- ▶ सहकारी संस्थाहरुको क्षमता विकासमा सहयोग

ग) सोच, लक्ष्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : वित्तीय पहुँचमा सहजता : उच्चमशीलता र रोजगारीता

लक्ष्य : वित्तीय सोतहरुको प्रभावकारी परिचालनवाट उच्चोग व्यवसायको प्रवर्द्धन

उद्देश्य

- ▶ सहकारी संस्थाहरुलाई सबल, प्रतिस्पर्धी र व्यवसायिक बनाउदै वित्तीय सेवाको पहुँच वृद्धि गर्नु
- ▶ प्रतिस्पर्धात्मक एवं तुलनात्मक लाभ भएका व्यवसायिक क्षेत्रहरुमा वित्त परिचालनका लागि प्रोत्साहित गर्नु

रणनीतिहरु

१. सहकारीता विकास गर्ने
२. सङ्कलित पूँजीलाई छिटो प्रतिफल प्राप्त हुने क्षेत्रमा परिचालन गर्ने
३. विप्रेषण (रेमिटेन्स) लाई उच्चम र व्यवसायमा परिचालन गर्ने
४. वित्तीय परिचालन तथा सहकारी विकास सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को सहकारीता विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ छरिएर रहेका तथा अनुत्पादक क्षेत्रका पूँजीहरुलाई एकीकृत गर्दै सहकारी संस्था स्थापना गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ । एकीकृत पूँजीलाई उच्चोग, व्यवसाय तथा उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन गरी रोजगारी शृङ्जना एवं आय आर्जन वृद्धि ल्याउन सहकारी संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- १.२ भइरहेको सहकारी संस्थाहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै व्यवस्थापकीय पक्षमा मजबुज बनाउदै एक घर एक सहकारी अवधारणा अवलम्बन गरिनेछ ।
- १.३ कृषक समूह, उच्चमी समूह, महिला, स्थानीय उच्चमी तथा व्यवसायीहरुलाई सहकारीमा आवद्ध हुन प्रोत्साहित गर्दै सहकारीका सदस्यहरुमा उच्चमशीलता विकास, उत्पादन, बजारीकरण, वित्तीय व्यवस्थापन, नेतृत्व विकास, सहकारी व्यवस्थापन, सहकारी शिक्षा, सूचना प्रणाली, लगानी व्यवस्थापन क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- १.४ एक वस्ती एक सहकारी अवधारणालाई अवलम्बन गर्दै विषयक्षेत्र अनुसारको अलग अलग सहकारी संस्था स्थापनाका लागि प्रोत्साहित गरिनेछ । यसका लागि सहकारी तथा बचत सम्बन्धी चेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- १.५ कृषि, पशुपक्षी, गैर-काष्ठ बन पैदावरमा आधारित उपजहरुमा विविधीकरण गर्दै सहकारी संस्थाहरुको माध्यमबाट त्यस्ता उपजहरुको बजार विकास विस्तार तथा प्रवर्द्धनका लागि सहयोग उपलब्ध गरिनेछ ।
- १.६ सहकारी संस्थावाट सहज एवं सहुलियत दरमा कर्जा प्रवाहका लागि सहजीकरण गरिनेछ ।
- १.८ कृषि तथा बहुउद्देश्यीय सहकारीसंग समन्वय कायम गरी विपन्न वर्ग लक्षित सुपथ मूल्यमा उपभोग्य वस्तु उपलब्ध गराइनेछ ।

रणनीति २ को सङ्कलित पूँजीलाई छिटो प्रतिफल प्राप्त हुने क्षेत्रमा परिचालन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ नगदेवाली, फलफुल, तरकारी लगायत छिटो नगद तथा पूँजी निर्माण हुने क्षेत्रहरुमा लगानी परिचालन गर्न वित्तीय क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गर्दै स्थानीय स्तरमा रोजगारी तथा आयआर्जनका अवसरहरु शृङ्जना गरिनेछ ।
- २.२ महिला, दलित तथा अतिविपन्न वर्गको आर्थिक उत्थानमा सहयोग पुऱ्याउन व्यवसायको प्रकृति र आवश्यकताका आधारमा सहलियतपूर्ण कर्जा वा अनुदान व्यवस्था गरिनेछ ।
- २.३ स्थानीय साधन, श्रोत, सीप र रोजगार प्रवर्द्धन हुने क्षेत्र एवं महिला समूहद्वारा सञ्चालित उद्योग व्यवसायहरुमा लगानी गर्न नीतिगत व्यवस्था, सामुहिक जमानीमा कर्जा व्यवस्था, कर्जा लिने प्रक्रियालाई सहज र ऋण सुविधामा पहुँच वृद्धि गरिनेछ ।
- २.४ विषयक्षेत्रगत रूपमा र वर्गीय हिसावबाट तोकिएको प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रहरुमा सहलियतपूर्ण ऋण कार्यकम सञ्चालन गरी समग्र अवस्थामा सुधार ल्याउन वित्तीय संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- २.५ वित्तीय संस्थाहरुसंगको सहकार्यमा वैकिङ्ग ऋणलाई सहज, सुलभ र धितो मूल्याङ्कन एवं व्याँजदरलाई व्यवहारिक बनाइनेछ ।
- २.६ एक वडा एक सुपथ मूल्य पसलहरु विस्तार गरिनेछ ।
- २.८ न्यूनदरमा सुलभ कृषि कर्जा उपलब्ध गराउन सहकारी संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति ३ को विप्रेषण (रेमिटेन्स) लाई उद्यम र व्यवसायमा परिचालन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ विप्रेषणलाई आयमूलक क्षेत्रमा लगानी गर्न सम्बन्धित परिवारहरुमा वित्तीय साक्षरता, सीप विकास, उद्यमशीलता विकास तालिम कार्यकम सञ्चालन गरी क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- ३.२ विप्रेषणलाई नगदेवाली, छिटो नगद तथा पूँजी निर्माण हुने क्षेत्रहरुमा लगानी गर्न नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।

रणनीति ४ को वैक, वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ सम्पूर्ण वडामा वित्तीय संस्थाका शाखाहरु विस्तार गर्ने ।
- ४.२ वित्तीय, सहकारी एवं विप्रेषण लगानी सम्बन्धी नीति, कानुन, मापदण्ड बनाई अनुगमन र नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यकम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यकम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यकम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिर्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र-१९
वैक, वित्तीय संस्था सहकारी : कार्यकम तथा आयोजना

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यकम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता कम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|--|-----------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | | | | |
| १. | सहकारीको संख्या क्षमता विकास कार्यकम | १० | १० | ५ | ५ | ५ | २ | १ | २ | ३ |
| २. | सहकारी व्यवसाय विकास तथा विस्तार कार्यकम | १० | १० | ५ | ५ | ५ | २ | १ | २ | ३ |
| ३. | सहकारी मार्फत व्यवसाय प्रवर्द्धन | २० | १५ | १० | ७ | ५ | २ | १ | २ | ३ |
| ४. | वित्तीय सेवा प्रवर्द्धन तथा साक्षरता कार्यकम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १ | २ | ३ |
| ५. | महिला कृषि सहकारी प्रवर्द्धन विकास | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १ | १ | ३ |
| ६. | सहकारी संस्था नियमन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १ | २ | ३ |

| तालिका/ग्राफचित्र-१९ | | | | | | | | | | |
|---|----------------------|--------------------------------------|---------|---------|---------|---------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| वैक, वित्तीय संस्था सहकारी : कार्यक्रम तथा आयोजना | | | | | | | | | | |
| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
| | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | | | | |
| | तथा अनुगमन | | | | | | | | | |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजना कार्यान्वयनवाट खासगरी सहकारी संस्थाहरुको क्षमता अभिवृद्धि हुनेछ । सहकारीमा आवद्ध सदस्यहरुको व्यवसायिक सीप र क्षमतामा अभिवृद्धि भई स्वरोजगारीता सिर्जना भएको हुनेछ । वित्तीय संस्थाहरुवाट गरिने कर्जा प्रवाहमा सहजता नभएको, धितो मूल्याङ्कन र घितो राखिने वस्तुपनि विविध प्रावधानका कारण उपयुक्त नहुने हुँदा अपेक्षित प्रतिफल प्राप्तिमा पर्याप्त आशंकाहरु देखिएका छन् ।

► नतिजा खाका

| तालिका/ग्राफचित्र : २० | | | | | | | | | |
|---|--|---------|------------------------------|---------------|---------|---------|---------|---------|--|
| वैक, वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास : नतिजा खाका | | | | | | | | | |
| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | | |
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | |
| प्रभाव | वित्तीय संस्थाको कर्जा वाट व्यवसायिहरुको आय वढिमा परेको सक्रात्मक परिणाम | प्रतिशत | | ५ | ७ | १० | १२ | १५ | |
| असर | वैक तथा वित्तीय संस्थाहरुवाट भएको कूल कर्जा प्रवाह -कूल निक्षेप संकलन रकमको) | प्रतिशत | ५५ | ५८ | ६० | ६३ | ६५ | ६८ | |
| प्रतिफल हरु | सुचारु वैक तथा वित्तीय संस्था | संख्या | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ | ५ | |
| | व्यवहार तथा ऋण समेतको कूल सहकारी संस्था | संख्या | ३२ | ३५ | ३८ | ४० | ४३ | ४५ | |
| | महिलाहरुद्वारा सञ्चालित सहकारी संस्था | संख्या | ५ | ७ | ९ | ११ | १३ | १५ | |
| | सहकारी संस्थामा आवद्ध सदस्यहरु | संख्या | ११२० | ११५० | ११७५ | १२०० | १२३० | १२५० | |
| | सहकारी संस्थावाट भएको कूल कर्जा लगानी-कूल निक्षेपको) | प्रतिशत | ६० | ६८ | ७० | ७३ | ७५ | ७५ | |

४.६ श्रम, रोजगार तथा सुरक्षित आप्रवासन

क) पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले श्रम तथा रोजगारीको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ । वि.सं. २०८० देखि वैदेशिक रोजगारीका लागि वाध्यात्मक रूपमा विदेशिनु पर्ने स्थिति सबै नेपालीका लागि अन्त्य हुने घोषणा समेत देशवाट भएको छ । साथसाथै देशको वढदो वेरोजगारीलाई सम्बोधन गर्ने उद्देश्यले वैदेशिक रोजगारीलाई पनि मर्यादित एवं सुरक्षित वनाउने उद्देश्यले सहयोगी राष्ट्रको सहयोगमा सामी कार्यक्रमलाई कार्यान्वयनमा ल्याएको छ, र गन्तव्य राष्ट्रमा जानु अधि सोका वारेमा विस्तृत जानकारी लिन, सम्बन्धित कामवारे सीपमूलक तालिम लिन सक्ने व्यवस्था समेत भएको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ वित्त साक्षरता कार्यक्रम सञ्चालन नहुनु
- ▶ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरुलाई उद्योग व्यवसाय तथा कृषि खेतीमा प्रति आकर्षण गर्न नसक्नु
- ▶ वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी सूचना केन्द्र सञ्चालन नहुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ युवाहरुलाई रोजगार प्रदान गर्नु
- ▶ सुरक्षित वैदेशिक रोजगारी क्षेत्रहरुको पहिचान र वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी कानुनी सहायता उपलब्ध गराउनु
- ▶ विप्रेषणलाई आयमूलक क्षेत्रमा परिचालन गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ युवा समूह उपस्थिति अधिक
- ▶ विप्रेषण ठूलो रकममा भित्रिएको र आवद्ध घरधुरीको आर्थिक सामाजिक अवस्थामा सुधार
- ▶ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरुमा सीप र पूँजी उपलब्ध
- ▶ प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम सञ्चालनमा
- ▶ वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन
- ▶ सीपमा आधारित तालिम कार्यक्रमहरु सञ्चालन
- ▶ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरुको उपस्थिति

ग) सोच, लक्ष्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : सीपयुक्त दक्ष जनशक्तिको विकास : गरिवी न्यूनीकरणको आधार

लक्ष्य : सीपयुक्त, व्यवसायिक जनशक्तिको विकासवाट रोजगारीताको सिर्जना

उद्देश्य

- ▶ श्रमशक्तिको क्षमता, दक्षता तथा व्यवसायिक सीप अभिवृद्धि गर्नु
- ▶ स्व/रोजगारीताका अवसरहरु सिर्जना गर्नु
- ▶ वैदेशिक रोजगारीलाई मर्यादित, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वनाउनु

रणनीतिहरु

१. सीप विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्ने
२. गन्तव्य स्थानवारे अभिमुखीकरण गर्ने
३. न्यायमा सहज पहुँच वृद्धि गर्ने
४. विप्रेषणलाई सुरक्षित क्षेत्रमा लगानी गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को सीप विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि अन्तर्गतको कार्यनीति

१.१ अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा मान्यता प्राप्त संस्थाहरुवाट होटेल व्यवस्थापन लगायतका मुख्य मुख्य विषयहरुमा आधारभूत सीप प्रदान गर्दै वैदेशिक रोजगारीलाई सुरक्षित र सहज बनाउन सहयोग गरिनेछ ।

रणनीति २ को गन्तव्य स्थानवारे अभिमुखीकरण अन्तर्गतको कार्यनीति

२.१ गन्तव्य राष्ट्र/स्थानका वारेमा भाषा, संस्कृति, रहनसहन जस्ता सामाजिक पक्ष, सुरक्षा व्यवस्था, नीति नियम तथा दण्ड सजाय, सहायता केन्द्र जस्ता विषयहरुमा अभिमुखीकरण गर्दै आपतकालीन अवस्थामा समेत सुरक्षित रहन सक्ने सूचनाहरु प्रदान गरिनेछ ।

रणनीति ३ को न्यायमा सहज पहुँच वृद्धि अन्तर्गतको कार्यनीति

३.१ गन्तव्य क्षेत्रमा हुन सक्ने चोरी, ठगी, नोकसानी, सम्झौता उल्लङ्घन, जालसाजी जस्ता विषयहरुमा पीडित पक्षलाई कानुनी सहायता सेवा उपलब्ध गराई अनावश्यक तनाववाट मुक्त गराइनेछ ।

रणनीति ४ को विप्रेषणलाई सुरक्षित क्षेत्रमा लगानी अन्तर्गतको कार्यनीतिहरु

४.१ सम्बन्धित परिवारमा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमसञ्चालन गरी विप्रेषणलाई सुरक्षित लगानी गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।

४.२ सम्बन्धित परिवारमा छिटो प्रतिफल प्राप्त हुने क्षेत्र तथा नगदे बालीहरुमा व्यवसायिकता विकासका लागि सीप विकास एवं उद्यमशीलता तालिम प्रदान गरी क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।

४.३ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्किआएका युवाहरुको सीप अभिवृद्धि तथा उद्यमशीलता विकास गरी स्वरोजगारीका अवसरहरु शृजना गर्न सहयोग प्रदान गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत | | | | | प्राथमिक ता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत | | | | |
|--------|---|-------------------|----------|----------|----------|----------|------------------|-------------------|---------------|---------------|--|--|--|--|
| | | रकम (रु. लाखमा) | | | | | | | | | | | | |
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | | | | | |
| १. | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम थप प्रभावकारी बनाउने | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | १ | ८ | १ | ३ | | | | |
| २. | व्यवसायिक सीप वृद्धि कार्यक्रम | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ८ | २ | ३ | | | | |
| ३. | वैदेशबाट फर्किएका युवा लक्षित विशेष कार्यक्रम | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | ८ | १ | ३ | | | | |

| | | | | | | | | | | |
|----|--|----|----|----|----|----|---|---|---|---|
| ४. | प्लम्बर, सिकर्मी, डकर्मी, हाउस वयरिङ्ग लगायत सीप विकास तालिम | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | ८ | १ | ३ |
| ५. | सहुलियत कर्जा व्यवस्था | ४० | ४० | ४० | ४० | ४० | २ | ८ | २ | ३ |
| ६. | वैदेशिक रोजगारीका लागि गन्तव्य स्थान वारे अभिमुखीकरण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ८ | २ | ३ |
| ७. | वैदेशिक रोजगारी जानेका लागि सीप विकास तालिम | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २ | ८ | १ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम तथा नतिजा खाका

◆ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट खासगरी वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरु व्यवसायिक खेतीमा आवद्ध हुनेछन् र विप्रेषण पनि उत्पादनमूलक क्षेत्रमा सदृपयोग हुनेछ। त्यसैगरी व्यवसायिक सीप तालिमवाट युवा वर्ग लाभान्वित भई स्वरोजगार हुनेछन्। तापनि प्राप्त विप्रेषणहरु फर्जुल लगायत अन्य क्षेत्रमा खर्चित हुदै आएको सन्दर्भमा अझैपनि उत्पादनमूलक क्षेत्रमा लगानी हुने कुरा आफैमा शंकास्पद छ। युवा वर्गको वैदेशिक रोजगारी तर्फको विशेष आकर्षणका कारण सीपमूलक व्यवसायिक तालिम प्रदानवाट मात्रै स्वदेशमा रोजगारीका अवसरहरु सिर्जना हुने पक्ष चुनौतिपूण देखिन्छ।

◆ नतिजा खाका

| तालिका/ग्राफचित्र : २२ | | | | | | | | |
|------------------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | रोजगार युवाहरुको आय भएको वृद्धि | प्रतिशत | | ५ | ५.५ | ६ | ६.५ | ७ |
| असर | उत्पादनमूलक क्षेत्रमा विप्रेषण आय लगानी | प्रतिशत | ५ | ७ | १० | १३ | १५ | २० |
| प्रतिफल हरु | रोजगार सूचना प्रणालीवाट लाभान्वितहरु | संख्या | ३०० | ३५० | ४५० | ५७५ | ७५० | १००० |
| | उत्पादन (कृषि एवं उद्योग) एवं पूर्वाधार निर्माण क्षेत्रमा रोजगारीता शृजना | संख्या | ० | ४० | १०० | १५० | २१० | ३०० |
| | सिटिइभिटी वाट प्राविधिक, सीपमूलक, व्यवसायिक तालिम लिएका दक्षजनशक्ति | संख्या | ५०० | ६०० | ७०० | ८०० | ९०० | १००० |
| | उत्पादकत्व अभिवृद्धिका लागि परम्परागत तरिका र औजार, उपकरणको आधुनिकी करण भएका पेशागत क्षत्रहरु | संख्या | ५० | ७० | १०० | १३० | १५० | १८० |

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|--|-------------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| | | | | | | | | |
| | रोजगारीताका आधारमा पालिकाले प्रदान गर्ने सेवा सुविधावाट लाभान्वित उद्योग व्यवसायहरुको संख्या | संख्या | ३ | ५ | ८ | १२ | १६ | २० |
| | वालश्रम एवं न्यून ज्यालादर जस्ता श्रम शोषणवाट प्रभावितहरु | संख्या | १००० | ८०० | ६०० | ४०० | २०० | ० |
| | वैदेशिक रोजगारीमा जाने | संख्या हजार | १० | १५ | ८.८ | ८ | ७ | ५.५ |
| | सम्बन्धित क्षेत्रको सीपमूलक तालिम लिई वैदेशिक रोजगारीमा जाने | संख्या | ५० | ७५ | १०० | १४० | १८० | २०० |
| | वैदेशिक रोजगारीका लागि तालिम प्रदान गर्ने संस्थाहरु | संख्या | ० | ० | ० | ० | १ | २ |
| | विप्रेषणलाई आयमूलक क्षेत्रमा परिचालन गर्ने घरपरिवार संख्या (कूल वैदेशिक रोजगारी भएका घरधुरीको) | प्रतिशत | ०.२५ | १ | १.५ | २ | २.५ | ३ |
| | वैदेशिक रोजगारीतावाट फर्की स्वदेशमा उद्योग, व्यवसाय गर्ने | संख्या | ४० | ५० | ६५ | ८५ | ११० | १५० |
| | वैदेशिक रोजगारीतावाट आर्जन पूँजी, सीप, प्रविधि तथा अनुभवलाई उत्पादन मूलक क्षेत्रमा सदुपयोग गर्नेको | संख्या | १० | १७ | २५ | ३५ | ५० | ७० |
| | विप्रेषण वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमवाट लाभान्वित जनसंख्या (वैदेशिक रोजगारीमा जानेको) | प्रतिशत | ७५ | ८५ | ९५ | १०० | १०० | १०० |
| | विप्रेषणवाट वार्षिक रूपमा प्राप्त रकम | रु.करोड | ३०० | २८५ | २६५ | २४९ | २११ | १७७ |

परिच्छेद-पाँच : सामाजिक विकास

पृष्ठभूमि

सामाजिक विकासका लागि प्रमुख क्षेत्रको रूपमा रहेका शिक्षा, आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण, खानेपानी तथा सरसफाई, लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण, युवा तथा खेलकुद र कला, भाषा, साहित्य तथा संस्कृतिका जस्ता क्षेत्रको विद्यमान अवस्था, समस्या तथा चुनौतिहरूको विश्लेषण गरी आगामी ५ वर्षका लागि उद्देश्य निर्धारण, लक्ष्य परिमाण र सोको प्राप्तीका लागि अवलम्बन गरिने रणनीति तथा कार्यनीति निर्धारण र प्रमुख कार्यक्रमहरु समेत तर्जुमा भएको छ ।

५.१ शिक्षा

क) पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले हरेक नागरिकलाई आधारभूत शिक्षा अनिवार्य तथा निःशुल्क पाउने प्रत्याभूति गरेको छ र माध्यामिक तह सम्मको शिक्षालाई निःशुल्क गर्ने नीति पनि नेपाल सरकारले अंगिकार गरेको छ । शिक्षालाई वैज्ञानिक, प्राविधिक, व्यवसायिक, सीपमूलक वनाउदै दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने नीति समेत राष्ट्रवाट ग्रहण भएको छ । गुणस्तरीय शिक्षामा सकैको पहुँच स्थापित गर्ने दिशामा नेपालले लिएको दिगो विकास लक्ष्यलाई समेत आत्मसाथ गर्दै गाउँपालिकाले आगामी वर्षहरूका लागि योजना तर्जुमा गरेको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ विद्यालयहरूको नियमित अनुगमन र सुपरीवेक्षण कमि
- ▶ विद्यालयमा अतिरिक्त क्रियाकलाप लगायत आधारभूत भौतिक पूर्वाधारहरूको कमि र वालवालिका, अपाङ्गतामैत्री पूर्वाधारहरु, शैक्षिक सामाग्री, पुस्तकालय र प्रयोगशालाको कमि
- ▶ विद्यालय, विद्यार्थी र अभिभावकहरु बीच सम्बादको अभाव
- ▶ आपतकालीन अवस्थामा वैकल्पिक माध्यमवाट सिकाइलाई निरन्तरता दिन नसक्नु
- ▶ सिकाइ उपलब्धि दर न्यून

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ उमेर समूहका वालवालिकाहरूलाई विद्यालयको पहुँचमा ल्याउनु र टिकाइ राख्नु
- ▶ शिक्षालाई गुणस्तरीय, व्यवहारिक, प्राविधिमैत्री वनाउनु र माग अनुसारका सीपयुक्त जनशक्ति विकास गर्नु
- ▶ माध्यामिक तह (११-१२) लाई निःशुल्क शिक्षा प्रदान गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ साक्षरता दर वढाउ क्रममा
- ▶ उमेर समूहका प्रायः सबै वालवालिकाहरूको विद्यालयमा पहुँच
- ▶ शिक्षामा लगानी गर्न निजी क्षेत्र आकर्षित
- ▶ वालवालिकालाई गुणस्तरीय, व्यवहारिक शिक्षा दिनुपर्नेमा अभिभावकहरु सचेत एवं आवश्यक रकम खर्चिन तयार
- ▶ विद्यालयहरूमा आइसिटि, सिसिक्यारा, डिजिटल उपकरण, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालयको व्यवस्था हुँदै
- ▶ विद्यालयहरूमा दिवाखाजा, सेनिटरी प्याड, नर्ससेवाको व्यवस्था
- ▶ तालिम प्राप्त, विषयगत शिक्षकको व्यवस्था, दरवन्दी मिलान
- ▶ स्थानीय पाठ्याक्रम निर्माण भई कार्यान्वयनमा
- ▶ विद्यार्थी भर्नादर वढाउ

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : सीपमुलक, व्यवसायिक र व्यवहारिक शिक्षामा गुणस्तर : आर्थिक, सामाजिक विकासमा रूपान्तरण

लक्ष्य : गुणस्तरीय शिक्षामा सबैको पहुँच अभिवृद्धि

उद्देश्य

- ▶ शिक्षामा गतिगरिव, विपन्न तथा सीमान्तकृत वर्ग लगायत सबैको सहज पहुँच अभिवृद्धि र समावेशीता सुनिश्चित गर्नु
- ▶ विद्यालयहरुमा आधारभूत भौतिक एवं शैक्षिक सुविधाको सुनिश्चिततावाट गुणस्तरीय, प्रयोगात्मक, व्यवहारिक, व्यवसायिक एवं प्राविधिक शिक्षा प्रदान गर्नु

रणनीतिहरु

१. साक्षरता वृद्धि तथा उमेर समूहका वालवालिकाहरुलाई विद्यालयको पहुँचमा ल्याउने
२. शिक्षालाई सर्वसुलभ बनाउने
४. शिक्षाको गुणस्तरमा अभिवृद्धि गर्ने
५. शैक्षिक पूर्वाधारको व्यवस्थाघारने
६. प्राविधिक जनशक्ति विकास गर्ने
७. आधारभूत शिक्षा सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को साक्षरता वृद्धि तथा पहुँच अभिवृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ आधारभूत शिक्षावाट बनाइने गृहणी, प्रौढ तथा अभिभावक शिक्षाको माध्यमवाट साक्षर बनाइनेछ।
- १.२ सामुदायिक सिकाइ केन्द्र वडाहरुमा स्थापना गरी सामुदायिक सिकाइ केन्द्र मार्फत साक्षरता तथा निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरी सबै उमेर समूहका नागरिकलाई साक्षर बनाइनेछ।
- १.३ विद्यालय छाडेका तथा वाहिर रहेका वालवालिकाहरुलाई वैकल्पिक आधारभूत शिक्षा सञ्चालन गरिनेछ।
- १.४ विद्यालय वाहिरका अपाइङ्गता भएका वालवालिकाको आधारभूत तह सम्मको साक्षरताका लागि साइकेतिक भाषाका माध्यम तथा विशेष शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- १.५ अनौपचारिक शिक्षा विस्तारवाट साक्षरता वृद्धि गर्दै जीवनोपयोगी बनाइनेछ।
- १.६ अनिवार्य शिक्षा, निःशुल्क शिक्षा एवं वैकल्पिक शिक्षा लगायतका माध्यमहरुवाट पालिकालाई पूर्ण साक्षर पालिका घोषणा गरिनेछ।
- १.७ विद्यालय भर्ना कार्यक्रमलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ। यसका लागि वालक्लव, नागरिक समाज, स्थानीय गैरसरकारी संस्था लगायत सामुदायिक संस्थाहरुसंग सहकार्य गरिनेछ।
- १.८ आधारभूत तह सम्म निःशुल्क र माध्यामिक तह सम्म अनिवार्य शिक्षा वारे प्रचारात्मक ढइगवाट अभिभावक तथा सरोकारवालाहरुलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।
- १.९ आधारभूत तह सम्मका वालवालिकाहरुलाई दिवाखाजा, कलम, कापि सहित पाठ्यपुस्तक, विद्यालय पोशाक एवं विद्यालय सम्म पुग्न विद्यालय वसहरुआदि सुविधाहरु निःशुल्क प्रदान गरी उमेर समूहका सबै वालवालिकाहरुलाई विद्यालयको पहुँचमा ल्याइनेछ।

रणनीति २ को शिक्षालाई सर्वसुलभ बनाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ विद्यालय छोड्ने दरमा न्यूनता ल्याउन प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गरिनेछ।
- २.२ विद्यालय वाहिरका उमेर समूहका किशोर किशोरीहरुलाई विद्यालयमा आधारित वैकल्पिक, खुल्ला तथा अनौपचारिक शिक्षा मार्फत निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।

- २.३ आर्थिक रूपमा विपन्न, दलित र सीमान्तकृत समुदाय, शहीद परिवारका बालबालिका तथा किशोरीहरुको विद्यालयमा पहुँच वृद्धिको सुनिश्चित गरिनेछ । यसका लागि छात्रावासको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.४ जेहन्दार छात्रछात्राहरुलाई छात्रवृत्तिको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.५ शिक्षामा महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्तिको पहुँच सुनिश्चित गरिनेछ ।
- २.६ आधारभूत तहसम्म स्थानीय मातृभाषा, संस्कृत भाषामा शिक्षा प्रदान गर्न विद्यालयलाई प्रोत्साहित गर्दै नैतिक शिक्षा एवं व्यवहारिक शिक्षामा जोड दिइनेछ ।

रणनीति ३ को शिक्षाको गुणस्तरमा अभिवृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ तालिम प्राप्त, विषयगत एवं दरबन्दी अनुसार शिक्षकहरुको व्यवस्था गरी पठनपाठनलाई नियमित रूपमा सञ्चालन गरी गुणस्तर कायम राखिनेछ ।
 - ३.२ शिक्षकहरुलाई तालिम, पुर्नताजगी तालिम, अन्तरक्रिया एवं अनुभव आदनप्रदानमा सहभागि गराई पेशागत दक्षतामा अभिवृद्धि ल्याउदै शिक्षण पद्धतिहरुलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
 - ३.३ मण्टेश्वरी एवं त्यस्ते प्रकारका व्यवहारिक, प्रयोगात्मक शिक्षण पद्धतिहरु अवलम्बन गरी शिक्षणलाई बालमैत्री बनाइनेछ । यसका लागि आवश्यक पूर्वाधारको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
 - ३.४ बालबालिकाहरुलाई मनोसामाजिक परामर्श सेवा प्रदान गर्दै बालबालिकाहरुको सिकाईमा अभिवृद्धि ल्याइनेछ ।
 - ३.५ विद्यालय अनुगमन मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्न मापदण्ड बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
 - ३.६ विषयगत, कक्षागत सिकाई उपलब्धी दर बढाउन नतिजामा आधारित मूल्याङ्कन प्रणालीको अवलम्बन गरी शिक्षामा गुणस्तर कायम राख्न पहल गरिनेछ ।
 - ३.७ शिक्षणमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोग, कम्प्युटर शिक्षालाई अनिवार्य, ई-लाइब्रेरी, इण्टरनेटको व्यवस्था मिलाई विद्यालयलाई आधुनिक प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।
 - ३.८ शिक्षकहरु सबैलाई तालिम प्रदान गरी प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।
 - ३.९ महिला-पुरुष शिक्षकको अनुपात र शिक्षक-विद्यार्थी संख्याको अनुपातलाई एक निश्चित मापदण्डका निर्धारण गरी कक्षागत रूपमा अलग अलग व्यवस्था गरिनेछ ।
 - ३.१० विद्यालय नक्साङ्कन सम्बन्धी मापदण्ड बनाई सोका आधारमा विद्यालय र शिक्षक समायोजन गरिनेछ ।
 - ३.११ मापदण्ड बनाई उत्कृष्ट शिक्षक र उत्कृष्ट परिणाम ल्याउने तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने विद्यालयहरुलाई पुरस्कृत गरी प्रोत्साहित गरिनेछ ।
 - ३.१२ न्यून विद्यार्थी संख्या भएका विद्यालयहरुमा सम्भाव्यता हेरी मल्टिग्रेड मल्टिलेवल शिक्षण विधि अवलम्बन गरिनेछ,
- ।

रणनीति ४ को शैक्षिक पूर्वाधारको व्यवस्था अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, सन्दर्भ सामाग्री, विषयगत शैक्षिक सामाग्री तथा पाठ्यपुस्तकको व्यवस्था गर्दै शिक्षक एवं विद्यार्थीहरुको ज्ञान भण्डारलाई फराकिलो बनाउन सहयोग गरिनेछ । प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन नभएका स्थानीय पुस्तकालयहरुलाई सामुहिक सिकाई केन्द्रमा स्तरोन्नति गरिनेछ ।
- ४.२ विद्यालयहरुमा डिजिटल प्रविधिमा आधारित शिक्षण सिकाई विधिलाई प्रवर्द्धन गरिनेछ । विद्यालयहरुमा शिक्षक तथा विद्यार्थीहरुका लागि ई-हाजिरी, सिसिटिभी, स्मार्ट वोर्डको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- ४.३ सबै प्रकारका भौतिक पूर्वाधारहरु (विजुली, खानेपानी, शौचालय, भवन निर्माण तथा मर्मत, फर्निचर, तारवार, पुस्तकालय, खेलमैदान, छात्रावास आदि) निर्माण गर्दै निर्मित पूर्वाधारहरु बालमैत्री, छात्रामैत्री, अपाङ्गतामैत्री एवं भूकम्प प्रतिरोधात्मक बनाउदै विद्यालयमा एक सहजपूर्ण वातावरण शृजना गरिनेछ ।
- ४.४ विद्यालयको चारैतरफ सफा, सुगंधर र विरुवा/वृक्षारोपण गरी हरियाली वातावरण कायम राख्न जोड दिइनेछ ।
- ४.५ विद्यार्थीहरुको स्वास्थ्योपचार तथा स्वास्थ्य शिक्षाका लागि विद्यालयहरुमा घुम्ति नस देवा उपलब्धगराइनेछ ।
- ४.६ विद्यार्थीहरुको शारिरिक मानसिक विकासका लागि खेलकुदमा जोड दिई खेल मैदान एवं खेलकुद सामाग्रीहरुको व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति ५ को प्राविधिक जनशक्ति विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ५.१ कृषि, पशुपंक्ति, स्वास्थ्य, इन्जिनियरिङ लगायतका विषयहरुको अध्ययनका लागि प्राविधिक शिक्षा तथा व्यवसायिक तालिम (सिसिटिभी) को सम्बद्धनमा सुविधा सम्पन्न प्राविधिक विद्यालय स्थापना गरिनेछ ।

- ५.२ प्राविधिक शिक्षालय स्थापना गरी प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षाको विकास र विस्तार गरी दक्ष जनशक्ति उत्पादन र तीनीहरुको रोजगारीतामा सहयोग गरिनेछ ।
 ५.३ महिला, विपन्न, दलितलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्दै प्राविधिक जनशक्ति विकास गरिनेछ ।

रणनीति ६ को आधारभूत शिक्षा सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतको कार्यनीति

- ६.१ आधारभूत एवं माध्यमिक शिक्षा क्षेत्रसंग सम्बन्धित स्थानीय नीति, कानून तथा मापदण्डको निर्माण, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिर्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जलवायु संकेत |
|--------|--|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|--------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | शैक्षिक सामाग्री व्यवस्थापन | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ४ | ३ | ३ |
| २. | विज्ञान प्रयोगशाला | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ४ | ३ | ३ |
| ३. | शिक्षक तालिम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | १ | ३ |
| ४. | विद्यालय सुधार योजना | ६ | ६ | ६ | ६ | ६ | २ | ४ | २ | ३ |
| ५. | सहभागितामूलक सिकाइ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | १ | ३ |
| ६. | विद्यार्थी पोशाक, झोला | १० | १० | १० | १० | १० | १ | ४ | १ | ३ |
| ७. | दिवाखाजा व्यवस्था | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | १ | ४ | १ | ३ |
| ८. | शारीरिक तथा मानसिक गतिविधि संचालन | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | २ | ४ | २ | ३ |
| ९. | भर्ना अभियान | १ | १ | १ | १ | १ | १ | ४ | २ | ३ |
| १०. | प्राथमिक उपचार तथा सेनटरी प्याड र नर्स | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | ३ | १ | ३ |
| ११. | स्थानीय भाषा शिक्षण | १ | १ | १ | १ | १ | २ | ४ | २ | ३ |
| १२. | प्रौढ शिक्षा वैकल्पिक | २ | २ | २ | २ | २ | २ | ४ | १ | ३ |
| १३. | पुस्तकालय | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ४ | २ | ३ |
| १४. | आईसिटी तालिम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १६ | १ | ३ |
| १५. | विद्यालय भौतिक पूर्वाधार स्तरोन्नति | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | २ | ७ | ३ | ३ |
| १६. | स्काउट तालिमको निर्माण तथा प्रवर्द्धन | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | ४ | २ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखम पक्ष तथा नतिजा खाका

→ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट गुणस्तरीय शिक्षा प्रदानमा सुधार आएको हुनेछ । तालिम प्राप्त शिक्षकहरुको व्यवस्था, उत्कृष्ट विद्यालय, शिक्षक एवं विद्यार्थीहरुलाई गरिने सम्मान र पुरस्कृत हुनेछन् । साथै साक्षरता दर एवं विद्यालय भर्नादरमा पनि उल्लेखनीय सुधार आउने छ । तापनि आधारभूत शैक्षिक सामाग्रीहरु एवं विद्यालय पूर्वाधारहरुको अभाव, सामुदायिक विद्यालयतर्फको विकर्षण यसका प्रमुख जोखिम पक्षहरु हन् ।

► नतिजाखाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८०सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|--------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रमाव | साक्षरता दर | प्रतिशत | ८१.७४ | ८२ | ८५ | ९० | ९२ | ९५ |
| असर | आधारभूत तहमा खूद भर्नादर (औषतमा) | प्रतिशत | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९७ | ९९ |
| प्रति फल हरु | १५ मिनेटको दुरीमा आधारभूत तहको विद्यालयमा पहुँच हुने घरधुरी | प्रतिशत | २० | २२ | २४ | २८ | ३० | ३५ |
| | विद्यालय वाहिरका ५-१५वर्ष उमेर समूहका बालबालिका | प्रतिशत | १५ | १२ | १० | ४ | १ | ० |
| | छात्रवृत्ति पाउने विद्यार्थी | संख्या | ३२६६ | ३४४५ | ३५४५ | ३६४५ | ३७४५ | ३९०० |
| | दिवा खाजा खुवाउने विद्यालय | संख्या | ३९ | | | | | |
| | आधारभूत तह (कक्षा ८) सम्मको उत्तिर्ण दर | प्रतिशत | ८२ | ८३ | ८५ | ८७ | ८९ | ९० |
| | माध्यामिक तह (९-१२) को खूद भर्नादर | प्रतिशत | ६५ | ६७ | ७० | ७३ | ७८ | ८० |
| | कक्षा ८ को निरन्तरता दर | प्रतिशत | ७५ | ७७ | ८० | ८५ | ८७ | ९० |
| | कक्षा १२ को निरन्तरता दर | प्रतिशत | ५५ | ५७ | ६० | ६२ | ६३ | ६५ |
| | सिकाइ उपलब्धी दर (आधारभूत तह) | प्रतिशत | ४७.६७ | ४८ | ५० | ५२ | ५३ | ५५ |
| | सकाइ उपलब्धी दर (माध्यामिक तह) | प्रतिशत | ४८ | ४९ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ |
| | विद्यालय छाडने दर (आधारभूत तह) | प्रतिशत | ३५ | ३२ | ३० | २७ | २६ | २५ |
| | विद्यालय छाडने दर (माध्यामिक तह) | प्रतिशत | ४५ | ४२ | ३८ | ३५ | ३२ | ३० |
| | बालमैत्री सिकाइ विधि अवलम्बन गर्ने विद्यालय | प्रतिशत | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ |
| | विषयगत तालिम प्राप्त शिक्षक | प्रतिशत | ९० | ९१ | ९४ | ९७ | ९९ | १०० |
| | प्राविधिक शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थी | संख्या | ० | ० | ० | ० | ० | १ |
| | सिटिइभिटिवाट सम्बर्द्धनमा | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | १ |

तालिका/ग्राफचित्र : २४

शिक्षा : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८०सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|---|------------|------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| सञ्चालित प्राविधिक विद्यालय | | | | | | | | |
| सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक धार अध्यायपन गराउने विद्यालय | संख्या | ० | ० | ० | १ | - | १ | |
| वालमैत्री आधारभूत पूर्वाधार र सुविधा भवन, चर्पी, खानेपानी, खेलकुद मैदान, घेरावार, फर्निचर) उपलब्ध विद्यालय | संख्या | १२ | १४ | १६ | १८ | २० | २२ | |
| वालवालिकामैत्री, अपाडगाता मैत्री र भूकम्प प्रतिरोधात्मक संरचना भएको विद्यालय | संख्या | ० | १ | १ | १ | २ | ५ | |
| आइसिटि सेवा उपलब्ध विद्यालय | संख्या | १० | १ | १ | १ | १ | १ | १५ |
| कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय | संख्या | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | |
| व्यवस्थित विज्ञान प्रयोगशाला भएका विद्यालय | संख्या | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | १० | |
| सेनीटरी प्याड सहित नर्स सेवा उपलब्ध विद्यालय | संख्या | १ | २ | २ | ३ | २ | १० | |
| वालकलब क्रियाशील भएका विद्यालय | संख्या | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | ३९ | |
| विपद, महामारी लगायत विविध कारणवाट भौतिक दूरी कायम राख्दै सूचना प्रविधिका माध्यमबाट अध्यायपन गर्न सक्ने विद्यालय | संख्या | २ | २ | २ | २ | २ | १० | |
| आधारभूत तहमा स्थानीय मातृभाषामा पठनपाठन गर्ने विद्यालय | संख्या | ० | - | - | १ | १ | १ | |
| राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यकमवाट लाभान्वित विद्यालय | संख्या | १५ | १ | १ | १ | २ | २० | |
| पालिका स्तरीय विज्ञान मेला, प्रदर्शनी एवं शृजनात्मक प्रतियोगिता | संख्या | ० | १ | १ | १ | १ | ४ | |
| युवा वैज्ञानिकहरूसंग साक्षात्कार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने विद्यालय | संख्या | ० | ० | ० | ० | ० | १ | |
| विद्यालय स्तरमा विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धित विविध क्रियाकलापहरू सञ्चालन गरी पालिकावाट पुराष्टृत | संख्या | ० | ० | ० | १ | २ | ३ | |

| तालिका/ग्राफचित्र : २४ शिक्षा : नतिजा खाका | | | | | | | | |
|---|-------------------|------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८०सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | उत्कृष्ट विद्यालय | | | | | | | |

५.२ आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण

क) पृष्ठभूमि

स्वास्थ्य सेवा र उपयुक्त पोषण मानव जीवनको आधारभूत तत्व हो । स्वास्थ्य मानिसले नै समृद्ध मुलुकको निर्माणमा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्न सक्दछ । गुणस्तरीय तथा सर्वसुलभ स्वास्थ्य सेवामा समतामूलक पहुँच सुनिश्चित गर्नु राज्यको दायित्व हो । देश विकासमा स्वस्थ र उत्पादनशील नागरिकको महत्वलाई दृष्टिगत गरी नेपालको संविधानले प्रत्येक नागरिकलाई राज्यवाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने मौलिक हक्को व्यवस्था गरेको छ । यसैकम्तमा लोककल्याणकारी राज्यको अवधारणा अनुरूप स्वास्थ्य क्षेत्रलाई नाफमूलकवाट कमशः सेवामूलक क्षेत्रमा रूपान्तरण गर्दै लैजानुपर्ने पक्षलाई सबै क्षेत्रवाट जोड दिन थालिएको छ । देशवाट व्यक्त भएका अन्तराण्ड्रिय प्रतिवद्धता, दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने सन्दर्भमा बनेको राण्ड्रिय कार्यसूची, नागरिकलाई स्वास्थ्य बनाउन आधुनिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक, प्राकृतिक, होमियोपेथिक चिकित्सा, स्वास्थ्य सुशासन जस्ता पक्षहरुलाई समेतलाई आवधिक योजना तजुमामा सम्बोधन गरिएको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ स्वास्थ्य संस्थाहरुको स्तरोन्नति -जनशक्ति, मेशिनउपकरण) पूर्वाधार (शुद्ध खानेपानी, इण्टरनेट..) कमि र संस्था अपर्याप्त
- ▶ दक्ष, अनुभवी एवं विशेषज्ञ जनशक्तिको अभाव
- ▶ सरकारले सूचीकृत गरेको निःशुल्क औषधीहरुको अभाव
- ▶ एम्बुलेन्स सेवा सबै वडाहरुमा सर्वसुलभ हुन नसकेको
- ▶ आयुर्वेद, वैकल्पिक चिकित्सालय, योगा सञ्चालनमा नआउनु
- ▶ पौष्टिक आहार सम्बन्धी -जड्ड फुडको नकरात्मक असर) सचेतना कार्यक्रम प्रभावकारी हुन नसक्नु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ आपतकालीन स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्नु
- ▶ जटिल प्रकृतिका स्वास्थ्य उपचार उपलब्ध गराउनु
- ▶ भौतिक एवं प्राविधिक रूपमा महामारीहरुको सामना गर्ने संयन्त्र, उपकरण, पूर्वाधार र जनशक्तिको व्यवस्था गर्नु
- ▶ झाडापखला, दम, निमोनिय, प्राणघातक जस्ता रोगहरुको नियन्त्रण तथा निवारण गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ निजी क्षेत्रवाट औषधी पसल, सामान्य स्तरको स्वास्थ्य जाँच क्लिनिकहरु सञ्चालनमा
- ▶ जिल्लास्तरीय अस्पताल नजिकै सन्धिखर्कमा अवस्थित
- ▶ शिशु, नवजात शिशु मृत्यु, वालमृत्युदर र मातृमृत्यु दर न्यून
- ▶ आयुर्वेद औषधोपचारका लागि वहुमूल्यका जडीबुटीहरुको सहज उपलब्धता
- ▶ स्वास्थ्य संस्थाहरु क्रियाशील
- ▶ खोप केन्द्र, तथा गाउँघर क्लिनिक सञ्चालनमा

- ▶ सामुदायिक विद्यालय स्वास्थ्य तथा नर्स सेवा प्रदान
- ▶ प्रसुती सेवा, स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुती गराउने अभ्यास वृद्धि
- ▶ पोषण सम्बन्धी वहिरङ्ग उपचार केन्द्र सञ्चालनमा
- ▶ एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालनमा
- ▶ ज्येष्ठ नागरिक र सुत्केरी स्वास्थ्य जाँच परीक्षण सञ्चालनमा

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : समृद्ध र स्वस्थ जीवन : गुणस्तरीय स्वास्थ्य र पोषण

लक्ष्य : स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच अभिवृद्धि हुँदै सेवामा गुणस्तरीयता कायम

उद्देश्य

- ▶ प्राकृतिक एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतिको प्रवर्द्धन एवं स्वास्थ्य संस्थाहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्नु
- ▶ आधारभूत एवं गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सहज पहुँच वृद्धिवाट नागरिकको स्वास्थ्य अवस्थामा सुधार ल्याउनु

रणनीतिहरु

१. स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धि तथा रोग न्यूनीकरण गर्ने
२. स्वास्थ्य सेवा विस्तार गर्ने
३. स्वास्थ्य सेवामा गुणस्तरता वृद्धि गर्ने
४. स्वास्थ्य सेवामा पहुँच सुनिश्चित
५. आपतकालीन तथा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा सञ्चालन गर्ने
६. स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजनाको कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धि तथा रोग न्यूनीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ बालविवाह, दुई सन्तान वीचको जन्मान्तर, परिवार नियोजन, मातृशिशु कल्याणका वारेमा सचेतनामूलक अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
- १.२ सरसफाई र पोषणयुक्त खानेकुरामा जनचेतनाको अभिवृद्धि गरी कुपोषणलाई र रोग लाग्ने दरलाई घटाउदै मानव स्वास्थ्यता निर्माणमा सहयोग पुऱ्याइनेछ ।
- १.३ स्वास्थ्य स्वयंसेविकाको सेवालाई प्रभावकारी रूपमा परिचालन गर्न अझै प्रोत्साहित गरिने छ ।
- १.४ प्राणघातक तथा नसर्ने रोगहरु एचआईभी एड्स, लागुओषध दुर्यसन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुटुरोग, क्यान्सर तथा मोटोपनाका वारेमा जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- १.५ योग, ध्यान, प्राकृतिक तथा वैकल्पिक उपचार (आयुर्वेदिक, युनानी, आम्नी, पञ्चकर्म, होमोप्याथिक, फिजियोथेरापी, लेजरथेरापी, अकुपञ्चर, अकुप्रेसर, म्युजिकथेरापी) का वारेमा प्रचार प्रसार गरी त्यसमा अभ्यस्तताका लागि प्रयास गर्दै शारीरिक र मानसिक स्वास्थ्यतामा अभिवृद्धि ल्याइनेछ ।
- १.६ शरीर एवं स्वास्थ्यलाई हानी पुऱ्याउने रसायनिक पदार्थ, विषादीयुक्त, मिसावटजन्य एवं जडकफुड, सूर्तीजन्य पदार्थ, मदिरा सेवन जस्ता विकृति विरुद्ध अभियान सञ्चालन गरी नागरिकहरुमा चेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- १.७ रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता विकासको लागि पोषण, जनस्वास्थ्य, सरसफाई तथा वातावरण प्रदुषण, निरोधात्मक स्वास्थ्य जनचेतना वारे जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ । यसका लागि स्थानीय नागरिक समाज, सामुदायिक संस्था, शैक्षिक संस्था, स्थानीय क्लबहरूसंग सहकार्य गरिनेछ ।

१.८ महिनावारी स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवस्थापन कार्यक्रम र महिनावारीसँग सम्बन्धित अन्धविश्वासका विरुद्ध जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।

रणनीति २ को स्वास्थ्य सेवा विस्तार अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ उपयुक्त स्थान पहिचान गरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापना गरी स्वास्थ्य सेवाको प्रभावकारीताका लागि आवश्यक औषधी, उपकरण र दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.२ सबै स्वास्थ्य चौकीहरुमा वर्थिड सेवालाई प्रभावकारी ढड्गवाट सञ्चालन गर्न आवश्यक सबै प्रकारका उपकरणहरुको व्यवस्था गर्दै मातृ तथा शिशु मृत्यु दरलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।
- २.३ स्वास्थ्य चौकीहरुको क्षमता अभिवृद्धिका लागि न्यूनतम सबै प्रकारका औषधी, उपकरण जडान र दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरी स्वास्थ्य सेवा सुविधालाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- २.४ विद्यालयहरुमा घुम्ति स्वास्थ्यकर्मी (नर्स)व्यवस्था गरी विद्यार्थीहरुको नियमित स्वास्थ्य जाँचको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.५ निर्धारित मापदण्ड पूरा गरेका सामुदायिक अस्पताल, स्वास्थ्य क्लिनिक, औषधी पसलहरुलाई आवश्यकताका आधारमा पालिकाको विभिन्न स्थानहरुमा सञ्चालन व्यवस्था मिलाइनेछ । यसका लागि स्थानीय स्वास्थ्य संस्था तथा औषधी पसल सञ्चालन सम्बन्धी मापदण्ड निर्माण गरिनेछ ।
- २.६ स्वास्थ्य सम्बन्धी प्राविधिक जनशक्ति विकासका लागि पालिकामा प्राविधिक शिक्षा सञ्चालनमा ल्याइनेछ । यसका लागि महिला, विपन्न दलित वर्गलाई विशेष छात्रवृत्तिको व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति ३ को स्वास्थ्य सेवामा गुणस्तरता वृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, चौकी लगायत अन्य स्वास्थ्य सेवामा कार्यरत जनशक्ति एवं महिला स्वास्थ्य स्वयं सेविकाहरुलाई विभिन्न तालिम, शिविरहरुमा सहभागिता गराई उनीहरुको दक्षता र क्षमतामा अभिवृद्धि गर्दै स्वास्थ्य सेवालाई भरपर्दो बनाइनेछ ।
- ३.२ दरबन्दी अनुसार स्वास्थ्य कर्मचारी, दक्ष र अनुभवी स्वास्थ्यकर्मीहरुको व्यवस्थाका लागि प्राथमिकता दिइनेछ । जनशक्ति एवं औषधी उपकरणको अभाववाट हुन सक्ने क्षतिलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।
- ३.३ स्वास्थ्य संस्थाहरुको स्तर र मापदण्ड अनुसार हुनुपर्ने न्यूनतम पूर्वाधारहरुको व्यवस्था गरी सुविधा सम्पन्न बनाइनेछ । त्यस्ता पूर्वाधारहरुको संरचना अपाइग्राम, लैझिक र बालमैत्री हुनेछ ।
- ३.४ स्वास्थ्य प्रयोगशाला, ब्लड वैक, र आपतकालीन सेवा सञ्चालनका लागि आवश्यक पूर्वाधार एवं संयन्त्रको विकास गरी असमायिक मृत्युलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।
- ३.५ नसर्ने तर प्राणघातक रोगहरुवाट हुने अकाल, अल्पायु, असमायिक मृत्युलाई नियन्त्रण एवं निरोधात्मक उपायहरु अवलम्बन गर्दै विशेषज्ञ सहितको अस्पताहरुवाट घुम्ती सेवा सञ्चालन गरीस्वास्थ्य संस्थाहरुमा निःशुल्क स्वास्थ्य जाँचको व्यवस्था गरिनेछ ।
- ३.६ बालबालिकाहरुलाई विसिजि, पोलियो र आवश्यक सबै भिटामिनको उचित व्यवस्थापन र पोषण कार्यक्रमसञ्चालन गरी पूर्ण खोपयुक्त पालिका बनाइनेछ ।
- ३.७ प्राकृतिक प्रकोप, विपद तथा आपतकालीन, सइक्रमण तथा महामारीको रोकथाम, व्यवस्थापन सम्बन्धी पूर्व तयारी तालिम, प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण, जनचेतना कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछ ।
- ३.८ जिल्ला अस्पतालसँग समन्वय गरी स्वास्थ्य सेवाहरु सञ्चालन गरिनेछ ।

रणनीति ४ को स्वास्थ्य सेवामा पहुँच सुनिश्चित अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ ज्येष्ठ नागरिक एवं विविध कारणहरुवाट स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हुन नसकेको क्षेत्र, समुदाय र वस्तीहरुमा स्वास्थ्य शिविरहरु सञ्चालन गरी स्वास्थ्य जाँच लगायतका सेवा सुविधाहरु उपलब्ध गराई स्वास्थ्य सेवालाई विस्तार गरिनेछ ।
- ४.२ निःशुल्क र सुरक्षित प्रसुती सेवा विस्तार गरी प्रसुती अधि र पछि स्वास्थ्य सेवा लिन प्रोत्साहन गरिनेछ ।
- ४.३ स्वास्थ्य संस्थाहरुवाट शतप्रतिशत प्रसुती सेवा उपलब्ध गराउने गरी प्रोत्साहन कार्यक्रमसञ्चालन गरिनेछ ।
- ४.४ मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य सेवाहरु, खोप सेवा, सुरक्षित मातृत्व तथा परिवार नियोजन सेवाहरु विस्तार तथा सेवा सुदृढीकरण गरिनेछ । यसका लागि आवश्यकता अनुसार समुदाय परिचालन गरिनेछ ।

- ४.५ सरकारबाट निःशुल्क उपलब्ध गरिने सबै प्रकारका औषधीहरु पालिकाको आवश्यकता अनुसार बर्गीकरण गरी नियमित उपलब्ध हुने बातावरण श्रृजना गरिनेछ र औषधी वितरणलाई नियमित अनुगमन र नियमन गरिनेछ ।
- ४.६ स्वास्थ्य संस्थाहरुमा दक्ष प्रसुतिकर्मी तथा अन्य जनशक्तिको सुनिश्चितता गरी चौविसै घण्टा सेवा प्राप्त गर्न सकिने बातावरण श्रृजना गरिनेछ ।
- ४.७ स्वास्थ्य वीमालाई प्रभावकारी ढडगवाट परिचालन गरी स्वास्थ्य सेवा पहुँचमा सहजता ल्याइनेछ ।
- ४.८ विपन्न तथा पछाडिपरेका वर्ग, क्षेत्र र समुदायमा स्वास्थ्य सेवाको पहुँच वृद्धि गर्न घुम्ती शिविर र सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, गाउँ घर क्लिनिक वृद्धि गरिनेछ ।
- ४.९ दलित, अतिविपन्न तथा ७० वर्ष माथिका नागरिकहरु स्वास्थ्य जाँच एवं उपचारका लागि स्वास्थ्य चौकी तथा अस्पतालबाट निःशुल्क उपलब्ध गराइनेछ ।

रणनीति ५ को आपतकालीन तथा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा सञ्चालन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ५.१ स्वास्थ्य संस्थाहरु तथा स्वास्थ्य चौकीहरुको स्तरोन्नति गर्दै आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गरिनेछ । यसका लागि दक्ष जनशक्ति, उपकरण सहितको ल्यावको व्यवस्था गरिनेछ ।
- ५.२ आकस्मिक उपचारका लागि स्वास्थ्य चौकीमा एक अलगै यूनिटको व्यवस्था गरिनेछ ।
- ५.३ अस्पताल पुग्नु अगावैको एम्बुलेन्समै सम्भव हुन सक्ने आपतकालीन उपचारका लागि पूर्व-अस्पताल सेवाको व्यवस्था गरिनेछ ।
- ५.४ स्वास्थ्य संस्थाहरुबाट चौविसै घण्टा स्वास्थ्य सेवा दिन सक्ने गरी क्षमता विकास गरिनेछ ।
- ५.५ भौगोलिक अवस्था र सडक सुविधाका आधारमा आपतकालीन सेवाका लागि एम्बुलेन्स सेवालाई व्यवस्थित र प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- ५.६ महामारी तथा सरुवा रोगहरुको उपचारका लागि आवश्यकताका आधारमा प्रभावित क्षेत्रहरुमा सबै प्रकारका सुविधा सहितको आइसोलेशन सेन्टरहरु स्थापना गरी उपचार व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति ६ को स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजनाको कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ६.१ आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा नियमन गरिनेछ ।
- ६.२ संघ तथा प्रदेश स्तरीय लक्ष्य र मापदण्ड बमोजिम स्थानीयस्तरको स्वास्थ्य सम्बन्धी नीति, लक्ष्य र गुणस्तर निर्धारण गरिनेछ ।
- ६.३ स्वास्थ्य संस्था एवं स्वास्थ्य चौकीआदिवाट निस्कने फोहोरमैला, प्रदुषण, रोग, महामारी नियन्त्रणका लागि स्वास्थ्य सम्बन्धी नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना, अनुगमन र नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | तालिका/ग्राफचित्र : २५ | | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिग्गोविकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत | | | | |
|--------|---|-----------------------------------|----------|----------|----------|----------|---|-----------------|--------------------|---------------|---------------|--|--|--|--|
| | | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | | | | | | | | | |
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | | | | | | |
| १. | स्वास्थ्य संस्था भवन निर्माण, मर्मतसम्भार तथा पूर्वाधार निर्माण | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | २ | ७ | ३ | ३ | | | | | |
| २. | स्वास्थ्य संस्थाहरुको क्षमता विकास तथा | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | ४५ | २ | ३ | २ | ३ | | | | | |

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| | स्तरोन्नति | | | | | | | | | |
| ३. | महिला स्वस्थ्य स्वयं सेविका लगायत स्वास्थ्य जनशक्तिहरुको क्षमता अभिवृद्धि | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | २ | ३ | १ | ३ |
| ४. | खाद्यपोषण प्रवर्द्धन कार्यक्रम | १० | १० | १० | १० | १० | १ | १ | २ | २ |
| ५. | प्राकृतिक उपचार विधि, योगा प्रवर्द्धन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ३ | २ | २ |
| ६. | आयुर्वेद उपचार विस्तार | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ३ | २ | २ |
| ७. | स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | ३ | २ | ३ |
| ८. | दीर्घकालीन तथा नसर्ने रोग नियन्त्रण | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ३ | २ | ३ |
| ९. | एम्बुलेन्स खरिद | २० | २० | - | - | - | २ | ३ | ३ | ३ |
| १०. | वर्धिड सेन्टर विस्तार तथा स्तरोन्नति | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | २ | ७ | ३ | ३ |
| ११. | अत्यावश्यक औषधी व्यवस्था | ५० | ५ | ५ | ५ | ५ | १ | ३ | २ | २ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

♦ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट स्वास्थ्य संस्था एवं कार्यरत कर्मचारीहरुको क्षमता अभिवृद्धि भएको हुनेछ । संस्थागत प्रसुति गर्नेहरुको संख्यामा पनि वृद्धि भएको हुनेछ । स्वास्थ्य सेवामा सर्वसाधारणहरुको पहुँचमा सहजता आई उपचारको अभावमा मृत्युवरण हुनेहरुको संख्यामा पनि न्यूनता आएको हुनेछ । दक्ष एवं अनुभवी जनशक्तिहरु स्वास्थ्य चौकी लगायतका संस्थाहरुमा नहुने, नवस्ने र आपतकालीन सेवा पनि उपलब्ध हुन नसक्ने अभ्यासहरु यसका जोखिम पक्षहरु हुन् ।

♦ नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|------------------------|------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | औषत आयु (जन्म हुँदाको) | वर्ष | ७० | ७० | ७० | ७१ | ७१ | ७२ |

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| असर | ३० मिनेटको दुरीमा नजिकको स्वास्थ्य सेवामा पहुँच भएका घरधुरी | प्रतिशत | ५० | ५५ | ६० | ७० | ७५ | ८५ |
| प्रति फलहरू | विरामी पर्दा सर्वप्रथम स्वास्थ्य चौकी/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ अस्पताल जाने जनसंख्या | प्रतिशत | ४० | ४५ | ५० | ६० | ७० | ८० |
| | नजिकको स्वास्थ्य संस्थामा (स्वास्थ्य चौकी/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ अस्पताल) पुग्न लाग्ने औषत समय | मिनेट | ४५:०० | ४५ | ४० | ३५ | ३५ | ३० |
| | गाउँघर क्लिनिकको संख्या | संख्या | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ | २२ |
| | घुम्ती लगायत स्वास्थ्य शिविर पटक | संख्या | १६ | १६ | १६ | २४ | २४ | २४ |
| | सबै प्रकारका खोप लिएका बालबालिका | प्रतिशत | ८७ | ८८ | ९० | ९२ | ९५ | ९५ |
| | आधारभूत स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध भएका वडाहरू | संख्या | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ |
| | २५०० ग्रामभन्दा कम जन्मतौल भएका शिशु | संख्या | २० | १९ | १८ | १७ | १६ | १५ |
| | कुपोषणका कारण ५ वर्ष मुनीका वाल वालिकाको पुडकोपन र उचाइ अनुसार को कम तौल भएकाहरू | प्रतिशत | २ | - | - | - | - | - |
| | स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुति गराउने गर्भवती महिला | संख्या | ३९० | ४०० | ४२५ | ४७५ | ५०० | ५५० |
| | प्रसुति सेवा उपलब्ध भएका स्वास्थ्यसंस्थाहरू | संख्या | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ |
| | झाडापछालाको सङ्कमण दर(प्रति हजारमा) | संख्या | ४३४ | ४०० | ३९० | ३९० | ३६० | ३५० |
| | स्वाप्रश्वासको सङ्कमण दर प्रति हजारमा | संख्या | ७९६ | ७९० | ७५० | ७०० | ६५० | ६०० |
| | स्वास्थ्य संस्थामा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी | संख्या | ४२ | ४२ | ४५ | ४८ | ५० | ५० |
| | भिटामिन ए प्राप्त गर्ने बालबालिका | प्रतिशत | ९० | ९० | ९२ | ९५ | ९७ | १०० |

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|---|-------------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जनमामा) | दर | ५ | | | | | |
| | शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जनमामा) | दर | ६ | | | | | |
| | ५ वर्ष मुनीको वाल मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जनमामा) | दर | ९ | | | | | |
| | कूल प्रजनन दर (प्रति महिला शिशु जन्म) | दर | - | - | - | - | - | - |
| | परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दर | प्रतिशत | ३१ | ३२ | ३५ | ३५ | ३५ | ४० |
| | स्वास्थ्य वीमामा आवद्ध जनसंख्या | प्रतिशत | २.४६% | | | | | |
| | स्वास्थ्य सूचना, शिक्षा र सञ्चार सचेतना कार्यक्रममा सहभागि | संख्या सयमा | ६९ | ७० | ८५ | १०० | १२० | १५० |
| | क्यान्सर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुटु, क्षयरोग, एडस, कुष्ठरोगको निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षणवाट लाभान्वित | संख्या | २७६ | ३०० | ४०० | ५०० | ७०० | १००० |
| | आधारभूत सुविधा (खानेपानी, शौचालय, वर्धिङ्ग वार्ड र परामर्श केन्द्र आदि) उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था | संख्या | ७ | ८ | ९ | ९ | ९ | ९ |
| | क्रियाशील महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका | संख्या | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ | ५४ |
| | योग, ध्यान तथा वैकल्पिक प्राकृतिक चिकित्सा (आयुर्वेदिक, होमियोप्थायिक, युनानी, अक्कुपञ्चर, आम्ची) उपचार पद्धति सञ्चालन गर्ने संस्था | संख्या | २ | २ | २ | २ | २ | २ |

५.३ खानेपानी तथा सरसफाई

क) पृष्ठभूमि

खानेपानी तथा सरसफाई सेवालाई नेपालको सर्विधानले मौलिक हकको रूपमा ग्रहण गरेको छ। स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ मा पनि खानेपानी तथा सरसफाइलाई स्थानीय सरकारको अधिकार क्षेत्रका रूपमा उल्लेख

गरिएको छ । त्यसैगरी दिगो विकास लक्ष्यमा पनि खानेपानी तथा सरसफाइलाई एक महत्वपूर्ण लक्ष्यको रूपमा मानिएको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ सुरक्षित र उपचार गरिएको खानेपानी सबै घरधुरी तथा एकघर एकधारा उपलब्ध हुन नसक्नु
- ▶ खानेपानीका पाइपहरु जीर्ण हुनु र मर्मत सम्भार नहुनु
- ▶ भौतिक संरचनाहरु निर्माणमा समन्वयको अभाव, पाइपलाइन फुटनु तथा पानी मुहान पुरिनु
- ▶ नसड्ने नगल्ने, प्लाष्टिकजन्य सिसि आदिको सङ्कलन, तथा सुरक्षित विसर्जनको अभाव

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ खानेपानी मुहानहरुको दिगो उपयोग तथा संरक्षण गर्नु
- ▶ सबै नागरिक एवं सार्वजनिक संस्थाहरुलाई सुरक्षित र शुद्ध खानेपानीमा पहुँच अभिवृद्धि र चुना रहित बनाउनु
- ▶ फोहोरमैलाको सुरक्षित र दिगो विसर्जन गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ जलाशय क्षेत्र नदी तथा खोलाहरु
- ▶ खानेपानीका श्रोतहरुको उपलब्धता
- ▶ खानेपानी उपभोक्ता समितिहरु क्रियाशील रहेको
- ▶ घरधुरीमा पाइपलाइनवाट वितरित खानेपानी आपूर्ति
- ▶ खानेपानी आयोजना, पानी मुहान संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालनमा
- ▶ खानेपानीका लागि लिफ्ट प्रणाली प्रयोगको सम्भावना
- ▶ सरसफाइ अभ्यासन सञ्चालन हुँदै आएको, घरघरवाट फोहोर सङ्कलन गर्ने अभ्यास हुँदै (सीमित क्षेत्रमा)
- ▶ प्रायः सबै घरमा शौचालयको व्यवस्था भएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : स्वच्छ, सुरक्षित खानेपानी र सरसफाइ

लक्ष्य : नियमित खानेपानीको उपलब्धता र सरसफाइमा पूर्णता

उद्देश्य

- ▶ सुरक्षित खानेपानीमा नागरिक सबैको सहज पहुँच अभिवृद्धि गर्दै नियमित रूपमा उपलब्ध गर्नु
- ▶ स्थानीयहरुको सहभागितामा फोहोरमैला तथा सरसफाईको व्यवस्थापनवाट स्वच्छ र सफा वातावरण कायम राख्नु

रणनीतिहरु

१. स्वच्छ र सुरक्षित खानेपानीमा सबैको पहुँच वृद्धि गर्ने
२. व्यवस्थित सरसफाइ र फोहोरमैलाको सुरक्षित विसर्जन
३. खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को स्वच्छ र सुरक्षित खानेपानीमा सबैको पहुँच वृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ पर्याप्त पानीका श्रोत तथा मुहान भएका पालिकाहरुसंग सहकार्य र समन्वय गरी सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच वृद्धि गरिनेछ । यसका लागि सीमाना जोडिएका तथा छिमेकी पालिकाहरुसंग सहकार्यमा जोड दिइनेछ ।
- १.२ पानी मुहानहरुको संरक्षण र सम्बर्द्धन र दिगो उपभोगका लागि लाभान्वित समुदायको सहभागितामा खानेपानी उपभोक्ता समिति बनाई समितिको पहलमा मुहान तथा पानी श्रोत क्षेत्रमा वृक्षारोपण एवं पानी वितरणको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.३ पानी मुहान र खानेपानी संरचनाहरुको नियमित मर्मत सम्भार, स्तरोन्तति र वितरण प्रणालीलाई व्यवहारिक र व्यवस्थित गर्दै थप क्षेत्रहरुमा खानेपानी सेवा सुविधा उपलब्ध गराइनेछ ।
- १.४ परम्परागत पानीका श्रोतहरुको संरक्षण तथा दिगो व्यवस्थापन गर्दै थप सुविधा उपभोगका लागि विशेष जोड दिइनेछ ।
- १.५ पानी अपुग क्षेत्रहरुमा आकाशे पानी सङ्कलन, प्लाष्टिक पोखरी तथा पानी भण्डारण ट्याइकी जस्ता वैकल्पिक उपायहरु अवलम्बन गरी जीवनशैलीलाई सहज बनाइनेछ ।
- १.६ स्थानीयहरुको सहभागितामा खानेपानी आपूर्तिलाई नियमित गर्दै एक घर एक धारालाई प्रभावकारी सञ्चालन गर्दै उद्वेको तथा खेरजाने पानीवाट करेसावारी खेतीलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- १.७ सार्वजनिक स्थल, कार्यालय, विद्यालय, स्वास्थ्य संस्थाहरुमा नियमित खानेपानीको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.८ स्थानीय गैसस लगायतका संस्थाहरुको समन्वय, सहकार्य एवं जवाफदेहितामा खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी कार्यक्रम प्रभावकारी ढड्गवाट कार्यान्वयन गरिनेछ ।

रणनीति २ को व्यवस्थित सरसफाई र फोहोरमैलाको सुरक्षित विसर्जन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ फोहोरलाई न्यूनीकरण, पुनः प्रयोग, प्रशोधन जस्ता विधिवाट श्रोतमै फोहोर व्यवस्थापन गर्दै गाउँ वजारलाई प्लाष्टिकमुक्त, धुवामुक्त घर बनाई स्वच्छ, सफा एवं सबैप्रकारका प्रदुषणहरुवाट मुक्त बनाउन महिला समूहको भूमिकालाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- २.२ एक घर, एक धारा र एक शौचालयको नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
- २.३ अतिविपन्न एवं सीमान्तकृत वर्गको श्रम लागत सहभागितामा घरघरमा खानेपानी र चर्पी निर्माणलाई प्राथमिकता दिई सरसफाइलाई प्रभावकारी ढड्गवाट परिचालन गरिनेछ ।
- २.४ स्थानीय समुदायको सहभागितामा पानी सुविधा सहितको सार्वजनिक शौचालय निर्माण एवं सरसफाइलाई व्यवस्थित गर्दै खुल्ला दिसामुक्त बनाइनेछ ।
- २.५ घर शौचालयवाट निष्कृत फोहोर पानीलाई व्यवस्थित गर्न वजार क्षेत्रहरुमा ढल निकासको व्यवस्था गरिनेछ ।
- २.६ स्थानीयहरुको सहभागितामा स्यानिटेरी पार्क (ल्यान्डफिल साइड) लाई व्यवस्थित गरी सम्भावित रोग महामारीको नियन्त्रण गर्दै स्थानीयहरुलाई सुरक्षित राखिनेछ ।
- २.७ सार्वजनिक स्थलहरुमा राखिएका डष्टपिनवाट फोहोरसङ्कलन गरी व्यवस्थित गरिनेछ ।
- २.८ विद्यालय, स्वास्थ्य चौकी तथा संस्थाहरुवाट निस्केका फोहोरहरुलाई सङ्कलन गरी स्यानिटरी पार्क (ल्यान्डफिल साइड) मा विसर्जन गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.९ फोहोरमैलाको सुरक्षित विसर्जनका लागि निजी क्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति ३ को खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतको कार्यनीति

- ३.१ खानेपानी तथा सरसफाइसँग सम्बन्धित स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड तथा योजना कार्यान्वयन गरिनेछ र आयोजनाहरुको अनुगमन तथा नियमनलाई पालिकामा आवश्यक संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक तार्कम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|---------------------------------|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | एकघर एकधारा | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १ | ६ | २ | १ |
| २. | खानेपानी मुहान संरक्षण | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ७ | २ | १ |
| ३. | पानी ट्यांकी निर्माण | ५० | ५० | - | - | - | २ | ७ | २ | १ |
| ४. | खानेपानी शुद्धिकरण तथा प्रशोधन, | २५ | २५ | - | - | - | २ | ६ | २ | २ |
| ५. | खानेपानी पाइप मर्मत सम्भार | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ६ | २ | २ |
| ६. | एक घर एक शौचालय निर्माण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ६ | २ | १ |
| ७. | विद्यालयमा वालमैत्री धारा | २५ | २५ | २५ | - | - | २ | ६ | २ | १ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

◆ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनबाट अधिकांश घरधुरीमा पाइपलाइन मार्फत घरघरमा खानेपानी पुगेको हुनेछ, र हरेकको घरघरमा निजी शौचालय निर्माण भएको हुनेछ। त्यसैगरी सुरक्षित, प्रशोधित एवं शुद्धीकरण गरिएको खानेपानी उपभोग गर्नेहरुको संख्या अधिक वृद्धि भएको हुनेछ। तापनी जलवायु परिवर्तन, जड्गल फाडनी, जथाभावी सडक पूर्वाधारहरुको निर्माणका कारण खानेपानीको मुहान सुक्तै जानु यसका मुख्य जोखिम पक्षहरु हुन।

◆ नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|---|---------|------------------------------|---------------|---------|---------|---------|---------|
| | | | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ |
| प्रभाव | औषत आयु -जन्म हुँदाको) | वर्ष | ७० | ७० | ७० | ७१ | ७१ | ७२ |
| असर | सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच भएको जनसंख्या | प्रतिशत | ८९.८६ | ९० | ९३ | ९५ | ९७ | ९०० |
| प्रतिफल हरु | सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच भएको जनसंख्या | प्रतिशत | ७८.७५ | ८० | ८३ | ८५ | ९० | ९५ |
| | पाइपलाइनको निजी धारा उपलब्ध भएका घरधुरी | प्रतिशत | ३३.२१ | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ |
| | उपचार गरिएको वा सुरक्षित खानेपानी सुविधा प्राप्त घरधुरी | प्रतिशत | ९.३७५ | १० | १२ | १५ | १८ | २० |

तालिका/ग्राफचित्र : २८
खानेपानी तथा सरसफाइ : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|--|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | कुवा, मुल, दुङ्गेधारा को पानी उपभोग गर्ने घरघुरी | प्रतिशत | ८ | ७ | ५ | ४ | ३ | ० |
| | नदी, खोला, कुलोको पानी उपभोग गर्ने घरघुरी | प्रतिशत | ४.५ | ४ | ३ | २ | १ | ० |
| | खानेपानीका लागि नजिकको धारा, कुवा वा पानीको श्रोतमा पुग्न लाग्ने औषत समयावधि | घण्टा | ०.२६ | ०.२० | ०.१५ | ०.१० | ०.०५ | ०.०५ |
| | सकिय खानेपानी र सरसफाइ उपभोक्ता समिति | संख्या | ७० | ७५ | ८० | ८० | ८० | ८० |
| | सरसफाइ सेवा उपलब्ध घरघुरी (निजी क्षत्र तथा पालिकावाट सेवा सञ्चालने) | प्रतिशत | ३.१२५ | ४ | ५ | ८ | १० | १५ |
| | खुल्ला दिसामुक्त घोषणा गरिएका बडा | संख्या | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ |
| | शौचालय नभएका तथा खुल्ला क्षेत्रमा शौच गर्ने घरघुरी | प्रतिशत | ३.२५ | ३ | २ | १ | ० | ० |
| | स्वच्छ (प्यान भएको) शौचालय भएका घरघुरी | प्रतिशत | ९६.३७५ | ९७ | ९८ | १०० | १०० | १०० |
| | खाल्डे शौचालय भएको घरघुरी | प्रतिशत | १ | ०.०८ | ०.०५ | ० | ० | ० |
| | सार्वजनिक शौचालयहरु | संख्या | - | ८ | १० | १२ | १५ | १६ |
| | जोखिमयुक्त अवस्था मा साबुन पानीले हातधुने जनसंख्या | प्रतिशत | ७१.८७५ | ७५ | ८० | ८५ | ९० | ९५ |
| | फोहोरको वर्गीकरण गरी विसर्जन गर्ने परिवार | प्रतिशत | २२.३७५ | २३ | २५ | २८ | ३० | ३५ |
| | घर, आँगन, शौचालय वाट निष्कृत फोहोर लाई व्यवस्थित गर्ने घरपरिवार | प्रतिशत | २८.३७५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० |

६.५.४ लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण

क) पृष्ठभूमि

समानता एवं सामाजिक समावेशीकरण विकासोन्मुख राष्ट्रहरुका लागि एक प्रमुख सवालको रूपमा दर्ज हुदै आएको छ। देशको समग्र विकासमा यो एक महत्वपूर्ण कडीको रूपमा लिने गरिएको छ। नेपालको सन्दर्भमा पनि यो पक्ष जोडवलका साथ प्राथमिकता पाउदै पनि आएको छ र संविधानको प्रस्तावनामै यो पक्ष उल्लेख भएवाट विशेष महत्व दिएको उजगार गर्दछ। प्रस्तावनामा समानुपातिक समावेशी र सहभागिताको सिद्धान्तमा समतामूलक समाज निर्माण गर्ने भनी उल्लेख भएको छ। नेपाली समाजमा अझै पनि कुरीति, जातिय, लैङ्गिक, भाषिक, धार्मिक दृष्टिवाट विभेदपूर्ण व्यवहार हुदै आएको पाइन्छ र सीमान्तकृत, अल्पसंख्यक, जनजाति, वालवालिका, अपाङ्गता भएकाहरुको पहुँच राज्यशक्तिका विभिन्न क्षेत्रमा न्यून हुदै आएको सन्दर्भमा यस्ता पक्षहरुलाई सशक्तीकरण, मूलप्रवाहीकरण एवं समावेशीकरण गर्नुपर्ने आवश्यकता अपरिहार्य भएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ सार्वजनिक भवन एवं पूर्वाधारहरु बालमैत्री, अपाङ्गतामैत्री एवं महिलामैत्री हुन नसक्नु
- ▶ ज्येष्ठ नागरिक हेरचाह केन्द्र सञ्चालन नहुनु
- ▶ विपन्न वर्ग, दलितहरुको आर्थिक सामाजिक स्तरोन्नतिका लागि स्व/रोजगारीमूलक कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन नहुनु
- ▶ महिलाहरुमा उद्यमशीलता विकासका लागि क्षमता अभिवृद्धि, अनुदान, सहुलियत दरमा ऋण व्यवस्था नहुनु
- ▶ अपाङ्गत भएकाहरुको लागि शारिरीक एवं मानसिक विकास सम्बन्धी कार्यक्रम तथा पठनपाठनका लागि अलगै व्यवस्था नहुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ वालविवाह एवं वहुविवाह नियन्त्रण गर्नु
- ▶ लैङ्गिक हिंसा, भेदभाव, छुवाछुत जस्ता सामाजिक कुरीतिहरुको नियन्त्रण गर्नु
- ▶ अपाङ्गता भएकाहरुलाई स्वरोजगार वनाउनु
- ▶ महिलाहरुमा गुणात्मक क्षमता विकास गर्दै निर्णय तहमा उनीहरुको अर्थपूर्ण सहभागिता वृद्धि गर्नु
- ▶ वसाइ सराइ नियन्त्रण गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ महिला सशक्तीकरण हुदै, निर्णयक तह नगरसभामा महिलाको वाक्लो उपस्थिति
- ▶ गाउँसभामा आदिवासी जनजातिहरुको प्रतिनिधित्व रहेको
- ▶ महिला समूह, आमा समूह, महिला सहकारी जस्ता संस्थाहरु क्रियाशील रहेको
- ▶ वाल क्लब, अपाङ्गताको क्लब, वृद्धक्लबहरु गठन भएको
- ▶ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमवाट लाभान्वित जनसंख्या अधिक
- ▶ उद्यमशीलता तथा व्यवसायिक सीप विकास तालिमहरु सञ्चालन र लाभान्वितहरुको संख्या अधिक
- ▶ रोजगारीता, पेशा एवं व्यवसायहरुमा महिला उपस्थिति
- ▶ अपाङ्गत क्लब, अपाङ्गतहरुको सशक्तीकरणका लागि क्षमता विकास कार्यक्रमहरु सञ्चालन
- ▶ लक्षित वर्गको उत्थानका लागि वर्धनै वजेट विनियोजन भएको
- ▶ ज्येष्ठ नागरिक स्वास्थ्य परीक्षण, सम्मान कार्यक्रम सञ्चालन हुदै आएको
- ▶ अपाङ्गत भएका, ज्येष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम सञ्चालन

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : विभेदरहित, समतामूलक सभ्य समाजको निर्माण

लक्ष्य : सबै लक्षित वर्गलाई सशक्तीकरण, मूलप्रवाहीकरण, समावेशीकरण गर्दै समतामूलकको सुनिश्चितता

उद्देश्य

- ▶ महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, दलित, अपाङ्गता भएका, सीमान्तकृत एवं अति विपन्न वर्ग, समुदायको क्षमता विकास, सशक्तीकरण र लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणको सुनिश्चितता गर्नु
- ▶ वर्गीय तथा जातीय विभेदको अन्त्य गर्दै निर्णय तथा नेतृत्व तहमा पहुँच अभिवृद्धिवाट सामाजिक न्याय सहितको समतामूलक समाज निर्माणमा सहयोग गर्नु

रणनीतिहरू

१. महिला सशक्तीकरण र समावेशीकरणमा जोड दिने
२. बालबालिकाको संरक्षण र सार्वजनिक तहलाई बालमैत्री बनाउने
३. ज्येष्ठ नागरिकहरुको सम्मान र संरक्षण गर्ने
४. अपाङ्गता भएका नागरिकहरुको संरक्षण र सशक्तीकरण गर्ने
५. दलित समुदायको सशक्तीकरण गर्ने
६. जनजाति समुदाय सशक्तीकरण गर्ने
७. लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरू

रणनीति १ को महिला सशक्तीकरण र समावेशीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- १.१ महिलाहरुको आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक रूपमा सशक्तीकरण, दक्षता तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्दै त्यस्ता क्षेत्रहरुमा सामर्थक, अर्थपूर्ण सहभागिता बढाउदै समान पहुँचको व्यवस्था मिलाइनेछ।
- १.२ महिला संगठन, समूह तथा सञ्चालहरुको विकास विस्तार र सशक्तीकरण गर्दै त्यस्ता संस्थाहरुको प्रभावकारी प्रतिनिधित्व सबै क्षेत्रमा गराइनेछ।
- १.३ लैंगिक हिंसावाट पीडित महिलाहरुको संरक्षणका लागि सेवा केन्द्रहरु स्थापना र गर्दै मनोसामाजिक विमर्श उपचार एवं कानुनी सहायताहरु उपलब्ध गरिनेछ।
- १.४ कार्यस्थलमा हुने लैंगिक तथा यौनिक हिंसा, छुवाछुत एवं विभेदपूर्ण ज्यालादर लगायत सबैप्रकारका अन्याय र हिंसालाई निरुत्साहित र दण्डित गर्न स्थानीय कानुन बनाई कडाइका साथ लागू गरी पालिकालाई महिला हिंसामुक्त बनाइनेछ।
- १.५ सीप विकास एवं उद्यमशीलता तालिमवाट रोजगारी, स्वरोजगारी तथा आय आर्जनका अवसरहरु शृजना गर्दै महिलाहरुलाई आर्थिक रूपमा सक्षम र सबल बनाइनेछ।
- १.६ महिला सहकारी संस्थालाई विकास विस्तार एवं आवद्ध सदस्यहरुको क्षमता अभिवृद्धिका लागि सहकारी व्यवस्थापन तालिमहरु प्रदान गर्दै संस्था सुचारू रूपले सञ्चालन गर्न वीउ पूँजी कोष स्थापना गरिनेछ।
- १.७ किशोरी तथा युवतीहरुलाई वजारको मागमा आधारित रोजगारीमूलक तालिमहरु प्रदान गरी क्षमता अभिवृद्धि गर्दै प्रतिस्पर्धी, सक्षम र सबल बनाइनेछ।
- १.८ लैंगिक संवेदनशील वजेट र लैंगिक वजेट परीक्षण प्रणाली अवलम्बन गरी महिला सशक्तीकरणलाई विशेष प्राथमिकता दिइनेछ।
- १.९ पालिकाको आवधिक योजना एवं वार्षिक कार्यक्रम तर्जुमामा महिलाहरुको सहभागितालाई प्रभावकारी बनाई कार्यक्रमहरु तर्जुमा गर्दा लैंगिक तथा सामाजिक समावेशीकरणलाई मूलप्रवाहीकरण गरिनेछ।

रणनीति २ को बालबालिकाको संरक्षण र सार्वजनिक तहलाई बालमैत्री बनाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- २.१ स्थानीय समुदाय, विद्यालय, सञ्चार जगत र बाल अधिकारका क्षेत्रमा क्रियाशील संस्थाहरुसंग सहकार्य गरी बालबालिका र किशोर किशोरी माथि हुने दुर्व्यवहार, हिंसा, भेदभाव, बाल शोषण, बालश्रम, वेचविखनको अन्त्य गरिनेछ । यसका लागि नीतिगत व्यवस्था गर्दै आवश्यक कानुन कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- २.२ बाल सहभागिता, बाल विकास, बाल वचाउ, बाल संरक्षणका लागि सबै सार्वजनिक कार्यालयहरुमा नीतिगत व्यवस्था गरी सोही अनुसार वार्षिक कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन गर्दै संस्थागत विकास गरिनेछ ।
- २.३ पालिकाको आवधिक विकास योजना तर्जुमा तथा वार्षिक नीति कार्यक्रम विकासका चरणहरुमा बालबालिकाको सहभागितालाई अर्थपूर्ण बनाइनेछ ।
- २.४ बाल क्लब तथा सञ्जालको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै विभिन्न समितिहरुमा हुने बाल प्रतिनिधित्वलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- २.५ कानुनी विवाद परेका बालबालिकाका लागि बाल सुधार गृह सञ्चालन गरी संरक्षण गरिने र अनाथ, अति विपन्न बालबालिकाहरुको शिक्षा, स्वास्थ्यमा पहुँचको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.६ संविधान लगायत विभिन्न ऐन कानुनहरुद्वारा व्यवस्था गरिएका बाल अधिकारवारे अभिमुखीकरण, जनचेतना अभिवृद्धि गर्दै क्रमिक रूपमा कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- २.७ बालबालिकाहरुको शारीरिक र मानसिक विकासका लागि आवश्यक सबैप्रकारका व्यवस्था गरी प्रतिभावान र सभ्य नागरिक विकास बनाउन सहयोग गरिनेछ ।
- २.८ बालमैत्री असल शासन पालिका घोषणा गर्न आवश्यक नीति तर्जुमा गरिनेछ ।

रणनीति ३ को ज्येष्ठ नागरिकहरुको सम्मान र संरक्षण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ ज्येष्ठ नागरिकका ज्ञान, सीप र अनुभवहरु नीति निर्माणमा उपयोगि हुने र भावि पुस्ताहरुका लागि एक मार्गदर्शन हुनसक्ने भएकोले त्यस्ता ज्ञान अनुभवहरुलाई पुस्तान्तरण गर्ने वातावरण शृङ्जना गरिनेछ ।
- ३.२ हिंसा, दुर्व्यवहार, भेदभावमा परेका, मानसिक तनावमा परेका, अशक्त, घरवारविहिन, विपन्न ज्येष्ठ नागरिकहरुको संरक्षणका लागि स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरुसंग सहकार्यमा वृद्धाश्रम स्थापना र सञ्चालन व्यवस्था मिलाइनेछ । यसका लागि स्थानीय मापदण्ड बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- ३.३ ज्येष्ठ नागरिलाई परिवारवाटै सम्मानपूर्ण रहन सक्ने वातावरण तथा परम्परालाई प्रोत्साहित गरिने छ ।
- ३.४ ज्येष्ठ नागरिकको सम्मान कार्यक्रम, निःशुल्क स्वास्थ्य वीमा, स्वास्थ्य जाँच लगायत संविधान र अन्य ऐनहरुमा भएको प्रावधानहरुलाई प्रभावकारी ढड्गवाट कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ३.५ उपयुक्त स्थानमा सुविधा सम्पन्न ज्येष्ठ नागरिक भवन निर्माण गरी दिवा सेवा कार्यक्रमसञ्चालन गर्दै ज्येष्ठ नागरिकहरुको जीवन यापनलाई सहज र सरल बनाइनेछ ।

रणनीति ४ को अपाङ्गता भएका नागरिकहरुको संरक्षण र सशक्तीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ उपयुक्त हुने सीप विकास एवं उद्यमशीलता तालिम प्रदान गरी अपाङ्गता भएका नागरिकहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै स्वरोजगार एवं आय आर्जनका अवसरहरु शृङ्जना गर्न सहयोग र सहजीकरण गरिनेछ ।
- ४.२ आधारभूत शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा लगायत ऐन कानुनद्वारा व्यवस्था गरिएका सबै प्रकारका सेवा सुविधाहरु प्रदान गर्दै अपाङ्गता भएका नागरिकहरुको जीवन यापनलाई सहजता बनाइनेछ ।
- ४.३ अपाङ्गता भएकाको किसिम अनुसारको विशेष शिक्षा प्रदायक विद्यालयसंग सहकार्य गरी त्यस्तो शिक्षा उपलब्ध गराउन विशेष व्यवस्था मिलाइने छ ।
- ४.४ स्थानीय स्तरमा अपाङ्गता भएका नागरिकहरुको समिति निर्माण गर्दै पालिकाको नीति, कार्यक्रम तर्जुमाका चरणहरुमा प्रतिनिधित्व गराई नीति कार्यक्रम तर्जुमामा प्रभावकारी सहभागिता गराइनेछ ।

रणनीति ५ को दलित समुदायको सशक्तीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ५.१ सीप विकास एवं उद्यमशीलता तालिम कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरी दलित समुदायको क्षमता अभिवृद्धि गर्दै रोजगार एवं आय आर्जनका अवसरहरु शृङ्जना गर्न सहयोग गरिनेछ । दलितहरुको परम्परागत सीप र दक्षताको भरपूर उपयोग गर्न आधुनिकीकरण गरिनेछ ।
- ५.२ दलित समुदायको आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक रूपमा सशक्तीकरणका लागि कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्दै स्थानीय सरकार सञ्चालन मा अर्थपूर्ण सहभाग गराइनेछ ।
- ५.३ जातीय भेदभावको अन्त्यका लागि स्थानीय नागरिक समाजसंग सहकार्य गर्दै छुवाछुतमुक्त घोषणा गरिनेछ ।

५.४ अति विपन्न दलित समुदायको वस्तीमा उत्थानका लागि सबै प्रकारका पूर्वाधारहरुको निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य लगायतका क्षेत्रहरुमा निःशुल्क पहुँचको व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति ६ को जनजाति समुदाय सशक्तीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ६.१ आदिवासी जनजातिको पहिचान सहित सम्मानपूर्वक बाँचन पाउने अधिकार सुनिश्चित गर्न अवसर तथा लाभका लागि विशेष व्यवस्था गर्दै यसै समुदायसँग सरोकार राख्ने निर्णयहरूमा सहभागी गराउने तथा आदिवासी जनजाति र स्थानीय समुदायको परम्परागत ज्ञान, सीप, संस्कृति, भाषा, सामाजिक परम्परा र अनुभवलाई संरक्षण र संवर्द्धन गरिनेछ ।
- ६.२ पालिका स्तरीय आदिवासी जनजाति समन्वय समिति/समूह, महिला समन्वय समिति/समूह, दलित समन्वय समिति/समूह, अपाइंगता समन्वय समिति/समूह, एकल महिला समन्वय समिति/समूह तथा बाल क्लब समन्वय समिति/समूहको गठन गरी उपयुक्त कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

रणनीति ७ को लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ७.१ लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण मूलप्रवाहीकरण गर्दै लक्षित समूह, सामाजिक सुरक्षा तथा गरिबी निवारण सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।
- ७.२ आर्थिक तथा सामाजिक रूपमा पछाडी परेका महिला, बालबालिका, दलित, अपाइंगता भएका व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक, अल्पसम्पदी, सीमान्तकृत समुदायको अभिलेख तथा खण्डकृत तथ्याङ्क राखी सामाजिक र आर्थिक उत्थान कार्यमकम लागू गरिनेछ ।
- ७.३ पालिकाको नीति निर्माण, निर्णय प्रक्रिया र विकासका सबै गतिविधिमा सबै लक्षित वर्गको अनिवार्य प्रतिनिधित्व र सहभागिता वृद्धि गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--|--------------------------------------|---------|---------|---------|---------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | | | | |
| १. | असहाय बालबालिका सहयोग कार्यक्रम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ५ | १ | ३ |
| २. | किशोर किशोरी आधारभूत सीप विकास कार्यक्रम | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ५ | १ | ३ |
| ३. | ज्येष्ठ नागरिक सम्मान तथा भ्रमण | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ५ | २ | ३ |
| ४. | अति विपन्न, गरिव नागरिकको आर्थिक समृद्धि कार्यक्रम | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | १ | ५ | १ | ३ |
| ५. | लक्षित वर्गको सामाजिक, आर्थिक, राजनीति क्षेत्रका विविध विषयमा क्षमता | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ५ | २ | ३ |

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| | विकास कार्यक्रम | | | | | | | | | |
| ६. | सामाजिक भेदभाव, कुरीति जस्ता विविध पक्षमा जनचेतना | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ५ | २ | ३ |
| ७. | लक्षित वर्ग कानुनी परामर्श तथा सहायता केन्द्र स्थापना | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | ५ | १ | ३ |
| ८. | सीप विकास तथा उद्यमशीलता तालिम, वजार व्यवस्थापन र अनुदान व्यवस्था | २० | २० | २० | २० | २० | १ | ५ | २ | ३ |
| ९. | हिंसा पिडित महिला सहयोग कार्यक्रम | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ५ | १ | ३ |
| १०. | महिला सहकारी सञ्चालनका लागि तालिम र वीउ पूँजी कोषको व्यवस्था | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | १ | १ | २ |
| ११. | वालमैत्री, अपाइगतामैत्री शौचालय, मनोरन्जन केन्द्र, उद्यान, खेलकुद मैदान, अध्ययन केन्द्र निर्माण | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | २ | ५ | १ | २ |
| १२. | लक्षित वर्गको स्वास्थ्य सुधार, पोषण, स्वास्थ्य वीमा एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम | ३० | ३० | ३० | ३० | ३० | २ | ५ | २ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

◆ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट लक्षित वर्गमा सशक्तीकरण अभिवृद्धि भएको हुनेछ र मूलप्रवाहीकरण भई सबै क्षेत्रहरूमा समावेशीकरण भएको हुनेछ। यसका लागि व्यवसायिक सीप विकास र क्षमता अभिवृद्धि भएको हुनेछ। अहिलेको सामाजिक संरचना, सोचमा हुन नसक्ने परिवर्तन यसका प्रमुख चुनौतिहरु हुन भने यसक्षेत्रमा हुदै आएको विनियोजन, निकासा एवं खर्च अभ्यासहरु यसको जोखिम पक्षहरु हुन्।

◆ नतिजा खाका

| तालिका/ग्राफचित्र : ३० | | | | |
|---|------------|------|-----------|---------------|
| लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण : नतिजा खाका | | | | |
| नतिजा | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | लक्ष्य परिमाण |

| को तह | | | २०७९/८० सम्म | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
|--------------------|---|---------|-----------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| प्रभाव | लक्षित वर्गको आय आर्जनमा आत्मनिर्भरता | प्रतिशत | | १५ | १८ | २० | २२ | २५ |
| असर | पालिका सभामा लक्षित वर्गको प्रतिनिधित्व | प्रतिशत | | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ | ३३ |
| प्रति फल हरु | लक्षित वर्गका लागि वजेट विनियोजन | प्रतिशत | ०.४६ | ५ | ७ | १० | १३ | १५ |
| | व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्राप्त महिला | संख्या | २८० | १९५ | २१० | २२५ | २४० | २५५ |
| | व्यवसायिक सीप तथा क्षमता विकास भएका अपाङ्गता | संख्या | ० | १० | १५ | २० | ३० | ५० |
| | असहाय, अशक्त, वेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकको संख्या | संख्या | | १० | १५ | २० | २५ | ३० |
| | लैडिक हिंसा निवारण कोषमा जम्मा भएको रकम | रु.लाख | ३० | ५० | ६५ | ७५ | ८५ | १०० |
| | एकल महिला सुरक्षा कोषमा जम्मा भएको रकम | रु. लाख | ० | ५० | ६५ | ७५ | ८५ | १०० |
| | असहाय, वेसहारा तथा आश्रयहीन वालवालिका (आमा बुवा गुमाएका) | संख्या | ० | १० | २० | ३० | ४० | ५० |
| | अन्तरपाटी महिला सञ्जाल | संख्या | ० | ० | ० | १ | १ | १ |

५.५ कला भाषा, साहित्य र संस्कृति

क) पृष्ठभूमि

कला, भाषा, संस्कृति समुदायको एक पहिचान हो । यसैका आधारमा समाजको रूपरेखा चित्रण गर्ने गरिन्छ । नेपालको संविधानले पनि सबै समुदायको कला, भाषा, साहित्य एवं संस्कृतिलाई उच्च महत्व दिएको छ । नेपालमा वोलिने सबै मातृभाषाहरूलाई राष्ट्र भाषा हुने भनी व्यवस्था गरिएको छ, र संविधानमा एक मौलिक हकको रूपमा व्यवस्था गरिएको छ । नेपालमा वसोवास गर्ने प्रत्येक नेपाली समुदायलाई आफ्नो भाषा, कला, सांस्कृतिक सम्पदाहरुको संरक्षण, सम्वर्द्धन गर्ने हक प्रदान गरेको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ कला, भाषा, संस्कृतिको जर्गना, संरक्षण, प्रवर्द्धन नहुनु
- ▶ सांस्कृतिक संरक्षण तथा प्रदर्शनी नहुनु
- ▶ स्थानीय संस्कृतिमा आधारित पर्यटन प्रवर्द्धन तथा आयमूलक कार्यक्रम सञ्चालन नहुनु
- ▶ सबै लोपोन्मुख जातजातीको सांस्कृतिक केन्द्र स्थापना नहुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ वैदेशिक एवं आयातित संस्कृति, भेषभुषा प्रति युवाहरुको वढ्दो आकर्षणलाई निरुत्साहित गर्नु
- ▶ स्थानीय भाषा, संस्कृति, चाडपर्वहरु लोपोन्मुख र पुस्ता हस्तान्तरण गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ जातिय विविधता, जातजातिहरुको सौहार्दपूर्ण वसोवास
- ▶ विविध धर्मालम्बीहरुको मिश्रित स्थल
- ▶ धर्म अनुसारको परम्परा, चाडपर्व, संस्कृतिमा अभ्यस्त
- ▶ स्थानीय कला, भाषा, साहित्य, संस्कृतिमा आधारित कार्यक्रम सञ्चालन
- ▶ मठ मन्दिरहरुको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति हुँदै आएको
- ▶ मगर संस्कृतिमा आधारित सङ्ग्रहालय सञ्चालन

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच :कला, भाषा, साहित्य संस्कृतिको संरक्षण र सम्बर्द्धन : जातजातिको पहिचान

लक्ष्य :स्थानीय कला, भाषा, साहित्य र संस्कृतिको संरक्षण र प्रवर्द्धन भएको हुने

उद्देश्य

परम्परागत, मौलिक एवं लोपोन्मुख कला, भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा सम्पदाहरुको संरक्षण, सम्बर्द्धन तथा प्रवर्द्धनवाट स्थानीयहरुको पहिचान स्थापित गर्नु

रणनीतिहरु

१. मौलिक कला भाषा, संस्कृति र सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने
२. कला, भाषा, साहित्य र सम्पादन सम्बन्धी नीति र योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को मौलिक कला भाषा, संस्कृति र सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ परम्परागत, मौलिक एवं लोपोन्मुख कला, संस्कृति, भाषा र साहित्यको संरक्षण एवं प्रवर्द्धनका लागि पालिकामा एक कला केन्द्र स्थापना गरी प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- १.२ स्थानीय सम्पदा, संस्कृतिलाई विद्यालयको पाठ्यक्रममा समावेश गरी पठनपाठनको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.३ स्थानीय भाषा, संस्कृति र सम्पदालाई पर्यटन विकाससंग जोड्दै यसको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- १.४ आवधिक रूपमा पालिका स्तरीय प्रतियोगिताका माध्यमवाट साहित्य, कला, लोकगीतको प्रवर्द्धन गरिने छ ।

रणनीति २ को कला, भाषा, साहित्य र सम्पादन सम्बन्धी नीति र योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ भाषा, कला, साहित्य तथा संस्कृति संरक्षण सम्बन्धी नीति, कानुन तथा मापदण्डको निर्माण, कार्यान्वयन तथा नियमन गरिनेछ ।
- २.२ स्थानीय लोपोन्मुख एवं जातीय भाषा, संस्कृति तथा सम्पदाहरुको संरक्षण एवं प्रवर्द्धन सम्बन्धी दीर्घकालीन नीति तथा गुरुयोजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र : ३१

कला भाषा संस्कृति : कार्यक्रम तथा आयोजना

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगि क संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | पञ्चे वाजा प्रवर्द्धन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | ३ | ३ |
| २. | साँस्कृतिक सङ्ग्रहालय निर्माण | २० | २५ | - | - | - | २ | ४ | २ | ३ |
| ३. | साँस्कृतिक मेला तथा प्रदर्शनी | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ | २ | ४ | २ | ३ |
| ४. | स्थानीय लोपोन्मुख भाषा संरक्षण तथा प्रवर्द्धन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | ३ | ३ |
| ५. | मौलिक जात्रा, पर्व महोत्सव | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | ३ | ३ |
| ६. | भाषा, साहित्य गोष्ठि | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | २ | ३ |
| ७. | पालिका स्तरीय कला साहित्य प्रतिष्ठान गठन सञ्चालन | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ४ | २ | ३ |
| ८. | ऐतिहासिक सम्पदा संरक्षण तथा प्रवर्द्धन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | ३ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

‣ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट सबै प्रकारका जातजाति, धर्म संस्कृतिको साभा साँस्कृतिक सङ्ग्रहालय निर्माण भएको हुनेछ र हरेक वर्ष साँस्कृतिक मेला तथा प्रदर्शनी आयोजना भई सँस्कृति प्रवर्द्धन भएको हुनेछ। सबै धर्म सँस्कृतिका वीच सद्भाव, सहिष्णुता कायम राखी साभा सङ्ग्रहालय निर्माण गर्नु र विदेशी सँस्कृति प्रतिको मोह युवाहरुमा वढ्दो कममा रहेको सन्दर्भमा स्थानीय भाषा, सँस्कृति हस्तान्तरण आफैमा चुनौतिपूर्ण छ।

‣ नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|--|--------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | स्थापित पहिचान भएका जातिहरु | संख्या | | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ |
| असर | संरक्षित लोपोन्मुख भाषा | संख्या | २ | २ | २ | २ | २ | २ |
| प्रतिफलहरु | विद्यालयमा अध्ययन हुँदै आएको स्थानीय भाषाको संख्या | संख्या | ० | ० | १ | १ | २ | २ |
| | संरक्षण गर्नुपर्ने स्थानीय सँस्कृति तथा चाँडपर्व | संख्या | १० | १० | १० | १० | १० | १० |
| | वोलीचालीका स्थानीय भाषाहरु | संख्या | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|--|--------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ द१ | २०८१/ द२ | २०८२/ द३ | २०८३/ द४ | २०८४/ द५ |
| | स्थानीय भाषामा प्रकाशित भएको साहित्य प्रकाशन | संख्या | ० | ० | १ | १ | १ | १ |
| | स्थानीय कला, भाषा, संस्कृति भलिक्ने सङ्ग्रहालय | संख्या | १ | १ | १ | २ | २ | २ |

५.६ युवा तथा खेलकुद

क) पृष्ठभूमि

युवाशक्ति राष्ट्र विकासको एक सम्वाहक हुन्। यिनीहरुको विकास, सही परिचालन, सही मार्ग निर्देश तथा सदुपयोगवाट राष्ट्रले अपेक्षित लाभ हासिल गर्न सक्छ र गर्दैपनि आएको पाइन्छ। राजनीतिक, सामाजिक, साँस्कृतिक एवं आर्थिक लगायत सबै क्षेत्रमा युवा वर्गको सक्रिय सहभागितामा अभिवृद्धि ल्याउन सकेको अवस्थामा राष्ट्रले सर्वाङ्गिण विकास गर्न सकेको उदाहरणहरु प्रसस्तै छन्। यिनी पक्षलाई मध्यनजर राख्दै नेपालको सर्विधानमा युवाहरुको सहभागिता अभिवृद्धि गर्न, सशक्तीकरण गर्न र युवा उद्यमशीलताका लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, खेलकुद लगायतका क्षेत्रहरुमा विशेष अवसरहरु प्रदान गर्ने व्यवस्था गरिएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ वेरोजगार युवाहरुलाई अनुदान तथा सस्तो दरमा ऋण सुविधा उपलब्ध गराई रोजगारीमूलक कार्यक्रम सञ्चालन हुन नसक्नु
- ▶ वैदेशिक रोजगारीवाट फर्केका युवाहरु स्वरोजगारीमा आवद्ध हुन नसक्नु
- ▶ सुविधायुक्त खेलमैदान (कभरहल) नहुनु
- ▶ खेलाडीहरुको उचित सम्मान र सहयोग उपलब्ध हुन नसक्नु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ युवाहरुको आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रमा अर्थपूर्ण उपस्थितिमा अभिवृद्धि ल्याउनु
- ▶ युवाहरुको विदेश तथा शहरीतर्फको पलायनलाई रोक्नु
- ▶ रैथाने स्थानीय खेलहरु डन्डिवियो, कबड्डी, गट्टा खेलहरु प्रवर्द्धन गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ शिक्षित, ऊर्जावान युवाहरुको उपस्थिति अधिक
- ▶ खेलकुद तर्फ युवाहरुको आकर्षण बढाउने
- ▶ युवाक्लबहरु क्रियाशील
- ▶ स्थानीय संरचनामा युवाहरुको आवद्धता बढाउने
- ▶ स्व/रोजगारीमूलक व्यवसायिक सीप तालिम, क्षमता विकास कार्यक्रमहरु सञ्चालन हुँदै आएको
- ▶ पालिकाको विभिन्न स्थानमा खेलकुद मैदानको व्यवस्था
- ▶ पालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन
- ▶ प्रधानमन्त्री तथा युवा स्वरोजगार कार्यक्रमवाट ठूलो संख्यामा लाभान्वित

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : सवल, सक्षम र व्यवसायिक युवा जनशक्ति

लक्ष्य : व्यवसायिक युवाहरूको विकासवाट व्यवसायिक खेलकुदको विकास भएको हुने

उद्देश्य

युवाहरूमा क्षमता विकास, उच्चमशीलता एवं व्यवसायिकता विकासवाट रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना भई सबै प्रकारका खेलकुदहरूको भौतिक पूर्वाधार तथा संरचनाको निर्माण गरी प्रतिस्पर्धी, प्रतिभाशाली युवा खेलाडीहरूको विकास गर्नु ।

रणनीतिहरू

- १ युवाहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा उच्चमशीलता विकास गर्ने
२. विकास निर्माणमा युवाहरूको सहभागिता अभिवृद्धि गर्ने
३. खेलकुद विकासका लागि पूर्वाधार निर्माण र संस्थागत विकास गर्ने

कार्यनीति

रणनीति १ को युवाहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा उच्चमशीलता विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- १.१ क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम मार्फत युवा उच्चमशीलता तथा स्वरोजगारीमा अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- १.२ युवाका लागि सीप, प्रविधि, कर्जा, व्यवसाय परामर्श, बजार सुविधा सहित उच्चम विकास सम्बन्धी एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
- १.३ वैदेशिक रोजगारीवाट हासिल गरेका दक्षता, सीप, अनुभव, ज्ञान एवं पूँजीलाई सही सदुपयोगका लागि उपयुक्त वातावरण शृङ्जना गर्दै औद्योगिक व्यवसायिक क्षेत्रमा लगानी गर्न युवाहरूलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।

रणनीति २ को विकास निर्माणमा युवाहरूको सहभागिता अभिवृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- २.१ स्थानीय योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, नितिजामापन प्रक्रियामा युवाहरूको संलग्न वृद्धि गर्न क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- २.२ युवा समूह, क्लब सञ्चालको विकास, विस्तार, सदृढीकरण क्षमता अभिवृद्धि गर्दै स्थानीय सरकार सञ्चालनको विभिन्न क्षेत्रमा अर्थपूर्ण प्रतिनिधित्व एवं सहभागिता गराइनेछ ।
- २.३ लागु औषध प्रयोग गर्ने युवाहरूको पुनर्स्थापना गर्न परामर्श तथा पुनर्स्थापना केन्द्रहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

रणनीति ३ को खेलकुद विकासका लागि पूर्वाधार निर्माण र संस्थागत विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- ३.१ युवाहरूको शारिरीक, मानसिक विकासका लागि सानो उमेर देखि नै अभ्यस्त गराउदै खेल संस्कृतिको विकास गरिनेछ ।
- ३.२ खेलकुद विकासका लागि आवश्यक पूर्वाधारहरू विद्यालय, वस्ती, बडाहरू र पालिका स्तरीयमा निर्माण गरी खेलकुदको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- ३.३ खेलकुदमा महिला सहभागिता बढाउन उचित वातावरण शृङ्जना गरिनेछ ।
- ३.४ स्थानीयस्तरका खेलकुद प्रशासन तथा संघ संस्थासंग समन्वय र नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र : ३३

युवा तथा खेलकुद : कार्यक्रम तथा आयोजना

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--------------------------------|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | युवा स्वरोजगार कार्यक्रम | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | ४ | १ | २ |
| २. | व्यवसायिक सीप तथा क्षमता विकास | १० | १० | १० | १० | १० | १ | ४ | १ | २ |
| ३. | युवा नेतृत्व विकास | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | १ | २ |
| ४. | पालिका स्तरीय खेल प्रतियोगिता | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | ४ | २ | ३ |
| ५. | व्यवसायिक खेलाडी निर्माण | ७ | ७ | ७ | ७ | ७ | २ | ४ | १ | ३ |
| ६. | कर्भडहल निर्माण | १० | १० | | | | २ | ११ | २ | ३ |
| ७. | लोपोन्मुख खेल संरक्षण | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | ४ | २ | ३ |
| ८. | खेल मैदान निर्माण | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ७ | ३ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

‣ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट युवाहरुको आवद्धता राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं खेल क्षेत्रमा समेत भएको हुनेछ । यसका लागि युवा वर्गलाई व्यवसायिक सीप विकास तालिम, प्राविधिक शिक्षा, रोजगार कार्यक्रमहरु सञ्चालन भएका हुनेछन् । वैदेशिक रोजगारी, वैदेशिक शिक्षण संस्थाहरुमा अध्ययन र विदेशमा पलायन हुने अभ्यास यसका प्रमुख जोखिम पक्षहरु हुन् ।

‣ नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ३४

युवा तथा खेलकुद : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|--|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | आफ्नो कार्य क्षेत्रमा आत्मनिर्भर युवा वर्ग | प्रतिशत | | १५ | १८ | २० | २२ | २५ |
| असर | उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा खेल क्षेत्रमा युवाहरुको आवद्धता | प्रतिशत | ३० | ३२ | ३५ | ३८ | ४० | ४३ |
| प्रतिफल हरु | व्यवसायिक सीप विकासतालिम तथा प्राविधिक शिक्षा हासिल गरेको युवा | संख्या | १०५ | १२५ | १५० | १७५ | २०० | २२५ |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|---------------|--|--------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमवाट लाभान्वित युवा | संख्या | ६५ | ७० | ७५ | ८० | ९० | १०० |
| | युवा क्लवहरुको संख्या | संख्या | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ |
| | व्यवसायिक युवा खेलाडी | संख्या | ० | ० | ५ | १० | १२ | १५ |
| | खेलकुदअभ्यास प्रशिक्षण केन्द्र | संख्या | ० | ० | ० | १ | १ | १ |
| | कवर्डहल | संख्या | ० | ० | ० | १ | १ | १ |
| | पालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | १ |

परिच्छेद - छ : पूर्वाधार विकास

पृष्ठभूमि

पूर्वाधार विकासका लागि प्रमुख क्षेत्रको रूपमा रहेको सडक, यातायात, पुलपुलेसा, आवास, भवन तथा वस्ती विकास, सिंचाइ, विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा र सूचना, सञ्चार र प्रविधि जस्ता क्षेत्रको विद्यमान अवस्था, समस्या तथा चुनौतिहरूको विश्लेषण गरी आगामी ५ वर्षका लागि उद्देश्य निर्धारण, लक्ष्य परिमाण र सोको प्राप्तीका लागि अवलम्बन गरिने रणनीति तथा कार्यनीति निर्धारण र प्रमुख कार्यक्रमहरु तर्जुमा भएको छ ।

६.१ सडक तथा यातायात

क) पृष्ठभूमि

देशको आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा भौतिक पूर्वाधार खासगरी सडक यातायातको उल्लेखनीय भूमिका रहदै आएको छ । सडक यातायात आफै विकासको साध्य भने होइनन तर एक महत्वपूर्ण साधन भने अवश्य हो । यसको निर्माणको चरणसंगै वहुपक्षीय विकासलाई एक दिशामोड गरिदिन सक्ने र गतिशील बनाउन भने शक्ति रहेको हुन्छ । यसर्थ पनि राज्यले सडक यातायातको विकासलाई विशेष महत्व दिने गरेको पाइन्छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय सडक, ग्रामीण सडक तथा कृषि सडकहरु निर्माण, मर्मत सम्भार, स्तरोन्नति गर्ने, यातायातको सुरक्षाको व्यवस्था मिलाउनुका साथै आवश्यक मापदण्ड, नीति, कानुन एवं योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने, अनुगमन तथा नियमन गर्ने अधिकार समेत स्थानीय तहलाई दिइएको पाइन्छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ सडकहरु स्तरोन्नति नहुनु,
- ▶ सडक संरक्षणका प्रविधिहरु दायाँवायाँ सडक नाली, वायो इन्जिनियरिङ नहुनु
- ▶ यातायात सडक गुरुयोजना निर्माण नहुनु
- ▶ सडक निर्माण गर्दा वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन तथा परीक्षण लगायत विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन जस्ता पक्षहरूमा ध्यान नदिई सडक निर्माण गर्नु
- ▶ सडक निर्माण गर्दा सरोकारवालाहरुसंग समन्वय अभाव
- ▶ साधुँरा, अप्ट्यारा, घुम्ति नमिलेका सडकहरु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ गुणस्तरीय, दिगो र सर्वसुलभ सडक यातायात सेवावाट आम नागरिक लाभान्वित गर्नु
- ▶ भाडादर नियन्त्रण तथा भाडादरमा एकरूपता कायम राख्नु
- ▶ सडक गुणस्तर कायम, सुरक्षित यात्रा र दुर्घटनारहित बनाउनु
- ▶ स्थानीय सडकमा प्रत्यक्ष लाभान्वितहरूको अपनत्व शृङ्जना गर्नु
- ▶ पालिका क्षेत्रभित्रका सडक सञ्जालमा सार्वजनिक सवारी साधन नियमित रूपमा सञ्जालनमा ल्याउनु
- ▶ १२ है महिना नियमित रूपमा सडक सञ्जालनमा ल्याउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ सबै वस्तीहरु सडक सञ्जालवाट जोडिदै
- ▶ अन्तरपालिका सडक सञ्जाल विस्तार भएको
- ▶ कल्घट तथा मोटर पुल एवं झोलुङ्गे पुल निर्माण भएको
- ▶ पालिका कार्यालय र वडा कार्यालयहरु वीच सडक सञ्जाल स्थापित भएको
- ▶ नमुना तथा अनुकरणीय सडकहरु निर्माण भएको

► सडकहरु मर्मत सम्भार, पहिरो अवरुद्ध हटाइ यातायात सञ्चालन नियमित हुडै आएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना
गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : गुणस्तरीय, सुरक्षित, वातावरणमैत्री सडक पूर्वाधार : अन्तरआवद्धताको विकास

लक्ष्य : सडक सञ्जालको विकासवाट सुलभ र भरपर्दो यातायात सेवा विस्तार भएको हुने

उद्देश्य

- सुरक्षित र वातावरणमैत्री सडक यातायात पूर्वाधारको विकास, विस्तार एवं स्तरोन्नतिवाट आवागमनलाई सहज र व्यवस्थित गर्नु
- सडक सञ्जालको विकासवाट अन्तर आवद्धता बढाउनु

रणनीतिहरु

१. यातायात पहुँचमा सुधार एवं सडक सञ्जाल विकास गर्ने
२. सार्वजनिक यातायातलाई व्यवस्थित गर्ने
३. स्थानीय यातायात सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने

कार्यनीति

रणनीति १ को यातायात पहुँचमा सुधार एवं सडक सञ्जाल विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ नेपाल ग्रामीण सडक मापदण्ड, २०७१ लाई आधार मानी सडक निर्माणमा गुणस्तर कायम राखिनेछ ।
- १.२ सडक निर्माण, स्तरोन्नति र ट्रायाक खोल्ने काममा सन्तुलन मिलाउदै डाँडापाँखाहरु उजाड हुनेगरी गरिने सडक निर्माणलाई निरुत्साहित गरिनेछ ।
- १.३ सडक निर्माण कार्यमा स्तरोन्नति तथा मर्मत सम्भारमा प्राथमिकता दिइनेछ ।
- १.४ कार्यपालिका कार्यालयसंग वडा कार्यालयहरु, स्थानीय सार्वजनिक कार्यालयहरु वीच सडक सञ्जाल विकास गरी सेवाग्राहीहरूलाई सहजता प्रदान गरिनेछ ।
- १.५ जिल्ला सडक, प्रदेश स्तरीय क्षेत्रीय सडक एवं राष्ट्रिय सडक सञ्जालसंग जोडिने गरी सडक विस्तार गरी वाह्य क्षेत्रसंगको सम्बन्धलाई सुदृढ बनाइनेछ ।
- १.६ सिंचाइ, पर्यटन, उद्योग व्यवसायलाई सहयोग पुग्ने एवं कृषि, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवामा पहुँच अभिवृद्धि हुने गरी सडकको निर्माण एवं स्तरोन्नति गरिनेछ ।
- १.७ सडक किनारा तथा तलमाथि वायोइन्जिनियरिङ प्राथमिकता दिई वातावरणमैत्री सडक निर्माण गरिनेछ ।
- १.८ सडक तथा पुलहरुको निर्माण पूर्व अनिवार्य रूपमा सर्भे, डिजाइन, ड्रोइड, लागत इष्टिमेट, वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कनगरी सोको आधारमा निर्माण गरिने अभ्यासलाई प्राथमिकताका साथ कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- १.९ सडक तथा भौतिक संरचना संरक्षणप्रति स्थानीयहरूलाई सचेत गराउदै वस्ती वस्तीमा समितिहरु गठन गरी मर्मत सम्भारको जिम्मेवारी दिइनेछ । यसलाई व्यवस्थित गर्न कार्यविधि बनाइनेछ ।
- १.१० सडक निर्माणमा जलवायु परिवर्तनका पक्षलाई विशेष ध्यान दिइनेछ ।

रणनीति २ को सार्वजनिक यातायातलाई व्यवस्थित अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ पालिका क्षेत्रभित्र सार्वजनिक वस सञ्जालन गरिनेछ । यसका लागि निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- २.२ पालिका कार्यालय देखि वडा कार्यालयहरु सम्म र पालिका क्षेत्रका मुख्य बजार क्षेत्रहरु सम्म साना सवारी साधनहरु सञ्जालनमा ल्याइनेछ ।

- २.३ सर्वसुलभ, नियमित, भरपर्दो र सुरक्षित यातायात सेवाका लागि निजी क्षेत्र तथा सहकारी संस्थालाई प्रोत्साहित गर्दै सहकार्य गरिनेछ । महिला, बालबालिका, बिरामी, असहाय, ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाङ्गतामैत्री यातायात सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।
- २.४ निर्माण सम्पन्न सडकहरुमा सडक रुटको व्यवस्था गर्दै यात्रु प्रतिक्षालयर गन्तव्य स्थानमा वसपार्क निर्माण गरिनेछ ।
- २.५ वस्ती क्षेत्रसम्म सार्वजनिक यातायात सेवालाई विस्तार गरी सेवा सुविधा पहुँचमा सहज बनाइनेछ ।
- २.६ पालिकाका वाह्य प्रमुख गन्तव्य क्षेत्रहरुसम्म पुग्न दैनिक तथा नियमित रूपमा सार्वजनिक यातायात सञ्चालन गरी सहजता ल्याइनेछ ।
- २.७ सडक दुर्घटनालाई न्यूनीकरण गर्न आवश्यक सबै सुरक्षाका उपायहरु अवलम्बन गराइने छ र यात्रुहरुको सवारी दुर्घटना वीमाको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.८ यातायात सुरक्षाका सबै मापदण्ड लागू गरी यातायात सेवालाई सुरक्षित बनाइनेछ ।
- २.९ पालिका क्षेत्रमा सञ्चालित सवारी साधनहरुको प्रदुषण परीक्षणलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।

रणनीति ३ को स्थानीय यातायात सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ सडक यातायात तथा सञ्चालन सम्बन्धी नीति, कानुन, मापदण्ड बनाई कार्यान्वयन र नियमन गरिनेछ ।
- ३.२ स्थानीय सडक, भोलुङ्गे पुल, पुलेसा सम्बन्धी गुरुयोजनाको तर्जुमा, कार्यान्वयन, मर्मत सम्भार र नियमन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र : ३५ सडक यातायात : कार्यक्रम तथा आयोजना

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | सडक कालोपत्रे : खोली गाउँ देखि रोल्पा, वहाने गावैडाम, खवाड, सारिवाड अधेरीफोप्ली, वालिपुक दर्गामाचि मोठधारा भाक्री ढुङ्गा हुँदै मध्यपहाडी, बल्दे मौरामारे रोल्पा, वास्कोट दामिरे स्याउले रोल्पा, जम्री खोला देउराली धुरी खाम्वारी रोल्पा | ८०० | ८०० | ८०० | ८०० | ८०० | १ | ९ | ३ | ३ |
| २. | मोटरवाटो स्तरोन्नति लाखाचौर, अधेरी गाटिना, पिपलटारी, कूर्तिवाड-चौतारा, वेसी छेप्तेवडा, वेरापोखरा-सुत्लाड-एकरातेडाँडा कटेरी, देउराली भुड्दी दिहाल्ना, | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | १ | ९ | ३ | ३ |

तालिका/ग्राफचित्र : ३५
सडक यातायात : कार्यक्रम तथा आयोजना

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| | एकराते वराहथान भाक्री ढुङ्गा, खोपीवम दिहाल्ला, | | | | | | | | | |
| ३. | पुराना सडकहरु मर्मत सम्भार | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | १ | ९ | ३ | २ |
| ४. | सडक स्तरोन्नति ग्राभेल सिसेने फोप्ली, मुलघाट वराह मावि, खोपी दुर्गा मावि फर्केडाँडा, खैरापुर काउले पालकतेरी, वडा कार्यालय राम्वाप, मौवा रुख भुलेनी, गावै कुडर पोखरा रोल्पा, भेण्डा कुडर काटे रोल्पा | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | १ | ९ | ३ | २ |
| ५. | पुल निर्माण : गावै, हरेला, पाट्ने, विलौनी, रिठाघाट, कुर्तिवाड, वहुलाखोला, पध्यराकोट खोला, मुलघाट सानोखोला, भुड्दीखोला, सानोखोला, अधेरी सिरवारी, घाइरे पिपलटारी, हसवाङ्गखोला, कौछेखोला, तिम्लेखोला, नेयालखोला, | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | २ | ९ | ३ | ३ |
| ६. | सडक निर्माण : वहाने, खवाड, स्यालीवाड, | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | २ | ९ | ३ | ३ |
| ७. | सडक निर्माण : पूर्णागाउँ - लुड, खोरलुड, जरिकाँ तुनीखर्क, आतारी भउने फोप्ली, डा-टुसारा, मुलघाट- धावाड, उपल्लो अधेरी सिमपूर्णा, मुलघाट सारीवाड, सिद्धेश्वरी ढुङ्गा गौमुखी ढोरपाटन, मुलघाट नेराप्र काइया, मुलघाट रिठाघाट, कुन्धारा धाम्चे ढाकावाड | ४५० | ४५० | ४५० | ४५० | ४५० | २ | ९ | ३ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नितज्ञ खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट सडक यातायात सेवामा स्थानीयहरुको सहज पहुँच अभिवृद्धि भएको हुनेछ । सुरक्षित एवं भरपर्दो यातायात सेवा सञ्चालन भएको र पक्की सडकहरु निर्माण हुनेछ । थोरै वजेट, धेरै निर्माण र वजेट अभावका कारण धुले सडकवाट वातावरण प्रदूषण, मानवीय स्वास्थ्यमा नकरात्मक प्रभाव यसका मुख्य जोखिम पक्षहरु हुन् ।

► नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ३६
सडक, यातायात तथा पुलपुलेसा : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|--|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | दिगो, सुरक्षित र नियमित सडक यातायात सेवावाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | ८० | ८५ | ८८ | ९२ | ९५ | ९७ |
| असर | ३० मिनेट सम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको घरधुरी | प्रतिशत | ६७.१२५ | ७५ | ८० | ८५ | ९० | ९५ |
| प्रति फलहरु | कालोपत्रे सडकको लम्वाइ | किमि | ५०० | १ | १.५ | २ | ३ | ४ |
| | ग्रामेल सडकको लम्वाइ | किमि | ६.८ | ८ | ९.५ | ११.५ | १३ | १५ |
| | धुले सडक लम्वाइ | किमि | ३७१ | ३७५ | ३८० | ३८६ | ३९२ | ३९६ |
| | सहायक नदीमा झोलुङ्गे पुल | संख्या | ३८ | ४१ | ४५ | ४९ | ५४ | ६० |
| | स्थानीय स्तरमा सञ्चालित ४ पाङ्गे सार्वजनिक यातायात | संख्या | ५६ | ६१ | ६८ | ७५ | ८२ | ९० |
| | पालिका केन्द्र वाट वडा कार्यालय सम्म जोडिएको सडक | संख्या | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ |
| | सडक सञ्चालनवाट नजोडिएका वस्तीहरु | संख्या | १६ | १२ | ८ | ५ | ३ | ० |
| | नजिकको पिच भएको पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने औषत समयावधि | घण्टा | १.३ | १ | ०.५० | ०.४० | ०.४० | ०.३० |
| | वार्षिक सडक दुर्घटनाका संख्यारूप | संख्या | १० | १० | ८ | ८ | ७ | ७ |
| | सडक नालीको सडक लम्वाइ | किमि | १.५ | २ | ३ | ४.५ | ६.५ | ८ |
| | नियमित मर्मत संभार भएको सडकको लम्वाइ | किमि | ३६९ | ३७० | ३७३ | ३७६ | ३८० | ३८५ |
| | वायो इन्जिनियरिङ प्रविधि र सडक साइड वृक्षारोपण | किमि | | १ | २ | ३ | ४ | ५ |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|--|--------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | जिल्ला, प्रदेश तथा राष्ट्रिय स्तरको सडक सञ्जाल | संख्या | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| | अन्तरपालिका सडक सञ्जाल संख्या | संख्या | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ |

६.२ आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण

क) पृष्ठभूमि

दिगो विकास लक्ष्यले समावेशी र दिगो शहरीकरण गर्ने गरी आवासको व्यवस्था गर्ने, गरिवीलाई न्यून गर्ने, हरियाली र खुल्ला ठाउँहरु उपलब्ध गराउने लक्ष्य निर्धारण गरेको छ। त्यसैगरी स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ मा सुरक्षित वस्ती विकासका लागि नीति, योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने, अनुगमन, नियमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने अधिकार पनि स्थानीय तहलाई दिइएको छ। वस्ती विकासका लागि पहिचान गर्ने र अध्ययन गर्न सक्ने अधिकार पनि स्थानीय तहमा निहित छ। सार्वजनिक निर्माण अन्तर्गत स्थानीय सरकारलाई सरकारी भवन, विद्यालय, सामुदायिक भवन, सभागृह लगायतका सार्वजनिक संरचना निर्माण, मर्मत सम्भार गर्ने, सञ्चालन एवं व्यवस्थापन गर्ने जिम्मेवारी पनि स्थानीय तहलाई दिइएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ वसपार्क, वस स्टेशन तथा प्रतिक्षालयहरुको निर्माण नहुनु
- ▶ सार्वजनिक संरचना तथा भवनहरु सुविधायुक्त, अपाइगता, वालवालिका तथा महिलामैत्री नहुनु
- ▶ वजार क्षेत्रहरुमा हाटवजार, विश्रायस्थल, सार्वजनिक शौचालय, ढल तथा नालीहरुको व्यवस्था नहुनु
- ▶ भू उपयोग नीति, ऐन निर्माण र कार्यान्वयनमा नआउनु
- ▶ सार्वजनिक निर्माण, भवनहरुको मर्मत सम्भार नियमित नहुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ जोखिम क्षेत्रका वस्तीहरुको सुरक्षित संरक्षण गर्नु
- ▶ सार्वजनिक निर्माणमा सवैको सहज पहुँच अभिवृद्धि गर्नु
- ▶ सार्वजनिक निर्माणको दिगो उपयोग र अपनत्व शृजना गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ सवै घरहरु खरको छानामुक्त हुँदै जस्तापाता लगाइदै आगालागी जस्ता प्रकोपवाट मुक्त
- ▶ भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार सार्वजनिक भवन तथा संरचना निर्माणको कममा
- ▶ विद्यालय, स्वास्थ्य संस्था, अस्पताल भवनहरु निर्माणको कममा
- ▶ मनोरन्जन पार्क र वाल उद्यानहरु विस्तार हुँदै
- ▶ सामुदायिक भवनहरु सवै बडाहरुमा निर्माण भएको
- ▶ एकीकृत वस्ती विकास गर्न सकिने

► प्रायः सबै वस्तीहरुमा आधारभूत भौतिक पूर्वाधारहरु सेवाहरु उपलब्ध भएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना
गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : सबैको पहुँच : सुरक्षित र व्यवस्थित आवास

लक्ष्य : व्यवस्थित आवास तथा वस्ती विकास भएको हुने

उद्देश्य

- सबै नागरिकलाई सुरक्षित तथा व्यवस्थित वसोवासको सुनिश्चित गर्नु
- बजार उन्मुख क्षेत्रहरुमा शहरी पूर्वाधारहरुको विकास एवं वातावरणमैत्री, भूकम्प तथा प्रकोप प्रतिरोधात्मक भवन तथा पूर्वाधारहरु निर्माण गरी सहजता ल्याउनु

रणनीतिहरु

१. आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. सुरक्षित र व्यवस्थित आवास तथा वस्ती विकास गर्ने
३. सुरक्षित तथा बहुउद्देशीय सार्वजनिक संरचना निर्माण गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ संघीय र प्रादेशिक कानूनको अधिनमा रही सार्वजनिक निर्माण, सुरक्षित वस्ती तथा बजार विकास सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड बनाई अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ।
- १.२ भू-उपयोग नीति बनाई सो अनुसार योजनाहरु कार्यान्वयन गर्दै व्यवस्थित एवं नमूना पालिका बनाइने छ।
- १.३ भवन निर्माण संहिता तथा न्यूनतम मापदण्ड लागू गरी प्रकोपवाट हुन सक्ने सम्भावित क्षतिहरुवाट मानव तथा धनजन सुरक्षित राखिनेछ।
- १.४ पालिका क्षेत्रभित्र निर्माण गरिने निजी भवनको समेत मापदण्ड निर्धारण गरी नक्सापास पश्चात भवन निर्माण इजाजत दिइने छ।
- १.५ आवास, वस्ती विकास र सार्वजनिक निर्माणको विकास र विस्तार योजना तर्जुमा तथा कार्यक्रमसञ्चालन गर्दा विपन्न, दलित, जनजाति र महिलालाई प्राथमिकता दिइनेछ।
- १.६ वस्ती विकास तथा आवास कार्यक्रम सञ्चालनका लागि निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गरिनेछ।

रणनीति २ को सुरक्षित र व्यवस्थित आवास तथा वस्ती विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ पहिचान गरिएका जोखिमयुक्त वर्गलाई थप अनुदान तथा ऋणको व्यवस्था गरी सुरक्षित वासस्थानका लागि सहयोग गरिनेछ।
- २.२ अत्याधिक छारिएका वस्तीहरुलाई एकीकृत वस्ती विकासको अवधारणा अनुसार एकीकृत गरी न्यूनतम पूर्वाधारका सेवा सुविधाहरु उपलब्ध गराउदै सहज र सुविधायुक्त वस्ती विकास गरिनेछ।
- २.३ प्रमुख बजार क्षेत्रहरुमा पूर्वाधारहरुको निर्माण तथा व्यवस्थापन गर्दै शहरी क्षेत्रको रूपमा विकास विस्तार गर्दै शहरीकरण गरिनेछ।
- २.४ विद्यमान वस्ती तथा समुदायहरुमा सबैप्रकारका पूर्वाधारहरुको सेवा सुविधाहरु उपलब्ध गराई वसाइ सराइलाई न्यूनीकरण गर्नमा सहयोग पुऱ्याइनेछ।

- २.५ आधारभूत भौतिक संरचनाहरु निर्माण गरी अति विपन्न समुदायको वस्तीहरूलाई सुविधा सम्पन्न बनाइनेछ ।
- २.६ प्राकृतिक प्रकोप तथा भूकम्पीय जोखिमयुक्त अतिसंवेदनशील क्षेत्रमा वस्तीलाई एकीकृत वस्तीमा स्थानान्तरण गरिनेछ ।
- २.७ आवास तथा वस्तीहरूको विकास गर्दा वातावरणीय सन्तुलन कायम राख्दै विपद जोखिम न्यूनीकरणका पक्षहरूलाई विशेष ध्यान दिइनेछ ।

रणनीति ३ को सुरक्षित तथा वहुउद्देश्यीय सार्वजनिक संरचना निर्माण अन्तर्गत कार्यनीतिहरू

- ३.१ सुरक्षित आश्रय स्थल, ज्येष्ठ नागरिक, युवा तथा बाल क्लब, पुस्तकालय समेतको व्यवस्था गरी सामुदायिक भवन निर्माण गरिनेछ ।
- ३.२ पालिकाको उपयुक्त स्थानमा सभाहल निर्माण गरी सभा, सम्मेलन जस्ता कार्यक्रमसञ्चालनमा सहजता ल्याइनेछ । सभाहल निर्माण गर्दा वहुउद्देश्य लाभको सिद्धान्तलाई अंगिकार गरिनेछ ।
- ३.३ उपयुक्त स्थानमा खुल्ला क्षेत्र, खेलमैदान, पार्क सहितसुविधा सम्पन्न संरचना तथा आश्रयगृहहरु निर्माण गरिनेछ ।
- ३.४ सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरु बालमैत्री, आपड़गतामैत्री, महिला तथा ज्येष्ठ नागरिकमैत्री बनाइनेछ, र विपद जोखिम न्यूनीकरणका पक्षलाई विशेष ध्यान दिइनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | वडा कार्यालय भवन निर्माण (१, ४, ५,६) | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | २ | ११ | ३ | ३ |
| २. | स्वास्थ्य चौकी, गाउँघर क्लिनिक, खोप केन्द्र भवन | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | २ | ११ | २ | ३ |
| ३. | वस पार्क निर्माण | ४० | ३० | १० | - | - | १ | ७ | ३ | ३ |
| ४. | नमूना वस्ती निर्माण | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | १ | ११ | २ | ३ |
| ५. | पालिका सभा हल | ३० | २५ | १० | - | - | २ | ११ | ३ | ३ |
| ६. | सामुदायिक भवन | २० | २० | १० | - | - | २ | ११ | ३ | ३ |
| ७. | अपाड्गत, महिला बालवालिकामैत्री पूर्वाधार | २० | २० | २० | २० | २० | २ | ७ | २ | ३ |
| ८. | वृद्धाश्रम तथा पुनर्स्थापना केन्द्र निर्माण | २० | २० | १० | - | - | २ | ११ | २ | ३ |
| ९. | प्राविधिक शिक्षालय भवन | ५० | ५० | ५० | - | - | १ | ११ | २ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट पालिका क्षेत्रभित्र नमुना वस्ती निर्माण भएको हुनेछ । त्यसैगरी पालिका सभाहल, सामुदायिक भवन, वसपार्क, स्वस्थ्य भवन, प्राविधिक शिक्षालय जस्ता सार्वजनिक भवनहरु निर्माण भई सञ्चालनमा आएको हुनेछ र संरचनाहरु महिलामैत्री, अपाइगता, बालवालिकामैत्री हुनेछन् । भवनहरु निर्माणका लागि ठूलो वजेट रकमको आवश्यकता पर्ने हुँदा संघ र प्रदेशवाट निकासा

नहुँदा सम्म सवैप्रकारका सार्वजनिक भवनहरु निर्माणमा समस्या आउन सक्छ । जसले गर्दा आयोजनाहरु अपूर्ण हुने जोखिम रहन्छ ।

► नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ३८

आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|---|--|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | दिगो, विपद उत्थानशील, वातावरणमैत्री विकासित आवास तथा वस्ती | प्रतिशत | १५ | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ |
| असर | सुरक्षित तथा एकीकृत विकास भएको आवास तथा वस्ती | संख्या | १ | १ | २ | २ | ३ | ३ |
| प्रतिफल हरु | सुविधा सम्पन्न उद्यान सहित को खुल्ला पार्क क्षेत्र | संख्या | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| | व्यवस्थित वसपार्क तथा वस स्टेशन | संख्या | - | १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| | व्यापार क्षेत्रमा वसोवास गर्ने जनसंख्या | प्रतिशत | ८.२५ | ९ | ९.५ | ९.७ | १० | १०.३ |
| | सुविधा सम्पन्न (खानेपानी, शौचालय, विजुली, सञ्चार) सामुदायिक भवन, महिला तथा ज्येष्ठ नागरिक भवन तथा सभाहल | संख्या | ५ | ७ | १० | १४ | १७ | २० |
| | जोखिमयुक्त वस्तीहरु | संख्या | १८ | १५ | १० | ८ | ५ | ३ |
| | सुरक्षित तथा प्रवर्द्धन गरिए का आवास क्षेत्र तथा वस्ती | संख्या | १३ | १५ | १७ | २० | २३ | २५ |
| भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका सार्वजनिक भवन तथा संरचना | संख्या | ३९ | ४५ | ५० | ५५ | ६० | ६५ | |
| | भूकम्प प्रतिरोधी भवन | संख्या | २१ | ३१ | ४० | ५० | ५८ | ६५ |

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|--|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| | निर्माण सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति | | | | | | | |
| | भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका निजी आवास तथा संरचनाहरु | प्रतिशत | ०.६२५ | १ | ३ | ५ | ७ | १० |

६.३ विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा

क) पृष्ठभूमि

साना जलविद्युत आयोजनाहरु सञ्चालन गरी स्थानीय स्तरमा वितरण गर्न सक्ने अधिकार स्थानीय तहलाई दिइएको छ। एक मेगावाट सम्मको जलविद्युत आयोजनाका लागि नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन एवं नियमन गर्ने अधिकार स्थानीय तहमा निहित छ। त्यसैगरी वैकल्पिक ऊर्जा सम्बन्धी प्रविधिको विकास, हस्तान्तरण, क्षमता विकास र ऊर्जा प्रवर्द्धन गर्ने र यिनीहरुका लागि नीति तर्जुमा, कानुन वनाउने, मापदण्ड निर्धारण गर्ने, नियमन, अनुगमन गर्ने अधिकार पनि स्थानीय तहमा भएको विवरण स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ मा उल्लेख गरिएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ न्यून संख्यामा विद्युत ट्रान्समिटर र कमजोरका कारण विद्युत सेवा अवरुद हुँदै आएको
- ▶ काठका पोललाई विस्तारित गरी स्टिलपोलहरु नराखिनु
- ▶ सडक वर्तिहरु नभएका कारण रातमा असुरक्षा बढ्दो

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ खाना पकाउने दाउराको प्रयोगमा कमि ल्याउनु
- ▶ स्थानीय स्तरमा विद्युत खपतमा वृद्धि ल्याउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ केन्द्रीय विद्युत लाइन प्रशारण सेवा उपलब्ध
- ▶ अधिकांश घरहरुमा विद्युत सेवा उपलब्ध भएको
- ▶ सडक वर्तीको जडान भएको (सीमित क्षेत्रमा)
- ▶ विद्युतीय चुलो (इण्डक्सन) प्रयोगमा वृद्धि

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : भरपर्दो र पहुँचयोग्य विद्युत सेवा

लक्ष्य : विद्युतीय श्रोतहरुको अधिकतम सदुपयोग भई विद्युत खपतमा अभिवृद्धि भएको हुने

उद्देश्य

- ♦ विद्युत आपूर्तिलाई दिगो र भरपर्दो बनाउदै विद्युत खपतमा वृद्धि ल्याउनु
- ♦ खाना पकाउने उर्जा तथा ग्रामीण विद्युतीकरणमा वैकल्पिक उर्जाको प्रयोग बढाउनु,

रणनीतिहरु

१. वैकल्पिक ऊर्जा विकास सम्बन्धी स्थानीय नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. ऊर्जालाई भरपर्दो र सुलभ बनाउने
३. वैकल्पिक ऊर्जाको विकास गर्ने
४. विद्युत खपतमा अभिवृद्धि ल्याउने

कार्यनीति

रणनीति १ को विद्युत ऊर्जा विकास सम्बन्धी स्थानीय नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन तथा वितरण सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ।
- १.२ वैकल्पिक ऊर्जाका माध्यमबाट स्थानीय नागरिकको आर्थिक तथा सामाजिक अवस्थामा सुधार तथा वातावरणीय दिगोपनामा सहयोग पुग्ने खालका एकीकृत कार्यकमलाई प्राथमिकता दिइनेछ।

रणनीति २ को ऊर्जालाई भरपर्दो र सुलभ बनाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ वडा तथा वस्तीहरु सबैमा केन्द्रीय विद्युत प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत आपूर्तिको व्यवस्था गरी विद्युत सेवा सुविधालाई भरपर्दो र नियमित आपूर्तिको व्यवस्था मिलाइनेछ।
- २.२ अतिविपन्न, सीमान्तकृत घरपरिवार तथा वस्तीहरुमा निःशुल्क ऊर्जाको व्यवस्था गरी विद्युत सेवा सुविधावाट लाभान्वित बनाइनेछ।
- २.३ विद्युत आपूर्तिलाई भरपर्दो, विश्वासनीय र गुणस्तरीय बनाइनेछ। यसका लागि नेपाल विद्युत प्राधिकरणसंग सहकार्य गरिनेछ।

रणनीति ३ को वैकल्पिक ऊर्जाको विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ सडक छेउ, सार्वजनिक स्थल तथा पर्यटकीय क्षेत्रहरुमा सौर्य ऊर्जा प्रयोग गरिनेछ।
- ३.२ घरघरमा सुधारिएको चुल्हो तथा वायोग्यांस प्रयोगलाई प्राथमिकता दिई दाउरा बाल्ने अभ्यासलाई न्यूनीकरण गरिनेछ।

रणनीति ४ को विद्युत खपतमा अभिवृद्धि ल्याउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ खाना पकाउन एलपि ग्याँस तथा दाउराको सटामा विद्युतीय उपकरणहरुको प्रयोगलाई प्रोत्साहित गरिनेछ। यसका लागि विद्युतीय चुल्हो (इन्डक्सन) र राइसकुकुरको विक्री वितरणलाई सहज बनाइनेछ।
- ४.२ निर्धारित यूनिट भन्दा वढी विद्युत खपत गर्ने उद्योग व्यवसायहरुलाई पालिकावाट प्रदान गरिने सेवा सुविधाहरुमा विशेष व्यवस्था मिलाइनेछ।
- ४.३ वढी विद्युत खपत गर्ने उद्योग व्यवसायहरु चिस्यान केन्द्र, कोल्ड स्टोरेज आदिको स्थापना, सञ्चालन तथा प्रवर्द्धनमा विशेष प्राथमिकता दिइनेछ।
- ४.५ लिफ्ट सिंचाइ प्रणाली सञ्चालन गरी कृषियोग्य भूमिमा सिंचाइको व्यवस्था मिलाइनेछ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| तालिका/ग्राफचित्र ३९ विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा : कार्यक्रम तथा आयोजना | | | | | | | | | | |
|---|---|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | | | | |
| १. | सडक वर्ती व्यवस्था | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | ७ | ३ | १ |
| २. | सार्वजनिक स्थल तथा पार्कमा सौर्य ऊर्जा जडान | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | ७ | २ | ३ |
| ३. | इन्डक्सन चुल्हो प्रवर्द्धन | १० | १० | १० | १० | १० | २ | ७ | २ | २ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट सबै घरधुरीमा केन्द्रीय विद्युत प्रशारण लाइन मार्फत विद्युत पुगेको हुनेछ । विद्युतमा सहज पहुँच र नियमित उपलब्धताका विद्युत खपतमा वृद्धि ल्याउनु सक्नु चुनौतिपूर्ण देखिन्छ ।

► नतिजा खाका

| तालिका/ग्राफचित्र : ४० विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा : नतिजा खाका | | | | | | | | | |
|---|--|---------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|--|
| नतिजा को तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | | |
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | |
| प्रभाव | वस्ती तथा घरपरिवारमा वैकल्पिक ऊर्जा समेतको सेवा उपलब्ध | प्रतिशत | | ५ | ७ | १० | १२ | १५ | |
| असर | विद्युत सेवावाट लाभान्वित जनसंख्या | प्रतिशत | ९७.४१ | ९८ | १०० | १०० | १०० | १०० | |
| प्रतिफल हरु | केन्द्रीय विद्युत लाइन प्रसारणवाट लाभान्वित घरधुरी | संख्या | ४९०६ | ५४०० | ५७०० | ५९०० | ६२०० | ६५०० | |
| | विद्युत सेवावाट लाभान्वित हुन नसकेका घरधुरी | संख्या | १५२८ | १००० | ५०० | ३०० | ० | ० | |
| | सोलार प्रणालीमा आवद्ध घरधुरी | संख्या | ११७२ | १२०० | १२५० | १३०० | १३५० | १४०० | |
| | सुधारिएको ऊर्जा (वायोग्रास, एलपि) प्रयोग गर्ने घरधुरी | संख्या | १०४९ | ११०० | १२५० | १३५० | १४५० | १६०० | |
| | सुधारिएको वा धुँवा रहित चुल्हो जडान भएका घरधुरी | संख्या | ४८५७ | ६००० | ६२०० | ६५०० | ६७०० | ६९०० | |

| नतिजा को तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|---|---------------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | विद्युत सेवामा पहुँच प्राप्त घरघुरी | संख्या | ५४०९ | ५५५० | ५९०० | ६००० | ६२०० | ६५०० |
| | सडकको किनारा तथा सार्वजनिकस्थानमा जडित सडक बत्ति | संख्या | ९ | १५ | २० | २५ | ३० | ३५ |
| | स्थानीय स्तरमा विद्युत उत्पादन | कि.वा | ४४ | ५० | ५५ | ६० | ६५ | ७० |
| | स्थानीय स्तरमा जल विद्युत र लघु जल विद्युतको उत्पादन गर्ने संस्था | संख्या | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| | वैकल्पिक उर्जा प्रयोग गर्ने घरघुरी | प्रतिशत | २.७० | ३ | ३.३ | ३.५ | ३.७ | ४ |
| | प्रतिव्यक्ति प्रति वर्ष विद्युत उपभोग | किलोवाट घण्टा | १५० | १५५ | १६७ | १७८ | १९० | २०० |

६.५ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि

क) पृष्ठभूमि

संघीय तथा प्रदेश कानुनको अधिनमा रही स्थानीय क्षेत्रभित्र इण्टरनेट सेवा, टेलिसेन्टर, केवुल तथा तारविहिन टेलिभिजन प्रशारणको अनुमति, नवीकरण र नियमन सम्बन्धी व्यवस्था स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनमा गरिएको छ। सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा भएको द्रुततर विकासले विश्वलाई नै एकै स्थानमा ल्याएको छ, र विकासको ढाँचामा नै परिवर्तन ल्याएको छ। सार्वजनिक सेवा प्रवाहहरु परम्परागत विधि प्रक्रियावाट कमिक रूपमा डिजिटाइज् हुँदै आएका छन्।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

समस्याहरु

- ▶ विद्यालय, सार्वजनिक सेवा प्रदाय कार्यालयहरुमा आइसिटिको सहज पहुँच अपर्याप्त
- ▶ सार्वजनिक स्थलहरुमा सिसिटिभि जडान अपर्याप्त
- ▶ पालिकाको सम्भावित सेवाहरु अनलाइन हुन नसक्नु

चुनौतिहरु

- ▶ फोन नेटवर्कको (टावर) गुणस्तर वृद्धि गर्नु
- ▶ साइवर सेक्युरिटी नियन्त्रण गर्नु

सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ मोबाइल फोनको वढदो प्रयोग
- ▶ इण्टरनेट, केवल टिभी प्रसारणमा निजी क्षेत्रको आकर्षण
- ▶ स्थानीय स्तरवाट रेडियो एफएम, अनलाइन न्यूजहरु अपलोड

- ▶ विद्यालयहरुमा आइसिटि जडान भएको
- ▶ वडा लगायत पालिका कार्यालय एवं सार्वजनिक कार्यालयहरुमा इण्टरनेट सेवा उपलब्ध
- ▶ विद्युतीय माध्यमवाट सेवाप्रवाह अभ्यासको थालनी

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : विकासको मूल आधार : सूचना र सञ्चार

लक्ष्य : सूचना तथा सञ्चार प्रविधिहरुमा स्थानीयहरुको सहज पहुँच अभिवृद्धि भएको हुने

उद्देश्य

सार्वजनिक स्थल, विद्यालय, भवन, कार्यालयहरुमा सूचना तथा सञ्चारका आधुनिक प्रविधिहरुको विस्तारवाट सूचना तथा सञ्चारमा आमनागरिकहरुको सहज पहुँच अभिवृद्धि गर्नु ।

रणनीतिहरु

१. सूचना प्रविधि तथा सञ्चार क्षेत्र सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. सूचना सञ्चार प्रविधि सेबालाई सरल र सुलभ बनाउने
३. प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि आइसिटि प्रयोग गर्ने
४. सूचनामा पहुँचमा अभिवृद्धि गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को सूचना प्रविधि तथा सञ्चार क्षेत्र सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ संघीय तथा प्रदेश कानुनको अधिनमा रही सूचना प्रविधि तथा सञ्चार क्षेत्रसंग सम्बन्धित सञ्चालन र प्रसारणको अनुमति, नवीकरण, नियमन तथा खारेजी गरिनेछ ।
- १.२ सबै सञ्चार माध्यम तथा प्रसारणका भाषा लैङ्गिकमैत्री बनाउने नीति अबलम्बन गरिनेछ ।

रणनीति २ को सूचना सञ्चार प्रविधि सेबालाई सरल र सुलभ बनाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ भरपर्दो टेलिफोन नेटवर्कको व्यवस्था गर्दै दूरसञ्चार सेवामा आम नागरिकहरुको पहुँचमा सहजता ल्याइनेछ ।
- २.२ दूरसञ्चार सेवा विस्तार र भरपर्दो बनाउन निजीक्षेत्रसंग सहकार्य गरिनेछ ।

रणनीति ३ को प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि आइसिटि प्रयोग अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ सामुदायिक विद्यालय, सरकारी कार्यालय एवं सार्वजनिक भवनहरुलाई सूचना प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।
- ३.२ आधुनिक सञ्चार प्रविधिहरुको प्रयोगवाट विद्यालयको पठनपाठनमा सहजता ल्याइनेछ ।
- ३.३ कार्यालयहरुमा अनलाईन मार्फत सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई चुस्त तथा प्रभावकारी बनाइनेछ ।

रणनीति ४ को सूचनामा पहुँचमा अभिवृद्धि अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ मुख्य सार्वजनिक क्षेत्रहरुमा फ्रि वाईफाईको व्यवस्था मिलाई सूचना तथा सञ्चारमा सहजता ल्याइनेछ ।
- ४.२ स्थानीय स्तरमा अनलाईन सेवा, केवल टिभि तथा एफएम रेडियो सञ्चालन गर्न निजी क्षेत्र, सहकारी तथा समुदायसंग सहकार्य गर्दै नागरिकहरुलाई अद्यावधिक खवर तथा सूचनाहरुवाट लाभान्वित गराइनेछ ।
- ४.३ स्थानीय अनलाईन पत्रपत्रिकाको प्रकाशनलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ। पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ।

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | | | | |
| १. | वडा कार्यालय एवं सार्वजनिक स्थलमा सिसि क्यामरा जडान | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १६ | ३ | ३ |
| २. | विद्यालय, सार्वजनिक कार्यालयहरुमा सिसि क्यामरा जडान | २० | २० | २० | २० | २० | २ | १६ | ३ | ३ |
| ३. | वडा, विद्यालय लगायत सार्वजनिक सेवा प्रदाय कार्यालयहरुमा विद्युतीय हाजिरी | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | १६ | ३ | ३ |
| ४. | पालिका सेवाहरुलाई अनलाइन गर्ने | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | १६ | २ | ३ |
| ५. | मोबाइल एप्स सञ्चालन | १० | १० | १० | | | २ | १६ | ३ | ३ |
| ६. | राजस्व एवं नक्सापास अनलाइन गर्न सफ्टवेयर जडान | १० | १० | १० | | | २ | १६ | ३ | ३ |
| ७. | डिजिटल सूचना केन्द्रको विकास | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १६ | ३ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट इण्टरनेट सेवा अधिकांश घरधुरीमा उपलब्ध हुन सक्नेछ। सार्वजनिक स्थल, विद्यालय एवं कार्यालयहरुमा निःशुल्क इण्टरनेट सेवा उपलब्ध भएको हुनेछ र सिसि क्यामरा जडान समेत भएको हुनेछ। यसका लागि निजी क्षेत्रसंगको सहकार्य जरुरी हुने गर्दछ, जुन त्यति सहज छैन।

► नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|------------|------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | | | | | | | | |

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | सूचनामा नागरिकहरुको पहुँच अभिवृद्धि | प्रतिशत | १५ | १८ | २० | २२ | २५ | २७ |
| असर | इन्टरनेट सेवामा पहुँच प्राप्त घरधुरी | प्रतिशत | ५३.२४ | ५५ | ६० | ७० | ८० | ९० |
| प्रतिफल हरु | सञ्चारका कुनै एक साधन उपलब्ध घरधुरी | प्रतिशत | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| | सञ्चार सेवावाट वञ्चित घरधुरी | प्रतिशत | ५ | ४ | ३ | २ | १ | ० |
| | मोबाइल फोन प्रयोगकर्ता | प्रतिशत | ६० | ६५ | ७० | ७५ | ८० | ८५ |
| | ल्याण्डलाइन टेलिफोन वितरण | संख्या | ० | ५ | १० | १५ | २० | २५ |
| | स्थानीय केवल नेटवर्क सेवा प्रदायक संस्था | संख्या | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| | निःशुल्क इन्टरनेट सेवा वाइफाई उपलब्ध भएका क्षेत्रहरु | संख्या | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| | स्थानीय स्तरमा एफएम रेडियो | संख्या | ० | १ | १ | १ | १ | १ |
| | विद्यालय लगायत सार्वजनिक भवन तथा कार्यालयहरुमा इन्टरनेट सेवा सुचारु | संख्या | ३० | ३५ | ४५ | ५५ | ६० | ६५ |
| | सार्वजनिक स्थाल तथा कार्यालयहरुमा जडित सि.सि.क्यामेरा | संख्या | ८ | १० | १३ | १७ | २१ | २५ |
| | सूचना प्रविधि सेवा पुरेको उच्चोग, व्यापार, व्यवसाय संख्या | संख्या | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५० | ५५ |

परिच्छेद - सात :

बन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

पृष्ठभूमि

बन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापनका लागि प्रमुख क्षेत्रको रूपमा रहेका बन तथा जैविक विविधता, भू तथा जलाधार संरक्षण, वातावरण तथा स्वच्छता, विपद तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलनता जस्ता क्षेत्रहरूको विचारान अवस्था, समस्या तथा चुनौतिहरूको विश्लेषण गरी आगामी ५ वर्षका लागि उद्देश्य निर्धारण, लक्ष्य परिमाण र सोको प्राप्तीका लागि अवलम्बन गरिने रणनीति तथा कार्यनीति निर्धारण र प्रमुख कार्यक्रमहरू तर्जुमा भएको छ।

७.१ बन तथा जैविक विविधता

क) पृष्ठभूमि

वातावरण संरक्षण गर्ने, जैविक विविधता सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड वनाउने, योजना तर्जुमा गरी त्यसको कार्यान्वयन गर्ने, अनुगमन तथा नियमन गर्ने अधिकार स्थानीय तहलाई दिइएको छ। नेपाल सरकारले बन, जल तथा जैविक विविधतालाई सन्तुलन राख्नका लागि वातावरण संरक्षण ऐन र त्यसको कार्यान्वयनका लागि नियमावली निर्माण गरी स्थानीय तहलाई वातावरण संरक्षण सम्बन्धी योजना तर्जुमा गर्न सक्ने व्यवस्था समेत गरिएको छ। यसको संरक्षण, सम्बद्धन एवं प्रवर्द्धवाट बन, वनस्पति, वन्यजन्तु, जैविक विविधता, जलाधार, पर्याप्त्यटन, जलविद्युत, कृषि पशुपालन, स्वच्छ पर्यावरण, जडीबुटीमा आधारित उद्योग व्यवसायहरूको विकास र विस्तार भई समृद्धिका आधारशीलाहरू तयार हुने हुन्छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरू

- ▶ वन्यजन्तुहरू वालीनालीमा हुने क्षति, नियन्त्रण गर्न नसक्नु
- ▶ बन डढेलो, आगलागी नियन्त्रण गर्न नसक्नु
- ▶ बन जड्गलको दिगो सदुपयोग गर्दै जीविकोपार्जनका लागि आयमूलक कार्यमा उपयोग गर्न नसक्नु
- ▶ पूर्वाधार विकास र बन जड्गल वीच सन्तुलन कायम हुन नसक्नु

मुख्य चुनौतिहरू

- ▶ बन तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्नु
- ▶ मिचाहा प्रजातिको बढोत्तरीवाट रैथानी प्रजातिहरूको संरक्षण गर्नु
- ▶ मानव र वन्यजन्तु वीचको द्वन्द्व न्यूनीकरण गर्नु
- ▶ बन अतिकमण हुनवाट नियन्त्रण गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरू

- ▶ राष्ट्रिय तथा सामुदायिक बन उपभोक्ता समितिहरू क्रियाशील
- ▶ वृक्षारोपण हुन्दै आएको
- ▶ गैरकाष्ठ बन पैदावरमा आधारित उद्योग, व्यवसाय सञ्चालन
- ▶ वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन तथा परीक्षण गर्ने जस्ता कार्यहरू अभ्यासको क्रमिक विकास
- ▶ ठूलो क्षेत्र बनले ढाकेको
- ▶ वहुमूल्य जडीबुटी (पाखनवेद, टिमुर, गुर्जो, हरोवर्ग, सिन्धौली, कुरिलो, दालचिनी) पर्याप्त परिमाणमा उपलब्धता
- ▶ वन्यजन्तु, चराचुरुङ्गी, बनसम्पदा, जैविक विविधता सम्मिश्रण

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : हरियाली बन तथा सन्तुलित वातावरण निर्माण

लक्ष्य : जैविक विविधताको दिगो संरक्षण र सम्बद्धन भएको हुने

उद्देश्य

- ▶ वन्य जीवजन्तुहरुको संरक्षण एवं जैविक विविधताको दिगो संरक्षण गर्दै पारिस्थितिकीय प्रणाली कायम राख्नु
- ▶ बन क्षेत्रको विस्तार, जडीबुटी तथा वहुमूल्य प्रजातिको व्यवसायिक विस्तार एवं उद्यमशीलताको विकासगर्नु

रणनीतिहरु

- १ बन तथा जैविक विविधता सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. जैविक विविधताको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्ने
३. बन पैदावरको दिगो उपयोग गर्ने

कार्यनीतिहरु

- रणनीति १ को बन तथा जैविक विविधता सम्बन्धी नीति तर्जुमा तथा योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु**
- १.१ संघीय तथा प्रदेश कानूनको अधिनमा रही बन तथा जैविक विविधता सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड बनाई अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ।
 - १.२ बन तथा जैविक विविधता संरक्षण प्रवर्द्धनका लागि विस्तृत अध्ययन, अभिलेख अद्यावधि एवं गुरुयोजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ।
 - १.३ सहभागितामूलक, समावेशी र अधिकारमुखी पद्धतिमा आधारित अवधारणा बमोजिम पालिकास्तरीय बन तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ।

रणनीति २ को जैविक विविधताको संरक्षण र प्रवर्द्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ जैविक विविधताको संरक्षण गर्न समुदाय स्तरमा चेतना अभिवृद्धि, बन व्यवस्थापन समितिको क्षमता विकास कार्यक्रमसञ्चालन गरिनेछ।
- २.२ बनमा आधारित समितिहरु मार्फत मिचाहा प्रजातिको बोट विरुबालाई नियन्त्रण, नर्सरी विस्तार, वृक्षारोपण, रिचार्ज पोखरी निर्माण, अग्नीरेखा, भाङ्डी सफाइ जस्ता क्रियाकलापहरुवाट जैविक सम्पदाको संरक्षण गरिनेछ।
- २.३ बनमा लाग्ने रोग, किरा र मिचाहा प्रजातिहरुको न्यूनीकरण गर्दै बन जड्गल संरक्षण गरिनेछ।
- २.४ बन्यजन्तुहरुवाट हुनसक्ने सम्भावित क्षति न्यूनीकरण गर्न जड्गल क्षेत्रमै उपयुक्त हुने घाँस, विरुवा, फलफूलहरु रोपण गरी बन्यजन्तुको आहारा व्यवस्था मिलाइनेछ।
- २.५ बन्यजन्तुहरुको चोरी शिकारीलाई कडाईका साथ कार्यान्वयन गर्दै लोपोन्मुख चराचुरुङ्गीको वासस्थान संरक्षण गरिनेछ।
- २.६ व्यवसायिक मूल्य भएका जडीबुटी लगायतका आयमुलक रुखहरुको व्यापक वृक्षारोपण गरी जैविक विविधताको संरक्षण गर्दै दिगो उपयोगमा जोड दिइनेछ।
- २.७ चरिचरनका लागि निश्चित क्षेत्रहरु निर्धारण गरी छाडा चरिचरन, बन अतिक्रमण, आगलागी जस्ता क्रियाकलापहरुलाई पूर्ण बन्देज लगाई दण्ड जरिवानाको व्यवस्था गरिनेछ।
- २.८ जैविक विविधतालाई पर्यटन प्रवर्द्धनसंग जोड्दै बन क्षेत्रको सम्पदा तथा विविधताको प्रोफाइल तथा इन्भेष्टि तयार पारी नियमित रूपमा अभिलेख अद्यावधि गरिनेछ।

रणनीति ३ को बन पैदावरको दिगो उपयोग अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ गैरकाष्ठ बन पैदावरमा आधारित जडीबुटीहरुको व्यवसायिक खेती तथा उच्चमशीलता विकास गर्दै सहकारी संस्थाका सदस्यहरुको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- ३.२ बन आधारित उपभोक्ता समूह तथा सहकारी संस्था मार्फत गैरबन पैदावर सङ्कलन, प्रशोधन केन्द्र, बजार व्यवस्थापन, होमस्टे सञ्चालन गरी बन पैदावरवाट रोजगारी एवं आय आर्जनका अवसरहरु सिर्जना गरिनेछ ।
- ३.३ सामुदायिक र कवुलियती बनको विकास र विस्तारमा महिला, विपन्न, दलितहरुको सहभागिता बढाउदै जीविकोपार्जनमा जोड दिइनेछ ।
- ३.४ नदी उकास जमिन, खेती नहुने भूभाग, ताल तलैया तथा पानी श्रोत भएका खुल्ला क्षेत्रहरुमा कृषि-वनको व्यवसायिक विकासका लागि महिला, विपन्न एवं दलितलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र : ४३
बन तथा जैविक विविधता : कार्यक्रम तथा आयोजना

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | बन उपभोक्ता तालिम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १५ | २ | २ |
| २. | वृक्षारोपण | १० | १० | १० | १० | १० | १ | १५ | २ | १ |
| ३. | मिचाहा प्रजाती नियन्त्रण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १५ | २ | १ |
| ४. | बन अतिक्रमण रोकथाम तथा संरक्षण | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | १५ | २ | २ |
| ५. | अग्नी रेखा निर्माण | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १५ | २ | १ |
| ६. | पानीपोखरी निर्माण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १५ | २ | १ |
| ७. | चरन क्षेत्र विकास | १० | १० | १० | | | २ | १५ | २ | १ |
| ८. | लोपोन्मुख प्रजाति, वन्यजन्तु, चराचुरुङ्गीको वासस्थान व्यवस्था | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १५ | ३ | २ |
| ९. | कृषि बनको व्यवसायिक खेती प्रवर्द्धन | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | १५ | २ | २ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

♦ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट बन क्षेत्रमा विस्तार हुने, मिचाहा प्रजातिको नियन्त्रण हुने, वृक्षारोपण भएको हुनेछ । वन्यजन्तुहरुको आहारा एवं वासस्थानको व्यवस्था भई वन्यजन्तुसंग हुदै आएको द्वन्द्वमा न्यूनीकरण समेत भएको हुनेछ । वन्यजन्तु खासगरी वाँदर व्यवस्थापनमा खासै प्रभावकारी उपायहरु अन्य क्षेत्रमा समेत विकसित हुन नसकेको सन्दर्भमा यसको नियन्त्रण गर्नु आफैमा चुनौतिपूर्ण देखिन्छ ।

नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ४४
वन तथा जैविक विविधता : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|--|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | संरक्षित तथा व्यवस्थित वन क्षेत्र | प्रतिशत | | | | | | |
| असर | संरक्षण गरिएका लोपोन्मुख वनस्पति | संख्या | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ |
| प्रतिफल हरु | जैविक संरक्षणका लागि मिचाहा प्रजाति नियन्त्रण, वृक्षारोपण, रिचार्ज पोखरी, अग्नी रेखा, भाडी सफाइ जस्ता कार्यहरु | संख्या | ३ | ७ | ८ | १० | ११ | १३ |
| | सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र | हेक्टर | ५६८९ | ६००० | ६५०० | ७००० | ७५०० | ८००० |
| | सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमा आवद्ध सदस्य | संख्या | ४३९२८ | - | - | - | - | - |
| | वन्यजन्तुवाट अन्तर्वाली मा पुगेको वार्षिक क्षमता | रु.लाख | १० | ८ | ७ | ६ | ४ | ३ |
| | वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र | हेक्टर | २० | २५ | २९ | ३१ | ३३ | ३५ |
| | संरक्षित चरन क्षेत्र | संख्या | १ | २ | ४ | ५ | ७ | ८ |
| | वन जडगल क्षेत्र | प्रतिशत | ५७ | ५८ | ६० | ६१ | ६३ | ६५ |
| | वन तथा जडीवुटीमा आधारित उद्योग | संख्या | ८ | १० | ११ | १३ | १४ | १५ |
| | गैरकाठ वन पैदावारको व्यवसायिक खेती क्षेत्र | हेक्टर | १० | १२ | १४ | १६ | १७ | १८ |
| | जडीवुटीमा आधारित उद्योग, व्यावसाय वाट रोजगारी | संख्या | २५ | ३५ | ४० | ४५ | ४९ | ५३ |
| | वातावरणीय अध्ययन प्रतिवेदनका आधारमा निर्माणजन्य तथा नदी जन्य पदार्थको उत्खनन | संख्या | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |

७.२ वातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन

क) पृष्ठभूमि

स्थानीय स्तरमा हरित क्षेत्रको संरक्षण र प्रवर्द्धन, वातावरणीय जोखिम न्यूनीकरण गर्ने, न्यून कार्बनमुखी तथा वातावरणमैत्री विकास गर्ने, स्थानीय स्तरमा सरसफाई तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्ने जस्ता अधिकार स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय तहलाई दिएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ सडक, चोक, वजार एवं सार्वजनिक क्षेत्रहरूमा सार्वजनिक शौचालय नहुनु
- ▶ हरितपार्क, उद्यानहरूको प्रवर्द्धन हुन नसक्नु
- ▶ फोहोरमैलाको सुरक्षित विसर्जन हुन नसक्नु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ फोहोर प्रशोधनको व्यवस्था गर्नु
- ▶ फोहोर र वातावरणीण वीच सन्तुलन कायम राख्नु
- ▶ खाना पकाउन दाउराको प्रयोगमा कम त्याउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ वजार, चोक, गल्लीहरूमा फोहोर सङ्कलनका प्रयासहरु भएको
- ▶ एकघर एकचर्पीको व्यवस्था, खुल्ला दिसामुक्त क्षेत्र घोषणा
- ▶ वजार क्षेत्रमा ढल निकासको शुरुवाट (सीमित क्षेत्रमा)
- ▶ धुवारहित सुधारिएको चुल्हो प्रायः अधिकांश घरमा जडन भएको
- ▶ स्वच्छ हावापानी, धुँवा, धूलो, ध्वनि प्रदुषणमुक्त
- ▶ खुल्ला एवं ग्रामीण हरियाली क्षेत्र
- ▶ घर आँगन, वजार क्षेत्र नियमित सफाइ गर्ने अभ्यास

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : स्वच्छ एवं सन्तुलित पर्यावरण

लक्ष्य : सबै प्रकारका वातावरणीय प्रदुषण न्यूनीकरण भएको हुने

उद्देश्य

- ▶ घर, आँगन, वजार क्षेत्रका फोहोरमैलालाई व्यवस्थित तवरले सङ्कलन, प्रशोधन, न्यूनीकरण एवं सुरक्षित विसर्जन गर्नु
- ▶ वातावरण प्रदुषणका उपायहरु अवलम्बनवाट स्वच्छ वातावरण कायम राख्नु

रणनीतिहरु

१. वातावरण तथा जलवायु अनुकूलन सम्बन्धी स्थानीय नीति, योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. वातावरण संरक्षण तथा स्वच्छता व्यवस्थापन

कार्यनीति

रणनीति १ को वातावरण तथा जलवायु अनुकूलन सम्बन्धी स्थानीय नीति, योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

१.१ वातावरण संरक्षण तथा जलवायु अनुकूलन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड बनाई कार्यान्वयन र अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।

१.२ वातावरण संरक्षण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी दीर्घकालीन गुरुयोजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ ।

रणनीति २ को वातावरण संरक्षण तथा स्वच्छता व्यवस्थापन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ सबै प्रकारका प्रदुषणहरुको नियन्त्रणका लागि स्थानीयहरुलाई अभिमुखीकरण कार्यकमहरु सञ्चालन गरी सचेतना विकास गरिनेछ ।
- २.२ वातावरण सरसफाई समूह/समिति परिचालन गरी वातावरण संरक्षण तथा स्वच्छताका कायम राखिनेछ । यसका लागि आवश्यकता अनुसार समूहहरुको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- २.३ निजी क्षेत्र तथा सामुदायिक संस्थाहरुसंग सहकार्य गरी फोहोर न्यूनीकरण, प्रशोधन तथा प्रयोग जस्ता विधिहरु अवलम्बन गरी फोहोरको व्यवस्थापन तथा श्रोतमै न्यूनीकरण गरिनेछ ।
- २.४ वजार क्षेत्रहरुमा ढलहरु निर्माण र वस्तीका घर आँगनवाट निस्कने फोहोरपानीलाई नजिकको खेतवारीमा सुरक्षित निकास तथा करेसावारी प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- २.५ दलित, अति विपन्न समुदायको घरघरमा चर्पीको व्यवस्था गरी खुल्ला क्षेत्रमा हुने शौचलाई न्यूनीकरण र सुधारिएको चुलो निर्माणमा सहयोग उपलब्ध गराउदै वातावरण संरक्षण गरिनेछ ।
- २.६ घर घरमा खाना पकाउने तथा घरयासी प्रयोजनका लागि दाउरा वाल्ने अभ्यासलाई कमिक रूपमा न्यूनीकरण गर्दै वैकल्पिक तथा नवीकरणीय उर्जामा जोड दिइनेछ ।
- २.७ निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा फोहोर संकलन, प्रशोधन केन्द्र तथा स्यानिटरी पार्कलाई व्यवस्थित र सुरक्षित बनाइनेछ ।
- २.८ स्थानीय समुदायसंगको सहकार्यमा सडक, विद्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र एवं खुल्ला क्षेत्रहरुमा फलफुल तथा वृक्षारोपण गर्दै पानी पोखरी, हरियाली पार्क क्षेत्रहरु निर्माण गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | हरित पार्क निर्माण | २५ | २० | ५ | | | १ | १२ | २ | १ |
| २. | वातावरण संरक्षण प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १२ | ३ | १ |
| ३. | सुधारिएको चुल्हो निर्माण | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १२ | २ | २ |
| ४. | फोहोर न्यूनीकरण सचेतना कार्यक्रम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १२ | २ | २ |
| ५. | फोहोर संकलन तथा प्रशोधन | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | १२ | २ | १ |
| ६. | स्यानिटरी पार्क निर्माण | ५० | ५० | ५० | | | १ | १२ | ३ | १ |
| ७. | ढल निकास व्यवस्था | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | १ | १२ | ३ | २ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नजिता खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट श्रोतमै फाहोरलाई जैविक र अजैविकमा वर्गीकरण गरी सङ्कलन हुनेछ र एक निश्चित क्षेत्रमा फोहोर विसर्जन हुनेछ । त्यसैगरी खाना पकाउनका लागि दाउरा वाल्ने अभ्यासमा करीव ५०

प्रतिशतले न्यूनीकरण भई विद्युतीय चुल्हो प्रयोगमा आएको हुनेछ । भरपर्दो र उपयुक्त प्रविधि नहुँदा नहुँदै खाँस तथा दाउरा वाल्ने अभ्यासमा न्यूनीकरण ल्याउने पक्ष आफैमा जोखिमपूर्ण देखिन्छ ।

► नतिजाखाका

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | तालिका/ग्राफचित्र : ४६ | | | | |
|----------------|--|---------|------------------------------|-----------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | वातावरण तथा स्वच्छता : नतिजा खाका | | | | |
| | | | | | लक्ष्य परिमाण | | | |
| | | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ |
| प्रभाव | वातावरण स्वच्छ, सफा र हरियाली क्षेत्रमा थप वृद्धि | प्रतिशत | - | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| असर | वृक्षारोपण भएको थप क्षेत्र | प्रतिशत | ३ | ५ | ७ | ९ | १० | १२ |
| प्रतिफल हरु | प्रयोगमा आएको फोहोर व्यवस्थापन प्रणाली | संख्या | १ | ३ | ५ | ६ | ८ | ९ |
| | निष्काशित फोहोरको औषत वार्षिक परिमाण | मे.टन | २००० | - | - | - | - | - |
| | नियमित सरसफाइको अभ्यास गर्ने घरधुरी | प्रतिशत | ७० | ७५ | ८० | ८५ | ९० | ९५ |
| | कम्पोष्ट-विन र गार्वेज-पिट प्रयोग गर्ने परिवार | संख्या | १००० | १५०० | २००० | २७५० | ३००० | ४००० |
| | व्यवस्थित ढल निकास भएको वजार क्षेत्र | संख्या | १ | ३ | ५ | ६ | ८ | १० |
| | परम्परागत उर्जा (दाउरा) प्रयोग गर्ने घरधुरी | प्रतिशत | ९८ | ९० | ९४ | ८९ | ८१ | ७४ |
| | घरभित्रको धुवाँवाट मुक्त घरधुरी (सुधारिएको चुल्हो) | प्रतिशत | ७० | ५७ | ८० | ८५ | ९० | ९५ |
| | मनोरञ्जनस्थल, पार्क र हरित क्षेत्र | संख्या | २ | ४ | ५ | ७ | ९ | ११ |

७.३ भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

क) पृष्ठभूमि

पानी मुहानहरुको संरक्षण गर्ने, जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गर्ने त्यसका लागि स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड बनाउने र जलाधार संरक्षण सम्बन्धी योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने, अनुगमन एवं नियमन गर्ने अधिकार स्थानीय सरकारलाई दिइएको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले दिएको अधिकार क्षेत्रभित्र रही स्थानीय तहले भू संरक्षण एवं जलाधार व्यवस्थापन गर्ने सक्ने व्यवस्था गरेको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- वायोइन्जिनियरिङ प्रविधि प्रयोगमा नआउनु
- पानीपोखरी, नदीखोलाहरुमा तटवन्य निर्माण हुन नसक्नु
- भूक्षय नियन्त्रण तथा संरक्षणका लागि पर्याप्त कार्यक्रमको सञ्चालन नहुनु

मुख्य चुनौतिहरू

- ▶ सम्वेदनशील क्षेत्रहरुको व्यवस्थापन तथा वस्तीहरुको संरक्षण गर्नु
- ▶ जलाधार तथा पानीमुहानहरु सुकै गएकोले सोको दिगो संरक्षण गर्नु
- ▶ डेलो, बाढी, पहिरो तथा भूक्षयको नियन्त्रण तथा क्षति कम गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरू

- ▶ डाँडापाखा, खोल्साखाल्सीहरुमा वृक्षारोपणको शुरुवात
- ▶ सडक नाला, ड्रेनवाल, रिटेनिङ वाल, गाविन वाल आदि निर्माणवाट पहिरो नियन्त्रणको प्रयास भएको
- ▶ रिचार्ज पोखरीहरु निर्माणका प्रयासहरु भएको
- ▶ जलाधार क्षेत्रहरु, खोला खोल्सी तथा गल्छीहरु भएको
- ▶ पानी मुहान, भरना, ताल तलैया, पोखरी तथा सीमासार क्षेत्रहरु भएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : भू तथा जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण र सम्बद्धन

लक्ष्य : भूसंरक्षण एवं जलश्रोतको दिगो उपयोगवाट जीवन स्तरमा सुधार ल्याउन सहयोग पुरोको हुने

उद्देश्य

- ▶ बाढी पहिरो, जोखिम तथा संवेदनशील क्षेत्रहरुमा वायो इन्जिनियरिङ एवं वृक्षारोपण गर्दै नदी, खोला, ताल तलैया सीमासार तथा पानी मुहानहरुको संरक्षणवाट भू-क्षय नियन्त्रण एवं जलाश्रोतहरुको व्यवस्थापन एवं दिगो उपयोग गर्नु ।

रणनीतिहरू

१. भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति, योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. भू-क्षय नियन्त्रण गर्ने
३. जलाधार क्षेत्रको संरक्षण एवं उपयोग गर्ने

कार्यनीतिहरू

रणनीति १ को भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति, योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतको कार्यनीति

१.१ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।

रणनीति २ को भू-क्षय नियन्त्रण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- २.१ भू-क्षय तथा बाढी पहिरो प्रभावित क्षेत्रहरुको नक्साइकन गरिनेछ ।
- २.२ जोखिम क्षेत्रका वस्तीहरुलाई स्थानान्तरण गर्दै वाँस, वावियो, अम्रिसो जस्ता वोट विरुद्धहरुको वृक्षारोपण गरी भू-क्षयलाई नियन्त्रण गरिनेछ ।
- २.३ जथाभावी सडक निर्माण गर्ने कार्यलाई पूर्णत निषेध गरी वातावरण प्रभाव मूल्याइकन, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर)अध्ययन एवं वायो इन्जिनियरिङ प्रविधि अपनाई सडक निर्माण गर्ने परिपाटिको विकास गरिनेछ ।

- २.४ बगेर जाने पानीको भण्डारण, सडक छेउ नाली निर्माण, रिचार्ज पोखरी निर्माण, हरियोहारको व्यवस्था, गरासुधार व्यवस्थापन गरी सम्भावित भू-क्षयलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।
- रणनीति ३ को जलाधार क्षेत्रको संरक्षण एवं उपयोग अन्तर्गतका कार्यानीतिहरु**
- ३.१ लाभान्वित समुदायहरूसंगको सहकार्यमा पानी मुहान, सीमसार, पोखरी, तालतलैया संरक्षण गर्दै जलश्रोतको उपयोग गरिनेछ ।
- ३.२ नदी तथा खोला किनाराहरुमा तटबन्ध निर्माण गरी जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ ।
- ३.३ जलक्षेत्रको संरक्षण गर्दै वगरखेती सम्बन्धी सीप प्रदान गरी आय श्रोत वृद्धि गर्न अति विपन्न समुदायलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।
- ३.४ पूर्वाधार निर्माणलाई वातावरणमैत्री वनाउन मापदण्ड निर्धारण गरी प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | पहिरो नियन्त्रण तथा वायो इन्जिनियरिङ | २० | २० | २० | २० | २० | १ | १५ | ३ | १ |
| २. | भूक्षय नियन्त्रण (रिटेनिङ वाल, र्याविन निर्माण) | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | १ | १५ | ३ | १ |
| ३. | तटबन्ध निर्माण | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | १५ | ३ | १ |
| ४. | सतह भलपानी नियन्त्रण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १५ | ३ | १ |
| ५. | खहरे खोला नियन्त्रण | २० | २० | २० | २० | २० | २ | १५ | ३ | १ |
| ६. | जलाधार एवं सिमसार क्षेत्र संरक्षण | २० | २० | २० | २० | २० | २ | १५ | ३ | १ |
| ७. | खोला नदी किनारा वृक्षारोपण | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | १५ | ३ | १ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजना कार्यान्वयनवाट भू-क्षय नियन्त्रण भएको हुनेछ । यसका लागि वायो इन्जिनियरिङ प्रविधि अवलम्बन भएको हुनेछ । त्यसैगरी सिमसार क्षेत्र, तालपोखरी संरक्षित भएको हुने र खोलाहरुमा तटबन्धहरु निर्माण भई नियन्त्रण भएको हुनेछ । वातावरणीय पक्षहरुको मूल्याङ्कन एवं परीक्षण नगरी सडक पूर्वाधारहरु निर्माण हुनु यसका प्रमुख जोखिम पक्षहरु हुन् ।

► नतिजाखाका

| तालिका/ग्राफचित्र : ४८ | | | | |
|---------------------------------------|------------|------|-----------|---------------|
| भू तथा जलाधार व्यवस्थापन : नतिजा खाका | | | | |
| नतिजाको | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष | लक्ष्य परिमाण |

| तह | | | २०७९/८० सम्म | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
|-------------|---|--------|-----------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| प्रभाव | भू-क्षय र बाढी पहिरोवाट संरक्षित संवेदनशील क्षेत्र | संख्या | ५ | ४ | ३ | २ | १ | ० |
| असर | पानी सुक्न वा पुरिनवाट जोगिएका ताल पोखरी, एवं कुवाहरु | संख्या | ८ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ |
| प्रतिफल हरु | संरक्षित पानी मुहान क्षेत्र | संख्या | १५ | २० | २५ | ३० | ६८ | ४१ |
| | वायोइञ्जिनियरिङ प्रविधि प्रयोग संरचनाको लम्बाइ | किमि | | ०.५०० | १.० | १.२०० | १.३०० | १.५०० |
| | जलउत्पन्न प्रकोप वाट प्रभावित घरपरिवार | संख्या | ११५ | ९८ | ८८ | ७९ | ६८ | ४८ |
| | संरक्षित गल्ढी, पहिरोहरु | संख्या | - | ५ | ७ | १० | १२ | १५ |
| | जलाधार संरक्षण | संख्या | १ | ३ | ५ | ६ | ८ | ९ |

७.४ विपद व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

क) पृष्ठभूमि

विषम भू-वनौट, कमजोर भौगोलिक अवस्था, मौसमी विषमता, जलवायु परिवर्तन जस्ता विविध कारणवाट देशमा प्राकृतिक प्रकोपहरुवाट ठूलो परिमाणमा क्षति हुँदै आएको छ । बाढी, पहिरो, भू-स्खलन, डुवान, हिमपहिरो, खडेरी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि जस्ता पक्षहरु विपद तथा जलवायु परिवर्तनका सङ्केतहरु हुन् । भू-कम्पीय जोखिमको आधारमा नेपाल एक सम्वेदनशील क्षेत्रमा पर्दछ । स्थानीय सरकारले विपद व्यवस्थापनका लागि नीति, कानून, मापदण्डहरु निर्माण गर्न सक्ने अधिकार रहेको छ । यस सम्बन्धीय योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने, अनुगमन एवं नियमन गर्ने जिम्मेवारी पनि स्थानीय तहमा निहित छ । जोखिम वस्तीहरु पहिचान गर्ने, नक्साङ्राक्षण गर्ने, वस्ती स्थानान्तरण गर्ने, नदी पहिरो नियन्त्रण गर्ने, त्यसको व्यवस्थापन गर्ने, नदी तटवन्ध निर्माण गर्ने कार्यहरु पनि स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्रभित्र राखिएको छ । खासगरी विपद पूर्व तयारी, न्यूनीकरण गर्ने सम्बन्धी, विपद पश्चातको पुनर्निर्माण तथा पुनर्स्थापना, आपतकालीन उद्धार, राहत एवं सुरक्षित वासस्थानको व्यवस्था स्थानीय स्तरमा गर्नुपर्ने व्यवस्था पनि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ मा गरिएको छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ आपतकालीन उद्धारका लागि तालिम प्राप्त स्वयंसेवक, राहत सामग्रीहरुको व्यवस्था कमि
- ▶ विपद पीडितहरुका लागि राहत, खुल्ला क्षेत्र एवं सुरक्षित वासका लागि सुरक्षित र सरक्षित क्षेत्रको अपर्याप्त
- ▶ संवेदनशील क्षेत्रको नक्सांकन र संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रमको अभाव

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ भौतिक एवं मानवीय क्षति न्यूनीकरण तथा पीडितहरुलाई तत्काल उद्धार गर्नु
- ▶ कृषि उपजहरुलाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वनाउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ विपद व्यवस्थापन कोष तथा सामुदायमा आधारित विपद व्यवस्थापन समिति क्रियाशील
- ▶ पालिकामा एम्बुलेन्सको व्यवस्था
- ▶ सार्वजनिक भवन तथा निजी घरहरु भूकम्प प्रतिरोधी हुँदै

- ▶ जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि कार्यक्रमहरु हुँदै आएको
- ▶ विपद व्यवस्थापनका लागि जिल्ला स्तरीय रेडक्स, सुरक्षा निकाय तथा चौकीहरु कार्यरत
- ▶ विपद व्यवस्थापनका लागि स्थानीय संघ संस्थाहरु कियाशील

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : सुरक्षित र विपद उत्थानशील गाउँपालिका

लक्ष्य : विपद तथा महामारीवाट हुने घनजनको क्षति न्यूनीकरण भएको हुने

उद्देश्य

जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका उपायहरु अवलम्बन गर्दै प्रतिरोधात्मक भौतिक संरचनाहरु निर्माण र आपतकालीन उद्धार व्यवस्थावाट मानवीय तथा भौतिक सम्पत्तिहरुको क्षति न्यूनीकरण गर्नु

रणनीतिहरु

१. विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, योजना कार्यान्वयन गर्ने
२. विपद व्यवस्थापन पूर्वतयारी सुदृढीकरण गर्ने
३. जोखिमवाट क्षति न्यूनीकरण गर्ने
४. जलवायु परिवर्तन अनुकूलन गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति, योजना कार्यान्वयन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड बनाई कार्यान्वयन एवं अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ।
- १.२ विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी दीर्घकालीन नीति तथा योजना विकास गरी कार्यान्वयन गरिनेछ।

रणनीति २ को विपद व्यवस्थापन पूर्वतयारी सुदृढीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ विपद पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना र विपदपूर्व सूचना प्रणालीको व्यवस्था गरी सम्भावित क्षतिवाट जोगिन सर्वसाधारणहरुलाई पूर्व तयारी अवस्थामा राखिनेछ।
- २.२ जोखिमयुक्त क्षेत्र पहिचान गरी जोखिम संवेदनशील भू-नक्सा तयार पाई जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ।
- २.३ विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी चेतनामूलक कार्यक्रमसञ्चालन गरी जनमानसमा विपद पूर्वतयारी, उद्धार, पुनर्स्थापन, युवा स्वयंसेवक तथा उद्धार टोली व्यवस्था गरी क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ।
- २.४ भूकम्प तथा विपद प्रतिरोधात्मक भौतिक संरचनाहरु निर्माण गर्ने प्रोत्साहन गरिनेछ। यसका लागि मापदण्ड बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ।
- २.५ विपद पश्चातको उद्धार र राहत सहितको प्रभावकारी प्रतिकार्य र दिगो विकासमूलक पुनर्स्थापना र पुनर्निर्माणका लागि तयारी हालतमा रहने गरी व्यवस्था गरिनेछ।
- २.६ आपतकालीन व्यवस्थापनका लागि प्रत्येक वस्तीहरुमा एक निश्चित खुल्ला क्षेत्र व्यवस्था गरिने र सोको संरक्षण एवं अत्यावश्यक पूर्वाधारको व्यवस्था गरिनेछ।
- २.७ एक वडा एक पानीपोखरीको अवधारणा अनुसार प्रत्येक वडामा एक-एक पानीपोखरी र हेलीप्याड निर्माण गरिने
- २.८ विपद व्यवस्थापन कोष स्थापना गरी संघ, प्रदेश तथा अन्य सरोकारवालाहरुबाट प्राप्त रकम समेत उक्त कोषमा राखी एकद्वार प्रणाली मार्फत राहत र उद्धार लगायतका विपद व्यवस्थापन कार्य सञ्चालन गरिनेछ।

- २.९ सरोकारवालाहरुको प्रतिनिधित्वमा पालिका स्तरीय विपद व्यवस्थापन समिति गठन गरिनेछ र बडा स्तरसम्म समन्वयको व्यवस्था गरिनेछ । समितिहरुमा लक्षित वर्गको प्रतिनिधित्व र सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ ।
- २.१० आपतकालीन सहयोग, राहत, पुनर्स्थापना र पुनर्निर्माण कार्यक्रम लागू गर्दा अशक्त, असहाय, भूमिहीन, महिला, बालबालिका, गर्भवती तथा सुत्केरी महिला, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता भएकालाई विशेष रूपमा सम्बोधन गरिनेछ

रणनीति ३ को जोखिमवाट क्षति न्यूनीकरण अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ एकीकृत वस्ती विकासको अवधारणा अनुसार जोखिमयुक्त क्षेत्रवाट वस्ती स्थानान्तरण गर्दै आवश्यक सबै प्रकारका भौतिक पूर्वाधारहरुको सेवा सुविधाहरु उपलब्ध गरी सुरक्षित वस्ती विकास गरिनेछ ।
- ३.२ भवन निर्माण संहितालाई कडाइका साथ लागु गर्दै भौतिक पूर्वाधारहरुको निर्माण गर्दा वातावरणमैत्री बनाइनेछ ।
- ३.३ आपतकालीन उद्धारका लागि दमकल, एम्बुलेन्स, दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरिने र उद्धार सामाग्रीहरुको व्यवस्थाका लागि स्थानीय रेडक्रस संस्थासंग सहकार्य गरिनेछ ।
- ३.४ नजिकको अस्पताल तथा स्थानीय स्वास्थ्य चौकीहरुमा औषधी एवं उपकरणहरुको व्यवस्था गरी प्रारम्भिक तहको औषधोपचारलाई सहज बनाइनेछ ।
- ३.५ विकास पूर्वाधारवाट हुनसक्ने जोखिमको न्यूनीकरण गर्न सबै उपाय अवलम्बन गरिने छ ।

रणनीति ४ को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ४.१ पूर्वाधारहरुको निर्माण गर्दा जलवायु समानुकूलन हुने गरी निर्माण गरिनेछ ।
- ४.२ वाँझो छाडिएको निजी तथा पर्ति जग्गा, वाढी पहिरोग्रस्त, भिरालो जमिनमा वहुलाभदायक प्रजातिका रुखहरु वृक्षारोपण गरिनेछ । यसका लागि सामुदायिक वन उपभोक्ताहरुसंग सहकार्य गरिनेछ ।
- ४.३ दिगो वन व्यवस्थापन, कृषि-वन, चरन क्षेत्र तथा भू संरक्षणलाई विशेष प्राथमिकता दिइनेछ ।
- ४.४ डडेलो, आगलागीलाई पूर्ण रूपमा नियन्त्रण गरिनेछ र पानीपोखरी, अग्नीरेखा, आकाशेपानी सङ्कलन एवं माटो तथा पानी संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिकता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|-----------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | विपद उद्धार स्वयंसेविका टोली गठन, प्रशिक्षण | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १३ | २ | २ |
| २. | विपद उद्धार सामाग्री, औजार उपकरणको व्यवस्था | ७ | ७ | - | - | - | २ | १३ | ३ | २ |
| ३. | विपद पुनर्स्थापना केन्द्र सेफ हाउस निर्माण | २० | २० | १० | - | - | २ | १३ | २ | २ |
| ४. | खुल्ला क्षेत्र संरक्षण | ८ | ८ | ८ | | | २ | १३ | २ | १ |

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|---|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | | | | |
| ५. | विपद व्यवस्थापन जनचेतना कार्यक्रम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १३ | २ | २ |
| ६. | आपतकालीन उद्धार नमूना अभ्यास | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १३ | २ | २ |
| ७. | वडाहरुमा पानी पोखरी तथा हेलीप्याड निर्माण | २० | २० | २० | २० | २० | २ | १३ | ३ | १ |
| ८. | विपद जोखिम क्षेत्र नक्साइकन | १० | ५ | - | - | - | २ | १३ | ३ | १ |
| ९. | विपद पूर्व सूचना उपकरण जडान | १० | - | - | - | - | २ | १३ | ३ | १ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

♦ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजना कार्यान्वयनवाट विपद प्रतिरोधात्मक भौतिक संरचनाहरु उल्लेखनीय मात्रामा निर्माण भएको हुनेछ र हुन सक्ने क्षति न्यूनीकरण भएको हुनेछ। यसका लागि जनचेतना कार्यक्रम, आपतकालीन उद्धार कार्यक्रम, उद्धारटोली तयार, खुल्ला क्षेत्रहरुको व्यवस्था र राहात एवं आपतकालीन उपचारको व्यवस्था समेत भएको हुनेछ।

नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाइ | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|--|---------|---------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | विपद घटनावाट हुँदै आएको मानवीय एवं सबै प्रकारको क्षतिमा भएको न्यूनीकरण | प्रतिशत | | ५ | ८ | १० | १२ | १५ |
| असर | विपद प्रतिरोधात्मक भौतिक संरचनाहरु | प्रतिशत | २५ | ५० | ६० | ७० | ७५ | ८० |
| प्रतिफल हरु | विपदको समयमा आश्रय लिन सक्ने सुरक्षित खुल्ला स्थान | संख्या | ४० | ४० | ४० | ४० | ४० | ४० |
| | आपतकालीन उद्धार गर्न तालिम प्राप्त स्वयंसेवक | संख्या | १५ | १९ | २३ | २८ | ३० | ३२ |
| | विपद व्यवस्थापन स्थानीय कोषमा भएको रकम | रु.लाख | - | ५ | १० | २० | ३०.० | ५०.० |

तालिका/ग्राफचित्र : ५०
विपद व्यवस्थापन : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाइ | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|---------------|---|--------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | विपद व्यवस्थापनमा क्रियाशील संघ / संस्था | संख्या | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| | विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य समिति गठन भएका वडाहरु | संख्या | २ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| | विपद प्रतिकार्यका लागि आपतकालीन नमूना अभ्यास | संख्या | २ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| | विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतना मूलक कार्यक्रमहरु सञ्चालन | संख्या | २ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |
| | जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण सम्बन्धी सचेतना लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन | संख्या | - | ८ | ८ | ८ | ८ | ८ |

परिच्छेद - आठ :

सुशासन तथा संस्थागत विकास

पृष्ठभूमि

सुशासन तथा संस्थागत विकास लागि प्रमुख क्षेत्रको रूपमा रहेका सुशासन, ऐन, नियम, कानून तथा जवाफदेहिता, वित्तीय श्रोत परिचालन, मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास र योजना व्यवस्थापनका जस्ता क्षेत्रहरुको विचारान अवस्था, समस्या तथा चुनौतिहरुको विश्लेषण गरी आगामी ५ वर्षका लागि उद्देश्य निर्धारण, लक्ष्य परिमाण र सो प्राप्तीका लागि अवलम्बन गरिने रणनीति तथा कार्यक्रमहरु तर्जुमा भएको छ ।

८.१ सुशासन ऐन, कानून र जवाफदेहिता

क) पृष्ठभूमि

स्थानीय सार्वजनिक प्रशासनलाई स्वच्छ, सक्षम, निष्पक्ष, पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त, जनउत्तरदायी र सहभागितामूलक वनाउने जिम्मेवारी स्थानीय तहको क्षेत्रभित्र रहेको छ । सेवा प्रवाहलाई सरल ढड्गवाट सम्पादन गर्ने, सहज पहुँच अभिवृद्धि ल्याउने जिम्मेवारी पनि स्थानीय तहकै हुने गर्दछ । यसका लागि ऐन, कानून, मापदण्डहरु निर्माण गर्ने, कार्यान्वयन एवं अनुगमन तथा नियमन गर्ने अधिकार पनि स्थानीय तहमा निहित छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ सरोकारवाला, स्थानीय संघ संस्था तथा नागरिक समाजहरुसंग छलफल तथा अन्तरक्रियाको कमि
- ▶ पालिकाका सम्भाव्य सेवाहरु अनलाइन हुन नसक्नु
- ▶ कार्यसम्पादन करार सम्भौता पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन नहुनु
- ▶ नागरिक समाज तथा समुदायमा आधारित संस्थाहरुको क्षमता विकास कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयन अपर्याप्त हुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ सबै सार्वजनिक निकाय तथा संघ संस्थाहरुको सेवा प्रवाहलाई पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, जवाफदेहिता विकास गर्नु
- ▶ सुशासनयुक्त समाज तथा संस्कार विकास गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ स्थानीय संघ, संस्था, नागरिक समाज, गैसस, टोल विकास संस्था, सामुदायिक संस्थाहरु क्रियाशील
- ▶ स्थानीय सरोकारवालाहरु, विपक्षीय लगायत राजनीतिक दलहरु रचनात्मक, सहयोगि
- ▶ ऐन नियम तथा कार्यविधिहरु ७१ वटा वनाई कार्यान्वयनमा
- ▶ सार्वजनिक उत्तरदायित्वका औजारहरु प्रयोगमा
- ▶ वेवसाइटमा वार्षिक योजना पुस्तिका, पालिकाको वार्षिक आयव्यय सार्वजनिक हुने गरेको
- ▶ सुनासो सुनुवाइ तथा फछ्यौट हुदै आएको
- ▶ नागरिक सहायता कक्षा सञ्चालनमा ठूलो संख्यामा लाभान्वित

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : सुशासन, पारदर्शिता, जवाफदेही तथा उत्तरदायी गाउँपालिका

लक्ष्य : सुशासन प्रवर्द्धन तथा प्रत्याभूति भएको हुने

उद्देश्य

स्थानीय ऐन, नियम तथा मापदण्डहरूको निर्माण तथा कार्यान्वयनमा स्थानीय सबै सरोकारवालाहरूको सहभागिता र सामाजिक जवाफदेहिताका औजारहरूको अभ्यासवाट सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सुशासन अभिवृद्धि गर्नु ।

रणनीतिहरू

१. सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्द्धन सम्बन्धी नीति, योजना र कार्यान्वयन गर्ने
२. सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्द्धन गर्ने

कार्यनीतिहरू

रणनीति १ को सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्द्धन सम्बन्धी नीति, योजना र कार्यान्वयन अन्तर्गतको कार्यनीति

- १.१ सुशासन तथा जवाफदेहिता सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ । नीति, कानुन तथा मापदण्ड सम्बन्धित सबै सरोकारवालाहरूको सहमतिमा र विज्ञहरूसंगको परामर्शको आधारमा निर्माण गरिनेछ ।

रणनीति २ को सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्द्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

- २.१ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले व्यवस्था गरे अनुसारका समितिएवं कार्य प्रकृतिका आधारमा बन्ने समितिहरूलाई पूर्णता दिई कार्यक्षेत्रको स्पष्टताका साथ कार्यसम्पादनमा प्रभावकारी ल्याइनेछ ।
- २.२ संविधान एवं स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनमा गरिएको प्रावधान अनुसारको कार्यसम्पादनका लागि आवश्यक सबै प्रकारका ऐन, नियम, कार्यविधि एवं मापदण्डहरू बनाई राजपत्रवाट सार्वजनिकरण गर्दै कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- २.३ पालिकाको नीति कार्यक्रम, निर्णय तथा प्रगति समीक्षाहरूका वारेमा सर्वसाधारण सबैलाई वेवसाइट एवं अन्य प्रकाशनहरू मार्फत जानकारी गराइनेछ ।
- २.४ जवाफदेहिता एवं पारदर्शिता अभिवृद्धिका लागि क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र लगायत सामाजिक जवाफदेहिताका औजारहरूलाई अभ्यासमा ल्याइनेछ ।
- २.५ सम्भव भएजति पालिकाकासेवा प्रवाहलाई अनलाईन गरिनेछ र सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- २.६ सूचनाको हक सम्बन्धी ऐनलाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेट र पालिकामा सूचना अधिकृत र गुनासो सुन्ने अधिकृतको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- २.७ लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरण रणनीति तर्जुमा गर्नु गरिनेछ र पालिकाका सबै योजनाहरूमा यसलाई मूलप्रवाहीकरण गरिनेछ ।
- २.८ वडावाट प्रवाह गरिने सार्वजनिक सेवामा सजह पहुँच अभिवृद्धिका लागि वडाहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरिने छ ।
- २.९ सुशासन प्रवर्द्धनका लागि पालिकामा जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारीहरूका लागि आचार संहिता (कोड अफ कण्डक) तयार पारिनेछ र यसलाई कडाइका साथ कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिर्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| तालिका/ग्राफचित्र : ५१ | | | | | | |
|--|----------------------|--------------------------------------|--------------|---------------|------------------|------------|
| सुशासन, ऐन कानुन तथा जवाफदेहिता : कार्यक्रम तथा आयोजना | | | | | | |
| क्र. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | प्राथ मिक | दिगो विकास | लैङ्गिक संकेत | जल वायु |

| सं | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | ता कम | लक्ष्य | | संकेत |
|----|--|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|----------|--------|---|-------|
| १. | ऐन नियमावली निर्माण | ४.५ | ५ | ५.५ | ६ | ६ | १ | १६ | २ | ३ |
| २. | न्यायिक समिति क्षमता अभिवृद्धि | २ | २ | २ | २.५ | २.५ | २ | १६ | २ | ३ |
| ३. | मेलमिलाप केन्द्र सञ्चालन | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | २ | १६ | २ | ३ |
| ४. | सेवाग्राही सहायता कक्ष सञ्चालन | १ | १ | १ | १ | १ | २ | १६ | २ | ३ |
| ५. | सार्वजनिक सुनुवाई सञ्चालन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १६ | २ | ३ |
| ६. | सामाजिक जवाफदेहिता, पारदर्शिता प्रवर्द्धन | १० | १० | १० | १० | १० | २ | १६ | २ | ३ |
| ७. | स्वतः प्रकाशन तथा वेवसाइट अद्यावधिक | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | २ | १६ | ३ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट सामाजिक जवाफदेहिताका औजारहरुको कार्यान्वयनवाट सुशासनको प्रवर्द्धन भएको हुनेछ । सरोकारवालाहरुको सहभागितामा पालिकाका ऐन, कानुनहरु निर्माण भई कार्यान्वयन भएको हुनेछ । जवाफदेहीताका औजारहरुको कार्यान्वयन र त्यसवाट प्राप्त सुभावहरुका आधारमा सुधार हुन यसका जोखिम पक्षहरु हुन ।

► नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ५२ सुशासन ऐन, नियम, र जवाफदेहिता : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | पालिकाको सेवा प्रवाहवाट सन्तुष्ट अनुभूति गर्ने सेवाग्राही | प्रतिशत | ८० | ८५ | ९० | ९२ | ९३ | ९५ |
| असर | सरोकारवाला एवं सहभागितात्मक ढड्गवाट निर्माण तथा कार्यान्वयन भएका ऐन,नियमहरु | संख्या | ७६ | ७६ | ८० | ८३ | ८५ | ९० |
| प्रतिफल हरु | स्थानीय कानुन, नीति तथा योजना तर्जुमा प्रक्रिया नागरिक पृष्ठपोषण तथा सुभाव दिने माध्यमहरु | संख्या | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ |

तालिका/ग्राफचित्र : ५२
सुशासन ऐन, नियम, र जवाफदेहिता : नतिजा खाका

| नतिजाक ौ तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|---|-----------------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | क्रियाशील नीतिगत समिति तथा संयन्त्र (विद्यायन, सुशासन, लेखा, राजस्व, योजना तथा बजेट तर्जुमा अनुगमन आदि) | संख्या | १० | १० | १० | १० | १० | १० |
| | क्रियाशील विषयगत समिति, उपसमिति हरुको संख्या | संख्या | १३ | - | - | - | - | - |
| | अभ्यास गरिएका सामाजिक जवाफदेहिता का औजारका प्रकार | संख्या | ३ | ३ | ३ | ४ | ४ | ५ |
| | वर्षभरीमा भएका सार्वजनिक सुनुवाई | संख्या | १ | १ | २ | २ | ३ | ४ |
| | हल्द्य डेक्ष्वाट लाभान्वित सेवाग्राही | प्रतिशत | ८० | ८० | ८५ | ९० | ९० | ९५ |
| | पालिकामा पेश भएका सेवा प्रवाह सम्बन्धी गुनासो सुनुवाईको फछ्यौट | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | कूल दर्ता मध्ये न्यायिक समितिवाट फछ्यौट भएका मुद्राहरु | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | उपलब्ध अनलाइन सेवाका प्रकारहरु निवेदन, सिफारिस, पञ्जीकरण....) | संख्या | २ | २ | ३ | ३ | ४ | ५ |
| | पालिकाको मोवाइल एप्स प्रयोगकर्ताहरु | संख्या (हजारमा) | १ | १० | १५ | २० | २५ | ३० |

८.२ वित्तीय श्रोत परिचालन

क) पृष्ठभूमि

स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्र कानुन वनाई कर सङ्कलन गर्न सक्ने व्यवस्था नेपालको संविधान एवं स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनमा व्यवस्था गरिएको छ । वात्य श्रोत माथिको परनिर्भरतालाई न्यूनीकरण गर्दै आन्तरिक आय श्रोतमा अभिवृद्धि ल्याउनु पर्ने र सोका लागि पूँजी निर्माण तथा राजस्व वृद्धि हुन सक्ने क्षेत्रमा राजस्व परिचालन गर्नुपर्ने जिम्मेवारी पनि स्थानीय तहमा निहित छ ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु

- ▶ पूँजीवृद्धि, छिटो प्रतिफल आउने क्षेत्रमा वजेट विनियोजन कमै र निजी क्षेत्रसंग सहकार्य हुन नसक्नु
- ▶ पूँजीगत तर्फको विनियोजित रकम कमै खर्च हुनु
- ▶ करदाताको तथाइकीय डाटा तथा करशिक्षा कार्यक्रमको अभाव

मुख्य चुनौतिहरू

- ▶ वात्य श्रोत माथिको अधिक परनिर्भरता घटाउनु
- ▶ जनस्तरमा कर तिर्नुपर्छ भन्ने भावनाको विकसित गर्नु
- ▶ आन्तरिक कर राजस्व अभिवृद्धि गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरू

- ▶ संघ र प्रदेश सरकारवाट अनुदानहरू प्राप्त
- ▶ विकास साझेदार संस्था एवं निजी क्षेत्रसंग सहकार्य हुन सक्ने
- ▶ आन्तरिक आय श्रोत अभिवृद्धिको सम्भावना
- ▶ वेरुजु फछ्यौटमा उल्लेख्य प्रगति
- ▶ लक्षित वर्ग तथा लैडिक उत्तरदायी वजेटको अभ्यास
- ▶ लागत सहभागितामा कार्यक्रम सञ्चालन
- ▶ राजस्व सङ्कलन, लेखा अभिलेखीकरण कम्प्युटराइज भएको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू यसप्रकार रहेको छ ।

सोच : सुदृढ र व्यवस्थित स्रोत परिचालन, प्रविधिमैत्री राजस्व प्रशासन

लक्ष्य : वात्य श्रोत माथिको परनिर्भरता न्यूनीकरण भएको हुने

उद्देश्य

- ▶ दिगो, भरपर्दो तथा पूँजी निर्माण एवं आयआर्जनका क्षेत्रहरूमा परिचालनवाट आन्तरिक श्रोत अभिवृद्धि गर्नु
- ▶ वित्तीय सुशासन कायम राख्दै श्रोत परिचालनमा मितव्यिता र कुशलता कायम राख्नु

रणनीतिहरू

१. वित्तीय श्रोत परिचालन सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण गर्ने
२. वित्तीय श्रोत परिचालन गर्ने
३. वित्तीय सुशासन प्रवर्द्धन गर्ने

कार्यनीतिहरू

रणनीति १ को वित्तीय श्रोत परिचालन सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण अन्तर्गतको कार्यनीति

१.१ वित्तीय श्रोत परिचालन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन, नियमन गरिनेछ ।

रणनीति २ को वित्तीय श्रोत परिचालन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरू

२.१ आन्तरिक श्रोत परिचालनका लागि राजस्व सुधार कार्ययोजना तयार पारी पालिकाको आन्तरिक आय श्रोतमा वृद्धि ल्याइनेछ ।

२.२ स्थानीय राजस्व परामर्श समितिको क्षमता अभिवृद्धि गरी राजस्व सुधार कार्य योजना लागु गरिनेछ ।

- २.३ सार्वजनिक खर्चलाई पूँजी निर्माण (आय आर्जन) का क्षेत्रमा लगानी गरी आन्तरिक आयलाई सुदृढ पारिनेछ।
 २.४ सम्भावित करदाताहरुको पहिचान गर्दै कर शिक्षा कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरी कर तिर्ने अभ्यासलाई प्रोत्साहन गरिनेछ। करको दरमा वृद्धि गर्ने भन्दा पनि दायरामा विस्तार ल्याइनेछ।
 २.५ उपभोक्ता समितिहरुसंग लागत सहभागितामा आयोजनाहरु सञ्चालन गरी पालिकाको लागत भारलाई न्यून गरिनेछ।
 २.६ निजी क्षेत्रसंग सहकार्य र समन्वय गरी आयोजनाहरु कार्यान्वयनमा ल्याइने छ। यसका लागि सार्वजनिक निजी साझेदारी नीति ल्याइनेछ।
 २.७ पालिकाको चल अचल सम्पत्तिहरु परिचालन गरी सेवा शुल्क सङ्कलन गरिनेछ।

रणनीति ३ को वित्तीय सुशासन प्रवर्द्धन अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ पालिकाको आर्थिक ऐनका प्रावधानहरुलाई कडाइका साथ कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ।
 ३.२ लेखा प्रणालीलाई आइसिटिमा जोड्दै आन्तरिक लेखा परीक्षण तथा वित्तीय प्रशासनलाई सक्षम, प्रभावकारी बनाइनेछ।
 ३.३ आर्थिक प्रशासन प्रणालीलाई प्रभावकारी एवं भरपर्दो बनाइने छ।
 ३.४ वार्षिक खरिद योजना बनाउदै सार्वजनिक खरिदलाई पारदर्शिता, ई-विडिझ तथा प्रक्रियागत ढङ्गवाट खरिद गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ।
 ३.५ नियमित लेखापरीक्षण, पेशकी तथा वेरुजु फछ्यौटलाई प्रभावकारी बनाई वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण गरिनेछ।
 ३.६ निश्चित अवधि (मासिक, चौमासिक, वार्षिक) मा भएको आर्थिक कारोबारहरुलाई वेवसाइट तथा प्रकाशनहरु मार्फत आम नागरिकहरुलाई जानकारी हुनेगरी सार्वजनिकीकरण गरिनेछ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ। पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|-----------------------------------|----------|----------|----------|----------|------------------|-------------------|---------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | राजस्व सुधार कार्ययोजना तर्जुमा | ७ | - | - | - | - | २ | १७ | २ | ३ |
| २. | कर शिक्षाकार्यक्रम | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ | २ | १७ | २ | ३ |
| ३. | करदाता डाटावेस तयारी | २ | १ | १ | १ | | २ | १७ | २ | ३ |
| ४. | सार्वजनिक नीजि साझेदारी | १०० | १०० | १०० | - | - | १ | १६ | ३ | ३ |
| ५. | सम्पत्ति कर कार्यान्वयन तथा सफ्टवेयर जडान | १० | - | - | - | - | २ | १६ | ३ | ३ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट पालिकाको आन्तरिक सुधार भएको हुनेछ। यसका लागि राजस्व सुधार कार्ययोजना कार्यान्वयनमा भएको हुनेछ। करदाताहरुको डाटावेस तयार भई करको दायरामा विस्तार भएको हुनेछ, र

वाह्य श्रोतमाथिको परनिर्भरता कमिक रूपमा न्यूनीकरण भएको हुनेछ । कर तिनु पर्छ भन्ने मनोभावनको विकास नहुनु, करको दायरामा करदाताहरु आउन नचाहनु यसका प्रमुख जोखिम पक्षहरु हुन् ।

♦ नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ५४
वित्तीय श्रोत परिचालन : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | पालिकाको वार्षिक आन्तरिक आय वृद्धि दर | प्रतिशत | - | १.५ | २ | २.५ | ३ | ५ |
| असर | कूल वजेटमा आन्तरिक आयको हिस्सा | प्रतिशत | ६.८६ | ७ | १० | १२ | १५ | २० |
| प्रतिफल हरु | पालिकाको कूल वार्षिक वजेट | रु.करोड | ६८ | ७५ | ८१ | ९० | ९५ | ११० |
| | प्रतिव्यक्ति वजेट खर्च | रु.हजार | २१ | २३ | २५ | २८ | २९ | ३४ |
| | कूल वजेटको वास्तविक खर्च | प्रतिशत | ९० | ९५ | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | कूल वजेटको पूँजीगत खर्च | प्रतिशत | ८८ | ९० | ९५ | १०० | १०० | १०० |
| | लैंडिङ उत्तरदायी वजेट विनियोजन | प्रतिशत | ३० | ३२ | ३५ | ३७ | ४० | ४२ |
| | सङ्कलित कर राजस्व र गैरकर राजस्वको (करराजस्व : गैरकरराजस्व) | अनुपात | ७०:३० | ६०:४० | ५०:५० | ४०:६० | ३०:७० | २०:८० |
| | कूल वजेटमा वाह्य श्रोतको हिस्सा | प्रतिशत | ९८ | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | आन्तरिक राजस्व अभिवृद्धि हुने क्षेत्रमा भएको लगानी (कूल वजेटको) | प्रतिशत | ० | १ | ५ | १५ | २० | ३० |
| | कूल वेरुजु मध्येको फछ्यौट रकम | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | संघीय सरकारवाट राजस्व वाँडफाड प्राप्त रकम | रु.लाख | १००० | १२०० | १५०० | २००० | २५०० | ३००० |
| | प्रदेश सरकारवाट राजस्व वाँडफाड वाट प्राप्त रकम | रु.लाख | ६० | ७० | ७५ | ८० | ९० | १०० |
| | संघीय सरकारवाट वित्तीय समानीकरण वाट प्राप्त अनुदान | रु. लाख | ११००.४४ | १२०० | १३०० | १५०० | १८०० | २००० |
| | प्रदेश सरकारवाट वित्तीय समानीकरण वाट प्राप्त अनुदान | रु. लाख | ६१.९७ | ६५ | ७० | ७५ | ८० | ९० |
| | आयोजना कार्यान्वयनमा | प्रतिशत | ८० | ८० | ८ | ० | ८० | ८० |

| नतिजाक रो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार वर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|-----------------|--|--------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| | उपभोक्ता समूहको योगदान हिस्सा (वार्षिक कूल खर्चमा) | | | | | | | |
| | निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा भएको लगानी | रु.लाख | ० | १ | २ | ५ | १० | १५ |
| | सहकारी संस्था तथा सामुदायिक संस्था संगको सहकार्यमा भएको लगानी | रु.लाख | ५ | ७ | ९ | १० | १२ | १५ |

८.३ मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास

क) पृष्ठभूमि

नेपालको संविधान २०७२ ले गरेको व्यवस्था अनुसार स्थानीय तहको नेतृत्व जनप्रतिनिधिहरुले गर्ने गर्दछन्। प्रत्यक्ष निर्वाचन पद्धति अनुसार स्थानीय नागरिकहरुको मतवाट निर्वाचित प्रतिनिधिहरु आफ्नो क्षेत्राधिकार भित्रको समग्र विकासको जिम्मेवारहरु हुन्। गाउँकार्यपालिका, गाउँसभा, न्यायिक समिति, लेखा समिति, विधायन समिति, सुशासन समिति, राजस्व परामर्श समिति, श्रोत अनुमान तथा वजेट सीमा निर्धारण समिति, एवं वजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति लगायतका समितिहरु यसका संगठनात्मक संरचनाहरु हुन्। त्यसैगरी स्थानीय तहको नीति, कार्यक्रम एवं सेवा प्रवाह कार्यान्वयनका लागि कर्मचारी प्रशासनको व्यवस्था गरिएको छ। कार्यवोभ, कार्यजिम्मेवारी तोक्ने, कार्यसम्पादन तथा मूल्याङ्कन गर्ने परिपाटीलाई संस्थागत गर्ने गरिएको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्यसमस्याहरु

- ▶ अनुभवी, दक्ष कर्मचारी, दरवन्दी अनुसार र प्राविधिकको संख्या न्यून र वृत्त विकास, प्रोत्साहन एवं पुरस्कारको व्यवस्था हुन नसक्नु
- ▶ स्थायी प्रशासकीय भवन नहुनु र भौतिक पूर्वाधार पर्याप्त नहुनु
- ▶ जनप्रतिनिधि, कर्मचारी एवं गैसस, विषयगत कार्यालय र सरोकारवालाहरुको क्षमता वृद्धि हुन नसक्नु

मुख्यचुनौतिहरु

- ▶ सार्वजनिक सेवालाई गुणस्तरीय, छिटोछिरितो, न्यून लागत र समयमा सेवा प्रवाह प्रदान गर्नु
- ▶ सेवाग्राहीहरुको सन्तुष्टि अभिवृद्धि तथा सेवा प्रवाहलाई पारदर्श एवं उत्तरदायी बनाउनु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरुको सक्रियता बढाउ
- ▶ स्थानीय संघ, संस्था, नागरिक समाज, गैसस, टोल विकास संस्था, सामुदायिक संस्थाहरुको रचनात्मक सहयोग
- ▶ विषयगत समिति तथा उप-समितिहरु गठन र क्रियाशील
- ▶ पालिका केन्द्र एवं वडाहरुमा इण्टरनेट लगायत विद्युतीय उपकरणहरुको व्यवस्था भएको
- ▶ जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारीहरु क्षमता अभिवृद्धि तालिम वाट लाभान्वित

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : प्रभावकारी संगठनात्मक संरचना, दक्ष जनशक्ति र सूचना प्रविधिमा आधारित सेवा प्रवाह

लक्ष्य : सार्वजनिक सेवा प्रवाह प्रभावकारी एवं गुणस्तरीय भएको हुने

उद्देश्य

प्रभावकारी संगठन संरचना निर्माण, संस्थागत क्षमता विकास र मानव संशाधनको कार्यदक्षता अभिवृद्धिवाट सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय एवं प्रभावकारी बनाउनु।

रणनीतिहरु

१. मानव संसाधन विकास सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण गर्ने
२. संस्थागत संरचना चुस्त बनाउने
३. मानव संशाधन विकास गर्ने

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को मानव संसाधन विकास सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण अन्तर्गतको कार्यनीति

- १.१ मानव संशाधन विकास सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन, नियमन गरिनेछ।
- १.२ संस्थागत विकास तथा सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी, गुणस्तरीय बनाउन नीति, कानुन, मापदण्डहरु निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ।

रणनीति २ को संस्थागत संरचना चुस्त बनाउने अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ विषयगत समिति एवं न्यायिक समितिको क्षमता विकास गरी कार्यसम्पादन स्तरमा अभिवृद्धि ल्याइनेछ।
- २.२ संगठन तथा व्यवस्थापन (O&M) सर्वेक्षण अनुसारको कर्मचारी व्यवस्था गरिनेछ। पालिकामा लैङ्गिकमैत्री एवं समावेशीताका आधारमा कर्मचारी दरबन्दी निर्धारण गरिनेछ।
- २.३ कार्यवोभ विश्लेषणको आधारमा जनशक्ति व्यवस्थापन गरी कार्यसम्पादनस्तरलाई चुस्त दुरुस्त बनाइनेछ र कार्यसम्पादन करार प्रणाली लागू गरी कार्य उपलब्धिका आधारमा कर्मचारीको कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन गरिने प्रणाली अवलम्बन गरिनेछ।
- २.४ सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय, न्यून समय लागत छिटो सेवा उपलब्ध बनाउन सम्भव भएका सेवा सुविधाहरु अनलाइन, वडा कार्यालय एवं सेवा केन्द्रवाट उपलब्ध गराउदै वडा कार्यालयहरुलाई भौतिक श्रोत साधन सुविधायुक्त बनाइनेछ।
- २.५ सेवा प्रवाहसंग सम्बन्धित विषयगत शाखाहरुको आवश्यकतानुसार वडा स्तरसम्म पुनः संरचना गरिनेछ।

रणनीति ३ को मानव संशाधन विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ तालिम, तथा अभिमुखीकरणवाट पालिकाका जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारीहरुको क्षमता अभिवृद्धि गरी निर्णय प्रक्रिया र सेवा प्रवाहमा प्रभावकारी ल्याइनेछ।
- ३.२ कार्यपालिका तथा सभाका सबै समितिलाई क्रियाशील बनाई उत्तरदायित्व र जिम्मेवार संस्थाका रूपमा विकास गर्दै स्थानीय लोकतन्त्रलाई सुदृढ गरिने छ।
- ३.३ पालिकाका अन्तर्गत विद्यालय, विषयगत कार्यालय एवं सरकारी कार्यालयहरुमा कार्यरत कर्मचारीहरुसंग कार्यसम्पादन सम्भौता गरिने छ र नियमित मूल्याङ्कनका मापदण्ड निर्धारण गरी मापदण्डका आधारमा उत्कृष्टलाई पुरस्कृत गर्ने अभ्यासको थालनी गरिनेछ।

- ३.४ पालिका अन्तर्गत सहकारी, गैसस, नागरिक समाज, सामुदायिक संस्था, निजी क्षेत्रमा कार्यरत कर्मचारीहरुलाई तालिम, अभिमुखीकरण मार्फत क्षमता अभिवृद्धि गरी दक्ष, सबल, सक्षम जनशक्ति विकास गरिनेछ ।
- ३.५ जनप्रतिनिधिहरुको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने र महिला तथा दलित बडा सदस्यको क्षमता विकासमा जोड दिइनेछ ।
- ३.६ पालिका कार्यक्रमहरुमा लक्षित समूहको प्रतिनिधित्वलाई सुनिश्चित गरिने छ, र क्षमता विकास कार्यक्रमहरुमा सहभागी छनौट गर्दा महिला, दलित, जनजाति र अपाइटा भएका व्यक्तिलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
- ३.७ कर्मचारीहरुको वृत्ति विकासको सुनिश्चित गरिनेछ । यसका लागि आवश्यकताका आधारमा उच्च शिक्षा हासिल, राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका तालिम, सेमिनारहरुमा सहभागि गराइनेछ ।
- ३.८ कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनका आधारमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने कर्मचारीहरुलाई पुरस्कृत गरिनेछ र निर्धारित आधार भन्दा पनि न्यून सम्पादन भएका कर्मचारीहरुलाई दण्ड, सजाय गरिने छ । यसका लागि कार्यसम्पादन कार्यविधि निर्माण गरिनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

| क्र. स | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथ मिक ता क्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैङ्गिक संकेत | जल वायु संकेत |
|--------|---|--------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|----------------------------|-------------------------|------------------|---------------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | कर्मचारीहरुको क्षमता तथा वृत्ति विकास | २५ | २५ | २५ | २५ | २५ | १ | १६ | १ | ३ |
| २. | उत्कृष्ट कर्मचारी सम्मान तथा पुरस्कार | ५ | ५ | ६ | ६ | ५ | २ | १६ | १ | ३ |
| ३. | जनप्रतिनिधिहरुको क्षमता विकास कार्यक्रम | ३० | २० | २० | २० | २० | १ | १६ | २ | २ |
| ४. | पालिकामा सवारी साधन तथा भौतिक उपकरणको व्यवस्था | १५० | १५० | | | | २ | १६ | ३ | ३ |
| ५. | अन्तरपालिका अन्तरक्रिया कार्यक्रम | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १७ | २ | २ |
| ६. | गैसस, सामुदायिक संस्था लगायत संस्थाहरुको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ | २ | १६ | २ | २ |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

♦ अपेक्षित उपलब्धि तथा जोखिम पक्ष

पालिकाको सेवा प्रवाहवाट सन्तुष्ट हुने सेवाग्राहीहरुको संख्या उल्लेखनीय हुनेछ । यसका लागि पालिकामा सेवा प्रवाहलाई अनलाइन भएको हुनेछ । पालिका कार्यालयमा पुगी लाइन वस्तुपर्ने अभ्यास अन्त्य भएको हुनेछ र सेवालाई डिजिटाइज् भएको हुनेछ । यसका लागि पालिकामा सफ्टवेयर जडान गरिएको हुनेछ र कर्मचारीहरु तालिम प्राप्त भएको हुनेछ । त्यसैगरी तालिमहरु मार्फत पालिकाका जनप्रतिनिधिहरु र कर्मचारी सबैको क्षमता विकास अभिवृद्धि भएको हुनेछ । सेवाहरुलाई कानुन सम्मत वनाउनु र वन्नु सोही अनुसार कार्यान्वयन गर्नु यसका जोखिम पक्षहरु हुन् ।

◆ नतिजा खाका

तालिका/ग्राफचित्र : ५६
मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|---|--|-------------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०७०/ ८१ | २०७१/ ८२ | २०७२/ ८३ | २०७३/ ८४ | २०७४/ ८५ |
| प्रभाव | पालिकाको सेवा प्रवाहवाट सन्तुष्ट अनुभूति गर्ने सेवाग्राही | प्रतिशत | ८० | ८५ | ९० | ९२ | ९३ | ९५ |
| असर | संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कनमा प्राप्ताङ्क | प्रतिशत | ५४ | ६० | ६२ | ६५ | ६८ | ७० |
| प्रतिफल हरु | पालिका अन्तर्गत क्रियाशील शाखा, उपशाखा, इकाइ, सेवा केन्द्रहरु | संख्या | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ | २३ |
| | पालिकामा कार्यरत जनशक्ति : अधिकृत तह र सोभन्दा मुनी | संख्या | ७७ | १३३ | १३३ | १३३ | १३३ | १३३ |
| | पालिकामा कार्यरत प्राविधिक जनशक्ति (स्थायी र अस्थायी) | संख्या | ५७ | ८० | ८० | ८० | ८० | ८० |
| | कार्यसम्पादन करार गरिएका कूल कर्मचारी | संख्या | ० | १२२ | १२२ | १२२ | १२२ | १२२ |
| | कार्य विवरण दिई कार्यसम्पादन गर्नेकर्मचारी | संख्या | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ | ११ |
| | संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण अनुसार पदपूर्ति गर्नुपर्ने कर्मचारी | संख्या | १२ | - | - | - | - | - |
| | प्रति एक सेवाग्राहीलाई सेवा प्रवाह गर्न लाग्ने औषत समयावधि | मिनेट | १५ | १२ | १२ | १० | १० | १० |
| | क्षमता विकास कार्यक्रम वाट लाभान्वित जनप्रतिनिधि र कर्मचारी | संख्या | ३६ | ५० | ६० | ८० | १०० | १३३ |
| | क्षमता विकास कार्यक्रम वाट लाभान्वित सरोकारवाला, संघसंस्था, गैसस | संख्या | ८ | - | - | - | - | - |
| | संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कनमा प्राप्ताङ्क | प्राप्ताङ्क | ८०.७५ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८५ |
| उत्कृष्ट कार्यसम्पादन गरेवापत पुरुषकृत कर्मचारी | संख्या | ० | ५ | १० | १५ | २० | २५ | |
| | पालिका केन्द्र तथा वडा | संख्या | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ | ९ |

| तालिका/ग्राफचित्र : ५६ मानव संशाधन तथा संस्थागत विकास : नतिजा खाका | | | | | | | | |
|---|----------------------|------|-------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/ ८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| | कार्यालयको आफ्नै भवन | | | | | | | |

८.४ योजना व्यवस्थापन

क) पृष्ठभूमि

स्थानीय स्तरको विकासका लागि आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्र स्थानीय सरकारले आवधिक, वार्षिक, र रणनीतिगत विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन तथा दीर्घकालीन विकास योजना बनाई कार्यान्वयन गर्नुपर्ने व्यवस्था स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०८४ ले गरेको छ।

ख) वस्तुस्थिति विश्लेषण

मुख्य समस्याहरु :

- ▶ कृषि, पर्यटन, यातायात, वातावरण जस्ता अग्रणी क्षेत्रहरुको दीर्घकालीन गुरुयोजना तर्जुमा हुन नसक्नु
- ▶ आयोजनाहरुको दिगोपना तथा मर्मत सम्भारका लागि लाभान्वितवाट उपभोग शुल्क सङ्कलन हुन नसक्नु
- ▶ नतिजामा आधारित अनुगमन मूल्याङ्कन अभ्यास नहुनु

मुख्य चुनौतिहरु

- ▶ आयोजनाहरुमा गुणस्तरीयता कायम राख्न निर्धारित समयमै सम्पन्न गर्नु
- ▶ आयोजनाहरुको दिगोपना, मर्मत सम्भार र स्थानीयहरुको अपनत्व सिर्जना गर्नु

मुख्य सम्भावना तथा अवसरहरु

- ▶ योजना तर्जुमामा स्थानीय सरोकारबाला, निकाय, गैसस, सामुदायिक संस्था र नागरिक समाजहरुको सहभागिता
- ▶ आयोजनाहरु कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समितिको सहभागिता हुने गरेको
- ▶ वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन हुन्दै आएको
- ▶ सहभागितामूलक ढड्गवाट आयोजनाहरुको अनुगमन
- ▶ आयोजनाहरुको वार्षिक समीक्षा हुने गरेको
- ▶ आवधिक योजना, गौरव आयोजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा हुने कममा रहेको

ग) सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यक्रम आयोजना

गाउँपालिकाले अंगिकार गरेको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति एवं प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ।

सोच : नतिजामुखी योजना र उत्तरदायी विकास प्रशासन

लक्ष्य : सरोकारबाला तथा जनसहभागितामा योजना तर्जुमा भई कार्यान्वयन भएको हुने

ग) उद्देश्य

- ▶ स्थानीय जनसहभागिता एवं सरोकारबालाहरुको सहभागितामा योजनाहरुको तर्जुमा गर्नु
- ▶ प्रभावकारी कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्याङ्कनवाट योजना व्यवस्थापन गर्नु

ग) रणनीतिहरु

१. योजना व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण
२. योजना तर्जुमा सहभागिता
३. योजना कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता

कार्यनीतिहरु

रणनीति १ को योजना व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण अन्तर्गतको कार्यनीति

१.१ योजना व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।

रणनीति २ को योजना तर्जुमा सहभागिता अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ स्थानीय सरोकारबालाहरुको सहभागितामा आवधिक नगरविकास योजना तर्जुमा गरिने छ । आवधिक योजनाको कार्यान्वयनका लागि वार्षिक कार्ययोजना (एक्सन प्रान) बनाइनेछ ।
- २.२ आवधिक नगरविकास योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक योजना बीच तादत्यता स्थापित गरिनेछ र आवधिक योजनाले लिएका लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीतिहरु कार्यान्वयन गर्न वार्षिक योजनालाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।
- २.३ आवश्यकताका आधारमा सरोकारबालाहरुको वृहत सहभागितामा विषयक्षेत्रगत गुरुयोजनाहरु बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- २.४ सहभागितामूलक र समावेशी योजना तर्जुमाका निर्दिष्ट चरण र प्रक्रिया अवलम्बन गर्दै वस्ति स्तरवाटै वार्षिक योजना तर्जुमा गरिने छ र विपन्न, दलित, जनजाति र महिलालाई प्राथमिकता दिई अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ ।
- २.५ उपभोक्ता समितिमा लक्षित वर्गहरुको सहभागितालाई अर्थपूर्ण बनाउन प्रोत्साहन गरिनेछ ।

रणनीति ३ को योजना कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ पालिकाका आयोजनाहरुको लागत अनुमान स्वीकृती र सम्भाव्यता अनुमान सहित आयोजना बैंकमा समावेश गर्दै बजेट विनियोजन गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- ३.२ नगरसभाबाट स्वीकृत योजनाको कार्यान्वयन योजना (Calender of Operation) अद्वितीय प्राप्त अधिकारीबाट स्वीकृत गराई जिम्मेवारी तालिका समेत तोकी कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- ३.३ योजनाहरु कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समूहको लागत सहभागितामा सम्पन्न गर्दै आयोजनको मर्मत सम्भार र दिगोपनमा अपनत्व श्रृजना गराइनेछ ।
- ३.४ आयोजनाको प्रभावकारी अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि लैंगिक तथा समावेशी संयन्त्र एवं विषयक्षेत्रगत सूचक निर्धारण गरी सूचकका आधारमा नियमित अनुगमन गरिनेछ ।
- ३.५ उपभोक्ता समितिमा महिलाहरुको सहभागितालाई अर्थपूर्ण गराउन योजना तर्जुमा सम्बन्धी क्षमता विकास मार्फत सशक्तीकरण गरिनेछ ।
- ३.६ पालिका अन्तर्गतका क्षेत्रमा विद्यमान विकास साभेदार, गैर सरकारी संघ संस्था, नागरिक समाज, सामुदायिक संस्थाहरु परिचालनका लागि कार्यविधि तर्जुमा गर्दै विकास आयोजनाहरुको कार्यान्वयनमा सहकार्य गरिनेछ ।
- ३.७ योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी रूपमा परिचालनका लागि पालिकामा योजना शाखा स्थापना गरी साधन सम्पन्न बनाइनेछ ।

मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजना

पालिकाको मुख्य कार्यक्रम तथा आयोजनाहरु यसप्रकार रहेको छ । पालिकाको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ अनुसार निम्न अनुसार सङ्केतीकरण गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र : ५७
योजना व्यवस्थापन : कार्यक्रम तथा आयोजना

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | प्राथमिक ताक्रम | दिगो विकास लक्ष्य | लैंगिक संकेत | जल वायु संकेत |
|---------|--|--------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------------|-------------------|--------------|---------------|
| | | २०८० /८१ | २०८१ /८२ | २०८२ /८३ | २०८३ /८४ | २०८४ /८५ | | | | |
| १. | दीर्घकालीन गुरुयोजना निर्माण | २० | ५ | ५ | | | २ | १ | २ | २ |
| २. | मध्यकालीन खर्च संरचना निर्माण | ३ | ३ | ५ | ५ | ५ | २ | १ | २ | २ |
| ३. | ओ इण्ड एम सर्भे | ५ | - | - | - | - | २ | १ | २ | २ |
| ४. | पालिका डिजिटल पाश्वर्चित्र निर्माण | १० | १० | - | - | - | २ | १ | २ | २ |
| ५. | लैंगिक उत्तरदायी वजेट परीक्षण | ५ | - | - | - | - | २ | १ | २ | २ |
| ६. | तेश्रो पक्षवाट ठूला आयोजना मूल्याङ्कन | - | - | - | - | १५ | २ | १ | २ | २ |
| ७. | आयोजनाहरूका अनुगमन तथा मूल्याङ्कन | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ | २ | १ | २ | २ |
| ८. | डिपिआर तयारी | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० | २ | १ | २ | २ |
| ९. | आयोजना वैक तयारी | १० | - | - | - | - | २ | १ | २ | २ |
| १०. | पालिका स्तरका गौरवका योजना कार्यान्वयन | | | | | | | | | |

घ) अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष तथा नतिजा खाका

► **अपेक्षित उपलब्धि, जोखिम पक्ष**

आवधिक योजनाको कार्यान्वयनवाट पालिकाका अधिकांश योजनाहरू निर्धारित समयमा सम्पन्न भएको हुनेछ । विषयक्षेत्रगत खासगरी यातायात गुरुयोजना, कृषि, पर्यटन, वातावरण जस्ता क्षेत्रका गुरुयोजनाहरू तर्जुमा भएको हुनेछ । र वार्षिक कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना समेत तर्जुमा भएको हुनेछ । यसरी तर्जुमा भएका योजनाहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन हुने, त्यसका लागि आवश्यक संयन्त्र निर्माण हुनेमा पर्याप्त आशंकाहरू छन् ।

► **नतिजाखाका**

तालिका/ग्राफचित्र : ५८
योजना व्यवस्थापन : नतिजा खाका

| नतिजाको तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|------------|---|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| प्रभाव | स्थानीयहरूले अपनत्व ग्रहण गरेका आयोजनाहरू | प्रतिशत | | १ | ५ | ७ | १० | १५ |
| असर | निर्धारित समयमा सम्पन्न आयोजनाहरू | प्रतिशत | ६५ | ६५ | ७५ | ९० | ९५ | ९८ |
| प्रतिफल | तर्जुमा भएका विषय | संख्या | - | - | १ | १ | २ | ३ |

| नतिजाक ो तह | नतिजा सूचक | इकाई | आधार बर्ष २०७९/८० सम्म | लक्ष्य परिमाण | | | | |
|----------------|--|---------|------------------------------|---------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| | | | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ |
| हरु | क्षेत्रगत गुरुयोजना (कृषि, पर्यटन, यातायात गुरुयोजना...) | | | | | | | |
| | श्रोत नक्षा सहित खण्डीकृत वस्तुगत विवरण (प्रोफाइल) तयारी तथा अद्यावधिक भएको विषयगत क्षेत्र | संख्या | ० | १ | १ | २ | २ | २ |
| | कार्यान्वयन भएका स्थानीय गौरव आयोजना | संख्या | - | - | १ | १ | २ | ३ |
| | वार्षिक नीति कार्यक्रममा पालिकाको आन्तरिक आयमा वृद्धि हुन सक्ने क्षेत्रमा लगानी | प्रतिशत | ३३ | ४३ | ४८ | ५३ | ५८ | ६३ |
| | कूल आयोजना मध्ये उपभोक्ता समिति वाट कार्यान्वयन आयोजना | प्रतिशत | ८० | ७५ | ७० | ६५ | ६५ | ६५ |
| | निर्धारित समय वा सो अगावै सम्पन्न आयोजना | प्रतिशत | ९० | ९१ | ९३ | ९५ | ९७ | ९८ |
| | आयोजना / कार्यक्रमको अनुगमन प्रतिवेदन संख्या (पटके, मासिक, चौमासिक, वार्षिक) | संख्या | १ | १ | १ | २ | ३ | ४ |
| | सहभागितामुलक योजना तर्जुमा तथा अनुगमन प्रक्रियामा लक्षित वर्ग/ समुदायको प्रतिनिधित्व | प्रतिशत | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | पालिकावाट प्रकाशित दस्तावेज र प्रतिवेदन | संख्या | २ | ३ | ३ | ३ | ४ | ५ |

परिच्छेद -नौ वित्तीय व्यवस्था

९.१ पृष्ठभूमि

वित्त व्यवस्थाको भूमिका पालिकाको मध्यमकालीन एवं आवधिक योजनाहरु सञ्चालनमा महत्वपूर्ण हुने गर्दछ। वित्तको अभाव तथा वित्त अपुग भएमा, वा निर्धारण गरिए अनुसारका आयश्रोतहरु निर्धारित समय भित्र उपलब्ध हुन नसकेमा विनियोजित कार्यक्रमहरु सफलतापूर्वक कार्यान्वयन हुन सक्दैनन। परिणाम स्वरूप, कार्यक्रमहरु अधुरो हुने, कार्यान्वयन नहुने र सम्पन्न कार्यक्रमहरुको पनि गुणस्तर कायम हुन नसक्नेसम्भावनाहरु रहन्छ। यसर्थ, पर्याप्त वित्त व्यवस्थावाट मात्रै नागरिकहरुको आवश्यकतालाई प्रभावकारी ढड्गवाट सम्शोधन गर्न सकिने छ। यसका लागि आन्तरिक र बाह्य गरी दुई प्रकारका श्रोतहरुको व्यवस्था गरिएको छ। आन्तरिक श्रोतमा स्थानीय करहरु खासगरी सम्पत्तिकर, भूमिकर, व्यवसाय कर, घर वहाल आयकर, जडीबुटी तथा जीवजन्तु, कवाडी कर नै प्रमुख छन भने बाह्य श्रोतहरुमा संघ र प्रदेश सरकारका अनुदानहरु। अनुदानहरु सर्वात अनुदान, वित्तीय समानीकरण, समपूरक र विशेष अनुदान प्रमुख रहेका छन। त्यसैगरी राजस्व वाँडफाँड स्थानीय तहको अर्को प्रमुख श्रोत अन्तर्गत पर्दछ। खासगरी घरजग्गा रजिस्ट्रेशन दस्तुर, मूल्य अभिवृद्धिकर, अन्तःशुल्क, सवारी साधनकर, विज्ञापन कर र दहतर वहतरको विक्री वापत सङ्कलित राजस्वको एक निश्चित प्रतिशत संघ र प्रदेश सरकारले स्थानीय तहलाई दिनुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ। रोयल्टी वापत सङ्कलित कूल राजस्व पनि तीनै तहको सरकारलाई वाँडफाँड गर्ने गरिन्छ।

गाउँपालिकाको आगामी ५ वर्षका लागि प्राप्त हुन सक्ने वित्तीय स्रोतहरुको अनुमान देहाय वर्मोजिम प्राप्त हुन सक्ने आंकलन गरिएको छ। यसरी अनुमान गर्दा पालिकाले आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा प्राप्त गरेको यथार्थ आय, आव २०७८/७९ का लागि भएको संशोधन अनुमान र आव २०७९/८० का लागि गरिएको अनुमानका आधारमा आगामी ५ वर्ष सम्मका लागि राजस्व अनुमान गरिएको छ।

शुल्क जसको अधिकतम उपयोगवाट आवधिक लक्ष्य वा प्रभाव तहको नतिजा, उद्देश्य वा असर तहको नतिजा र वार्षिक रूपमा प्राप्त गर्ने प्रतिफल तहको नतिजाहरु हासिल गर्न सहयोग पुग्ने गर्दछ।

९.२ वर्तमान अवस्था

गाउँपालिकाको आन्तरिक आयमा तुलनात्मक रूपमा गैरकर राजस्वकै भूमिका उल्लेख्य छ। करराजस्व अन्तर्गत सम्पत्ति कर, व्यवसाय कर र घर वहाल करको योगदान वढी छ। कूल आन्तरिक आयमा कर राजस्वको योगदान न्यून र गैरकर राजस्वको योगदान आन्तरिक आयमा तुलनात्मक रूपमा वढी देखिन्छ। गैरकर राजस्व अन्तर्गत खासगरी सिफारिस तथा प्रमाणित शुल्कको भूमिका अग्रणी छ। पालिकाको कूल श्रोतमा आन्तरिक आयको हिस्सा केवल ज्यादै न्यून जसले बाह्य आयमा पालिकाको परनिर्भरता अधिक देखिन्छ। मनोरन्जन कर, हाटवजार, विज्ञापन कर, कवाडी तथा जीवजन्तु कर, प्राकृतिक श्रोत शुल्क, पर्यटन शुल्क, पाकिड शुल्क आदिवाट पालिकाले राजस्व सङ्कलन गर्न सक्ने सम्भावना भएरपनि खासै पहल हुन सकेको दर्दियैदैन। प्राकृतिक श्रोत अन्तर्गत गिटी, दुड्गा, वालुवा तथा स्लेटको सम्भावना पनि अधिक छ। वातावरणीय परीक्षणका आधारमा यसको उत्खनन हुन सकेमा पालिकाको आन्तरिक आयमा यसको योगदान पनि उल्लेख्य हुन सक्छ।

त्यसैगरी बाह्य श्रोततर्फ आर्थिक वर्ष २०७९/८०का लागि रु.६९ करोड ६३ लाख ८० हजार प्राप्त हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ। आर्थिक वर्ष २०७७/७८मा रु.५२ करोड १२ लाख ३७ हजार यर्थार्थमा प्राप्त भएको थियो। याथार्थ आयको तुलनामा आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा करीब ७.८४ प्रतिशतले आय वृद्धि हुन सक्ने गरी अनुमान गरिएको छ। बाह्य श्रोतहरुमा सर्वात अनुदान, वित्तीय समानीकरण, र राजस्व वाँडफाँडको कमशः भूमिका उल्लेख्य छ।

९.३ अवसर तथा चुनौतीहरू

गाउँपालिकाको विद्यमान आर्थिक तथा सामाजिक स्थितिका सूचकहरु कमजोर रहेकाले आगामी वर्षहरूका वित्तीय व्यवस्थापन गर्न त्यति सहज छैन। बढ्दो जनअपेक्षाको तुलनामा गाउँपालिकाको न्यून श्रोतबाट सार्वजनिक खर्च र सेवाको बीचमा तादात्प्यता कायम गर्न निकै कठिन हुने देखिन्छ। आर्थिक तथा सामाजिक स्थितिमा सुधार ल्याई

जनताको आधारभूत सेवा र सुविधालाई प्रभावकारी रूपले सहज पहुँच पुऱ्याउन आवश्यक पर्ने पूँजीगत लगानी लगायतको कार्यक्रम खर्च र सामाजिक सुरक्षा तथा चालु खर्च गरी कूल व्ययको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने हुन्छ । यसैगरी उपलब्ध श्रोत साधनको ठूलो अंश उपभोगमा (चालु) खर्च गर्नुपर्ने बाध्यताले विकास कार्यका लागि थोरै मात्र खर्च गर्न सकिने अवस्था विद्यमान छ ।

संघीयताको कार्यान्वयनको कममा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन र अन्तर-सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐनले पालिकालाई आन्तरिक राजस्व र संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने गरी थप श्रोत तथा साधनहरू जुटाउन सक्ने कानुनी अवसरहरू प्राप्त छ । त्यसैगरी स्थानीय स्तरमा निजी, सहकारी, गैरसरकारी क्षेत्र र नागरिक समाजको सहकार्यमा वित्तीय श्रोतहरू जुटाउन सक्ने थप अवसरहरू पनि विद्यमान छन् ।

९.४ उद्देश्य

आवश्यकता र प्राथमिकताका आधारमा समग्र आर्थिक एवं सामाजिक विकासका लागि गाउँपालिकाको आन्तरिक एवं वाट्य वित्तीय श्रोतहरूलाई समुचित एवं न्याय सङ्गत ढड्गाट वितरण गर्दै परिचालन गर्नु ।

९.५ रणनीति

- ▶ आन्तरिक एवं वाट्य श्रोतहरूको पहिचान, प्राप्त हुन सक्ने परिमाणको आंकलन गर्दै श्रोतको सुनिश्चिता गर्ने ।
- ▶ वित्तीय श्रोतलाई प्राथमिकताका आधारमा विषयक्षेत्रगत रूपमा न्यायसंगत ढड्गले वाँडफाँड तथा वितरण गर्ने ।
- ▶ वित्तीय श्रोतहरूको परिचालनको व्यवस्था मिलाउने ।

९.६ बजेट व्यवस्था

(क) आन्तरिक आय प्रक्षेपण

आर्थिक वर्ष २०७९/८० का आधारमा आव २०८०/८१ का लागि लागि आय अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । आय प्रक्षेपण गर्दा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले व्यवस्था गरेको स्थानीय कर तथा सेवा शुल्क वाट सङ्कलन हुन सक्ने राजस्वलाई आधार मानिएको छ । यस अन्तर्गत सम्पत्ति कर वा घरजग्गा कर, भूमिकर, घरजग्गा वहाल कर, व्यवसाय कर, जडीबुटी कवाडी तथा जीवजन्तु कर, वहाल विटौरी कर, पार्किङ शुल्कका साथ साथै मनोरन्जन कर, विज्ञापन कर लगायत सेवा शुल्क रहेका छन् ।

पालिकाले आगामी ५ वर्षको अवधिमा आन्तरिक आयवाट करीव रु.५ करोड ४९ लाख ६६ हजार ४०६राजस्व सङ्कलन गर्न सक्ने अनुमान गरिएको छ । यो राजस्व हरेक आर्थिक वर्षमा औषतमा करीव १५ प्रतिशतले आन्तरिक आय वढन सक्ने आधारमा आय प्रक्षेपण गरिएको छ ।

| राजस्व शिर्षक | २०७९/८० को अनुमान | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु लाखमा) | | | | | जम्मा |
|---------------------------|----------------------|------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | |
| सम्पत्ति कर | | | | | | | |
| भूमिकर (मालपोत) | | | | | | | |
| घर वहाल कर | | | | | | | |
| वहाल विटौरी शुल्क | | | | | | | |
| अन्य प्रशासनिक सेवा शुल्क | | | | | | | |
| नक्सापास दस्तुर | | | | | | | |
| सिफारिस दस्तुर | | | | | | | |
| व्यक्तिगत घटना दर्ता | | | | | | | |

तालिका/ग्राफचित्र-५९
आन्तरिक आय प्रक्षेपण

| राजस्व शिर्षक | २०७९/८० को अनुमान | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु लाखमा) | | | | | जम्मा |
|----------------------------|----------------------|------------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | |
| विलम्ब शुल्क | | | | | | | |
| नाता प्रमाणित दस्तुर | | | | | | | |
| अन्य दस्तुर | | | | | | | |
| व्यवसाय रजिस्ट्रेशन दस्तुर | | | | | | | |
| प्रशासनिक दण्ड जरिवाना | | | | | | | |
| धरौटी स्थाहार | | | | | | | |
| व्यवसाय कर | | | | | | | |
| अन्य आय | | | | | | | |
| वेरुजु फछ्यौट | | | | | | | |
| जम्मा आन्तरिक आय | ६० | ६६ | ८२ | १०३ | १२८ | १६१ | ५४१ |
| वृद्धि दर (प्रतिशत) | | | २५ | २५ | २५ | २५ | |

ख) वाह्य श्रोत प्रक्षेपण

गाउँपालिकाको वजेट श्रोतमा वाह्य श्रोतले महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय भूमिका खेल्ने गरेको छ । कूल वजेटको करीब ९८.२२ प्रतिशत भन्दा वढी योगदान यिनै वाह्य श्रोतको रहने छ । यस अर्थमा गाउँपालिका पूर्णत वाह्य श्रोतमा आश्रित देखिन्छ । वाह्य श्रोतहरुमा वित्तीय समानीकरण, सशर्त अनुदान, समपूरक अनुदान, विशेष अनुदान र राजस्व वाँडफाँड रहेका छन् । गाउँपालिकाले आन्तरिक ऋण, सहयोगी संघ संस्था, गैसस तथा वैदेशिक संस्थावाट प्राप्त हुन सक्ने सहयोग र उपभोक्ता तथा लाभान्वित वर्ग समुदायवाट हुन सक्ने लागत सहभागितावाट प्राप्त हुन सक्ने श्रोतलाई पनि प्रक्षेपण गरिएको छैन ।

आगामी ५ वर्षको अवधिमा वाह्य श्रोतवाट कूल रकम रु.२अर्ब ९९ करोड ६४लाख ५२ हजार २२६प्राप्त हुने अनुमान गरिएको छ । आधार वर्ष २०७९/८० मा रु.५२ करोड ०२ लाख ४९ हजार वाह्य श्रोत यथार्थमा प्राप्त हुने अनुमान गरिएको थियो । समग्रमा १० प्रतिशतका दरले वृद्धि हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ । ५ वर्षको अवधिमा संघ र प्रदेश सरकारवाट प्राप्त हुने सहयोगमा तुलनात्मक रूपमा संघवाट प्राप्त हुने अनुदानको अंश अधिक छ । यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिकामा उल्लेख भएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र-६०
वाह्य श्रोत प्रक्षेपण

| राजस्व शिर्षक | आधिक वर्ष २०७९/८० अनुमान | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु. लाखमा) | | | | | जम्मा |
|------------------------|--------------------------------|----------------------------------|-------------|-------------|-------------|-------------|--------|
| | | २०८०/ ८१ | २०८१/ ८२ | २०८२/ ८३ | २०८३/ ८४ | २०८४/ ८५ | |
| संघ : राजस्व वाँडफाँड | ११४७ | ११२४ | १२३६ | १३६० | १४९६ | १६४५ | ६८६२ |
| संघ : वित्तीय समानीकरण | ११४४ | १०१९ | ११२१ | १२३३ | १३५६ | १४९२ | ६२२२ |
| संघ : सशर्त अनुदान | २३४९ | २३५६ | २५९१ | २८५० | ३१३५ | ३४४९ | १,४३८३ |
| संघ : विशेष अनुदान | १६० | ६५ | ७१ | ७८ | ८६ | ९५ | ३९६ |
| संघ : समपूरक अनुदान | ५,० | ५,० | ५,५ | ६,० | ६,६ | ७,३ | ३०,५ |

तालिका/ग्राफचित्र-६०

वाह्य श्रोत प्रक्षेपण

| राजस्व शिर्षक | आधिक वर्ष २०७९/८० अनुमान | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु. लाखमा) | | | | | जम्मा |
|---------------------------|--------------------------------|----------------------------------|---------|---------|---------|---------|--------|
| | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | |
| प्रदेश : राजस्व वाँडफाँड | ६० | ४४ | ४९ | ५४ | ५९ | ६५ | २७४ |
| प्रदेश : वित्तीय समानीकरण | ६१ | ७१ | ७८ | ८५ | ९४ | १०३ | ४३३ |
| प्रदेश : सशर्त अनुदान | ८० | ६१ | ६७ | ७४ | ८१ | ९० | ३७५ |
| प्रदेश : समपूरक अनुदान | १५० | १०० | ११० | १२१ | १३३ | १४६ | ६१० |
| प्रदेश : विशेष अनुदान | - | १६ | १७ | १९ | २१ | २३ | ९९ |
| जम्मा : वाह्य श्रोत | ५२०२ | ४९०८ | ५३९८ | ५९३८ | ६५३२ | ७१८५ | २,९९६४ |
| वार्षिक वृद्धिदर | | | १० | १० | १० | १० | |

ग) कूल श्रोत प्रक्षेपण

गाउँपालिकालाई ५ वर्षको अवधिमा आन्तरिक आयवाट रु.५करोड ४९लाख ६६ हजार ४०६र वाह्य श्रोतवाट रु.२ अर्व ९९ करोड ६४ लाख ५२ हजार २२६गरी कूल रु.३ अर्व ५ करोड ६ लाख १८ हजार ६३८वारावरको श्रोत परिचालन हुने अनुमान प्रक्षेपण गरिएको छ । प्रतिशतमा आन्तरिक आयको हिस्सा कूल श्रोतको १.७८ र वाह्य श्रोतको ९८.२२प्रतिशत हुने देखिन्छ । यसरी प्राप्त हुने श्रोतहरु वार्षिक औषतमा करीब १०.२४ प्रतिशतले वृद्धि हुन सक्ने अनुमान गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र-६१

कूल श्रोत प्रक्षेपण

| व्येट श्रोतहरु | आधार आर्थिक वर्ष ०७९/८० | अनुमान प्रक्षेपण (रकम रु. लाखमा) | | | | | |
|------------------------|-------------------------------|-------------------------------------|---------|---------|---------|---------|--------|
| | | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ | २०८४/८५ | जम्मा |
| आन्तरिक आय | ६० | ६६ | ८२ | १०३ | १२८ | १६१ | ५४१ |
| वाह्य आय | ५२०२ | ४९०८ | ५३९८ | ५९३८ | ६५३२ | ७१८५ | २,९९६४ |
| कूल आय अनुमान | ५२६२ | ४९७४ | ५४८१ | ६०४१ | ६६६१ | ७३४७ | ३,०५०६ |
| वार्षिक वृद्धि प्रतिशत | | | १०.२० | १०.२३ | १०.२६ | १०.२९ | |
| औषत वृद्धि दर प्रतिशत | | | | १०.२४ | | | |

घ) विषयक्षेत्रगत व्येट वाँडफाँड

आवधिक योजना तजुमा कार्यशालाको कममा निर्धारण गरिएको आवधिक लक्ष्य (Goal) अर्थात प्रभाव तहको नतिजा, वृहत उद्देश्य तथा क्षेत्रगत उद्देश्य (Objectives) अर्थात असर तहको नतिजा र विषय क्षेत्र तथा उपक्षेत्रगत उद्देश्य र लक्ष्य परिमाण हासिल गर्न तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु सञ्चालनका लागि व्येट विषयक्षेत्रगत रूपमा वाँडफाँड गरिएको छ । ५ वर्षको अवधिमा प्राप्त हुन सक्ने कूल अनुमानित रकम रु.३ अर्व ५ करोड६ लाख८ हजारमा आर्थिक क्षेत्रलाई ३० प्रतिशत व्येट वाँडफाँड भएको छ भने सामाजिक क्षेत्रलाई १८ प्रतिशत व्येट निर्धारण भएको छ । त्यसैगरी पूर्वाधार क्षेत्रलाई ३८ प्रतिशत, वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्रलाई ७ प्रतिशत र सुशासन तथा संस्थागत विकासलाई ७ प्रतिशत व्येट अनुमान भएको छ । यस सम्बन्धी विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका/ग्राफचित्र- ६२

विषय क्षेत्रगत वजेट प्रक्षेपण

| विषय क्षेत्र | प्रतिशत | रकम रु. | विषय क्षेत्र | प्रतिशत | रकम रु. |
|---------------------------------|---------|---------------|-----------------------------------|---------|---------------|
| आर्थिक विकास | ३० | ९९५,९८५,५९० | सडक, यातायात | २१ | ६४०,६२९,९९३ |
| कृषि विकास | १५ | ४५७,५९२,७९५ | आवास, वस्ती तथा सार्वजनिक निर्माण | १२ | ३६६,०७४,२३६ |
| सिंचाइ | ५ | १५२,५३०,९३२ | विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा | ३ | ९९,५९८,५५९ |
| उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय | ४ | १२२,०२४,७४५ | सूचना तथा सञ्चार | २ | ६१,०९२,३७३ |
| पर्यटन विकास | ३ | ९९,५९८,५५९ | बन, वातावरण तथा विपद | ७ | २१३,५४३,३०४ |
| बैंक, वित्तीय संस्था सहकारी | १ | ३०,५०६,९८६ | बन तथा जैविक विविधता | १ | ३०,५०६,९८६ |
| श्रम तथा रोजगार | २ | ६१,०९२,३७३ | भू तथा जलाधार संरक्षण | २ | ६१,०९२,३७३ |
| सामाजिक विकास | १८ | ५४९,९९९,३५४ | वातावरण तथा स्वच्छता | १ | ३०,५०६,९८६ |
| शिक्षा | ६ | १८३,०३७,९९८ | विपद व्यवस्थापन | ३ | ९९,५९८,५५९ |
| आधारभूत स्वास्थ्य | ४ | १२२,०२४,७४५ | सुशासन, संस्थागत विकास | ७ | २१३,५४३,३०४ |
| खानेपानी तथा सरसफाई | ३ | ९९,५९८,५५९ | ऐन, नियम र जवाफदेहिता | १ | ३०,५०६,९८६ |
| लक्षित वर्ग, सामाजिक समावेशीकरण | २ | ६१,०९२,३७३ | संस्थागत, मानव संशाधन | २ | ६१,०९२,३७३ |
| युवा तथा खेलकुद | २ | ६१,०९२,३७३ | वित्तीय श्रोत परिचालन | २ | ६१,०९२,३७३ |
| कला भाषा, संस्कृति सम्पदा | १ | ३०,५०६,९८६ | योजना व्यवस्थापन | २ | ६१,०९२,३७३ |
| पूर्वाधार विकास | ३८ | १,१५९,२३५,०८० | जम्मा : कूल वजेट | | ३,०५०,६९८,६३३ |

परिच्छेद - दश :

क्षेत्रीय विकासका लागि अन्तरपालिका रणनीतिक साभेदारी

१०.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले सहकारीता, सहअस्तित्व र समन्वयको सिद्धान्तलाई स्वीकार गरेको छ। यसै सिद्धान्तमा आधारमा संघ, प्रदेश र स्थानीय तह वीचको सम्बन्ध स्थापित हुने करा नेपालको संविधान २०७२ को धारा २३२ (१) मा उल्लेख गरिएको छ, र स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को प्रस्तावनामा पनि यसै पक्षलाई विशेष जोड दिई उल्लेख गरिएको छ, र यसै ऐनको दफा २६ मा गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले आफ्नो कार्य संचालन गर्दा लागत न्यूनीकरण, श्रोत साधनको अधिकतम उपयोग वा प्रभावकारी सेवा प्रवाहका लागि विभिन्न क्षेत्रमा साभेदारी वा संयुक्त व्यवस्थापन गर्न सकिने कानुनी व्यवस्था गरिएको छ।

परिवर्तित सन्दर्भमा स्थानीय सरकारहरुको आफ्नो कार्यक्षेत्रमा मात्र सीमित रही विविध कृयाकलापहरु सञ्चालन गरिरहेको अवस्था छ। स्थानीय तहहरु वीच सहकार्य, साभेदारी, सहलगानीका संस्कारहरुको अभ्यास हुन सकिरहेको छैन। स्थानीय तहहरु एक अर्कासंग परिपूरक हुन सक्ने र त्यसबाट लाभ हासिल गर्न सक्ने पक्षहरुमा पनि त्यति ध्यान केन्द्रीत हुन सकिरहेको छैन। समान भूगोल तथा विविध भौगोलिक परिवेश एवं साँध सीमाना जोडिएका पालिकाहरु वीच अन्तरपालिकाहरु वीच तुलनात्मक लाभ हासिल गर्न, आयोजनाको लागत न्यूनीकरण गर्न, पालिकाहरुसंग भएका श्रोत साधनहरुको अधिकतम सदुपयोग गर्न र सेवा प्रवाहमा प्रभावकारीता ल्याउन पालिकाहरुको वीचमा सहकार्य, साभेदारी, संयुक्त व्यवस्थापन एवं समन्वयमा विविध एवं ठूला-ठूला परियोजनाहरु समेत सञ्चालन भई क्षेत्रीय विकासमा सन्तुलन कायम राख्न सकिने सम्भावना प्रवल भएतापनि त्यसतर्फ खासै पहल हुनसकिरहेको छैन। भौगोलिक वनावट, विषमता, प्राकृतिक श्रोतहरुको उपलब्धता जस्ता पक्षहरुका आधारमा पालिकाहरु एक आपसमा समान छैनन्। आन्तरिक तथा वित्तीय श्रोतको सीमितता, उपलब्ध श्रोतहरुको दिगो उपयोग र वितरण जस्ता विविध कारणहरुवाट पालिकाहरु वीचको भिन्नता अरु बढ्दो छ। तापनि पालिकाहरु आफ्नै क्षेत्राधिकारमा सीमित छन् र सो परिधिमा विकासका सम्भावनाहरुको खोजी भइरहेको छ। यस्ता कार्यहरुवाट नागरिकहरुको बढ्दो आकाङ्क्षाको सम्बोधन हुन सकिरहेको छैन। यसर्थ, वदलिदो परिवेशसंगै भौगोलिक वनौट, दूरी तथा सामीप्यता, श्रोत साधनहरुको उपलब्धता र साभा लाभका आधारमा अन्तरपालिका सहकार्य र समन्वयको आवश्यकता अपरिहार्य भइसकेको छ।

उपरोक्त पक्षहरुलाई मध्येनजर राख्दै देहायका क्षेत्रमा यस क्षेत्रका पालिकाहरु वीच देहाय वर्मोजिमका आयोजना तथा परियोजना सञ्चालन गर्न सकिने व्यवस्था गरिएको छ:

- क. सडक यातायात निर्माण र अन्तरपालिका सञ्चालन विकास
- ख. प्रकृति प्रकोप न्यूनीकरण, विपद व्यवस्थापन
- ग. सिंचाइ, खानेपानी, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन
- घ. फोहरमैला विसर्जन, प्रशोधन केन्द्रको विकास वा सञ्चालन,
- ड. दमकल तथा एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन
- च. एकीकृत वस्ती विकास तथा भूउपयोग
- छ. स्थानीय संस्कृति संरक्षण तथा पर्यटन प्रवर्द्धन
- ज. उद्यमशीलता विकास, स्थानीय व्यवसाय प्रवर्द्धन, औद्योगिक ग्राम सञ्चालन
- झ. आवसिय विद्यालय तथा प्राविधिक शिक्षालय सञ्चालन,

उपरोक्त पक्षलाई मनन गर्दै नौबहिनी गाउँपालिकाले सीमाना जोडिएका, नजिकका पालिकाहरु वीच सहकार्य, समन्वय तथा साभेदारीमा आपसी लाभाका आधारमा ठूला प्रकृतिका आयोजनाहरु सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने भएको छ। यसका साथै पालिकावाट स्थानीय गैर सरकारी संघ संस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी संस्था लगायतका सामाजिक तथा सामुदायिक संस्थाहरुलाई समेत क्रियाशील वनाउने र आयोजनाहरु सञ्चालनका लागि निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गर्दै हातेमालो गर्ने भएको छ।

१०.२ वर्तमान अवस्था

नौबहिनी गाउँपालिका कृषि र पशुपालनका लागि एक उपयुक्त स्थल मानिन्छ । वेमौसमी तरकारीको व्यवसायिक खेती, दुध उत्पादनको सम्भावना प्रचुर देखिन्छ । तापनि बजार पहुँचको अभाव, बजारीकरण, सझकलन, भण्डारण, प्रशोधन आदिका कारण उपलब्ध श्रोतहरु सदुपयोग हुन सकिरहेको छैन । यस अर्थमा पनि अन्तरपालिका समन्वय, सहकार्य यस क्षेत्रको आर्थिक सामाजिक विकासको लागि मेरुदण्डको रूपमा सहायक सिद्ध हुन सक्छ । यसका लागि सञ्जाल (कनेक्टिभिटी) एक प्रमुख कडी हुन सक्छ । जिल्ला वा वाहिरी क्षेत्रका मुख्य बजार क्षेत्रहरुसंगको सम्बन्ध विस्तारवाट पालिकाको आर्थिक एवं सामाजिक रूपान्तरण हुन सक्ने देखिन्छ । त्यसैगरी पालिकाहरुले तयार पारेको दीर्घकालीन सोच सहित तुलनात्मक लाभका क्षेत्रहरुमा अन्तरपालिका सहकार्य र रणनीतिक साभेदारीका आधारमा नमूना परियोजना विकास गर्नसकेको खण्डमा यस क्षेत्रको सन्तुलित विकासमा कोशेदुइगा सावित हुने देखिन्छ । यिनै पक्षहरुलाई मध्यनजर राख्दै आवधिक योजनामा क्षेत्रीय विकास अवधारणालाई एक महत्वपूर्ण पक्षको रूपमा प्रस्तुत गरिएको छ ।

१०.३ सम्भावना, अवसर तथा समस्या र चुनौति

| तालिका/ग्राफचित्र : ६३ अन्तरपालिका रणनीतिक साभेदारी : सम्भावना, अवसर तथा समस्या र चुनौति | |
|--|--|
| सम्भावना तथा अवसरहरु | चुनौतिहरु |
| <ul style="list-style-type: none"> ▶ प्राकृतिक सम्पदाहरुको उपलब्धता ▶ धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रहरु ▶ पर्यटन क्षेत्रहरु ▶ कृषि उपज तथा पशुपालनका लागि उर्वर भूमि | <ul style="list-style-type: none"> ▶ क्षेत्रीय विकासका आधारमा सहकार्य, लगानी, साभेदारी सम्बन्धी साभा अवधारणा (मोडालिटी) विकास, श्रोतहरुको न्यायोचित सदुपयोग, समान वितरण, साभा लाभ आर्जन तथा वाँडफाँडमा एकरूपता कायम गर्नु ▶ पालिकाहरु संघीय श्रोत माथि अधिक निर्भरता वित्तीय श्रोतहरु जुटाउनु |
| सवल पक्ष <ul style="list-style-type: none"> ▶ सडक सञ्जाल लगायत भौतिक पूर्वाधारहरुको विकास हुँदै ▶ कृषि, पर्यटन, उद्योग व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्यको क्षेत्रमा पालिकाहरुवाट आधारभूत प्रगतिहरु हुँदै ▶ पालिकाहरुमा जनशक्ति संशाधन, संगठनात्मक संरचना विकास, नीति कार्यकमहरु कार्यान्वयनमा | कमजोर पक्ष <ul style="list-style-type: none"> ▶ राजनीतिक तथा प्रशासनिक नेतृत्वमा पालिकाहरु वीच साभा लाभका लागि सहकार्य र साभेदारी गर्ने सम्बन्धी अवधारणा विकास नहुनु ▶ क्षेत्रीय स्तरमा तुलनात्मक लाभका क्षेत्रहरु पहिचान, त्यसको विस्तृत सम्भाव्यता अध्ययन नहुनु ▶ संघ, प्रदेश एवं स्थानीय तहमा आयोजनाहरु सञ्चालन सम्बन्धी कानुनहरु निर्माण नहुनु |

१०.४ उद्देश्य

- भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक रूपमा सीमान जोडिएका पालिकाहरु वीच समग्र रूपमा साभेदार पालिकाहरुको आर्थिक सामाजिक विकासका लागि साभा तथा पारस्परिक हितका वृहत एवं रूपान्तरणकारी आयोजना तथा कार्यकमहरुको सम्भावनाको खोजी गर्नु ।
- साभा हित र रणनीतिक क्षेत्रीय आयोजना तथा कार्यकमहरुलाई प्रभावकारी रूपमा परियोजना विकास, सह लगानीको खाका, कार्यान्वयन ढाँचा, लाभको समानुपातिक वितरण जस्ता पक्षहरुमा साभा अवधारणा तय गर्न साभा संयन्त्रको प्रारूप तयार पार्नु ।
- भौगोलिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूपमा प्रचुर सम्भावना भएका तथा क्षेत्रीय रूपमा तुलनात्मक एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभका रणनीतिक महत्वका आयोजना एवं कार्यकमहरुको पहिचान, विश्लेषण एवं सूची तयार पार्ने सञ्चालनमा ल्याउनु ।

१०.५ रणनीति

- क्षेत्रीय विकासका लागि अन्तरपालिका संयन्त्र विकास गर्ने ।

२. प्राकृतिक श्रोत साधन तथा सम्पदाहरु दिगो रूपमा उपयोग गर्ने ।
३. क्षेत्रीय विकासका लागि सहयोगी संस्था तथा निजी क्षेत्रसंग सहकार्य, साझेदारी गर्ने ।

१०.६ कार्यनीति

रणनीति १ अन्तर्गतको क्षेत्रीय विकासका लागि अन्तरपालिका संयन्त्र विकास अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- १.१ प्रदेशिक ऐन, कानुन एवं स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन बमोजिमको क्षेत्रीय विकासका लागि अन्तरपालिका सहकार्य, साझेदारी वा संयुक्त व्यवस्थापन सम्बन्धी अवधारणा विकास गरिने छ ।
- १.२ अन्तरपालिका सहकार्य तथा साझेदारीका लागि साभा संरचना, संगठनात्मक संरचना, ऐन, नियम तथा कार्यविधिहरु निर्माण गरिने छ ।
- १.३ अन्तरपालिका सहकार्य वा साझेदारी वा संयुक्त व्यवस्थापन सम्बन्धी परियोजनाहरुको पहिचान गरी आ-आफ्नो रणनीतिक योजना दस्तावेजमा सूचिकृत गरी प्राथमिकता र सम्भाव्यताको आधारमा श्रोत साधनको विनियोजन गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- १.४ क्षेत्रीय विकासका लागि अन्तरपालिका सहकार्य वा साझेदारी वा संयुक्त व्यवस्थापन सम्बन्धी संयन्त्रलाई यस्ता आयोजना तथा कार्यक्रमहरुको नियमित अनुगमन र मूल्याङ्कन प्रतिवेदन सम्बन्धित पालिकाको वेबसाइटमा राखी सार्वजनिक गरिने छ ।

रणनीति २ को प्राकृतिक श्रोतहरुको दिगो उपयोग अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- २.१ क्षेत्रीय स्तरमा तुलनात्मक एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभका वस्तुहरुको पहिचान, विश्लेषण र सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ
- २.२ स्थान विशेषमा उपलब्ध श्रोतहरुको दिगो उपयोगका लागि सहकार्य एवं साझेदारीका आधारमा उत्खनन, विकास तथा प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
- २.३ स्थान विशेषमा उपलब्ध श्रोत साधनको दिगो उपभोगका लागि सम्बन्धित पालिकाको आवश्यकता र दामासाहीका आधारमा अन्तरपालिकामा वितरणको व्यवस्था मिलाइनेछ ।

रणनीति ३ को क्षेत्रीय विकासका लागि सहयोगी संस्था तथा निजी क्षेत्रसंग सहकार्य साझेदारी अन्तर्गतका कार्यनीतिहरु

- ३.१ ठूला ठूला आयोजनाहरु निर्माण हस्तान्तरण, निर्माण सञ्चालन तथा हस्तान्तरण जस्ता तरिकाहरु अपनाइ निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गरिनेछ । यसका लागि आवश्यक कानुनहरु निर्माण गरिनेछ ।
- ३.२ विकास साझेदार संस्था एवं गैरसरकारी संस्थाहरुसंगको सहयोग तथा सहकार्यमा आयोजनाहरु सञ्चालन गरिनेछ ।

१०.७ सहकार्यका क्षेत्र तथा कार्यक्रमहरु

| तालिका/ग्राफचित्र ६४ सहकार्य हुन सक्ने क्षेत्रहरु | | |
|--|---|-------------------------------------|
| सहकार्यका सम्भाव्य क्षेत्र | सम्भाव्य परियोजना | उपयुक्त क्षेत्र |
| पर्यटन | एकीकृत पर्यटकीय क्षेत्र विकास | अन्तरपालिका सहमतिमा उपयुक्त क्षेत्र |
| शिक्षा | आवासीय विद्यालय तथा प्राविधिक शिक्षालय | पालिकाको मुख्य बजार क्षेत्रहरु |
| व्यवसायिक प्रवर्द्धन | एकीकृत औद्योगिक ग्राम | अन्तरपालिका सहमतिमा उपयुक्त क्षेत्र |
| स्वास्थ्य सेवा | बिशिष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रवर्द्धन | अन्तरपालिका सहमतिमा विशिष्ट सेवा |
| आकस्मिक सेवा व्यवस्थापन | एकीकृत अग्नी उपकरण सञ्चालन तथा व्यवस्थापन आयोजना | अन्तरपालिका सहमतिमा उपयुक्त क्षेत्र |
| कृषिमा आधारित पकेट क्षेत्र तथा जाने विकास | खाद्यान्न, फलफुल, भण्डारण, प्रशोधन, दुघ चिस्यान केन्द्र स्थापना | अन्तरपालिका सहमतिमा उपयुक्त क्षेत्र |

उपरोक्त बिषय क्षेत्रसंग सम्बन्धित सम्भाव्य आयोजनाहरुको पूर्व सम्भाव्यता (प्रिफिजिविलिटी) अध्ययन, सम्भाव्यता अध्ययनको आधारमा आर्थिक तथा सामाजिक रूपमा उपयुक्त र वित्तीय (लगानी तथा प्रतिफल) को दृष्टिकोणबाट प्रतिफलयुक्त आयोजनाहरुको विस्तृत परियोजना प्रस्ताव प्रतिवेदन (डिपिआर) समेत तयार पारी उपयुक्त संयन्त्र निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्न उपयुक्त हुने देखिन्छ ।

परिच्छेद - एधारः कार्यान्वयन योजना

११.१ पृष्ठभूमि

योजना तर्जुमा र योजना कार्यान्वयन एक अर्कासंग अन्तर सम्बन्धित विषय मानिन्छ । संघीय शासन प्रणालीलाई व्यवहारत कार्यान्वयनको अत्यन्तै महत्वपूर्ण पक्ष भनेको योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन हो । आयोजना तथा कार्यक्रमको कार्यान्वयनलाई प्रतिफल, असर र प्रभाव तहसंग आवद्ध गरी क्रियाकलाप तथा कार्यक्रमहरूलाई वृहत र क्षेत्रगत उद्देश्यसंग र क्षेत्रगत र विषयगत उद्देश्य समष्टिगत लक्ष्यसंग आवद्ध गर्ने अर्को महत्वपूर्ण पक्ष मानिन्छ । स्थानीय शासनको प्रभावकारी सञ्चालन, परिणाममुखी विकास तथा प्रभावकारी सेवा प्रवाहको लागि योजना तथा कार्यक्रमहरूको प्रभावकारी र नितिजामुखी कार्यान्वयनको अवश्यकता पर्दछ । आवधिक योजनाको सन्दर्भमा पनि पालिकाको निर्वाचित नेतृत्व, क्रियाशील राजनीतिक दल, अन्य सरोकारबालाहरु समेतको सक्रिय सहभागितामा विभिन्न चरण पार गरी तय भएको दीर्घकालीन सोच, आवधिक लक्ष्य, वृहत उद्देश्य र क्षेत्र विषयगत उद्देश्य, ती उद्देश्य प्राप्तिका लागि अवलम्बन गरिने रणनीति र कार्यनीति अन्तर्गत क्षेत्रगत विषयगत प्रमुख कार्यक्रमहरू र क्षेत्रगत र विषयगत लक्ष्य परिमाणलाई पालिकाको वार्षिक योजना तर्जुमा र प्राथमिकताको आधारमा स्रोत विनियोजनको समग्र चक्र नै योजना कार्यान्वयनको खाका मानिन्छ ।

११.२ वर्तमान अवस्था

योजना कार्यान्वयन र अनुगमन मूल्याङ्कन पद्धतिको सन्दर्भमा पालिका वार्षिक योजना तर्जुमा पद्धतिमा नै सीमित रहेको अवस्थाका कारण क्रियाकलाप वा कार्यक्रम र सोको प्रतिफल तह भन्दा माथिको तह अर्थात उद्देश्य (असर) तह र लक्ष्य (प्रभाव) तह अर्थात दीर्घकालीन र मध्यमकालीन लक्ष्य वा प्रभाव तह सम्म सोचन सकेको अवस्था छैन । यसैगरी स्रोत अनुमान तथा विनियोजनको सन्दर्भमा पनि हालसम्म आय सीमामा आधारित योजना तर्जुमा पद्धति रहेको र जसले गर्दा पालिकाले निर्धारण गरेको लक्ष्य, उद्देश्य र लक्ष्य परिमाण प्राप्तिका लागि के कति स्रोत पुग वा अपुगको अवस्था थाहा पाउने अवस्था देखिदैन ।

हाल पालिका आफुसंग उपलब्ध सीमित जनशक्ति, कमजोर संस्थागत संरचना, सीमित स्रोत साधन उपयोग गरी केही गैरसरकारी संघसंस्थाको सीमित आर्थिक तथा प्राविधिक सहयोग र कार्यक्रमहरू परिचालन गरी वार्षिक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आइरहेको अवस्था छ । तर प्रस्तावित आवधिक गाउँ विकास योजनाले आत्मसात गरेको दीर्घकालीन सोच, आवधिक लक्ष्य, विषयक्षेत्रगत उद्देश्यहरु, लक्ष्य सूचक हार्सिल गर्न हालको कार्यशैली र पद्धतिमा व्यापक परिमार्जन गरी अन्तर सरकारी (संघ, प्रदेश तथा अन्तर स्थानीय तह) वीच समन्वय र सहकार्यको वृहत अवधारणा अनुसार आसपासका अन्य स्थानीय तहवीच क्षेत्रीय रणनीतिक साझेदारी विकास गरी तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान, साभका हित र उद्देश्यमा सहलगानी, सहकार्य, उत्पादन, रोजगारी सिर्जना, व्यवसायीकरण, औद्योगिकीकरण, पर्यटन लगायतका आर्थिक तथा सामाजिक पूर्वाधारहरूमा निजी क्षेत्र, सहकारी क्षेत्र, गैर सरकारी संघसंस्था, विकास साफदारहरू एवं दातृत्वाकायहरू लगायत सेवा प्रदायकहरू समेतको एकीकृत प्रयास वा सहभागिता अभिवृद्धिका लागि पनि कार्ययोजना तर्जुमा हुनु आवश्यकता छ ।

११.३ कार्यान्वयन कार्ययोजना

पालिका सभाबाट आवधिक विकास योजना स्वीकृत भएपछि यसका आधारमा पालिकाले सबै विषय क्षेत्र शाखा र वडा कार्यालयहरूलाई मार्गदर्शन सहित वार्षिक योजना तर्जुमाका लागि बजेट पूर्वानुमान पठाइने गरिन्छ र उक्त पूर्वानुमान र मार्गदर्शनका आधारमा सहभागितात्मक प्रक्रिया अवलम्बन गरी वार्षिक योजना तर्जुमा गर्ने गरिन्छ ।

११.४ मार्गदर्शन तयारी

योजना वा कार्यक्रम सञ्चालन हुनपूर्व स्वीकृत योजनाको विभिन्न विषय क्षेत्रगत कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि आवश्यक मार्गदर्शन तयार गर्ने गरिन्छ । उक्त मार्गदर्शनका साथसाथ खर्च गर्ने अद्यतयारी पठाउनुपर्ने भए सोसमेत संलग्न गरी पठाउनु पर्दछ ।

११.५ कार्यान्वयन विधिको छनौट

योजना कार्यान्वयन गर्नुपूर्व आवश्यकता अनुसार सार्वजनिक खरिद ऐनको परिधि भित्र रही ठेकापट्टा, उपभोक्ता समिति, करार वा, अमानत, गैरसरकारी संस्थासँगको साभेदारी मध्ये कुन प्रक्रिया अवलम्बन गरिने हो सो समेत खुलाई पालिकामा पठाउनु पर्ने हुन्छ र पालिका सभाबाट स्वीकृत भएपछि सोही बमोजिम कार्यान्वयन गर्नु पर्ने हुन्छ। पालिकाले कार्यान्वयन कार्ययोजना निर्माण गर्दा उपलब्ध सूचक समेत उल्लेख गर्ने गरिन्छ र सम्बन्धित कार्यान्वयन एकाइबाट चौमासिक रूपमा सोही सूचक बमोजिम प्रगति प्रतिवेदन लिने प्रणाली अपनाइने गरिन्छ।

पालिकाले सबै विषयगत क्षेत्र समेटी समष्टिगत कार्यान्वयन कार्य योजना समेत बनाउनु पर्ने हुन्छ। कार्यान्वयन गर्ने सबै निकायबाट अनुसूची बमोजिमको कार्यान्वयन योजना प्राप्त भएपछि पालिकाले एकीकृत गरी विषय क्षेत्रगत प्रमुख कार्यक्रम र लगानी देखिने गरी समष्टिगत विवरण तयार गर्नुपर्दछ। यसैबमोजिम योजना कार्यान्वयन सम्बद्ध निकाय र व्यक्तिलाई कार्य जिम्मेवारी र कियाकलाप प्रति जिम्मेवार बनाउनु पर्दछ।

११.६ अखिलारी

वार्षिक कार्यक्रम र बजेट सभाबाट पारित भएपछि पालिका अध्यक्षले स्वीकृत कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतलाई सात दिन भित्र अखिलारी दिनु पर्दछ। प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले विषयगत शाखा र वडा कार्यालयहरूलाई अनुसूची ३ र ३ (क) फाराम भर्न लगाई चौमासिक विभाजन सहितको कार्यक्रम माग गर्नुपर्ने छ। उक्त विवरणमा स्वीकृत वार्षिक कार्यक्रम अनुसार आवश्यक परिमार्जन सहित स्वीकृत वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि मार्गदर्शन सहित पालिका अध्यक्षबाट अखिलारी प्राप्त भएको १५ दिनभित्र सम्बन्धित विषय क्षेत्रगत शाखा र वडा कार्यालयहरूलाई अखिलारी प्रदान गर्नुपर्नेछ। यसरी अखिलारी जारी गर्नु भन्दा पहिले सबै शाखा र वडा कार्यालय वा जिम्मेवार निकायबाट तोकाएको निर्दिष्ट ढाँचामा चौमासिक विभाजन सहितको कार्यान्वयन योजना माग गरी स्वीकृत गरिनु पर्ने छ र उक्त कार्यान्वयन योजनामा जिम्मेवारी किटान समेत गरिनु पर्ने छ। यसका सार्थ कार्यान्वयनको तरिका समेत निर्धारण गरिसक्नु पर्ने छ।

११.७ वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजना

आवधिक योजनाले आत्मसात गरेको दीर्घकालीन सोच, आवधिक लक्ष्य, विषयक्षेत्रगत उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकताको आधारमा वार्षिक नीति, कार्यक्रम र बजेट सहित वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिने छ। वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजनाको ढाँचा अनुसूची २ मा समावेश गरिएको छ।

११.८ अनुगमनको प्रतिवेदन र समीक्षा

उक्त फाराममा उल्लेखित कियाकलापहरूको आधारमा अनुगमन योजना बनाई पालिका उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा गठन भएको समितिबाट अनुगमन योजना स्वीकृत गराई नियमित अनुगमनको व्यवस्था गर्नुपर्दछ। यसरी अनुगमन गर्दा अनुगमन सूचकको आधारमा गरी अनुगमन प्रतिवेदन पेस गर्नुपर्ने हुन्छ। उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा भएका अनुगमनको प्रतिवेदन कार्यपालिकाको नियमित बैठकमा छलफल गर्नुपर्दछ। त्यसैगरी योजनाको अनुगमन तथा कार्यालयको समष्टिगत भौतिक र वित्तीय प्रगति एवं समस्याहरूको बारेमा चौमासिक र वार्षिक समीक्षा तथा स्थानीय तह बिकास समस्या समाधान समितिको बैठकमा पेस गरी प्राप्त निर्देशन बमोजिम कार्यान्वयन गर्नु पर्नेछ।

परिच्छेद - वाह्न: अनुगमन तथा मूल्यांकन

१२.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय तहको विकासको मेरुदण्डको रूपमा रहेका बिकास नीति, योजना तथा कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयनका लागि अनुगमन तथा मूल्यांकनको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । स्थानीय तहले योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनमा सशक्त स्व:अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रणालीको स्थापना गरी आफूले निर्धारण गरेका लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्ने दिशातर्फ योजनाको प्रगति उन्मुख भएको छ, वा छैन भन्ने जानकारी प्राप्त गर्नुपर्ने हुन्छ । कार्यान्वयन चरणको समयमा नै आयोजनाहरूमा भएको लगानी तथा साधनको प्रवाह समुचित ढंगले भएको छ, वा छैन, कार्यतालिका अनुसार कियाकलापहरू सुचारू भएका छन् वा छैनन् साथै व्यवस्थापकीय कमजोरीहरू के के छन् भन्ने जानकारी प्राप्त गर्नुपर्ने हुन्छ । त्यसैले, पालिकाले आवधिक योजनाको आधारमा वार्षिक विकास योजना तर्जुमा गर्नुपर्ने हुन्छ । वार्षिक योजना कार्यान्वयनका लागि कार्यान्वयन तालिका समेत तयार गर्नुपर्ने र सो कार्यान्वयन तालिकामा बजेट सहितका अनुगमनका कार्यहरूसमेत निर्दिष्ट गरी तदअनुसार अनुगमन गर्ने कार्यप्रणाली स्थापित गरिनु पर्दछ ।

१२.२ वर्तमान अवस्था

पालिकाले वार्षिक योजनाका कार्यान्वयन तालिका बनाएर कार्यान्वयनका चरणमा अनुगमनलाई प्राथमिकता सहित प्रभावकारी बनाएको देखिदैन । अनुगमनलाई सामान्य प्राविधिक निरीक्षणको विषयको रूपमा ग्रहण गर्ने गरेको पाइन्छ । विकास साझेदारहरूको सहयोगमा सञ्चालित कार्यक्रमहरूको हकमा सघन अनुगमन प्रणाली पनि पाइन्छ । निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरूको बहाली पछि प्रतिनिधि सहितको संयुक्त अनुगमनको अभ्यास पनि भएको पाइन्छ । यसैगरी चौमासिक तथा वार्षिक समीक्षामा प्रगतिको स्थितिको समीक्षा पनि हुने गरेको छ । निरीक्षण, सुपरिवेक्षण र अनुगमनमा खासै भिन्नता छ भन्ने महसुस हुन सकेको देखिदैन । अनुगमन गर्दा पूर्वनिर्धारित सूचकहरूको आधारमा हुने अभ्यास पनि भएको देखिदैन । अनुगमनलाई योजना चक्रको हिस्साको रूपमा बजेट विनियोजन समेत हुने गरेको छैन । अनुगमनको परम्परागत प्रणाली समस्या समाधानको दृष्टिले त्यति प्रभावकारी हुन सकेको देखिदैन ।

१२.३ अवसर र चुनौती

योजनाबद्ध विकासको प्रयासमा अनुगमनलाई योजना चक्रको अभिन्न हिस्सा र प्रगति सिंहावलोकन गर्ने प्रमुख आधार मान्ने गरिन्छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा १४ ले गाउँपालिकाका अध्यक्षको र वडाअध्यक्षको काम कर्तव्य र अधिकारमा योजना तथा कार्यक्रमको अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण गरी सोको प्रतिवेदन बैठकमा पेस गर्नुपर्ने कानुनी व्यवस्था गरेको छ । त्यस्तै पालिका उपाध्यक्षको अध्यक्षतामा अनुगमन समितिको समेत प्रबन्ध भएको देखिन्छ । जिल्ला समन्वय समितिले पनि अनुगमन र वार्षिक समीक्षा गर्नुपर्ने संस्थागत र कानुनी व्यवस्था भएको छ । त्यस्तै ऐनको दफा ८४ ले प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले प्रमुखको निर्देशनमा अनुगमन तथा मूल्यांकन गर्ने गराउने कानुनी व्यवस्था गरेको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले पालिकालाई आफ्नो कार्यक्षेत्रभित्र पर्ने विकास योजनाको अनुगमन सम्बन्धी कानुनी संस्थागत तथा कार्यविधिगत जिम्मेवारी समेत किटानी व्यवस्था हुनुलाई प्रभावकारी अनुगमन प्रणाली स्थापना गर्ने अवसरको रूपमा लिनुपर्ने हुन्छ ।

योजना सम्बद्ध प्राविधिक जनशक्तिको अभावले नियमित अनुगमन प्रभावित भइरहेको छ । अनुगमन सम्बन्धी संयन्त्रहरू कियाशील हुन सकिरहेका छैनन । अनुगमनका लागि भिन्नै बजेट विनियोजन समेत पर्याप्त हुन सकेको देखिदैन । त्यसैगरी स्थानीय सरकारका रूपमा विभिन्न विषयगत कार्य जिम्मेवारीहरू प्राप्त भए तापनि ती कार्य जिम्मेवारी अनुसारका अनुगमनका सूचकहरू निर्धारण हुन नसक्नु, तत्तत् विषयगत शाखाबाट आ-आफ्नो कार्यक्रम अनुसारका कियाकलापगत, परिमाणात्मक, नतिजागत, असर वा प्रतिफलगत तह सम्मका सूचकहरू प्राप्त गरी अनुगमन प्रणालीलाई सुव्यवस्थित गर्नु चुनौतीपूर्ण छ । अनुगमनको महत्वबोध गराउन नसकिदा अनुगमनले उचित प्राथमिकता प्राप्त गर्न सकेको देखिदैन । कार्यक्रमअनुसारका चरणगत अनुगमन गरी पूर्वनिर्धारित समय, गुणस्तर, लागतमा कार्य भए नभएको यकिन गर्न कार्यान्वय चरणदेखि नै प्रभावकारी अनुगमन प्रणाली स्थापित गरी नतिजामुखी अनुगमन प्रणालीको स्थापना हुन भनै जरुरी देखिन्छ ।

१२.४ उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम

क) उद्देश्य :आवधिक योजना र यस बमोजिम तर्जुमा हुने वार्षिक योजनाहरूको नतिजामुखी अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धति स्थापित गरी संस्थागत गर्नु।

ख) रणनीति

अनुगमन प्रणालीलाई संस्थागत सुदृढ र नतिजामुखी बनाउने।

ग) कार्यनीतिहरू

- १ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन बमोजिमको अनुगमन संयन्त्रलाई संस्थागत गरी क्रियाशील गराइनेछ।
- २ आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्य, उद्देश्य हासिल भए नभएको उपलब्धि र नतिजा सूचकहरूको विकास गरी मध्यावधि मूल्याङ्कन गरिनेछ।
- ३ आवधिक योजनाका आधारमा वार्षिक योजना तर्जुमा गरी आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्यहरू प्राप्त उन्मुख भए नभएको अनुगमन गरिनेछ।
- ४ विषयगत कार्यक्रमहरूको कार्यक्रमागत सूचकहरूको निर्माण गरी तदअनुसार अनुगमन गरिनेछ।
- ५ अनुगमनको कार्यालिका बनाई अनुगमन गर्ने प्रणालीको विकास गरी, तदअनुसार क्षमता विकासका साथै बजेटको व्यवस्था गरिनेछ।
- ६ अनुगमन पश्चात अनुगमनकर्तावाट लिखित रूपमा अनुगमन प्रतिवेदन लिने, यसलाई नियमित बैठकमा छलफल गरी देखिएका बाधा अद्वचन फुकाइनेछ।
- ७ प्राप्त अनुगमन प्रतिवेदन अनुगमन समितिमा र चौमासिक र वार्षिक प्रतिवेदनको चौमासिक र वार्षिक समीक्षा नियमित रूपमा पालिकामा सबै सरोकारवालाहरूको संलग्नतामा गरिनेछ र तत्काल समस्याको समाधान गरी योजना समयमा नै सम्पन्न गर्न तदारुकता लिइनेछ।
- ८ चौमासिक समीक्षा तथा स्थानीय तहको समस्या समाधान समितिको बैठकमा अनुगमन समितिवाट समष्टिगत अनुगमन प्राप्त गरी छलफल गरी समस्याको समाधान गर्ने प्रणालीको स्थापना गरिनेछ।
- ९ योजनाको आर्थिक तथा भौतिक प्रगतिको प्रतिवेदन सम्बन्धित तह, निकायमा तोकिएको समयमा पठाइनेछ। यसका लागि संघ र प्रदेशसंग समन्वय गरी कम्प्युटरमा आधारित एकिकृत सूचना प्रणालीका फर्मेटहरू विकास गरी आबद्ध गरिनेछ।
- १० आवधिक योजनाको मध्यावधि मूल्याङ्कन तेश्रो वर्षमा र अन्तिम मूल्याङ्कन आवधिक योजनाको समाप्ति पछि गरिनेछ।
- ११ अनुगमन र मूल्याङ्कन प्रतिवेदन पालिकाको वेबसाइटमा राखिनुका साथै सार्वजनिक समेत गरिनेछ।

घ) कार्यक्रम

१. संस्थागत संयन्त्रका स्थापना र क्षमता विकास
२. अनुगमन प्रणाली र तहगत सूचकहरूको निर्माण र कार्यान्वयन
३. अनुगमन कार्यान्वयन कार्यक्रम
४. समीक्षा तथा स्थानीय समस्या समाधान समितिको बैठक

१२.५ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि जिम्मेवार निकाय

आवधिक योजनाको प्रभाव, असर, प्रतिफलको नतिजा मापन तथा सञ्चालित कार्यक्रमको प्रक्रिया अनुगमन गरिनेछ। प्रक्रिया अनुगमन तथा प्राप्त नतिजाको मापन गर्ने जिम्मेवारी गाउँकार्यपालिकाको हुनेछ र यस कार्यमा सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समितिलाई परिचालन गरिनेछ। आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको जिम्मेवारी तथा विधि देहाय अनुसार रहेका छन् :

१. कार्यपालिका तथा विषयगत समिति
२. सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति
३. जिल्ला समन्वय समिति

४. विषयगत शाखा उपशाखा, परियोजना, संघ संस्था
५. नागरिक समाज संस्था तथा तेश्रो पक्ष

आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्यांकनका साधन तथा विधि देहायअनुसार रहनेछ ।

१. स्थलगत अनुगमन
२. कार्ययोजना (लक्ष्य) र प्रगति वीच तुलना
३. नागरिक अनुगमन
४. सहभागितामूलक मध्यावधि समीक्षा
५. सहभागितामूलक अन्तिम समीक्षा (तेश्रो पक्षबाट मूल्यांकन)

आवधिक योजनाको अनुमान तथा मूल्यांकन प्रक्रिया देहाय वमोजिम हुनेछ

तालिका/ग्राफचित्र : ६५

आवधिक योजनाको अनुमान तथा मूल्यांकन प्रक्रिया

| के अनुगमन गर्ने? | कसले अनुगमन गर्ने? | कहिले अनुगमन गर्ने? | कसरी अनुगमन गर्ने? |
|-------------------------------|--|--|---|
| कार्यक्रम वा प्रक्रिया अनुगमन | सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति, बडा समिति, सरकारी र गैसस, परियोजना | पटके, मासिक, चौमासिक र बार्षिक | स्थलगत अनुगमन गर्ने, चौमासिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने, |
| प्रतिफल अनुगमन | कार्यपालिका, सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति | चौमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक र मध्यावधि | स्थलगत अनुगमन गर्ने, वार्षिक कार्य योजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने, नितिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नितिजा मापन गर्ने, |
| असर तह अनुगमन | सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेश्रो पक्ष | बार्षिक, मध्यावधि र अन्तिम वर्ष | सहभागितामूलक छलफल गर्ने, नितिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नितिजा मापन गर्ने, नमूना सर्वेक्षण गर्ने, |
| प्रभाव तह अनुगमन | सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेश्रो पक्ष | मध्यावधि र अन्तिम वर्ष | नितिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नितिजा मापन गर्ने, सहभागितामूलक छलफल गर्ने, अध्ययन तथा सर्वेक्षण गर्ने, |

अनुसूचीहरु

अनुसूची- १
पालिकाको आवधिक गाउँविकास योजना (२०८०/८१- २०८४/८५)
वार्षिक कार्यान्वयन कार्ययोजना

| योजनाको विषयगत क्षेत्र | आवधिक योजना | | आयोजना/ कार्यक्रम (स्थान समेत) | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | | | | |
|--|--------------------------|--------------|---|----------------------------|----------|---------------------|-----------------------|--------------------|
| | नीति तथा कार्यक्रम | लक्ष्य/ सूचक | | लक्ष्य | विनियोजन | कार्यान्वयन विधि | लाभान्वित जनसंख्या | प्राथमिकता क्रम |
| | | इकाई | परिमाण | इकाई | परिमाण | | | |
| आर्थिक विकास | | | | | | | | |
| कृषि | | | | | | | | |
| पशु | | | | | | | | |
| सुरक्षित आप्रवासन तथा वैदेशिक रोजगार | | | | | | | | |
| पर्यटन | | | | | | | | |
| उद्योग, व्यापार र व्यवसाय | | | | | | | | |
| सहकारी तथा वित्तीय क्षेत्र | | | | | | | | |
| सामाजिक विकास | | | | | | | | |
| शिक्षा | | | | | | | | |
| आधारभूत स्वास्थ्य | | | | | | | | |
| खानेपानी र सरसफाइ | | | | | | | | |
| लक्षित क्षेत्र र लैससास | | | | | | | | |
| युवा तथा खेलकुद | | | | | | | | |
| भाषा, संस्कृति सम्पदा | | | | | | | | |
| पूर्वाधार विकास | | | | | | | | |
| सडक यातायात | | | | | | | | |
| सिंचाइ पूर्वाधार | | | | | | | | |
| आवास, बर्स्ती सार्वजनिक निर्माण | | | | | | | | |
| विद्युत् वैकल्पिक उजा | | | | | | | | |
| सञ्चार सूचना प्रविधि | | | | | | | | |
| वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन | | | | | | | | |
| वन तथा जैविक विविधता | | | | | | | | |
| भूमि तथा जलाधार व्यवस्थापन | | | | | | | | |
| वातावरण स्वच्छता | | | | | | | | |
| विपद् व्यवस्थापन | | | | | | | | |

| योजनाको विषयगत क्षेत्र | आवधिक योजना | | वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम | | | | | | | |
|---|--------------------------|--------------|---|--------|--------|----------|---------------------|-----------------------|--------------------|---|
| | नीति तथा कार्यक्रम | लक्ष्य/ सूचक | आयोजना/ कार्यक्रम (स्थान समेत) | लक्ष्य | | विनियोजन | कार्यान्वयन विधि | लाभान्वित जनसंघ्या | प्राथमिकता क्रम | लगानी तथा कार्यान्वयन गर्ने निकाय |
| | | | | इकाई | परिमाण | | | | | |
| संस्थागत र सुशासन | | | | | | | | | | |
| सुशासन, ऐन नियम र जवाफदेहिता | | | | | | | | | | |
| संस्थागत संरचना तथा मानव संसाधन विकास | | | | | | | | | | |
| वित्तीय स्रोत परिचालन | | | | | | | | | | |
| योजना व्यवस्थापन | | | | | | | | | | |
| जम्मा कार्यक्रम खर्च | | | | | | | | | | |
| जम्मा चालु खर्च | | | | | | | | | | |
| कुल जम्मा | | | | | | | | | | |

द्रष्टव्य: विषय क्षेत्र र उपक्षेत्रहरूले आ-आफ्नो कार्यक्रमहरू प्रस्तुत गर्दा चालु र पुँजीगत खर्च खुलाई पालिकामा पेश गर्नुपर्नेछ।

अनुसूची- २
विषय क्षेत्रगत योजना कार्यान्वयन विवरण फाराम

विषयगत शाखा/शाखा उपशाखा निकाय/संस्था र गैसस तथा निजी क्षेत्रले यस फाराम भरी गाउँपालिकामा पेस गर्नुपर्नेछ । यसै विवरणका आधारमा गाउँपालिकाले अनुसूची- २ तयार गर्नेछ । अद्वित्यारीका साथ सम्बन्धित विषयगत शाखा/शाखा उपशाखा/निकाय/संस्था र वडा कार्यालयलाई प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले यसै फारामलाई प्रमाणित गरी पठाउनुपर्नेछ ।

| विषयगत शाखा/शाखा उपशाखा/निकाय/संस्थाको नाम/वडा नं : | | | | | | | | | |
|---|------------------|------------------|------|----------------|--------------|----------------------------|-------------------|-----------------------|--------------------------------|
| क्र सं | प्रमुख कार्यक्रम | मुख्य क्रियाकलाप | इकाई | वार्षिक लक्ष्य | वार्षिक बजेट | प्रमुख जिम्मेवार पदाधिकारी | सहयोगी निकाय शाखा | सम्पन्न गर्ने समयावधि | आवधिक योजनाकार्य क्रम संकेत नं |
| १ | | | | | | | | | |
| २ | | | | | | | | | |
| ३ | | | | | | | | | |
| ४ | | | | | | | | | |
| ५ | | | | | | | | | |
| ६ | | | | | | | | | |
| ७ | | | | | | | | | |
| ८ | | | | | | | | | |
| ९ | | | | | | | | | |
| १० | | | | | | | | | |
| ११ | | | | | | | | | |
| १२ | | | | | | | | | |
| १३ | | | | | | | | | |
| १४ | | | | | | | | | |
| १५ | | | | | | | | | |
| १६ | | | | | | | | | |
| १७ | | | | | | | | | |
| १८ | | | | | | | | | |
| १९ | | | | | | | | | |
| २० | | | | | | | | | |
| २१ | | | | | | | | | |
| २२ | | | | | | | | | |
| जम्मा कार्यक्रम | | | | | | | | | |
| खर्च | | | | | | | | | |
| जम्मा चालु खर्च | | | | | | | | | |
| कुल जम्मा | | | | | | | | | |

अनुसूची- ३
आवधिक गाउँविकास योजना तर्जुमा गोष्ठीका सहभागीहरूको विवरण

विषयगत क्षेत्र : आर्थिक विकास क्षेत्र

| क्र.सं. | सहभागितको नाम | संस्थाको नाम | पद तथाजिम्मेवारी | सम्पर्क नम्बर |
|---------|---------------------|------------------------------------|----------------------|---------------|
| १ | रोम प्रसाद बुढाथोकी | आर्थिक विकास | संयोजक | ९८५७०६३१५२ |
| २ | मान बहादुर के.सी. | | वडा नं. ६ अध्यक्ष | ९८४०३६५१५५ |
| ३ | मिन बहादुर सुनार | | कार्यपालिका सदस्य | ९८६६८८३५१७४ |
| ४ | रविना मल्ल | | कार्यपालिका सदस्य | ९८६०९७२१९५ |
| ५ | ईन्द्रा सुनार | | कार्यपालिका सदस्य | ९८४४९०९००३ |
| ६ | शुसिला सुनार | | कार्यपालिका सदस्य | ९८६७२५३४९२ |
| ७ | विणु बहादुर के.सी. | उद्योग वाणिज्य संघ अध्यक्ष | अध्यक्ष | ९८४७८३९१२१ |
| ८ | पर्वत के.सी. | रोजगार सेवा केन्द्र नौबहिनी गा.पा. | रोजगार संयोजक | ९८५७८३३०२१ |
| ९ | सन्तोष विश्वकर्मा | कृषि विकास शाखा | कृषि शाखा प्रमुख | ९८६००२९०७२ |
| १० | रजनिश कुमार शर्मा | कृषि विकास शाखा | | ९८६६५१५०३६ |
| ११ | श्रीराम यादव | कृषि विकास शाखा | कृषि शाखा | ९८६३६५८४७७ |
| १२ | लोकमणि पौड्याल | पशु सेवा शाखा | पशुसेवा शाखा | ९८४७९७४०९४ |
| १३ | लक्ष्मण ठकुरी | पोषण कार्यक्रम | पोषण सहजकर्ता | ९७४२२०५३६७ |
| १४ | बसन्त थापा | नेपाल इन्डेप्लमेन्ट बैंक | कार्यालय प्रमुख | ९८५७८३६८८० |
| १५ | सन्तोष बुढा मगर | जात्या लद्यावित बैंक | कार्यालय प्रमुख | ९८४४९५८०७७ |
| १६ | वर्षा खडका | लघुउद्यम विकास | उद्यम विकास सहजकर्ता | ९८६८०९१३८८ |
| १७ | दिपा पुन | लघुउद्यम विकास | | ९८६६९५५३१५ |
| १८ | कालिका के.सी. | लघुउद्यम विकास | | ९८४३७४४९० |

विषयगत क्षेत्र : सामाजिकविकास क्षेत्र

| क्र.सं. | सहभागितको नाम | संस्थाको नाम | पद तथाजिम्मेवारी | सम्पर्क नम्बर |
|---------|---------------|--------------|------------------|---------------|
| १ | | | | |
| २ | | | | |
| ३ | | | | |
| ४ | | | | |
| ५ | | | | |
| ६ | | | | |
| ७ | | | | |

विषयगत क्षेत्र : पूर्वाधार विकास क्षेत्र

| ९ | सहभागितको नाम | संस्थाको नाम | पद तथाजिम्मेवारी | सम्पर्क नम्बर |
|----|------------------------|--------------|------------------------|---------------|
| १ | दलराज पुन मगर | | पूर्वाधार विकास संयोजक | ९८४७९७२३०५ |
| २ | मान बहादुर के.सी. | | सदस्य | ९८४७८९६९२९ |
| ३ | प्रेम सुवार | | | ९८४४९९३५६७ |
| ४ | विणु पुन | | ईन्जिनियर | ९८४९६४९५४१ |
| ५ | रमेश बहादुर के.सी. | | | ९८४७८७०३६० |
| ६ | रुद्र विक्रम के.के | | | ९८५७८३३५८२ |
| ७ | रुद्रबहादुर घर्ती मगर | | | ९८४७९५८९४६ |
| ८ | शान्ति कुमारी पुन मगर | | | ९८६३७८७७७० |
| ९ | सुरज घर्ती मगर | | | ९८४२४४४८९५ |
| १० | दामोदर भण्डारी | | | ९८४७८२०३५८ |
| ११ | रवि पराजुली | | | ९८४३०९८०२२ |
| १२ | महेन्द्र बहादुर वि.सी. | | | ९८४५१५५७२२ |
| १३ | पातली घर्ती मगर | | | ९८६२६५०६३१ |

विषयगत क्षेत्र : बन, वातावरणतथाविपदव्यवस्थापन क्षेत्र

| क्र.सं. | सहभागितको नाम | संस्थाको नाम | पद तथाजिम्मेवारी | सम्पर्क नम्बर |
|---------|-----------------------|--------------|---|---------------|
| १ | भिम बहादुर घर्ती मगर | | वडा अध्यक्ष | ९८६०७६६९४६ |
| २ | देवि प्रसाद रिजाल | | जिल्ला उप सभापति नेपाल रेडक्रस सोसाईटी | ९८४७८२९४६५ |
| ३ | कुल बहादुर के.सी. | | | ९८६६९९५३७२ |
| ४ | बद्ध बहादुर घर्ती मगर | | | ९८४७८२८२६२ |
| ५ | नेत्र बहादुर घर्ती | | | ९८६३२८७९४१ |
| ६ | गोविन्द के.सी. | | | ९८६८२३३०२३ |
| ७ | चेतमान थापा क्षेत्री | | | ९८४७९२३८०७ |
| ८ | शेष बहादुर के.सी. | | | ९८६८४९६६९९ |

विषयगत क्षेत्र : सुशासनतथा संस्थागतविकास क्षेत्र

| क्र.सं. | सहभागितको नाम | संस्थाको नाम | पद तथाजिम्मेवारी | सम्पर्क नम्बर |
|---------|----------------------|--------------|------------------|---------------|
| १ | गोपीराम घर्ती मगर | | वडा अध्यक्ष | ९८६६५८००२५ |
| २ | गणेश बुढायोकी मगर | | | ९८४४९५८२७८ |
| ३ | सान बहादुर घर्ती मगर | | वडा सचिव | ९८४७८६७३०२ |
| ४ | मदन राना मगर | | | ९८४४७४३०७९ |
| ५ | सरोज डाँगी | | | ९८४७८६७३०२ |
| ६ | राधा सुनार | | | ९८४३६०९७२८ |
| ७ | अस्मिता सुनार | | | ९८४३४९३४८७ |
| ८ | संगिता घिमिरे | | | ९८६७२७०४३८ |
| ९ | अम्बर बहादुर के.सी. | | | ९८४७९१३५६८ |
| १० | लोक मणि सापकोटा | | वडा सचिव | ९८४०८०२२४० |

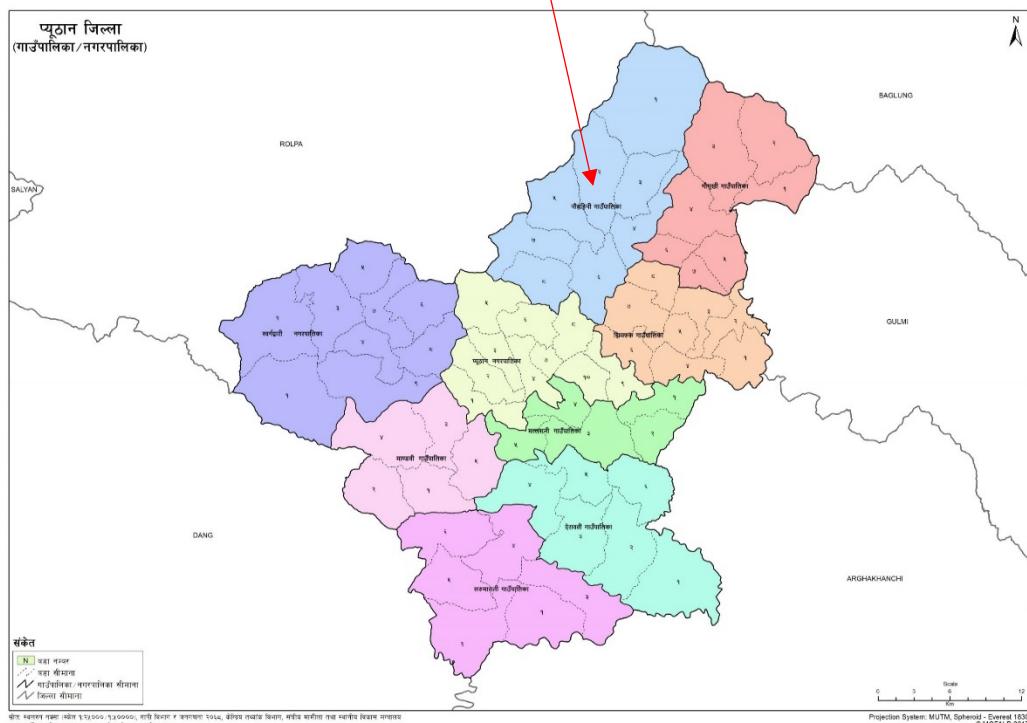
विषयगत क्षेत्र : समष्टिगत

| क्र.सं. | सहभागितको नाम | संस्थाको नाम | पद तथाजिम्मेवारी | सम्पर्क नम्बर |
|---------|----------------------|--------------|----------------------------|---------------|
| १ | दिल बहादुर थापा | | अध्यक्ष | ९८५७८३३४२९ |
| २ | विष्णा थापा | | उपाध्यक्ष | |
| ३ | शिवराज पौडेल | | प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत | ९८५७८३६०२० |
| ४ | विष्णु बहादुर के.सी. | | | |
| ५ | माधव सिंह के.सी. | | | |
| ६ | धन बहादुर बुढा | | | |
| ७ | तिल विक्रम के.सी. | | | |
| ८ | अन बहादुर घर्ती मगर | | | |
| ९ | कलबाहादुर के.सी. | | | |
| १० | तुल्सीराम शार्मा | | | |
| ११ | हिरा बहादुर के.सी. | | | |

अनुसूची- ४ नौबहिनी गाउँपालिकाको नक्सा



जिल्लाको नक्सा



अनुसूची- ५
नौबहिनी गाउँपालिका
वडाहरुको आयोजनाहरुको सूची

वडा नं.१

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | आलु पकेट क्षेत्र | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | खारखोला रायो पकेट क्षेत्र | | २ लाख | १ | १ | | | |
| ३ | बगाले चन्दन प्लाइटक पोखरी | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| ४ | गुरासे प्लाइटक पोखरी | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| ५ | धाउखाने समुह हाते ट्याक्टर ३ | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ६ | दोभान समुह १४ हाते ट्याक्टर | | १२ लाख | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| ७ | दहखरा समुह २ वटा हाते ट्याक्टर | | २ लाख | २ | | | | |
| ८ | कोठेभिर कृषक समुह आलु कोल्ड स्टोर | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ९ | फलफुल खेती | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| १० | तरकारी खेतीको लागि ४ वटा | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | वासथला कृषि तथा कृषि औजार वित्तविजन पशुपक्षी समुह तालिम | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| १२ | तिनपोरे समुदाय आलु भण्डारन | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १४ | साविक टोल १ देखि ९ सम्म तरकारी फलफुल खेती | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| १५ | लक्ष्मी तरकारी फर्म | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| १६ | तरकारीको वित्त विजन र नर्सरी | | २ लाख | १ | १ | | | |
| १७ | मल | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ | |
| १८ | कृषि प्राविधिक | | ५ लाख | २.५० | २.५० | | | |
| १९ | उन्नत जातको वित्त विजन र रैथाने बालीको संरक्षण | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपक्षीपालन

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | विवश कृषि तथा पशु फर्म | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | शान्ता कुखुरा पालन | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | प्रगति बाखा फर्म | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | साविक १ देखि ९ सम्म पशुपक्षी | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ५ | देव बाखा फर्म | ६० बाखा | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| ६ | बगभारी बाखा समुह | ७० बाखा | ७ लाख | ३ | ४ | | | |
| ७ | सिमसार समुह | कुखुरा | ३ लाख | १ | १ | १ | | |

| | | | | | | | | |
|----|----------------------------|--|--------|----|----|---|--|--|
| ८ | पशुपक्षी तालिम | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ९ | उन्नत जातका भैसी | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| १० | उन्नत जातका बाखा र बोकाहरु | | २५ लाख | १० | १० | ५ | | |
| ११ | पशुपक्षीहरुको लागि औषधी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १२ | भकारो सुधार कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सिंचाइ पूर्वाधार बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सिद्धारा धोलबोट सिंचाई | डी. पी. आर | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| २ | दिमेचौर मुवाड बोरिड तथा लिफ्ट | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ३ | कमला दुम जसेवाङ्ग, भुम्फा चौतरा सिजवाङ्ग, नाथखोला भिवाङ्ग, दोरखाल खालीवाङ्ग, तिनपोरे धरमजिम, सारे धरमजिम, कालेपानी रोहो, पाईप दोभान खोला दहवारे छहरा खोला हलहले सिंचाई सिचाई | सबै को डी. पी. आर गर्ने | ५० लाख | २० | २० | १० | | |
| | भुम्जा उपल्लो चौतरा पाईप, सरीमा पौरा, पधेरा खोला, दह खोला वाहुन धारा पाईप सिंचाई | डी. पी. आर गर्ने | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ४ | नौवहिनी थान बाट गुइहङ्क हुडै खर्जावाङ्ग सिंचाई कुलो निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५ | शाही विसौना खोला देखि खारखोला सम्म सिंचाई कुलो निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन विकास बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नौवहिनी खलेसवाङ्ग कोठे पदमार्ग | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २ | खारखोला दह संरक्षण | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | स्याउलीवाङ्ग ठूलो गाउँ होमस्टे निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ४ | घोरे थुगा लोहोरी पदमार्ग | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ५ | शिवजी मन्दिर देखि तिनमुरे विर्ख सम्म पदमार्ग | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | नौधारा मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | नौधारा गेट निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | तिनचुले झुटावर | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्तिव्यवस्था बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नमुना अल्लो प्रशोधन उद्योग | | २ लाख | २ | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--------------------------------------|--|---------|----|---|---|---|--|
| २ | बकिक ड्रम | | ६० हजार | ६० | | | | |
| ३ | भवन निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | कटाई र बुट्टा भर्ने मेशिन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | नौबहिनी आरन उद्योग | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| ६ | स्याउलीवाङ्गमा भएका आरनको व्यवस्थापन | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सहकारीको स्थापना गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिक आप्रवासन वडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | युवा रोजगार तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | स्थानीय स्रोत साधन प्रयोग हुने गरी उद्योग स्थापना गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | कृषिमा युवाहरुलाई सक्रिय बनाउन तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | गुणस्तरी सिपको व्यवस्था गर्ने | | २ लाख | १ | १ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खानेपानी मर्मत शिव मा.वि. | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | खाने पानी सुर्य ज्योति | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | शिक्षक थप सुर्यज्योति | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ४ | खेलमैदान निर्माण | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| | खानेपानी कोठीभिर प्रा.वि | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | शौचालय निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | विज्ञान प्रयोगशाला शहरी प्रकाश | | १० लाख | ६ | २ | २ | | |
| ८ | शिव मा. वि. प्लाष्टर | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | मोती प्रकाश रडरोगान | | २ लाख | २ | | | | |
| १० | बालविकास केन्द्र भवन मर्मत | | ५ | ५ | | | | |
| ११ | कोठी हिमाल बालविकास केन्द्र | | २ लाख | २ | | | | |
| १२ | शिव मा. वि. + २ | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १३ | टोडके मोठथारा बालविकास थप गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १४ | शिव मा.वि विज्ञान प्रयोगशाला भवन निर्माण | | ६० लाख | ५० | १० | | | |
| १५ | सहरी प्रकाश भवन निर्माण | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|--------|----|----|---|---|--|
| १६ | सुर्य ज्योति भवन निर्माण | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| १७ | कोठी भिर भवन निर्माण | | ३० | ३० | | | | |
| १८ | शिव मा. वि. तारबार | | १० | ५ | ५ | | | |
| १९ | सहरी प्रकाश शौचालय निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २० | सहरी प्रकाश, मोतीप्रकाश, सुर्यज्योती कोठीभिर नेटको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २१ | शिव मा. वि. सहरी प्रकाश कर्मचारी शिक्षक थप | | १० लाख | १० | | | | |
| २२ | शिव मा. वि. र मोती प्रकाश फर्निचर निर्माण | | २ लाख | १ | १ | | | |
| २३ | कक्षा ७ देखि १० सम्म खाजाको व्यवस्था | | ८ | १ | २ | २ | ३ | |

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|--|-----------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रोटोकलको स्वास्थ्य चौकी भवन | | ३ करोड | २ | १ | | | |
| २ | सामुदायिक स्वास्थ्य ईकाई | | १० लाख | ६ | ४ | | | |
| ३ | एम्बुलेन्सको व्यवस्था | | ३० लाख | ३० | | | | |
| ४ | गाउँघर किलिनिक खोप किलिनिक | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ५ | दुईवर्ष मुनिका कुपोषित बच्चाहरूको लागि पोषण | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |
| ६ | धामीभाक्रीको लागि तालिम | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|---|-----------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तल्लो लामपानी ढुङ्गाडे बासतला | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| २ | नाडेखोला खारखोला खानेपानी | | | | | | | |
| ३ | जुरेपानी देउराली टोडके खानेपानी | | | | | | | |
| ४ | मुठधारा खानेपानी योजना | | १.५ करोड | ५० | ५० | ५० | | |
| ५ | शाहीविसौना दबारे उत्तेसे खा.पा | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ६ | नुनथला खा.पा. मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | तिनपुरे देखि तल्लो तिनपुरे टोडके खा.पा. | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ८ | तिनपुरे खालछेते बडार धरमजिम रिमलचौर खा.पा. | | २.५ करोड | ५० | १ | १ | | |
| ९ | धरमजिम ठूला सिम तल्ले घर धामी | | १५ लाख | १५ | | | | |
| १० | सारेखोला कमिरे मुल देखि धरमजिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | कालापानी छेप्टवडार खा.पा. निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १२ | भिकुने खा.पा. निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १३ | नांगी खोला खानेपानी निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|----------------------------|--|--------|---|---|--|--|--|
| १४ | भोव टुम्प खानेपानी निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
|----|----------------------------|--|--------|---|---|--|--|--|

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | व्यवसायी तथा उद्यमी महिलाहरुको लागि | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | दलित र जनजातीलाई सशक्तीकरण तालिम | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ३ | नारी दिवसको लागि बजेट | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४ | महिला हिसां अन्त्यको लागि कार्यक्रम | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५ | बाल विवाह बहुविवाह सम्बन्धि कानूनी सचेतना तालिम | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ६ | निणयतममा महिलाको पहुच बढ़ि सम्बन्धी कार्यक्रम | | ६ लाख | १.५० | १.५० | १.५० | १.५ | |
| ७ | दलित समुदायका युवा युवतीहरूलाई सिपमुलक तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| ८ | सिकर्मी डकर्मी तालिम | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| ९ | कम्प्युटर तालिम | | १ लाख | ५० | ५० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खेलमैदान निर्माण | | ४८ लाख | १२ | १२ | १२ | १२ | |
| २ | खेलकुद समाग्री खरिद | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |
| ३ | खेलकुद प्रशिक्षण | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य र सांस्कृति बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | भाषा संरक्षण | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |
| २ | कला संस्कृति | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |
| ३ | नौबहिनी पर्यटन | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४ | खडक मन्दिर | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ५ | देवकार्य व्यवस्थापन | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|---------|----|----|----|----|--|
| १ | बहाने खवाङ्ग हुदै स्याउलीबाङ्ग मोटरबाटो यस सडकखण्डको स्तरोउन्ती ढल निकास र पुल निर्माण गर्ने | | २५ करोड | ५ | ५ | ५ | १० | |
| २ | विरोटा सरिमा हुदै खारखोला मोटर बाटो सम्पन्न गर्ने | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ३ | विरोटा सिमलचौर ठूलदुङ्गा धरमजिम मोटरबाटोको निर्माण | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ४ | सरिप्रकाश आ.वि. देखि भिवाङ्ग हुदै वडा कार्यालय मोटरबाटो | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| ५ | दिमीचौर हुदै दुम्प मोटरबाटो | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| ६ | ठूलो गाउँ देखि दुङ्गाडे बसेला मोटरबाटो | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| ७ | ठूलो गाउँ देखि मसिन हुदै टोठके धारा मोटरबाटो | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ८ | कालेपानी देखि खाल मोटरबाटो | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| ९ | चौतारा पिङ्धारा देखि घर्तीटोल हुदै भैसीखाल दहखरा दह हुदै तिनपोरे सम्म मोटरबाटो | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १० | खालीवाङ्ग देखि खाल्कोदिक मोटरबाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ११ | धारीखोला देखि माझा मोटरबाटो | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १२ | बगजारी कुसेर मोटरबाटो | | ४० लाख | २० | १० | ५ | ५ | |
| १३ | चौतारा देखि बहुला खोला हुदै धरमजिम | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १४ | चेप्टेदुङ्गा देखि खोप विलिनिक भवन हुदै सेलचौका मोटरबाटो | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| १५ | सरिमा देखि खार खोलाहुदै भाक्री दुङ्गा मोटरबाटो बाटोलाई स्तरोउन्ती गर्ने | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| १६ | खारखोला वस्ती हुदै पोहोरा मोटरबाटो | | ३० लाख | २० | ५ | ५ | | |
| १७ | धरम जिम हुदै बागखोर दारे नुनथला हुदै रोल्पा मोटरबाटो | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १८ | धारीखोला देखि खलेसवाङ्ग रोल्पा मोटरबाटो | | ७० लाख | ४० | १० | १० | १० | |
| १९ | धारीखोला देखि खलेसवाङ्ग हुदै घोरेदु खलेसवाङ्ग बागलुङ्ग मोटरबाटो | | ८० लाख | ५० | १० | १० | १० | |
| २० | ठूलो गाउँ देखि खारखोला मोटर बाटो | | १ करोड | ६० | २० | १० | १० | |
| २१ | दिमीचौर देखि फेदीखोला जोगीपोखरा हुदै मोटरबाटो | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २२ | खारखोलादेखि दहवारे हुदै गहमुखी रजवरा मोटरबाटो | | ७० लाख | ४० | १० | १० | १० | |
| २३ | सरिमा देखि काईया कफलबुटा मोटरबाटो निर्माण | | ८० लाख | ५० | १० | १० | १० | |
| २४ | सरिमा बाहुन धारा गुँरासे भाक्री दुङ्गा हुदै रजवरा मोटरबाटो | | ७० लाख | ५० | १० | ५ | ५ | |
| २५ | चेहाना खोला खालीवाङ्ग गोरेटो बाटो | | ३० लाख | ३० | | | | |
| २६ | ठूलो गाउँ देखि टोल्के हुदै देउराली जोडने गोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | १० | | | |
| २७ | टोठके मसिना माग्या हुदै जलेसवाङ्ग गोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|--------|------|------|------|------|--|
| २८ | ठूलो गाउँ दिदी बासल्या हुडै कोठे हिमाल जाने गोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| २९ | नरधारा धारा सारे धारा भुम्का गोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ३० | धरमजिम हुडै डोडरे पातल हुडै दारे सम्म गोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ३१ | छेप्ते ओढार देखि बार्नसड जाने गोरेटो बाटो | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ३२ | मुल खाट खडकबेसी पक्की पुल आवश्यक | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ३३ | पिनराखोला पक्की पुल | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ३४ | कुर्तिबाग खोला पक्की पुल | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ३५ | बहुलाखोला पुल | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ३६ | विरैटो सरिमाखोला पक्की पुल | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ३७ | गडेराखोला पक्की पुल | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ३८ | खारखोला पक्की पुल | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ३९ | पधेराखोला पक्की पुल | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |
| ४० | बहुलाखोला भो पुल निर्माण सिमलचौर | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४१ | बहौला खोला भो. पु. निर्माण बाहिचौर | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४२ | सरिमा दोहोमा घडेखोला भो.पु. निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४३ | डोडरेखोला भो. पुल निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४४ | घारीखोला भ.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४५ | कोटखोला भो.पु. निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४६ | गुरुलखोला भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४७ | चिराखानी भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४८ | हाडखोला भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४९ | बाट्विसे भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५० | खारखोला भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५१ | ठूलो गाउँ मोडधारा भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५२ | पधेरा धारा भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५३ | सारेखोला भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५४ | डोडरेखोला भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५५ | भुम्का खोला भो.पु निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५६ | ठूलो गाउँ सरिमा वस्ती, बाहुन धारा, पोरा धारा, धरमजिम स्कूल, उलते मुल , ताले धर, पहिराकोखा देखि ठूलदुङ्गा, कुसेर डिमीचौर , छेप्ते ओढार, खारखोला वस्ती, गुरुङटोल वस्ती, स्याल चौका, दभारे वस्ती, चौख्यन खोल्सा देखि आरन टोल सम्म मानधारा देखि धुन्द्रे चेन हुडै कालेपानी खोला सम्म कालेपानी खालीवाङ्ग डोन्डरे हुडै काले पानी चौतरा साईचौर सिजवाड घर्ती टोल ढल निकास | | ५ करोड | १.२५ | १.२५ | १.२५ | १.२५ | |

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण वडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्यालीवाङ्ग स्वास्थ्य चौकौ -हस्पीटल निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| २ | प्रहरी चौकी भवन निर्माण | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ३ | बडा कार्यालय भवन निर्माण | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ४ | बडास्तरीय सभाहल निर्माण | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ५ | पधेरा कोटखोला लघु जलविद्युत | | ३० लाख | २० | १० | | | |
| ६ | खडक मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | बसपार्क र प्रतिक्षालय निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ८ | स्याउलीवाङ्ग खेलकुद मैदान निर्माण - | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ९ | खोपकेन्द्र नारथारा शौचालय निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| १० | खोपकेन्द्र चौतरा निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | केन्द्रिय विद्युत लाईन जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | सौर्य उर्जा जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | कोठे हिमाल लघुविद्युत कुलो मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | स्याउलीवाङ्गमा विद्युत पहुँच भन्दा बाहिर भएकालाई वैकल्पीक उर्जा विस्तार | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सूचना तथा सञ्चार प्रविधि बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-----------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नेपाल टेलिकमको टावर निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बन तथा जैविक विविधता बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बजार व्यवस्थापन गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | बेर्ना तथा विउ उपलब्ध गराउने | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | कृषकलाङ्ग तालिम तथा अनुदानको | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ४ | हामस्टे निर्माण | | १ करोड | २० | २० | २० | ४० | |
| ५ | अरनीरेखा निर्माण | | १५ लाख | ७ | ८ | | | |
| ६ | भवन निर्माण ६ वटा सामुदायिक बनको लागि | | ९० लाख | ३० | ३० | ३० | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|----|----|--|--|
| ७ | भाडी सुधार | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ८ | बन व्यवस्थापन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ९ | नौवहिनी जलाधार संरक्षण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | | |
| १० | कोठेभिर नेपाली हाते कागज उद्योग संचालन | | २० लाख | १० | १० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खुसाड कुलोमुनि तटबन्धन तथा ढल | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| २ | खालीवाङ पहिरो नियन्त्रण तथा ढल | | २० | १० | १० | | | |
| ३ | धरम जिम दमाई टोल तटबन्धन | | १५ | ५ | ५ | ५ | | |
| ४ | धरमजिम मूख्य टोल तटबन्धन तथा | | ५ | ५ | | | | |
| ५ | सरीमा पहिरो ढल निकास तथा | | २५ | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | कमरादुन तार जाली | | ५ | ३ | २ | | | |
| ७ | दिमेचौर खहरेखोला तार जाली | | १० | ३ | ३ | ४ | | |
| ८ | सिमसार तार जाली तथा ढल निकास | | २० | ६ | ६ | ८ | | |
| ९ | पधेराखोला ठूलो गाउँ टोल नं.६ तार | | १५ | ५ | ५ | ५ | | |
| १० | चौतारा ढल पहिरो तार जाली | | २५ | ८ | ८ | ९ | | |
| ११ | खारखोला ठूलो गाउँ ढल निकास | | १५ | ५ | ५ | ५ | | |
| १२ | टोल नं. ४ ढल निकास | | १५ | ५ | ५ | ५ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन बडा नं.१

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | चिम्नी सहितको फलामे चुलो | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | १० | |
| २ | वृक्षारोपण | | १० लाख | ३ | ३ | ४ | | |
| ३ | सुधारिएको चुलोको तालिम | | १० लाख | ३ | ३ | ४ | | |
| ४ | हरित पार्क निर्माण प्रत्येक टोलमा | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ५ | ठूलो गाउँ ५,६, ७ र ८ टोलमा ल्याण्ड | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ६ | प्रत्येक टोलमा डस्वीनको व्यवस्था | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | १० | |
| ७ | फोहोर संकलनको लागि गाडी | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ८ | शौचालय डाढाखोर | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ९ | नर्दाखोप शिवजी रामथल शौचालय | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १० | तिनबाटे शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | दहखारा शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १२ | असारे डाढा हेलिप्याड शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १३ | पर्यटन क्षेत्र कोठेभिर टपमा शौचालय | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |

| | | | | | | | |
|----|-----------------------------------|--|--------|---|---|--|--|
| १४ | खलेसवाड शौचालय निर्माण | | १० लाख | ६ | ४ | | |
| १५ | नौवाहिनी पूजा स्थल शौचालय निर्माण | | १ लाख | १ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रत्येक टोल वस्तीमा प्राथमिक केन्द्र स्थापना | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | वडामा विपत व्यवस्थापन कोष | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ३ | प्रत्येक टोलमा आपतकालिन उदार | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी सचेतना | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| ५ | जलवायु परिवर्तनको असरको कारण हुन गएको क्षति पर्तिको व्यवस्था तथा | | ५० लाख | २० | १० | २० | | |
| ६ | जोखिमपूर्ण ठाउँवाट वस्ती स्थान्तरण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ७ | ब्रसखोला तटबन्धन | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सुशासन, ऐन, कानून, तथा न्यायिक व्यवस्था वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नागरिक बडापत्र तथा सूचना पार्टीको व्यवस्था | | ५० हजार | ५० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | |
|-------|---|--------------------------|-----------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | निजी क्षेत्र संगको सहकार्यमा कार्यक्रम आयोजना सचालन सिपमुलक तथा आयआर्जन संग सम्बन्धित तालिम | | ८ लाख | २ | २ | २ | २ | |
| २ | वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालन | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : मानव संशोधन, संस्थागत विकास तथा सेवा प्रवाह वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|-------------------------------------|---|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सि.सि क्यामेरा तथा विद्युतीय हाजीरी | कार्यालयको सुरक्षा तथा कर्मचारीको नियमिता | १५ लाख | ५ | १० | | | |
| २ | वडा कार्यालय भवन निर्माण | कर्मचारी साथै सम्पूर्ण सेवाग्राहीलाई लाभ | ३० लाख | ३० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : योजना व्यवस्थापन वडा नं.१

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|----------------------|--------------------------|-------------------|-------|--------|--------|------|-------|
| | | | कूल | पहिलो | दोश्रो | तेश्रो | चौथो | पाँचौ |
| | | | | | | | | |

| | | | लागत | वर्ष | वर्ष | वर्ष | वर्ष | वर्ष |
|---|--|--|-------|------|------|------|------|------|
| १ | सम्पन्न भएका योजना तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी मुल्याङ्कन | सम्पन्न भएका कार्यक्रमहरुको गुणस्तर मापन हुने र नभएको खण्डमा कार्वाहीको घेरामा त्याउने | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | योजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा अनिवार्य रूपमा सबैल तहको सहभागिता तय गर्ने | सम्पूर्ण स्थानीय बासीलाई कायूक्रम बारेमा जानकारी हुने आफनो अधिकार बारे सुनिश्चित हुने | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

वडा नं. २

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास

वडा नम्बर २

| क्र. सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|----------|-------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | माटो परीक्षण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | कोदो खेती व्यवसायीक | | ५० लाख | १५ | १५ | २० | | |
| ३ | भटमास खेती | | ५० लाख | २० | ३० | | | |
| ४ | आलु पकेट | | ५० लाख | १० | २० | २० | | |
| ५ | अलैची खेती | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | |
| ६ | दातेओखार खेती | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ७ | कागती खेती | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| ८ | मकै पकेट क्षेत्र | | ६० लाख | २० | २० | २० | | |
| ९ | आलु कोल्डस्टोर | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| १० | कृषि प्राविधिक | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | कृषि तालिम | | २ लाख | १ | १ | | | |
| १२ | मौसमी तथा वैमौसमी तरकारी खेती | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| १३ | हाते ट्याक्टर २० वटा | | १५ लाख | १५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपंक्षीपालन वडा नं. २

| क्र. सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-----------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | माछापालन | | ३५ लाख | १० | १० | १० | ५ | |
| २ | बंगुर फर्म | | ५० लाख | २० | २० | १० | | |
| ३ | बाखापालन | | १ करोड | ३० | ३० | ४० | | |
| ४ | भैसीपालन | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५ | हाँस पालन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | लोकल कुखुरा पालन | | २० लाख | १० | १० | | | |

| | | | | | | | | |
|---|-------------------------|--|-------|---|---|--|--|--|
| ७ | पशु प्राविकधको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | औषधी | | २ लाख | १ | १ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सिंचाई पूर्वाधार वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | |
|--------|--------------------------------------|--------------------------|-----------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तल्लो सिर्वाड सिंचाई कुलो निर्माण | | २ करोड | १ | ५० | ३० | २० | |
| २ | कुटिवाङ्ग सिंचाई कुलो | | १ करोड | ५० | २५ | १५ | १० | |
| ३ | खुवुखोला भैसाराखे सिंचाई कुलो | | १ करोड | ५० | २५ | १५ | १० | |
| ४ | साउने पानी पक्की कुलो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| ५ | रावाङ्ग खोला माँझ टोल सिंचाई कुलो | | १ करोड | ५० | २५ | १५ | १० | |
| ६ | गतिना सिंचाई कुलो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| ७ | मझुखोला मन्दलीथान सिंचाई कुलो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| ८ | लहुखोरे भेडाखोर बेवाड सिंचाई कुलो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| ९ | चुच्चे दुङ्गा पुजारी खोला पक्की कुलो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| १० | चुच्चे दुङ्गा सिंचाई पोखरी मर्मत | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| ११ | भाकीं पानी रुम्दा सिंचाई कुलो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन विकास वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तिनचुले भ्यू टावर निर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | | |
| २ | करखरा दह मन्दिर निर्माण | | २० लाख | | २० | | | |
| ३ | बराह तथा सिद्ध मन्दिर निर्माण | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ४ | होमस्टे निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५ | वडा कार्यालय देखि नौधारी हुदै तिनचुले पर्यटन मार्ग | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ६ | तिनचुले मन्दिर निर्माण | | ६० लाख | १५ | १५ | १५ | | |
| ७ | नौधारी तिनचुले पर्यटन मार्ग निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| ८ | नौधारी प्रवेशद्वार निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| ९ | डाढाकटेरी होमस्टे निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| १० | हेलिप्याड निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| ११ | डाढाकटेरी शिवजी मन्दिर निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| १२ | सिद्धाथान मन्दिर निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| १३ | भुमथला मन्दिर निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्तिव्यवस्था वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|--------|----|----|--|--|--|
| १ | अल्लो उद्योग | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २ | व्यवापार व्यवसाय दुवानीको लागि १२ महिना यातायात संचालनको लागि मोटरबाटो निर्माण तथा पहिरो नियन्त्रण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ३ | घरेलु तथा साना उद्योग संचालन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | कृषि सहकारी व्यवस्थापन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | उपभोक्ता सहकारी व्यवस्थापन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | सहकारी सम्बन्धि तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | बचत सम्बन्धि जनचेतना मुलक कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिक आप्रवासन

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | रोजगारको लागि सिपमुलक तालिम | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २ | युवाहरुलाई कृषिमा आत्मनिर्भर बनाउन सहुलियत दरमा ऋण प्रवाह | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ३ | युवा लक्षित कार्यक्रम | | १ करोड | ५० | ५० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | क) अन्धनासक मा.वि. चारकोठे भवन निर्माण | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| २ | खेलमैदान निर्माण जग्गा खरिद | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ३ | रडरोगन गर्ने | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ४ | फर्निचर निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ५ | शौचालय निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ६ | इन्टरनेट जडान | | ५० हजार | ५० | | | | |
| ७ | ख) नेराआ.वि. फाउनेपोखरी विद्यालयमा गेट सहितको तारबार | | ७ लाख | ३ | २ | २ | | |
| ८ | बाल विकास माग | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ९ | ने.रा. आ. वि. बाल विकास भवन | | २० लाख | १० | १० | | | |
| १० | शौचालयल निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | इन्टरनेट जडान | | ५० हजार | ५० | | | | |
| १२ | फिल्टर | | ५० हजार | ५० | | | | |
| १३ | ४ कोठे भवन निर्माण | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| १४ | बाल मैत्री फर्निचरको व्यवस्था | | २ लाख | २ | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|---------|----|----|--|--|--|
| १५ | बल छेक्नको लागि जालिको व्यवस्था | | ५० हजार | ५० | | | | |
| १६ | ज्ञान ज्योति नेरा आ.वि. डाढा कटेरी | | | | | | | |
| १७ | चारकोठे भवन निर्माण | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| १८ | शौचालय निर्माण | | ३ लाख | ३ | | | | |
| १९ | विद्यालयमा रड रोगन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २० | खेलकुद मैदान निर्माण | | २ लाख | २ | | | | |
| २१ | नव ज्योति बाल विकास केन्द्र | | | | | | | |
| २२ | शौचालय निर्माण | | ३ लाख | ३ | | | | |
| २३ | साविकको ५ गाउँमा बाल विकास निर्माण गर्ने | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| २४ | जनज्योति बाल विकास | | | | | | | |
| २५ | ४ कोठे भवन निर्माण | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| २६ | खानेपानीको व्यवस्था बाल मैत्री धारा निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| २७ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २८ | खेलकुद मैदान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २९ | बाल बालिकालाई कार्पेट खरिद | | २ लाख | २ | | | | |
| ३० | गणतन्त्र बालविकास | | | | | | | |
| ३१ | भवन निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| ३२ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३३ | खानेपानीको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३४ | नबचेतन बाल विकास केन्द्र | | | | | | | |
| ३५ | खेल मैदान निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३६ | खानेपानीको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३७ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३८ | भवन मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं. २

| क.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्वास्थ्य चौकी भवन मर्मत | | १० लाख | १० | | | | |
| २ | गाउँघर विलिनिक तथा खोप विलिनिक | | ४२ लाख | १८ | १२ | १२ | | |
| ३ | आर.वि.टी ट्याक तथा निर्माण | | १२ लाख | १२ | | | | |
| ४ | अक्सीजन तथा एम्बुलेन्सको व्यवस्था | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ५ | प्रोटोकल स्वास्थ्य चौकी | | २.५ करोड | २.५ | | | | |
| ६ | स्वास्थ्य इकाई भवन | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ७ | धामीभाकीलाई तालिम | | ८० हजार | २० | २० | २० | २० | |
| ८ | दुर्यवर्ष मुनिका बाल बालिकाहरुको लागि पोषण कार्यक्रम | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई वडा नं. २

| क.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ | अनुमानित कूल लागत |
|------|----------------------|--------------|-------------------|
| | | | |

| . | | तथा उपलब्धि | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
|----|--|-------------|----------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| १ | मजविर खानेपानी निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| २ | हामपाल पिनरा खानेपानी निर्माण | | ३५ लाख | ३५ | | | | |
| ३ | खर्कखोला खानेपानी निर्माण | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ४ | लुडखोला खानेपानी मर्मत | | १ लाख | १ | | | | |
| ५ | लुडखोला पिनरा लिफ्ट | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | सारीविसौना खानेपानी निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ७ | धाराटोल खानेपानी निर्माण | | १० लाख | ५ | २५ | | | |
| ८ | सिर्वाड बृहत खानेपानी निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | चाप गैरा खानेपानी निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १० | सिम दारे विसौना खानेपानी निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ११ | दरगौडा बडा कार्यालय खानेपानी निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १२ | ताडलावाड खेचरी खानेपानी निर्माण | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १३ | गावै खानेपानी निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १४ | खानेखोला गाउँ खानेपानी निर्माण | | | | | | | |
| १५ | चिप्लफेद खानेपानी निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १६ | जुगेखोला खानेपानी निर्माण | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १७ | रातो पहरा तल्ले सिर्वाड खानेपानी निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १८ | तीनडौ खर्क खानेपानी मर्मत | | १० लाख | ५ | २५ | | | |
| १९ | राकीवाड खानेपानी योजना | | ५ लाख | | | | | |
| २० | गैरी विसौना खानेपानी निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २१ | परेपानी खानेपानी निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २२ | कर्मीन खोला खानेपानी निर्माण | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| २३ | पानी मुल खा.पा. मर्मत | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २४ | उपल्लो पानी मुल खानेपानी निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २५ | गाईथुने धारा तथा पाईप खरिद | | २० लाख | १० | १० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण बडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सिलाईकटाई तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | रुमाल बुट्टा तालिम | | २ लाख | २ | | | | |
| ३ | गुडिया बनाउने तालिम | | २ लाख | १ | १ | | | |
| ४ | खाडीको कपडा तयार गर्न तालिमको | | ५ लाख | २ | ३ | | | |
| ५ | बाल विवाह न्यूनीकरणको लागि कानूनी साक्षरता कक्षा विद्यालयमा संचालन | | ३ लाख | २ | २ | १ | | |
| ६ | महिला तथा पुरुष साक्षरता तालिम | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| ७ | अपाइहरूको लागि सिप विकास तालिम | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|--|--------|----|----|---|---|--|
| ८ | मालमा बुट्टा भर्ने, गुडिया बनाउने, खाडीको लागि अल्लो सम्बन्धि कपडा बुन्ने तालिम को व्यवस्था गर्ने । | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ९ | आमा समुहरुलाई सक्रिय बनाउन तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| | जेष्ठ नागरिकको लागि भवन निर्माण गर्ने | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---|-----------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तल्लो सिर्वाड खेल मैदान तथा कर्भडहल | | १ करोड | ५० | २५ | २५ | | |
| २ | कृशिनधारा खेलमैदान निर्माण | | ५ लाख | ३ | १ | १ | | |
| ३ | खोलानाथ धारा खेलकुद मैदान निर्माण | | ५ लाख | ३ | १ | १ | | |
| ४ | भलिवल प्रशिक्षण तालिम | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| ५ | हर्मी खेल प्रशिक्षण | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| ६ | कराते प्रशिक्षण | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| ७ | वडास्तरीय खुल्ला पुरुष तथा महिला बृहत खेलकुद कार्यक्रम | | ५ लाख | १ | १ | १ | २ | |

विषयगत उपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य र सांस्कृति वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|-----------------------|-----------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मगर भाषाको संरक्षण | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| २ | दोहोरी गितको संरक्षण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ३ | मारुनी नाँचको संरक्षण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ४ | भाकी नाँचको संरक्षण | | २ लाख | १ | १ | | | |
| ५ | सारगी नाँचको संरक्षण | | २ लाख | १ | १ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--|-----------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बहाने लिगा रोल्या सहित सानो स्मृति मार्ग कालो पत्रे तथा निर्माण | | ५ करोड | २ | २ | ५० | ५० | |
| २ | बोक्सीधारा वडा कार्यालय मोटरबाटो स्तरोन्तती तथा कालो पत्रे | | २ करोड | १ | ५० | ३० | २० | |
| ३ | फाउने पोखरी स्याउलीवाड सडक खण्ड | | ३ करोड | १ | १ | ५० | ५० | |
| ४ | सिलिखन फाउने पोखरी मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | सिलिखन कुर्तिवाड मोटर बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ३ | २ | |
| ६ | पिनरा डाडा कटेरी कालीमाथि मोटर बाटो | | २ करोड | १ | ५० | ३० | २० | |
| ७ | डाडा कटेरी काटे मोटर बाटो | | २५ लाख | १५ | ५ | ३ | २ | |
| ८ | गतिना डाडाखर्क मोटर बाटो | | १ करोड | ५० | २५ | १५ | १० | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|--------|----|----|----|----|--|
| १ | पतौती भाचुपानी मोटर बाटो | | ६० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| १० | तालेघर मसिना तल्लो बुधे पोखरी वेवाड मोटर बाटो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| ११ | स्वास्थ्य चौकी ओखरपातला मोटर बाटो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| १२ | मरौटी प्रधान टोल मोटर बाटो | | ३० लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| १३ | गोबटे पानी भैसा राखे मोटर बाटो | | ३० लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| १४ | सल्लाबोट भैसारा राखे तिनचुले मोटर बाटो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| १५ | कुर्तिवाड सरीमा घोरेटो बाटो | | ५० लाख | २५ | १० | १० | ५ | |
| १६ | बुधेपोखरा भेडाखोर मोटर बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| १७ | बराथान थातीहाले नयाँपुक घोरेटोबाटो | | २५ लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| १८ | खुरझी उद्धन्ने डाँडा तिनचुले घोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| १९ | नयाँ विसौना सिरुवाङ्ग मोटरबाटो | | २५ लाख | १५ | ५ | ५ | | |
| २० | खाल पातौती सिम मोटरबाटो | | २५ लाख | १५ | ५ | ५ | | |
| २१ | पिनरा किम्नाबोट घोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| २२ | डाडां कटेरी ओखर पाटन नौधारी चुले घोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| २३ | डाडा कटेरी हात्ती दुङ्गा घोरेटो बाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| २४ | सुडरा सिद्धथान घोरेटोबाटो | | ३० लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| २५ | टुम्काखोला आरोपार घोरेटोबाटो | | ३० लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| २६ | २६) खरबारे खानीपाखा सुरल दुङ्गा घोरेटोबाटो | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| २७ | २७ दल्लेखोला झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| २८ | सिमामोर खोला झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| २९ | सिरनंरी खोला झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| ३० | रावड खोला झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| ३१ | खुरुखोला झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| ३२ | तुम्काखोला झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| ३३ | चिप्लेफेद झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| ३४ | चारबास झोलुङ्गे पुल | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० | |
| ३५ | पिनरा डाडाकटेरी बुधेपोखरा काटेडामी मोटरबाटो स्तरोउन्नती | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ३६ | राडीवाड अन्धनासक मा.वि. घोरेटो बाटो | | ५ करोड | ३ | १ | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण

वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | जोखिममा परेका वस्तीहरूलाई एकीकृत बनाई नमुना वस्ती निर्माण गर्ने | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| २ | मनकामाना सामुदायिक भवन निर्माण गर्ने | | १ करोड | ५० | २५ | २५ | | |
| ३ | तिनचुले सामुदायिक बन कार्यालय भवन निर्माण गर्ने | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बन तथा जैविक विविधता वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|-----------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सामुदायिक बन को भवन निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बोक्सीधारा कुरभाड गहिराटोल तारजाली तथा मेशेनरी बाल निर्माण | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २ | पिनरा मझुवा तार जाली सिलिधन पातलो खोला तार जाली | | १ करोड | ५० | २० | २० | १० | |
| ३ | सिलिधन पातलो फाल्ने खोला तार जाली | | ६ लाख | २ | २ | २ | | |
| ४ | राना खाई खोला तल्लो खन्नो खोला मरैती खोला ओखर फेदखोला, धारा टोल साउने पानी, चारवास खोला, पिरीखोला भूमेथान रावड खोला, खोरबारे दावा घुम्सी हातेपाता गैराटोल तार जाली धाक्रौ, रिङीवाड, दारे, रिङीवाड तार जाली, असारे धारा मेशिनरी बाल | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : बातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | ल्याण्ड फिल्को व्यवस्था गर्ने | | ८० लाख | ८० | | | | |
| २ | धुवारहित चुलोको व्यवस्था | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ३ | वृक्षारोपण नर्सरी तथा विड खरिद | | १० लाख | २ | ४ | ४ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं. २

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | अग्नी रेखा बनाउने | | २० लाख | १० | १० | | | |
| २ | पहिरो नियन्त्रण तार जालीको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

वडा नं. ३

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास वडा नं. ३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | |
|--------|-----------------------------------|--------------------------|-----------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | गैराघर गुरुङटोल कृषि समुह | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| २ | सिन्दुरपानी तरकारी खेती समुह | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | लाली गुँरास ताजा तरकारी कृषि समुह | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ४ | रातापानी कृषि समुह | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|--------|----|----|----|----|--|
| ५ | लालीगुरास कृषि समुह | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | सुन्तला , कागती केरा, किभी, | | ७५ लाख | ३० | २० | २५ | | |
| ७ | धान , गहु मके, कोदौ, भटमास, जौ साथै रैथाने बाली संरक्षण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ८ | आलु, गोबी टमाट, बोडी सिमी, हरियो साग खेतीको लागि | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ९ | अदुवा वेसार अलैची प्याज लसुन | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| १० | कोल्ड स्टोर निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ११ | कृषि प्राविधिको व्यवस्था | | ७ लाख | ७ | | | | |
| १२ | माटो परीक्षण | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| १४ | मल विठ विजन नसरीको व्यवस्था | | ५० लाख | २० | २० | १० | | |
| १५ | बजारको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ३ | २ | | |
| १६ | कृषि तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपंक्तीपालन वडा नं.३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | कृषकको घर घरमा कृषि प्राविधिक | | ५० लाख | १५ | १५ | १० | १० | |
| २ | आधुनिक खोर तथा धाँस खेतीको | | ५० लाख | १५ | १५ | १० | १० | |
| ३ | उन्नत खालको व्याड तथा पशु | | ५० लाख | १५ | १५ | १० | १० | |
| ४ | लेक बेसी कृषि तथा पशुपालन समुह | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ५ | गैरी धारा कृषि तथा पशुपालन समुह | | ६० लाख | २० | २० | २० | | |
| ६ | भैसीपालन | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ७ | बाखापालन | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ८ | कुखुरापालन | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ९ | बंगुरपालन | | ५० लाख | १५ | १५ | १० | १० | |
| १० | माछपालन | | ५० लाख | १५ | १५ | १० | १० | |
| ११ | मौरीपालन | | २५ लाख | १५ | ५ | ५ | | |
| १२ | सगरमाथा बाखा पालन | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |

विषयगत उपक्षेत्र : सिंचाइ पूर्वाधार वडा नं.३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | पुल्चीवाङ्ग बराह थान लिफ्ट सिंचाई | | ३ करोड | १ | १ | ५० | ५० | |
| २ | मुलघाट गत्लाने लिफ्टीड सिंचाई | | ६ लाख | २ | २ | २ | | |
| ३ | दोधाने धागु चुकबोट दाम्लाङ्ग सिंचाई | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ४ | दोडेखोला एयरबाड धारावाड सिंचाई | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ५ | दम्चे खोला लिवाड सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

| | | | | | | | | |
|----|-----------------------------|--|--------|----|----|----|---|--|
| ६ | काफल बगर सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ७ | धरवाड सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ८ | लचिनडाली खहरे सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ९ | थम्बे दामडाडा सिंचाई आयोजना | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| १० | काईया खोला रिठाघाट सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ११ | भमरा सिंड सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| १२ | जलजले सिंचाई | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| १३ | रुन्जाखोला सिंचाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| १४ | घणटी हेजवाड सिंचाई | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| १५ | खानेगाउँ झाकी टोल सिंचाई | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १६ | बरा थान सिंचाई पोखरी | | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| १७ | प्लाष्टिक पोखरी निर्माण | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन विकास बडा नं.३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | |
|--------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष |
| १ | बरा मन्दिर घेराबारा निर्माण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ |
| २ | भूमिथान मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| ३ | सिद्धथान मन्दिर मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| ४ | बराथान एरवाड मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| ५ | भूमिथान मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| ६ | मगर भाषा संरक्षण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ |
| ७ | आहा दुङ्गा पर्यटकीय क्षेत्र | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ |
| ८ | मागीमेला मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| ९ | थम्बेधनवराह मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| १० | रिठाघाट सराय मेला मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| ११ | गुरुङ रामथला मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| १२ | रातापानी कुल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| १३ | सिमपुन कुल मन्दिर निर्माण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ |
| १४ | अस्वाङ्ग कुल मन्दिर निर्माण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ |
| १५ | बैरागी रम्जाली बुढा मगर कुल पुजा मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| १६ | तौर वितालु कुल पूजा मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| १७ | काफल बुटा दोडे बुढा मगर कुल पुजा मन्दिर निर्माण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ |
| १८ | बराथान घोघाटने लिवाज पुन कुल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| १९ | भवने मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| २० | रुपाकोट र रुम्माङ्ग पुन मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| २१ | भुसधारा मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| २२ | बराह कुल दाम्लाङ्ग गमाल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |
| २३ | तल्लो कुल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|-------|---|---|---|---|--|
| २४ | आम्रीटोल कुल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २५ | जिम्माल टोल कुल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २६ | दुर्गा भिम्प मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २७ | अग्रजा घर्तीकुल मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २८ | कैलु वराह टोमटा स्कूल धारा भिम्प मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्तिव्यवस्था वडा नं. ३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | भवन निर्माण मिलिजुली अल्लो लघउद्यमी | | ३५ लाख | १० | १० | १० | ५ | |
| २ | ताना लगाउने मेशिन र अल्लोपकाउने | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | सिलाउने मेशिन | | २ लाख | १ | १ | | | |
| ४ | ईन्टरलक | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ५ | बजारको व्यवस्था | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ६ | सिलाई कटाईको मेशिन मर्मत तालिम | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ७ | अल्लो सम्बन्धि थप तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं. ३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रगतिशिल साना किसान कृषि समुह सहकारी संस्थाको भवन निर्माण | | ३५ लाख | १५ | १० | १० | | |
| २ | वित्तीय साक्षरता सम्बन्धि तालिम | | १ लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ३ | मौसमी बेमौसमी तरकारीको वित्त विजन | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिक आप्रवासन वडा नं. ३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मोवाईल ममृत तालिम | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| २ | ईलेक्ट्रीसियन तालिम | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| ३ | कुकिङ तालिम | | ५ लाख | २ | १ | २ | | |
| ४ | फर्निचर तालिम | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं. ३

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | |
|--------|------------------------|--------------------------|-----------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | श्री बराह मा.वि. | | | | | | | |
| १ | आई.सी.डी इन्टरनेट जडान | | ७ लाख | ७ | | | | |
| २ | शौचालय निर्माण | | ८ लाख | ८ | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|----------------------------------|--|---------|----|----|----|----|--|
| ३ | घेरावारा निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ४ | स्वच्छ खानेपानी | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| ५ | चारकोठे पक्की भवन | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| ६ | दिवाखाजा रकम थप | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | |
| ७ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ८ | भवन मर्मत | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ९ | शिक्षक संख्या थप | | | | | | | |
| १० | छात्रवृति योजना | | ५० हजार | ५० | | | | |
| ११ | सेनेटरी प्याड | | २ लाख | २ | | | | |
| १२ | नसिङ्ग सेवा | | १ लाख | १ | | | | |
| १३ | +२ संचालन | | १० लाख | १० | | | | |
| | बराह थान बालविकास | | | | | | | |
| १४ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १५ | खानेपानी निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १६ | मर्मत तथा रडरोगन | | २ लाख | २ | | | | |
| १७ | शैक्षिक समाग्री कार्पेट | | ५० हजार | ५० | | | | |
| १८ | घेरावार | | २ लाख | २ | | | | |
| | ठण्डा आ.वि | | | | | | | |
| १९ | आई.सी.डी इन्टरनेट जडान | | १ लाख | १ | | | | |
| २० | शौचालय निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| २१ | घेरावारा निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| २२ | स्वच्छ खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २३ | चारकोठे पक्की भवन | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| २४ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २५ | विज्ञान प्रयोगशाला | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २६ | शिक्षक संख्या थप | | | | | | | |
| २७ | छात्रवृति योजना | | | | | | | |
| २८ | सेनेटरी प्याड सहित शौचालय | | १५ लाख | १५ | | | | |
| २९ | शिक्षक विद्यार्थी स्वास्थ्य जाँच | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३० | खेलकुद मैदान निर्माण | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ३१ | फर्निचर निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| | श्री नेपाल राष्ट्रिय प्रा.वि. | | | | | | | |
| ३२ | ४ कोठे पक्की भवन निर्माण | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| ३३ | शौचालय निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३४ | फर्निचर निर्माण | | ७ लाख | ५ | २ | | | |
| ३५ | शिक्षक थप | | ८ लाख | २ | २ | २ | २ | |
| ३६ | बालविकास कोटा थप | | | | | | | |
| ३७ | भवन मर्मत | | १० लाख | १० | | | | |
| ३८ | इन्टरनेट जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३९ | खानेपानीको व्यवस्था | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ४० | विद्यालय तटबन्ध | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ४१ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४२ | नया बाल विकास निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ४३ | दिवाखाजा रकम थप | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ४४ | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|---------|----|----|----|----|--|
| ४५ | विषयगत शिक्षक थप | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४६ | छात्रवृत्तिको व्यवस्था | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| | श्री सिद्धेश्वरी प्रा.वि | | | | | | | |
| ४७ | २ कोठे पक्की भवन निर्माण | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| ४८ | शौचालय निर्माण | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ४९ | घेराबारा निर्माण | | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| ५० | शिक्षक थप | | | | | | | |
| ५१ | भवन रडरोगन | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ५२ | भवन मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५३ | ईन्टरनेट जडान | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ५४ | खानेपानीको व्यवस्था तथा धारा निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५५ | विद्यालय ठल निकास | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५६ | शैक्षिक समाग्री खरिद तथा खेलकुद समाग्री खरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५७ | रेलिड सहित बाटो निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५८ | खेलमैदान निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५९ | हिमशिखर प्रा.वि. | | | | | | | |
| ६० | २ कोठे पक्की भवन निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ६१ | शौचालय निर्माण | | ८ लाख | ८ | | | | |
| ६२ | घेराबारा निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ६३ | शिक्षक थप | | ७ लाख | ७ | | | | |
| ६४ | बालविकास शैक्षिक समाग्री | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ६५ | नयाँ बालविकास निर्माण | | ५० लाख | २० | १५ | १० | ५ | |
| ६६ | ईन्टरनेट जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६७ | खानेपानीको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६८ | विद्यालय तटबन्ध | | १० लाख | १० | | | | |
| ६९ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ७० | छात्रवृत्तिको व्यवस्था | | ५० हजार | ५० | | | | |
| ७१ | स्वास्थ्य शिक्षाको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७२ | दिवाखाजा रकम थप | | ४ लाख | ४ | | | | |
| ७३ | पुस्तकालय निर्माण | | २ लाख | २ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बर्थिड सेन्टरको व्यवस्था | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| २ | दक्ष कर्मचारीको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | एम्बुलेन्स खरिद | | २५ लाख | २५ | | | | |
| ४ | गाउँधर विलिनिक भवनको व्यवस्था | | २५ लाख | २५ | | | | |
| ५ | धामिभाकीहरुलाई तालिमको व्यवस्था | | २ लाख | २ | | | | |
| ६ | फोहोर व्यवस्थापन | | ५ लाख | ५ | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---------------------------|--|--------|----|--|--|--|--|
| ७ | स्वास्थ्य ईकाईको व्यवस्था | | २० लाख | २० | | | | |
| ८ | घेरावारा | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| | | | | | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई वडा नं. ३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | |
|---------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष |
| १ | तिनखोली खानेपानी | | २ करोड | ५० | ५० | | |
| २ | धारागाउँ आ.वि.टी. सहित धारा निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | |
| ३ | सिउरे भिर लिवाङ्ग खानेपानी | | ५० लाख | ३० | २० | | |
| ४ | घण्टेखोला बराह मा.वि.खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | |
| ५ | प्राग्राताल खानेपानी | | ५० हजार | ५० | | | |
| ६ | ढगाङ्गुरे रुवावाड | | ३ लाख | ३ | | | |
| ७ | सिस्तेरी खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| ८ | उपल्लोधरेड खेली | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | |
| ९ | तल्लो धरेड खेली | | ५ लाख | ५ | | | |
| १० | डोरखोला खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| ११ | घण्टेखोला धरेन तिनखोला | | ५ लाख | ५ | | | |
| १२ | लिदि खोला खानेपानी | | २ लाख | २ | | | |
| १३ | पाग्राताल खानेपानी योजना | | ६ लाख | ६ | | | |
| १४ | भागोछहरे मुल मर्मत | | ३ लाख | ३ | | | |
| १५ | छहरा खोला खानेपानी मर्मत | | ५० हजार | ५० | | | |
| १६ | ओखलदुङ्गा धारो निर्माण | | २ लाख | ५० | | | |
| १७ | गुरासे तिनखोली खानेपानी | | १ करोड | ५० | ३० | १० | १० |
| १८ | तल्लो ठगलुड खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| १९ | बगर खानेपानी | | १ लाख | १ | | | |
| २० | ढाक्काड खानेपानी | | २ लाख | २ | | | |
| २१ | फुर्सापाता खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| २२ | नयाँ वस्ती खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| २३ | भिरकुना खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | |
| २४ | तौर जुगे खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | |
| २५ | धरेनखोला खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | |
| २६ | तासखोला खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| २७ | तिनखोली गँरासे खानेपानी | | २० लाख | २० | | | |
| २८ | जलजले खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | |
| २९ | लोरेथुङ्गा पुतलीवाङ्ग खानेपानी | | ३ लाख | ३ | | | |
| ३० | उपल्लो धरेडखोली खानेपानी | | १५ लाख | १० | ५ | | |
| ३१ | उपल्लो पधेरा खोला खानेपानी | | १५ लाख | १० | ५ | | |
| ३२ | रुपाकोट खानेपानी | | १५ लाख | १० | ५ | | |
| ३३ | ठूलावन धरेनखोला खानेपानी | | १५ लाख | १० | ५ | | |
| ३४ | घण्टी खोला हेरजवाड खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|--|--|--|--|
| ३५ | बरस खोला खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३६ | नवबन्धोला खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३७ | खलारखान दुई ताल हुडै रुपाकोट भेडाखोर स्कूलधारा जिम्माल टोल बरेस खोला कोटधारा टोल खानेपानी | | ५० लाख | ५० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण वडा नं. ३

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सबै महिलाहरुलाई सक्रिय रूपमा विभिन्न कार्यक्रम तथा तालिममा सहभागी बनाउने | | १ लाख | १ | | | | |
| २ | महिलाहरुलाई आर्यर्जनमा सहभागी गराई सक्रिय बनाउने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | सबै तहमा सबै जातजातीका महिलाहरुलाई समवेश गरी कार्यक्रम तथा योजनाहरु सम्पन्न गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | सीप विकास तालिमको लागि थप कोटाको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | ज्यालादरमा एकरूपता कायम गर्न विभिन्न कार्यक्रम संचालन गरी जनचेतना जगाउने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | सबै तहमा महिला आरक्षणको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | महिलाहरुलाई सहकारीबाट आयआर्जन सम्बन्धि कायेक्रमहरु संचालन गर्ने व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | कानूनी सचेतना तालिम को व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | दलित जनजातीको आरक्षण कोटा थप गर्ने र जातिय विभेद सम्बन्धी कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १० | व्यवसायिक तथा राजनितिक क्षेत्रमा अपाङ्गको प्रतिनिधित्व गराउने कार्यक्रम गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | जेप्छ नागरिकलाई सुरक्षा भत्ता घरमै उपलब्ध गराउने साथै जेप्छ नागरिकलाई धार्मिक भ्रमणको व्यवस्था गर्ने | | ५ | ५ | | | | |
| १२ | व्यवसायिक तथा राजनितिक क्षेत्रमा अपाङ्गको प्रतिनिधित्व गराउन कार्यक्रम | | ५ | ५ | | | | |
| १३ | महिलाहरुको लागि ढाका बुनाई, सिलाईकटाई, स्वीटरबुनाई, व्युटीपार्लर, प्रपोजल लेखन जस्ता विभिन्न तालिमको यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद वडा नं. ३

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|--------|---|---|--|--|--|
| १ | बेरोजगार युवाहरुलाई स्वरोजगारमुलक तालिमको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | लोपोन्मुख स्थानीय खेलहरुको संरक्षण गरी वडास्तरमा खेलमैदानको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | निर्णय तहमा युवाहरुलाई सहभागी गराउने | | ५ | ५ | | | | |
| ४ | राजनितिक क्षेत्रमा युवाहरुलाई सहभागी गराउन जनचेतनामुलक कार्यक्रम | | २ लाख | २ | | | | |
| ५ | खेलहरुको लागि तालिम र प्रशिक्षकको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | फुटबल, भलिवल आदि खेलको लागि उपयुक्त खेलमैदान निर्माण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | स्थानीय स्तरमा राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय खेलाई उत्पादन गर्ने व्यवस्था गर्न विभिन्न कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य र संस्कृति वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्थानीय भाषा जात जाति अनुसारको विद्यालयमा पठन पाठनको लागि व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | लोपउन्मुख चाडपर्व भेष भुषा संस्कृतिको संरक्षण गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | ऐतिहासिक पुरात्वातिक धार्मिक घुम्बा मठमन्दिर, लोपहुदै जाने अवस्था भएको हुदौ यसको संरक्षणको लागि विज्ञहरुको सल्लाह र सुझावमा संरक्षण गर्ने । | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | पुराना लोपन्मुख कलाकृतिहरुको खोजी तथा अनुसन्धानको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | बाजा विभिन्न नाच र परम्पराको संरक्षण गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मुलथान बराहथान मोटरबाटो | | १ करोड | ६० | २० | १० | १० | |
| २ | मुलघाट रिठाघाट ने.रा . प्रा.वि. हुदै काफलबुटा, हिमशिखर भाकीदुगा ढोरपाटन मोटरबाटो | | १ करोड २० लाख | ७० | २० | २० | १० | |
| ३ | मुलघाट धावाङ्ग मन्दिर धारा मा. वि.मोटरबाटो | | ५० लाख | ३० | १० | १० | १० | |
| ४ | मुलघाट सारिवाङ्ग सिद्धेश्वरी भाकीदुगा मोटरबाटो | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|--------|----|----|----|----|--|
| ५ | बराह थान राजिन माथिल्लो विसौना झाकीदुङ्गा मोटरबाटो | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ६ | कुन्धारा ढाकलाङ्ग भुमेथान मोटरबाटो | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | |
| ७ | सारिवाङ्ग पुलीवाङ्ग हुदै भुमेथान मोटरबाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ८ | बराह मा.वि. सल्लावाङ्ग वाल विकास मोटरबाटो | | ६० लाख | १५ | १५ | १५ | १५ | |
| ९ | खानीगाउँ तल्लो घाडु मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १० | रुम्बाङ्ग फरउती मोटरबाटो | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ११ | ने.रा. प्रा. वि. लिस्न्लाने मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | २ | १ | २ | |
| १२ | ऐरावाङ्ग गम मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | २ | २ | १ | |
| १३ | ऐरावाङ्ग भोलतासे कुकुर च्यान झाकी दुङ्गा मोटरबाटो | | ६० लाख | २० | २० | १० | १० | |
| १४ | ऐरावाङ्ग काफल बुड्ठा स्याउलीवाङ्ग मोटरबाटो | | ६० लाख | २० | २० | १० | १० | |
| १५ | लिही पुलीवाङ्ग मोटरबाटो | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १६ | विस्नाधारा मास्थला मोटरबाटो | | १० लाख | ४ | ३ | ३ | | |
| १७ | तौर देखि कुकुर च्यान गोरेटो बाटो | | ७ लाख | ४ | ३ | | | |
| १८ | कुकुर च्यान देखि हिमशिखर प्रा.वि. घोरेटो बाटो | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १९ | रातापाती फल्लार ठूलाबन मोटरबाटो | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २० | सरिवाङ्ग उपल्लो धम्चे मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २१ | रुन्जाधारा देखि ओखलदुङ्गा मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २२ | रुन्जा देवी छहराखोला दल्ले पुखोरे गोरेटो बाटो | | ७ लाख | ५ | २ | | | |
| २३ | धम्चे खोला मास्याला गोरेटो बाटो | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २४ | बागदुला वहाने हुदै काइया सार्वजनिक यातायात | | १ करोड | ५० | ४० | ५ | ५ | |
| २५ | बागदुला वहाने हुदै समथल सार्वजनिक यातायात | | १ करोड | ५० | ४० | ५ | ५ | |
| २६ | बागदुला वहाने सारिवाङ्ग सार्वजनिक यातायात | | १ करोड | ५० | ४० | ५ | ५ | |
| २७ | बागदुला वहाने सारिवाङ्ग सार्वजनिक यातायात | | १ करोड | ५० | ४० | ५ | ५ | |
| २८ | बागदुला वहाने फिष्प सार्वजनिक यातायात | | १ करोड | ५० | ४० | ५ | ५ | |
| २९ | स्तरउन्ती तथा नाली निर्माण | | १ करोड | ५० | ४० | ५ | ५ | |
| | पुलपुलेसा | | | | | | | |
| ३० | फुर्सा पहरा झोलुङ्गेपुल निर्माण | | २५ लाख | १० | १० | ५ | | |
| ३१ | खोला खर्क झोलुङ्गेपुल निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ३२ | सिमामाहेर झोलुङ्गेपुल निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३३ | कुन्धारा झोलुङ्गेपुल निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३४ | बलावाड झोलुङ्गेपुल निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३५ | डोडेखोला झोलुङ्गेपुल निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३६ | छावाड झोलुङ्गेपुल निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३७ | रिठाधाट पक्की पुल निर्माण | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| ३८ | राजिम घाट झोलुङ्गेपुल निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

| | | | | | | | | |
|----|----------------------------------|--|---------|----|---|---|---|--|
| ३९ | ढाक्काड पक्की पुल | | १० करोड | ४ | २ | २ | २ | |
| ४० | रिठाघाट ठुलो खोला पक्की पुल | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| ४१ | निनुखर्क लिस्नुलाने भोलुङ्गे पुल | | ५० लाख | ३० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | वडा कार्यालय भवन | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २ | आधारभूत स्वास्थ्य ईकाई | | ३०लाख | १५ | १५ | | | |
| ३ | वडास्तरीय सभाहाल निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ४ | कृषकहरूको लागि चिस्यान भवन निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ५ | खोपकेन्द्र निर्माण साविक ९ मा | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ६ | साविक ५ मा दुर्गामन्दिर निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ७ | वडास्तरीय २ वटा सी.डी एम सी. भवन | | ८० लाख | ४० | २० | २० | | |
| ८ | खत्री भाई बन्दुको देउली मन्दिर | | ८० लाख | ४० | २० | २० | | |
| ९ | जनजाती सग्रालय भवन बराह थान | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १० | लयरे प्रतिक्षालय | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ११ | बराहथान प्रतिक्षालय | | ४० लाख | २० | १० | १० | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | टान्सफमर थप गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | प्रत्येक टोलमा विद्युतीय थ्रीफेज सहित लाईन विस्तार गर्ने | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सूचना तथा सञ्चार प्रविधि वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-----------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | टेलिकम टावरको निर्माण गर्ने | | २० लाख | १० | १० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बन तथा जैविक विविधता वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | उन्नत जातका वित्त वेर्ना उपलब्धि गराउने | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| २ | कृषि औजारहरूको व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ३ | अग्नीरेखा निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | बनको भवन निर्माण गर्ने | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ५ | ठाँउ अनुसारको विरुद्ध उपलब्धि गराउने | | १० | ५ | ५ | | | |
| ६ | वृक्षारोपणमा अग्रसर गराउने | | १० | ५ | ५ | | | |
| ७ | जडीबुटीको लागि प्रशोधन तथा | | ५० लाख | २० | १० | १० | | |

| बजारको व्यवस्थापन गर्ने | | | | | | | | |
|-------------------------|---|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|----------------|--------------|---------------|
| क्र.सं. | | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | रिठाघाट बैरागी तटबन्धन | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| २ | धम्चे पहिरो | | १ करोड | ५० | २० | २० | १० | |
| ३ | रुमवाङ्ग लिही | | २० लाख | १० | ५ | ३ | २ | |
| ४ | सारीवाङ्ग छहरा पुल्लवाङ्ग | | २० लाख | १० | ५ | ३ | २ | |
| ५ | रिठाघाट नदी नियन्त्र | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| ६ | धम्चे खोला | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| ७ | भिम्प पुच्छरा देखि ईनारखोला | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| ८ | सिमकोट तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| ९ | धावाङ्ग टुरछरे तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| १० | काफल बगर खेत तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| ११ | बलवाङ्ग खेत नदी नियन्त्रण | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| १२ | लिवाङ्ग पीउ ठुलो खेत नदी नियन्त्रण तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| १३ | रातापानी वस्ती संरक्षण | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| १४ | सानो रुन्जा खेत तनटबन्धन | | १० लाख | ५ | ३ | १ | १ | |
| १५ | ठूलो रुन्जा वस्ती संरक्षण तटबन्धन | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| १६ | ओखलढुगा वस्तीमा सार्वजनिक पोखरी निर्माण | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| १७ | सिमखोला देखि ईनार खोला तटबन्धन | | १ करोड | ५० | २० | २० | १० | |
| १८ | काफल बगर खेत तटबन्धन | | २५ लाख | १५ | ५ | ५ | | |
| १९ | सानोखोला लिही खोला तटबन्धन | | २५ लाख | १५ | ५ | ३ | २ | |
| २० | घगु ओखलढुगा वस्ती | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २१ | थाप्लुङ्ग वस्ती तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २२ | लिम्बुवाङ्ग वस्ती तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २३ | कतीवरस्ती भिम्प तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २४ | पुलीवाङ्ग वस्ती तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २५ | बेड वस्ती तटबन्धन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २६ | ठुलाबन तटबन्धन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २७ | ओखलढुगा खोला तटबन्धन | | २० लाख | १० | ५ | ३ | २ | |
| २८ | सारीवाङ्ग गहिराहा तटबन्धन | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| २९ | सारीवाङ्ग सुन्तला बारी तटबन्धन | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ३० | मुलघाट रिठाघाट नदी नियन्त्रण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३१ | रिठाघाट डारलाङ्ग नदी नियन्त्रण | | १ करोड | ५० | ३० | २० | | |
| ३२ | सिन्धुपानी खोला नियन्त्रण | | २ करोड | १ | ५० | ५० | | |
| ३३ | बेड खानीगाउँ नदी नियन्त्रण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ३४ | घागुखोला नदी नियन्त्रण | | १ करोड | ५० | ३० | २० | | |
| ३५ | ठगलुङ्ग खोला | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : वातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सुधारिएको चुलो निर्माणको लागि तालिम व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २ | मोटरबाटोको साईड साईडमा प्रवाहरु लगाउने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | चिम्मी सहितको फलामे चुलोको व्यवस्था गर्ने प्रत्येक घर रिवारलाई | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | कुहिने र नक्हिने फोहोर छुट्टाउने व्यवस्था गर्ने साथै ठाड़ ठाउमा डस्वीनको वितरण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | डस्वीनको व्यवस्था गर्ने प्रत्येक घर परिवारलाई | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | हरित पार्कको निर्माण गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | ल्याण्डफिल साईडको व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रत्येक टोलमा प्राथमिक उपचार केन्द्र स्थापना गर्न बजेटको व्यवस्था गर्ने | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २ | आपतकालिन उद्धार योजना बनाउने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | बडामा आपतकालिन विपत व्यवस्थापन कोष स्थापना गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | वस्ती स्तान्तरण गर्न बजेटको व्यवस्थापना गर्ने | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ५ | विपत व्यवस्थापन सम्बन्धि तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | निजीक्षेत्रको सहकार्यमा कार्यक्रम आयोजना संचालन सिपमुलक तथा आय आर्जन संग सम्बन्धित तालिम | | ५० लाख | २० | २० | १० | | |
| २ | वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालन | | २० लाख | ५ | १० | ५ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : मानव संशोधन, संस्थागत विकास तथा सेवा प्रवाह वडा नं.३

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सि.सि.सि.सिं क्यामेरा, आईसीटीको तथा विद्युतीय हाजीरीको व्यवस्था | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २ | खानेपानी को व्यवस्थापन | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ३ | बडाकार्यालय भवन घेरावारा | | २ लाख | २ | | | | |

वडा नं.४

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास

वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खवाङ्ग ४ को ४०० रोपनीमा मकै, धान ,गहु अलैची, आलू, कोदो ,वेसार, अदुवा,चिया,दाते ओखर , काफि, खुसानी ,तोरी, भटमास आदिको लागि व्यवस्थित उत्पादनको लागि | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २ | ठूला सीउ साना सिउ खोर पहिरो | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | ठूला सीउ साना सिउ अदुवा खेती | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | ठूला सीउ साना सिउ खोर आलू | | १५ लाख | १० | ५ | | | |
| ५ | कृषि प्राविधिकको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | कृषि तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | वित्त विजन मल किटनाशक औपधीको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपंक्षीपालन वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | उन्नत जातका पशुपंक्षी बजार व्यवस्थापन र पशु विमा | | १ करोड | ५० | २५ | २५ | | |
| २ | पशु प्राविधिक को व्यवस्था गर्ने | | ७ लाख | ५ | २ | | | |
| ३ | तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | बजारको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सिंचाइ पूर्वाधार वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | भुङ्डी दाकस खोलाको सिंचाई कुलो | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| २ | भुङ्डी लमपाटा सिंचाई कुलो | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ३ | ओखरखोला बय सिंचाई कुलो | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ४ | ठूलो खोला देखि ..भुस्थारा लिफट | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ५ | खवाङ्ग सिंचाई कुलो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | भुङ्डीखोला मथधारा हुदै साडराड मोला सिंचाई कुलो | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ७ | उपल्लो खालीवाङ्ग सिंचाई कुलो | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ८ | माहुखोला खोरखेत सिंचाईकुलो | | ५ लाख | ५ | ५ | | | |
| ९ | मिजाकोट सिंचाई कुलो | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| १० | भुङ्डी गमारुक खोला देखि लाम्पाटा सम्म सिंचाई कुलो निर्माण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ११ | भुङ्डी नौबहिनी र गौमुखीको सिमानामा रहेको सिंचाई कुलो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

| | निर्माण | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|----|----|--|--|
| १२ | भुडदी गमारुक देखि पोखरी बय | | २० लाख | १० | ५ | | | |
| १३ | भुडदी खोला तल्लो बय सिंचाई कलो निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १४ | ठूला सिउ सिंचाई कुलो' | | १० | ५ | ५ | | | |
| १५ | भुडदी खोला धादुड लुधे विरौटा रोटेपानी सिंचाई | | ४० लाख | २० | १० | १० | | |
| १६ | निलो रह लोरिबाङ्ग सिंचाई निर्माण | | ५० दाख | २५ | २५ | | | |
| १७ | भुडदीखोला गोगन पानी रोटेपानी सिंचाई | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन विकास वडा नं. ४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | कुखुरीथान भ्युटावर निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २ | भोकर गारे गुफा निर्माण | | १५ करोड | ५ | ५ | ३ | २ | |
| ३ | बोक्सा चौतारा भगने बन्जि पुल निर्माण | | १० करोड | ५ | ३ | १ | १ | |
| ४ | ठुला खेत देखि एकराते पदमार्ग तथा भ्युटावर निर्माण | | १५ करोड | ५ | ५ | ३ | २ | |
| ५ | मुलघाट बुखुरे थान पदमार्ग तथा पर्यटन प्रवर्द्धन | | १० | ५ | ३ | १ | १ | |
| ६ | भुदी खोला भरना देखी बाघ खोर फाल हाल्ने पदमार्ग तथा भ्युटावर निर्माण। | | १ करोड | ३० | २५ | २५ | २० | |
| ७ | मुलघाट चोरमल गरगरे पदमार्ग तथा भ्युटावर | | २० करोड | १० | ५ | ३ | २ | |

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा तथा आपूर्तिव्यवस्था वडा नं. ४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सिलाई कटाई | | १५ लाख | १० | २ | २ | १ | |
| २ | वुटिङ्ग | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | व्युटिपार्लर | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | ढाका बुनाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५ | आरन व्यवसाय र डेरी उद्योग संचालन | | ५० लाख | | २० | १५ | १५ | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं. ४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रगतिशिल साना किसान सहकारी संस्था लि. | | २ करोड | १ | १ | १ | | |
| २ | भूमे वराह सामुदायिक बचत तथा ऋण सहकारी संस्था | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिक आप्रवासन वडा नं. ४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ | अनुमानित कूल लागत |
|---------|----------------------|--------------|-------------------|
|---------|----------------------|--------------|-------------------|

| | | तथा उपलब्धि | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
|---|---|-------------|----------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| १ | उद्योग संचालन सिप विकास तालिम, क्षमता अभिवृद्धि तालिम, विभिन्न सिपमुलक तालिमहरू | | ५ करोड | | २ | १ | १ | १ |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | दुर्गा प्रा.वि. | | | | | | | |
| १ | भवन निर्माण | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| २ | विज्ञान प्रयोगशाला | | ७ लाख | ४ | ३ | | | |
| | श्री इन्द्र प्रा. वि. | | | | | | | |
| ३ | शौचालय निर्माण | | ७ लाख | ३ | ४ | | | |
| ४ | छाना मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | घेरावारा निर्माण | | १२ लाख | ६ | ६ | | | |
| ६ | खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | आई सी.टी ईनन्टरनेट जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | खेल मैदान निर्माण | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ९ | खेलकुद र शैक्षक समाग्री | | २ लाख | २ | | | | |
| | भिमसेन प्रा.वि. | | | | | | | |
| १० | भवन निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ११ | शौचालय निर्माण | | ७ लाख | ७ | | | | |
| १२ | घेरावारा निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| १३ | विज्ञान प्रयोगशाला | | २० लाख | १० | १० | | | |
| १४ | कम्प्युटर प्रिन्टर | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| | अन्नपूर्ण बालु प्रा.वि. | | | | | | | |
| १५ | खेलमैदान निर्माण | | ७ लाख | ७ | | | | |
| १६ | भवन निर्माण | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| १७ | रेलिड निर्माण | | १ लाख | १ | | | | |
| १८ | कम्प्युटर प्रोजेक्टर प्रिन्टर | | २ लाख | १ | १ | | | |
| १९ | खानेपानी योजना | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २० | फर्निचर निर्माण | | ३ लाख | ३ | | | | |
| २१ | मेशिनरी वाल निर्माण | | ८ लाख | ४ | ४ | | | |
| | जनसुधार प्रा.वि. | | | | | | | |
| २२ | भवन निर्माण | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| २३ | घेरावारा | | २ लाख | २ | | | | |
| २४ | खानेपानी टंकी निर्माण | | १ लाख ५० हजार | १५० | | | | |
| २५ | २ कोठे भवन छानो मर्मत | | १ लाख ५० हजार | १५० | | | | |
| २६ | शिक्षक दरबन्दी | | ८ लाख | ८ | | | | |
| २७ | कम्प्युटर प्रोजेक्टर ईन्टरनेट | | २ लाख | २ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रोटकल स्वास्थ्य भवन | | २ करोड | १ | १ | | | |
| २ | सामुदायिक स्वास्थ्य ईकाई | | १५ लाख | १५ | | | | |
| ३ | कर्मचारी पदपूर्ति | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | एम्बुलेन्स खरिद | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| ५ | गाउँघर विलिनिक खोप विलिनिक | | २० लाख | २० | | | | |
| ६ | बालबालिकालाई पोषण | | ४ लाख | ४ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तिन खोली खा पा निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २ | मुल्लाने खानेपानी | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ३ | एकाटे खोला खबाङ्ग माझटोल खा पा | | ६० लाख | २५ | २५ | ५ | ५ | |
| ४ | ओखरखोला पाडग्राताल पानीको प्रदान | | ५० लाख | | २५ | २५ | | |
| ५ | बालो ओखर खोला पाडग्राताल खानेपानी मद्दान | | १ करोड | | ५० | २५ | २५ | |
| ६ | गोरा खेत खानेपानी निर्माण | | २ करोड | | १ | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण

वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | महिला सशक्तिकरणको तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | महिला हिंसा कम गर्ने जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | कानूनी सचेतना सम्बन्धी कार्यक्रम गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | अपाङ्गता भएकाहरुलाई सहयोगी समाजी वितरण गर्ने, सीपमुलक तालिमको व्यवस्था गर्ने, | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | जेष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविरको व्यवस्था गर्ने, जेष्ठ नागरिकहरुलाई सम्मान कार्यक्रम गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | दलित तथा जनजातीहरुको लागि नेतृत्व विकास तालिम को व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| | क) आयआर्जन हुने खालको तालिमको व्यवस्था गर्ने सिलाई बुनाई ढाकाबुनाई तालिमको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | गर्ने, उद्यमशिलता तालिमको व्यवस्था गर्ने। | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|-------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | लौरीवाङ्ग मिनी खेलकुद मैदान निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २ | चोखिनामा व्याडविनटा कभर्डहल | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ३ | देउराली भलिवल खेलमैदान मर्मत | | ५० हजार | ५० | | | | |
| ४ | विभिन्न खेलहरूको प्रशिक्षण | | ५ लाख | २ | १ | १ | | |
| ५ | स्थानीय खेलहरूको संरक्षण | | २ लाख | २ | | | | |
| ६ | धने कुना खेल मैदान तथन घेराबार | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ७ | युवाहरूलाई खेल सम्बन्धि कार्यक्रम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : कला भाषा साहित्य र संस्कृति वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|-------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मगर गर्गा नाँच व्यवस्थापन | | २ लाख | २ | | | | |
| २ | स्थानीय मातृभाषाको अध्ययन अध्यापन गराउने व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | भाषाहरूको संरक्षण गर्न प्रशिक्षक को व्यवस्था गरी भाषा शिक्षाको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | जातजातिले मनाउने चाडपर्वलाई विशेष उल्लेखनिय बनाउ विभिन्न कार्यक्रमहरूको आयोजना गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | विभिन्न जात जातिका नाँच भेष भुषाहरूको संरक्षण गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | पन्चे वाजा संरक्षण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|-------------|----------------|--------------|---------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बहाने खावाङ्ग स्यालीवाङ्ग मोटरवाटो | | ५ करोड | १२५ | १२५ | १२५ | १२५ | |
| २ | वालिप्रक वडाकार्याल देउराली मोठधारा हुदै गौमुखी गा.पा मोटरवाटो | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |
| ३ | भगने चोरमल मुलघाट मसरा हुदै वडाकार्यालय | | १ करोड २५ लाख | ५० | ५० | २५ | | |
| ४ | खोपीवय हुदी हुदै दिहालन मोटरवाटो | | १ करोड ५० लाख | ५० | ५० | ५० | | |
| ५ | कुलली सुल्तवाङ्ग हुदै भाकी दुङ्गा मोटर वाटो | | २ करोड | १ | ५० | ५० | | |
| ६ | रुन्जाखोला एकराते हुदै डाँडा कटेरी | | २५ लाख | २५ | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|------------------|----|----|----|----|--|
| ७ | ओखरधारा साना सित डूला सित हुडै गा.पा.हुडै फुस्डाडा गहुमुखी मोटरबाटो | | २ करोड ५० लाख | १ | ५० | ५० | ५० | |
| ८ | तल्लो बय रोटेपानी हुडै दुर्गा मा. वि. मोटरबाटो | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ९ | थारपाता खलवाङ्ग जनसुधार हुडै फाँट मोटरबाटो | | २५ लाख | १० | १० | ५ | | |
| १० | देउराली रातामाटा हुडै झुगदी | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ११ | देउराली रातामाटा झरीवाङ्गहुडै डाक्स दिहालन मोटरबाटो | | ७५ लाख | ५० | २५ | | | |
| १२ | नवन रुजीम मोटरबाटो नुनथला चोरमल उपल्लो चोरमल पतौती डाम्री मोटरबाटो | | १० लाख | ४ | ३ | ३ | | |
| १३ | नुनथला चोरमल उपल्लो चोरमल पतौती डाम्री मोटरबाटो | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १४ | बडाकार्यालय मसरा कुलली चेनधारा मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १५ | ठाटीपोट हुडै खेत मोटरबाटो | | ३ लाख | ३ | | | | |
| १६ | ठाटीबोट हुडै चुखेना मोटरबाटो | | १ लाख | १ | | | | |
| १७ | दुर्गामा.वि मोधारा हुडै देउराली मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १८ | थाटीपोट नरपा वारि हुडै खेत जोडने मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १९ | मौरीवाङ्ग हुडै कानाघरे मोटरबाटो | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २० | कुलली धौलाघर हुडै खोरखेत मोटरबाटो | | ५ लाख | ५ | ५ | | | |
| २१ | मुलघाट पक्की पुल निर्माण | | १० करोड | ५ | २ | २ | १ | |
| २२ | हरेलाखोला पक्की पुल निर्माण | | ४ करोड | २ | २ | | | |
| २४ | झुदीखोला पक्की पुल | | २ करोड | १ | १ | | | |
| २५ | सुल्लावाङ्ग खोला पक्की पुल निर्माण | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २६ | बहखोला भलुङ्गे पुल निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| २७ | मुलघाट भलुङ्गे पुल मर्मत | | ४ लाख | ३ | १ | | | |
| २८ | अरिद्वे भलुङ्गे पुल निर्माण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २९ | तल्लो बय भलुङ्गे पुल निर्माण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ३० | दाक्सखोला दोभान पक्की पुल निर्माण | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बडाकार्यालय भवन र सभाहल निर्माण | | २ करोड | १ | १ | | | |
| २ | भवने औद्योगिक ग्राम निर्माण डि.पी आर सम्मपन्न भएको | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | प्रगतिशिल आमा समुह भवन निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ४ | भवने खेल मैदानको निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ५ | एकराते खोपकेन्द्र | | १ करोड | ५० | ५० | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|---------------|----|----|----|----|--|
| ६ | खावाङ्ग स्वास्थ्य चौकी निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ७ | धनेकुना खेलमैदान | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ८ | चोखिन पाटा कर्भडहल निर्माण | | ८० लाख | ३० | २० | ३० | | |
| ९ | चोरमल बाल शिक्षा भवन निर्माण | | ५० लाख | १० | १० | ३० | | |
| १० | ठूलो पोखरा सामुदायिक भवन | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ११ | मिलिजुली ग्रामिण विकास केन्द्र भवन निर्माण | | १ करोड ६० लाख | ५० | ५० | ३० | ३० | |
| १२ | सामुदायिक भवन निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १३ | ऋग्मा समुह भवन निर्माण | | ५० लाख | १० | १० | २० | १० | |
| १४ | झुण्डी हरियाली आमा समुह भवन निर्माण | | ५० लाख | २० | ३० | | | |
| १५ | पुष्पाजली आमा समुह भवन निर्माण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | विद्युत बाट बच्चित घरधुरीलाई विद्युतीय सेवा प्रवाह गर्ने लाईन विस्तार | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| २ | थ्रीफेज लाईनको विस्तार गर्ने | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ३ | रिठाघाट पुग्दीखोला हाईड्रोपावर संरक्षण गरी राम्रो सेवा दिने व्यवस्था | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ४ | आवश्यकता अनुसार सम्पूर्ण ठाउँमा सडक बत्तीको व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | ३० | २० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सूचना तथा सञ्चार प्रविधि वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नेपाल टेलिकमको टावरको क्षमता बढ़ाद्वारा | | ५० लाख | ५० | | | | |
| २ | ईन्टरनेटको व्यवस्था | | ५० लाख | ५० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बन तथा जैविक विविधता वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | चारबटा सामुदायिक बनको भवन निर्माण | | ८० लाख | ४० | ४० | | | |
| २ | जडीबुटी सुकाउनको लागि फायर हाउसको निर्माण | | ४ लाख | ४ | | | | |
| ३ | प्रत्येक सामुदायिक बनमा अर्नी रेखा निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | बन्यजन्तु आकमण नियन्त्रण | | ८ लाख | ४ | ४ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|----|----|---|--|
| १ | बयखोला देखि गामारुक तटबन्धन | | २० लाख | ८ | ४ | ४ | ४ | |
| २ | बय पहिरो नियन्त्रण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ३ | अन्नपूर्ण बालु प्रा.वि पहिरो नियन्त्रण | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ४ | रातमाटा पहिरो नियन्त्रण | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| ५ | बालीपुक मुलघाट मौउखोला नदी नियन्त्रण | | १ करोड | ४० | ४० | २० | | |
| ६ | नीपाने फुस्सोहरा तटबन्धन | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ७ | खलवाड पहिरो नियन्त्रण | | ७ लाख | ३ | ३ | १ | | |
| ८ | सेत्पुखोला नदी नियन्त्रण | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ | |
| ९ | चोरमल पहिरो नियन्त्रण | | १० लाख | ५ | २ | ३ | | |
| १० | रामको रोम खानेपानी पहिरो नियन्त्रण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सुधारिएको चुलो निर्माणको लागि तालिम र बजेटको व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | १० | १० | | | |
| २ | मोटरबाटोको साईड साईडमा विरुवाहरु लगाउने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | चिम्नी सहितको फलामे चुलोको व्यवस्था गर्ने प्रत्येक घर परिवारलाई | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ४ | कुहिने र नकुहिने फोहोर छुट्टाउने व्यवस्था गर्ने साथै ठाउँ ठाउँमा डस्वीनको वितरण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | डस्वीनको व्यवस्था गर्ने प्रत्येक घर परिवारलाई | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | हरित पार्कको निर्माण गर्ने | | २५ लाख | १० | १० | ५ | | |
| ७ | ल्याण्डफिल साईडको व्यवस्था गर्ने | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मुहान संरक्षण | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २ | नर्सरी निर्माण | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ३ | चट्याउ सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : सुशासन, ऐन, कानून, तथा न्यायिक व्यवस्था वडा नं. ४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सेवाग्राही सायता कक्षको व्यवस्था | | २ लाख | १ | १ | | | |
| २ | बाल मैत्री अपाङ्गमैत्री बातावरण मैत्री संचना निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

| | | | | | | | | |
|---|-----------------------------------|--|-------|---|---|--|--|--|
| ३ | संचार माध्यमलाई प्रभावकारी बनाउने | | २ लाख | १ | १ | | | |
|---|-----------------------------------|--|-------|---|---|--|--|--|

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | आन्तरिक आम्दानीका स्रोतहरूको संकलन | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | उपलब्ध स्रोत र साधनको उचतम परिचालन | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगत उपक्षेत्र : मानव संशाधन, संस्थागत विकास तथा सेवा प्रवाह वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | क्षमता अभिवृद्ध कार्यक्रम संचालन | | २ लाख | १ | १ | | | |
| २ | कर्मचारीलाई वृत्ति विकास प्रोत्साहन तथा पुरस्कारको व्यवस्था | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| ३ | वडा कार्यालय भवन निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ४ | सभाहल निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ५ | सी.सी क्यामेरा जडान | | २ लाख | १ | १ | | | |
| ६ | सेवाग्राहीका लागि साहयता कक्षको व्यवस्था | | ५ लाख | ३ | २ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : योजना व्यवस्थापन वडा नं.४

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | दिर्घकालिन गुरुयोजना निर्माण -कृषि पर्यटन यातायात | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |

वडा नं. ५

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | कृषि तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | कृषि प्राविधिकको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | मल | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | वित्त विजन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | किटनाशक औषधी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | अलैची खेती | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ७ | अदुवा खेती | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ८ | बेसार खेती | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ९ | आँप | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १० | सुन्तला खेती | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ११ | कागती | | १० लाख | ३ | २ | ३ | २ | |

| | | | | | | | | |
|----|--------------------------------|--|--------|----|----|----|----|--|
| १२ | टिमुर | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| १३ | ओखर | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १४ | आलु खेती | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| १५ | फापर खेती | | १० लाख | १० | | | | |
| १६ | फलफुल तथा तरकारी संकलन केन्द्र | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| १७ | बजारको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १९ | कृषि औजारको खरिद गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपक्षीपालन वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | पशुपक्षी तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | भकारो सुधार कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | पशु प्राविधिकको व्यवस्था | | ७ लाख | ४ | ३ | | | |
| ४ | औषधी र खोप को लागि व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | कुखुरा पालन | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ६ | उन्नत जातको भैसी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | उन्नत जातको बोका खरिद | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ८ | बंगुर पालन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | कालिज | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १० | कडकनाथ तथा बट्टाई पालन | | ५ लाख | ५ | २ | २ | १ | |
| ११ | पशु संकलन केन्द्र | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १२ | माछा मासुको लागि बजारको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १३ | उन्नत जातको घाँस, दाना को व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १४ | नश्ल सुधार कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन विकास वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मन्दिरमा जानको लागि पदमार्गको निर्माण | | ५० लाख | २० | ३० | १० | १० | |
| २ | धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलको प्रचार प्रसारको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ३ | पर्यटन प्रवद्धन सम्बन्धि कार्यक्रम | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | लोप हुन लागेका कला संस्कृतिको संरक्षण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५ | राईपुड लेक पार्वती मन्दिर रेलिङ सहित | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | शिवजी मन्दिर निर्माण काटे | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | बाहुन पोल्ने डाडा पिकनिक स्पोर्ट निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा तथा आपूर्तिव्यवस्था वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | आरन व्यवसाय | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २ | अल्लो खेतीको लागि तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ३ | ईलोकटोनिक तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | होटल, तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ५ | व्यवसायिक तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ६ | व्यवसाय संचालनको लागि बजेट | | ५ करोड | ३ | १ | १ | | |
| ७ | अल्लो उद्योग संचालनको लागि प्राविधिक र समाप्रीहरुको व्यवस्था | | १ करोड | ४० | २० | २० | २० | |
| ८ | घट्ट संचालनको लागि | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल | | | | | |
|---------|---|--------------------------|--------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सिद्धावाबा कृषि सहकारी संचालनको लागि तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | वित्तीय साक्षरता सम्बन्धि तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | लेखा सम्बन्धि तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | सहकारीमा बचत गर्नको लागि जनचेतामुलक कार्यक्रम संचालन | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५ | नयाँ बचत तथा ऋण सहकारी संस्था स्थापना गर्ने | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिक आप्रवासन वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्थानीय स्तरमा संचालन गर्न सकिने उद्योग संचालन | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २ | युवाहरुलाई उचित किसीमको तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | युवा र उद्यमशिलता संग जोडिएर कार्यक्रम संचालन गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | वैदेशिक रोजगारमा जान चाहाने युवाहरुलाई तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | स्थानीय स्तरमा दक्ष प्राविधिको उत्पादन गर्ने | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ६ | युवा लक्षित कार्यक्रम संचालन | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : सिंचाइ पूर्वाधार वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सडखोला खोरें खोला खोला सिंचाइ योजना | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| २ | दहछहरा सवरा बजेरा काटे सिंचाइ योजना | | १ करोड | ५० | ५० | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|--|--------|----|----|----|----|---|
| ३ | धर्जी मेलधाराल धर्ज सिंचाई योजना | | ९० लाख | ४५ | ४५ | | | |
| ४ | पात्लेखोला लाटीघोघोट भेण्डा सिंचाई आयोजना | | १ करोड | ५० | २० | २० | १० | |
| ५ | केरुडखोला खोलवाड सिंचाई योजना | | १ करोड | ५० | २० | २० | १० | |
| ६ | दरीखोला किम्बोट सिंचाई योजना | | ४० लाख | २० | २० | | | |
| ७ | गावै लिप्फ सिंचाई योजना | | ६ करोड | २ | १ | १ | १ | १ |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | |
|---------------------------------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष |
| श्री जनता प्रा. वि. काटे | | | | | | | |
| १ | श्री जनता प्रा. वि. काटे ४ कोठाको भवन निर्माण | | ५० लाख | ५० | | | |
| २ | शिक्षक थप जनता प्रा. वि. काटे | | ५ लाख | ५ | | | |
| ३ | विद्यालय छेक बार जनता प्रा. वि. डाम् काटे | | २ लाख | २ | | | |
| ४ | शौचालय निर्माण श्री जनता प्रा. वि. काटे | | १० लाख | ५ | ५ | | |
| ५ | विद्यालय मर्मत श्री जनता प्रा. वि. काटे | | ५ लाख | ५ | | | |
| ६ | फर्निचरको व्यवस्था गर्ने श्री जनता | | २ लाख | १ | १ | | |
| ७ | खानेपानीको मर्मत श्री जनता प्रा. वि. काटे | | ५ लाख | ५ | | | |
| ८ | बजेरा सालधारी बाल विकास निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | |
| श्री गावै मा. वि. | | | | | | | |
| ९ | ४ कोठाको पक्की भवन निर्माण | | ५० लाख | ५० | | | |
| १० | शिक्षक दरबन्दी थप | | ५ लाख | ५ | | | |
| ११ | कम्पाउण्ड घेरावारा | | २० लाख | १० | १० | | |
| १२ | फर्निचर खरिद | | ५ लाख | ५ | | | |
| १३ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | |
| १४ | खानेपानी थप तथा मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | |
| १५ | आईसीटी थप | | १ लाख | १ | | | |
| १७ | रोस्टम निर्माण | | १ लाख | १ | | | |
| १८ | रडरोगन तथा मर्मत सम्भार | | ५ लाख | ५ | | | |
| १९ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | ५ लाख | ५ | | | |
| श्री नेरा मा. वि. डाम | | | | | | | |
| १ | शैक्षक दरबन्दी थप गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |
| २ | कक्षाकोठाको भयाल ढोका मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | |
| ३ | विद्यालयको ४ वटा कक्षा कोठा थप | | ५० लाख | ५० | | | |
| ४ | आ.सी.टी सामाग्री थप गर्ने | | ६० लाख | ६० | | | |
| ५ | अनलाईन शिक्षा को लागि व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | |
| ६ | विद्यालयको कम्पाउण्ड घेरा बार गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|---|---|--|--|--|
| ७ | थप दिवा खाजाको लागि व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | शैक्षिक समाग्रीको लागि बजेटको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | शैचालय निर्माण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १० | खानेपानीको मर्मर र परीक्षण गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | कक्षा कोठामा रोस्टमको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १२ | दिवा खाजा बाल विकास देखि कक्षा १० सम्मको लागि व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| | जन प्रा.वि काटे | | | | | | | |
| १३ | शिक्षक दरबन्दी थप गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १४ | कक्षा कोठा भयाल ढोकाको मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १५ | भवन रडरोगान गर्ने | | ५ लाख | २ | | | | |
| १६ | शैक्षिक समाग्रीहरु थप गर्ने | | ५ लाख | २ | | | | |
| १७ | विद्यालय कम्पाउण्ड घेरावारा गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १८ | खानेपानीको मर्मत गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १९ | नयाँ वस्तीमा रहेको बाल विकासको पलाष्टर गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २० | बाल विकास थप गर्ने अत्यान्तै आवश्यक भएको | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २१ | शैचालय मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं. ५

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल | | | | | |
|-------|--|--------------------------|--------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | गाउँघर क्लिनिक खोप क्लिनिक निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २ | सामुदायिक स्वास्थ्य ईकाई | | ३० लाख | ३० | | | | |
| ३ | एम्बुलेन्सको व्यवस्था | | ३० लाख | ३० | | | | |
| ४ | प्रयोगशालाको निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५ | तालिम हलको निर्माण | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ६ | आमा र बच्चाको लागि पोषण युक्त खानेकुरा | | १० लाख | ४ | ४ | २ | | |
| ७ | स्वास्थ्य आमा समुहरुलाई पूर्नरताजगी तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | टोल टोलमा स्वास्थ्य परीक्षणको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ९ | आवश्यक पर्ने स्वास्थ्य समाग्री र औपधीको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १० | स्वास्थ्य सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | स्वास्थ्य विमा सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई वडा नं. ५

| क.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|-------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|----|----|----|--|
| १ | सबै घरधुरीलाई स्वच्छ पिउने पानीको लागि बजेटको व्यवस्था गर्ने | | १ करोड | ३० | ३० | २० | २० | |
| २ | बागुन खानेपानी मर्मत | | ३० लाख | १० | १० | १० | | |
| ३ | थापना खानेपानी मर्मत | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ४ | हखोला खानेपानी निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५ | जुगेमारे खानेपानी -खरिखोला) मर्मत | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ६ | नागे खानेपानी मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | हिले खानेपानी मर्मत | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ | |
| ८ | जुगेपानी खानेपानी -गावै मर्मत | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ९ | मसुरात खानेपानी मर्मत | | २०लाख | १० | १० | | | |
| १० | सकखोला खानेपानी (सानो डाम)मर्मत | | ३० लाख | २० | १० | | | |
| ११ | उल्टेमुल खानेपानी गावै) मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १२ | भलाड खानेपानी (ठूलो डाम)मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १३ | धारापानी खानेपानी निर्माण (ठूलो डाम) निर्माण | | ५० लाख | ४० | १० | | | |
| १४ | तिरतिरे खानेपानी (ठूलो डाम) निर्माण | | १ करोड | ३० | ३० | ३० | १० | |
| १५ | काधे खा.पा. निर्माण | | १ करोड | ६० | ४० | | | |
| १६ | थापनी खानेपानी मर्मत | | १० लाख | ६ | ४ | | | |
| १७ | धाडधाडे खानेपानी -भेन्डा) मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १८ | धामीले नुहाउने खानेपानी गावै मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १९ | मुसीगाडे खानेपानी -खरिखोला) मर्मत | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २० | डाड खोला काटे खानेपानी योजना मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २१ | उम्मा भुलीचौर खानेपानी योजना मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २२ | धलमफ मेलधारा खानेपानी मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २३ | धरम्ची खोला सल्लेरी खानेपानी सपन्न गर्ने | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | महिलाहरुको लागि लक्षित कार्यक्रम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २ | स्वास्थ्य आमा समुहहरुलाई स्वास्थ्यमा आएका नयाँ प्रविधि साथै स्वास्थ्य सम्बन्धि विभिन्न जानकारीको लागि तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | नारी दिवस मनाउनको लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | महिलाहरुको लागि उच्चम विकास तालिम | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ५ | जेष्ठ नागरिकहरुको लागि भवन को | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|--|-------|---|---|--|--|
| | निर्माण साथै धार्मिक भ्रमण गर्ने व्यवस्था गर्ने | | | | | | |
| ६ | टोल टोलमा महिलाहरुलाई आयआर्जनका लागि सिपमुलक तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ३ | २ | | |
| ७ | कानुनी साक्षरताको तालिम संचालन गर्ने । | | ५ लाख | ५ | | | |
| ८ | छुवाछुत सम्बन्धि जनवेतनमुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ५ लाख | ३ | २ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खेलकुद सम्बन्धि कार्यक्रम संचालन | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | खेलाडीहरुलाई सम्मान गर्ने व्यवस्था | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | खेलाडीहरुलाई प्रोत्साहन तथा नयाँ खेलाडीहरुको लागि खेल प्रशिक्षणको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४ | खेलकुदका समाग्रीहरुको लागि व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ३ | | २ | | |
| ५ | खेलकुदको लागि उचित खालको खेल मैदानको निर्माण गर्ने | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ६ | भएका खेल मैदानहरुको मर्मत सम्भार गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | खेलमैदान निर्माण साविक वडा नं.१ मा | | ५० लाख | ३० | २० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य र संस्कृति वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | भाषा शिष्ट र सभ्य बनाउनको लागि प्रशिक्षणको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | लोप हुन लागेका कला संकृतिहरुलाई संरक्षण गर्न बजेटको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | मगर भाषा सिकाउन तालिमको व्यवस्था गर्ने वा भाषा प्रशिक्षण को व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ४ | विभिन्न प्रकारका नाँचहरु बाजा गाजाको संरक्षण गर्ने | | ५ लाख | ४ | १ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बहाने डामृ रोल्पा मोटरबाटो | | २० करोड | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| २ | भेण्डा पोखरा स्याउले मोटरबाटो | | ७ करोड | २ | २ | १ | १ | १ |
| ३ | भेण्डा भोले चौर रोल्पा १० कि.मी. | | १० करोड | २ | २ | २ | २ | २ |
| ४ | काभ्राफेद बसाई कोटे मोटरबाटो ४ कि.मी. | | ४ करोड | १ | १ | १ | १ | |

| | | | | | | | | |
|--------|--|--|--------|----|----|----|----|----|
| ५ | काभ्राफेद नयाँ वस्ती मोटर बाटो ३-५ कि.मी. | | ४ करोड | १ | १ | १ | १ | |
| ६ | डाँडाटोल गावै पोखरा मोटरबाटो ६ कि.मी. चोकमा प्रतिक्षालय | | ६ करोड | २ | १ | १ | १ | १ |
| ७ | लाटीघोट पोखरा मोटरबाटो २.५ कि.मी. | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |
| ८ | भालुचोक दरीखोला मोटरबाटो योजना ३ कि.मी. | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |
| ९ | कृषि सडको निर्माण गर्ने | | ५ करोड | १ | १ | १ | १ | १ |
| १० | मौरी वस्ते धुनबोट भलुङ्गेपुल | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ११ | बसाई खोला भलुङ्गेपुल | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| १२ | केरुङ्ग खोला भलुङ्गेपुल | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| १३ | पात्ले खोला मोटरेवल पुल | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |
| १४ | भुजेंड खोला मोटरेवल पुल | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |
| १५ | भुजेंड खोला भलुङ्गेपुल | | ६५ लाख | २० | २० | २५ | | |
| १६ | अरिण्डेबगर भलुङ्गेपुल | | ६० लाख | १५ | १५ | १५ | | |
| १७ | साउखुटा भलुङ्गेपुल | | ६० लाख | १५ | १५ | १५ | | |
| १८ | ल्हारिङ खोला भलुङ्गेपुल निर्माण | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| १९ | लुम्बाजा अल्लो भवन मोटरबाटो निर्माण योजना | | २ करोड | १ | १ | | | |
| २० | मेलधारा सिर्जा पोखरा मोटरबाटो निर्माण | | ५ करोड | १ | १ | १ | १ | १ |
| २१ | लेटलेट पहिरो नियन्त्रण योजना | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| २२ | सानो डामृ पहिरो नियन्त्रण योजना | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २३ | बाँसबारी पहिरो नियन्त्रण | | १ करोड | २० | २० | २० | २० | २० |
| द्वद्व | चिसापानी गाईघाट असुरा खेत मोटरबाटो निर्माण योजना | | १५ लाख | १० | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | गावै मा.वि. २ कोठे पक्की भवन | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| २ | गावै मा.वि. घेराबारा निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | गावै मा.वि. शौचालय निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | गावै मा.वि.पहिरो नियन्त्रण योजना | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | ने.रा.मा.वि. ४ कोठे पक्की भवन (रेवटा) | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ६ | ने.रा.मा.घेराबारा निर्माण योजना | | १५ लाख | १५ | १५ | | | |
| ७ | जनप्रा.वि २ कोठे पक्की भवन निर्माण योजना | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ८ | जनता प्रा.वि. २ कोठे पक्की भवन | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ९ | जनता प्रा.वि. ४ कोठे पक्की भवन | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| १० | जनता प्रा.वि. घेराबारा योजना | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ११ | मतधारा बाटे बाल विकास भवन निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|-----------------------|--|--------|---|---|---|---|--|
| १२ | देउराली बालविकास भवन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १३ | नेटा बाल विकास भवन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १४ | काभ्राफेद प्रतिक्षालय | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १५ | कुद्वरजाडा खेल मैदान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १६ | सानो डामू खेलमैदान | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १७ | दिशापुजा प्रतिक्षालय | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १८ | लामडाँडा प्रतिक्षालय | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १९ | भेणडा प्रतिक्षालय | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | विद्युतीकरण गर्नुपर्ने १४५ घरधुरीमा | १ करोड | ५० | ५० | | | | |
| २ | सानो डामू लघुजलविद्युत आयोजना पुन मर्मत गरी संचालनमा ल्याउनु पर्ने | ८० लाख | ४० | ४० | | | | |
| ३ | अरिङ्गेवार लघु जलविद्युत आयोजना निर्माण गर्ने | ५ करोड | १ | १ | १ | १ | १ | १ |

विषयगत उपक्षेत्र : सूचना तथा सञ्चार प्रविधि वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | फोरजी सेवा संचालनमा ल्याउने | ७५ लाख | २५ | २५ | २५ | | | |
| २ | फाईबर केबल माध्यमबाट इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | ५० लाख | २५ | २५ | | | | |
| ३ | नेपाल टेलिकमको टावरको क्षमता विकास गर्ने | ५० लाख | २५ | २५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : वन तथा जैविक विविधता वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सामुदायिक भवन निर्माण | १५० लाख | ३० | ३० | ३० | ३० | | |
| २ | बन्यजन्तु नियन्त्रण | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | | |
| ३ | अर्नी रेखा निर्माण गर्ने | १० लाख | २ | २ | २ | ४ | | |
| ४ | मुहान संरक्षण | १० लाख | २ | २ | २ | ४ | | |
| ५ | जडीबुटी खेती संरक्षण | ५ लाख | ४ | १ | | | | |
| ६ | जडीबुटी संकलन र प्रशोद्धन | ५० लाख | २० | २० | १० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | क) स्थायी पोखरी निर्माण र मुहान संरक्षण ख) आई ई ई र ईआए को व्यवस्था गर्ने। | ५० लाख | ३० | २० | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|--|--------|----|----|----|----|--|
| २ | लेतलेते पहिरो भेडीखोर बसई पहिरो काटे पहिरो, गावै पहिरो, नयाँ वस्तीपहिरो, सानो डामृ पहिरो, माहुखोला गढी खोला, काथेसिम गरगरे पहिरो धवाड, पटावड, पहिरो रोकथाम र नियन्त्रण गर्ने साथै खोला नालामा तटबन्दन गर्ने | | १ करोड | ३० | २० | ३० | २० | |
|---|---|--|--------|----|----|----|----|--|

विषयगत उपक्षेत्र : वातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्ने | | ५० लाख | ५० | | | | |
| २ | डम्पीडसाइडको व्यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | भाडी सरसफाई गर्नको लागि आवश्यक औजार | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | विपत प्रतिकार्य समुह निर्माण र परिचालन | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २ | विपत व्यवस्थापन कोष निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ३ | विपत सम्बन्ध जनचेतनाको कार्यक्रम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | जलवायु अनुकूलको कार्यक्रम | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | |
| ५ | व्यवस्थित विद्युतीकरण | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ६ | विपत व्यवस्थापन कार्यालय भवन | | ३० लाख | ३० | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : मानव संशोधन, संस्थागत विकास तथा सेवा प्रवाह वडा नं. ५

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | वडा कार्यालय भवन निर्माण | | २ करोड | १ | १ | | | |
| २ | प्रहरी चौकी निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ३ | कर्मचारी वृति विकास | | ५० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ४ | तालिम व्यवस्थापन | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ५ | नागरिक जनचेतना | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ६ | लोक्त वर्गको लागि तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ७ | नागरिक सहायताकक्ष | | १० लाख | ५० | ५० | | | |
| ८ | सी.सी.क्यामेरा जडान | | १ लाख | १ | | | | |
| ९ | वडाकार्यालयको सभाहल निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |

वडा नं. ६

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------------|-------------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |

| | | | वर्ष | वर्ष | वर्ष | वर्ष | |
|---|--|--|--------|------|------|------|--|
| १ | कृषि तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | |
| २ | कृषि उत्पादको लागि बजारको व्यवस्थापन गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | |
| ३ | सिचाईको व्यवस्था गर्ने | | २ करोड | १५० | २० | ३० | |
| ४ | कृषिहाट बजारको व्यवस्था गर्ने | | १ करोड | ५० | ५० | | |
| ५ | कृषि प्राविधिको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |
| ६ | तरकारी संकलन केन्द्र खोल्ने | | ५ लाख | ५ | | | |
| ७ | मल वित्र र विजनको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपंक्षीपालन वडा नं. ६

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | |
|--------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष |
| १ | पशु प्राविधिको व्यवस्था गर्ने | | ७ लाख | ५ | २ | | |
| २ | पशुपंक्षीहरूको लागि राम्रो दाना पानीको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ |
| ३ | पशु संकलन केन्द्रको विकास गर्ने | | १० लाख | ६ | ४ | | |
| ४ | उन्नत जातका बाखा र बोका साथै | | १० लाख | ५ | | | |
| ५ | पशुपालन तालिमको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |
| ६ | भकारो सुधार कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |
| ७ | पशुपंक्षीहरूलाई आवश्यक र उपयुक्त ढालेघाँसको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |
| ८ | औषधी खोप को व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन विकास वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष |
| १ | पर्यटकहरूको आर्कषणको लागि कार्यक्रम र प्रचार प्रसार गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | |
| २ | मध्याम मन्दिर मर्मत विस्तार तथा सुधार भ्यूटावर समेत | | ५ करोड | ३ | २ | | |
| ३ | माके मन्दिर निर्माण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | |
| ४ | शिवालय मन्दिर दोभाइ मर्मत तथा सधार गर्ने | | ५ करोड | ५ | | | |
| ५ | पौवा पखरा मर्मत तथा सुधार | | ५ लाख | ५ | | | |
| ६ | घोडेटाकुरा हेलिप्याड निर्माण | | ६० लाख | ३० | | | |
| ७ | पौवा पखरा पार्क निर्माण | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ |
| ८ | भूमिथान मन्दिर निर्माण हरेला | | ८० लाख | ४० | ४० | | |
| ९ | छिपछिपे पोखरी तथा मर्मत तथा | | ६० लाख | २० | २० | २० | |
| १० | जाधुरी पार्क तथा पिकनिक स्पोर्ट | | १ करोड | ५० | ५० | | |
| ११ | घोडेटाकुरा चिल्लडेन् पार्क निर्माण | | ३० लाख | ३० | | | |
| १२ | जाँधुरी पार्क तथा पिकनिक स्पोर्ट | | १ करोड | ५० | ५० | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|----|----|----|--|
| १३ | नेटा सिव मन्दिर निर्माण लेक | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| १४ | भूमिथान मन्दिर निर्माण तथा पार्क निर्माण | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | |
| १५ | जुरेढुङ्गा सारादुला पर्यटकीय क्षेत्र | | ८० लाख | ५० | ३० | | | |
| १६ | घोडे टाकुरा रयापटीड | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| १७ | त्रिकृटा धाम मन्दिर निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्तिव्यवस्था वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्थानीय स्तरमा सम्भव हुने आवश्यकताको आधारमा उद्योग व्यापार संचालन गर्ने | | १ करोड | ५ | ५ | | | |
| २ | दर्ता नभएका व्यवसायहरूलाई दर्ता गरेर संचालन गर्ने व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | १ |
| ३ | स्थानीय स्तरमा उत्पादन हुने कर्चापदार्थलाई प्राथमिकता दिई उद्योग संचालन गर्ने | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | वित्तीय साक्षरता सम्बन्धि कार्यक्रमहरू समय समयमा संचालन गर्ने। | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको अनुगमन गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | वित्तीय साक्षरता सम्बन्धि कार्यक्रमहरू समय समयमा संचालन गर्ने। | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ | |
| ४ | बचत सम्बन्धि जनचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा बैदेशिक आप्रवासन वडा नं. ६

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बैदेशिक रोजगारी सम्बन्धि अभियुक्तीकरण तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २ | सिपमुलक तालिम | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | भाषागत तालिम | | २ लाख | २ | | | | |
| ४ | स्थानीय रोजगारको लागि विभिन्न क्षेत्रसंग सम्बन्धित उद्योग तथा कम्पनी संचालन | | ५० करोड | २० | १० | १० | १० | |
| ५ | खनिज जन्य उत्पादन | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | कृषि उत्पादन तथा व्यवस्थापन बजारीकरण को यवस्था | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सिचाइ पूर्वाधार वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | लुड लिफ्ट सिंचाई योजना | | ३ करोड | १ | १ | १ | | |
| २ | बहाने सिउरीकाटे लिफ्ट सिंचाई योजना | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ३ | ढाडसिसेनी सिंचाई कुलों | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ४ | हरेला बसेरी सिंचाईकुलो | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ५ | तल्लो साहुटोल सिंचाई कुलो | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ६ | किमीचौर माझटोल सिंचाई कुलो | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ७ | उपल्लो साहुटोल सिंचाई | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| ८ | ठूलो खोला देखि ठाडो ढुङ्गा सम्म | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ९ | भाकी पानी देखि खोर सिंचाई कुलो | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १० | ठूला खोला मौरीकाडे खोर सिंचाई | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ११ | ठूलाखोला खाल मनाड सिंचाई कुलो | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | |
| १२ | ढाखोला राजारुख सिंचाई कुलो | | १६ लाख | ४ | ४ | ४ | ४ | |
| १३ | हसंवाड खमारी चौर सिंचाई | | ८० | २० | २० | २० | २० | |
| १४ | हसंवाड लामाचौर सिंचाई कुलो | | ४० लाख | १० | १० | १० | १० | |
| १५ | पूर्ण गाउँ लिफ्ट सिंचाई | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १६ | ढाखोला देखि काफलचौर सिंचाई कुलो निर्माण | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| १७ | छमपचासे खोरखेत सिंचाई कुलो | | ५० लाख | २० | २० | १० | | |
| १८ | पिपलटारी सिंचाई कुलो निर्माण | | ७५ लाख | २० | २० | २० | १५ | |
| १९ | सिखारी छम पिपलटारी सिंचाई कुलो | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २० | हासावगर निनचौर सिंचाई कुलो | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २१ | एकलेखेत सिखारी सिंचाई कुलो निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २२ | प्यूरीकाटे सिंचाई कुलो निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २३ | खोरखेत सिंचाई कुलो निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २४ | हरेला सिसेनी सिंचाई कुलो निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २५ | उपल्लो पधेरा संचाई पोखरी निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २६ | मुख्यटोल सिंचाई पोखरी निर्माण गर्ने | | २ लाख | १ | १ | | | |
| २७ | उपल्लो साहुटोल सिंचाई पोखरी निर्माण | | २ लाख | २ | | | | |
| २८ | ओख्लेवाघ सिंचाई पोखरी निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २९ | एकलेखेत सिखारी सिंचाई कुलो निर्माण | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३० | जरिकाँडा पोखरी निर्माण | | २ लाख | २ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि बडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | श्री परुष प्रा.वि. | | | | | | | |
| १ | कक्षा कोठा थप | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | | |
| २ | फर्निचरको व्यवस्था | २५ लाख | २० | ५ | | | | |
| ३ | शौचालय निर्माण | ५ लाख | ५ | | | | | |
| ४ | कम्प्युटर र प्रिन्टरको खरिद | २ लाख | १ | १ | | | | |
| ५ | २ कोठे भवन | ३० लाख | १५ | १५ | | | | |
| ६ | घेराबारा निर्माण | १० लाख | ५ | ५ | | | | |
| ७ | सिसि क्यामेरा जडान | २ लाख | २ | | | | | |
| ८ | खेलमैदान निर्माण | २० लाख | १० | १० | | | | |
| ९ | आई सी. टी तालिम | २ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | | |
| १० | शिक्षक थप | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | | |
| ११ | भाषा शिक्षण | ५ लाख | २ | २ | १ | | | |
| १२ | विद्यालयमा नर्सको व्यवस्था | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | | |
| १३ | दिवाखाजाको लागि बजेट थप | १ करोड | ३० | ३० | ३० | ३० | | |
| १४ | शैक्षिक समाग्रीहरुको खरिद | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | | |
| १५ | नेटको व्यवस्था | ५० हजार | ५० | | | | | |
| १६ | पुस्तकालयको व्यवस्था | १० लाख | ५ | २ | २ | १ | | |
| १७ | विज्ञान प्रयोगशालाको व्यवस्था | १० लाख | ५ | ५ | | | | |
| | श्री जनकल्याण आधारभूत विद्यालय | | | | | | | |
| १८ | चारकोठे भवन निर्माण | १.६० लाख | ४० | ४० | ४० | ४० | | |
| १९ | खानेपानी निर्माण | १२ लाख | ३ | ३ | ३ | ३ | | |
| २० | घेराबारा निर्माण | २८ लाख | ७ | ७ | ७ | ७ | | |
| २१ | कम्प्युटर विज्ञान प्रयोगशाला | २ लाख | २ | | | | | |
| २२ | फर्निचर निर्माण तथा मर्मत | १० लाख | ४ | २ | २ | | | |
| २३ | आई सी.टी. तालिम | ५ लाख | ५ | | | | | |
| २४ | शौचालय मर्मत | २ लाख | १ | १ | | | | |
| २५ | विद्यालयमा स्वास्थ्य शिक्षक | ७ लाख | ३५० | ३५० | | | | |
| २६ | खेल मैदान निर्माण | १ करोड | ५० | ५० | | | | |
| २७ | भाषा शिक्षणको व्यवस्था | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | | |
| २८ | खानेपानीको व्यवस्था | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | | |
| २९ | शैक्षिक तथा खेलकुद समाग्री खरिद | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | | |
| | श्री जनज्योती मा.वि. | | | | | | | |
| ३० | कक्षा कोठा निर्माण | १ करोड | ५० | ५० | | | | |
| ३१ | बालमैत्री अपाङ्गमैत्री शौचालय निर्माण | २५ लाख | २० | ५ | | | | |
| ३२ | कम्प्युटर खरिद | ५० लाख | ५० | | | | | |
| ३३ | विज्ञान प्रयोगशाला | १० लाख | ५ | ५ | | | | |
| ३४ | घेराबारा निर्माण | ५० लाख | २५ | २५ | | | | |
| ३५ | फर्निचर निर्माण तथा मर्मत | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|-----|-----|-----|-----|--|
| ३६ | खानेपानी निर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| ३७ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३८ | पुस्तकालयको व्यवस्था | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| | श्री बुद्ध आ.वि. | | | | | | | |
| ३९ | ४ कोठे भवन निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ४० | घेराबारा निर्माण शौचालय निर्माण | | २५ लाख | २५ | | | | |
| ४१ | विद्यालयमा रङ्गरोगन | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४२ | खेल मैदान निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ४३ | कम्प्युटर विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ४४ | फर्निचर खरिद | | २ लाख | २ | | | | |
| ४५ | खानेपानीको व्यवस्था | | ५० लाख | ४० | १० | | | |
| ४६ | आई सं. टी तालिम शिक्षकहरूलाई | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ४७ | सी.सी. क्यामेरा जडान | | १ लाख | १ | | | | |
| ४८ | सबैलाई दिवा खाजाको व्यवस्था गर्ने । | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ४९ | मा.वि. शिक्षकको व्यवस्था गर्ने | | १३ लाख | ३२५ | ३२५ | ३२५ | ३२५ | |
| | जनप्रतिभा प्राथमिक विद्यालय | | | | | | | |
| ५० | भवन निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५१ | विद्यालय मर्मत तथा रङ्गरोगन | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ५२ | घेराबारा निर्माण | | ५० लाख | ५० | | | | |
| ५३ | जस्तापाता खरिद | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५४ | खेलमैदान निर्माण | | ५ लाख | ४ | १ | | | |
| ५५ | विजुली बत्ती | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ५६ | कम्प्युटर नेटको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५७ | शिक्षक तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| | लालीगुराँस प्राथमिक विद्यालय | | | | | | | |
| ५८ | भवन निर्माण ४ कोठे | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५९ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ६० | छानो मर्मत | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ६१ | विद्यालयमा रङ्गरोगन | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ६२ | फर्निचर खरिद तथा मर्मत | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| | गंगा माध्यामिक विद्यालय | | | | | | | |
| ६३ | विद्यालयको ४ कोठे भवन निर्माण | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ६४ | कक्षा कोठा रङ्गरोगन तथा मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६५ | शौचालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६६ | कम्प्युटर खरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६७ | विज्ञान प्रयोगशाला | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६८ | सी.सी. क्यामेरा जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६९ | शिक्षक तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७० | अधुरो भवन सम्पन्न | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ७१ | शैक्षिक समाग्री खरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७२ | सबै विद्यार्थीको लागि दिवा खाजाको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |

| | | | | | | | | |
|----|-----------------------------------|--|--------|---|---|---|--|--|
| ७३ | प्राविधिक शिक्षाको व्यवस्था गर्ने | | ५ करोड | ३ | १ | १ | | |
|----|-----------------------------------|--|--------|---|---|---|--|--|

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्वास्थ्य चौकी व्यवस्थापन | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| २ | सामुदायिक स्वास्थ्य ईकाई व्यवस्थापन | | ३० लाख | ७.५ | ७.५ | ७.५ | ७.५ | |
| ३ | पालिकास्तरीय अस्पताल निर्माण | | ३० लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| ४ | सामुदायिक -महिला स्वास्थ्य) भवन निर्माण | | ७५ लाख | ३० | १५ | १५ | १५ | |
| ५ | स्वास्थ्य पोषण कार्यक्रम संचालन | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ६ | महिला स्वास्थ्य सेवा प्रोत्साहन कार्यक्रम | | २५ लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ७ | पुनर्नतजगी तालिमको व्यवस्था | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | कर्मचारीको व्यवस्था | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ९ | खानेपानीको व्यवस्था | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| १० | घेरावाराको निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तल्लो मुल थाम कोतारा खानेपानी निर्माण तथा मर्मत मुहान जीर्ण काम अपुरो पाईप अपुरा भएको | | २५ लाख | १५ | १० | | | |
| २ | वडखोला देखि पैदा खानेपानी | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ३ | सेरा चौधरी टोल खानेपानी | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ४ | डाडा ट्याकी देखि बुढाघरसम्म खानेपानी | | ३० लाख | १५ | १५ | | | |
| ५ | डाड खानेपानी निर्माण | | १ करोड | ५० | २० | २० | १० | |
| ६ | बुढाघर खानेपानी ट्याकी मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | गौरा खानेपानीको ट्याकी मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | ज्यामिचौर खानेपानी ट्याकी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | धारापानी खानेपानी ट्याकी | | ८ लाख | ४ | ४ | | | |
| १० | वरखोला ट्याकी तथा पाईप | | ३० | ३० | | | | |
| ११ | जनज्योति मा.वि. खानेपानी | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १२ | सिरबारी छम नेवरा खानेपानी | | १५ लाख | १० | ५ | | | |
| १३ | मोहर कुडे खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १४ | पूर्णगाउँ खानेपानी निर्माण | | ७० लाख | ३० | ३० | १० | | |
| १५ | खाला मनावाङ्ग खानेपानी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १६ | भालुटुका खोर मौरिकाडे खानेपानी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|---------------------------------|--|---------|----|----|----|----|--|
| १७ | तालाखोला खानेपानी योजना | | ५ लाख | ५ | | | | |
| | धनदरे खानेपानी योजना | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १९ | कुलावाद जुकेपानी खानेपानी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २० | जरिकाडा भिरकवा खानेपानी | | १२ लाख | १० | २ | | | |
| २१ | जरिकाडा खानेपानी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २२ | भालुटुका त्रिकुटा लिफ्ट | | १० करोड | ५ | २ | २ | १ | |
| | खानेपानी | | | | | | | |
| २३ | सानोखोला किमीचौर माझटोल | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| | खानेपानी योजना | | | | | | | |
| २४ | गनाउने खोला खानेपानी योजना | | ३० | १५ | १५ | | | |
| २५ | पूर्णागाउँ जनकल्याण आ.वि. | | ५ लाख | ५ | | | | |
| | खानेपानी योजना | | | | | | | |
| २६ | ढोखोला सिसेनी खानेपानी योजना | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २७ | भालुटाकुरा बाहुन धारा खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २८ | डाङाँ घर खानेपानी योजना | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २९ | उपल्लो साहुटोल खानेपानी | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३० | डाखोला निनचौर खानेपानी योजना | | १ करोड | ४० | २० | २० | २० | |
| ३१ | वहाने सिमसार खानेपानी योजना | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३२ | सितुरिकाटे खानेपानी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३३ | जुके मुल खानेपानी योजना | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३४ | नरपानी चौधरी टोल खानेपानी योजना | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३५ | ढाखोला निनचौर खानेपानी | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| | झुडखोला डाङाघर खानेपानी | | | | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण

वडा नं. ६

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्वास्थ्य आमा सुमहहरुलाई पुनरताजगी तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | महिलाहरुलाई आर्यथर्जनमा सहभागी गराई सक्रिय बनाउन तालिम | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३ | सबै तहमा सबै जातजातीका महिलालाई समवेश गरी कार्यक्रम तथा योजनाहरु सम्पन्न गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | तालिमको लागि थप कोटाको व्यवस्था गर्ने | | ५ | ५ | | | | |
| ५ | ज्यालादरमा एकरुपता सम्बन्धी जनचेतना कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | सबै तहमा महिला आरक्षणको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | महिलाहरुलाई सहकारीबाट आयआर्जन सम्बन्धी कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ८ | कानूनी सचेतना तालिम को व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|---|---|---|---|--|
| ९ | दलित जनजातीको आरक्षण कोटा थप गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १० | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई औषधी उपचारको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई साधनको व्यवस्था गर्ने र सहज बनाउने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १२ | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई हेरचाह तथा पोषणको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १३ | अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुलाई औषधी उपचारको व्यवस्था गर्ने व्यवसायिक तथा राजनितिक क्षेत्रमा अपाङ्गको प्रतिनिधित्व गराउने अपाङ्ग मैत्री तालिमको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १४ | जीवीकोपार्जनको लागि सिपमुलक तालिमको व्यवस्था गर्ने। | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १५ | जेष्ठ नागरिकलाई सुरक्षा भत्ता घरमै उपलब्ध गराउने व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १६ | जेष्ठ नागरिकलाई धार्मिक भ्रमणको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| १७ | महिलाहरुको लागि ढाका बुनाई, बुटिक सिलाईकटाई, वीटरबुनाई, व्युटीपार्लर, प्रपोजल लेखन जस्ता विभिन्न तालिमको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खेलहरु सम्बन्धि आवश्यक पर्ने सामाग्रीहरुको खरिद गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | क्रकेट खेलमैदान निर्माण गर्ने | | ५० लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | खेलकुद सम्बन्धि सचेतना कार्यक्रम | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ४ | फुटबल खेल मैदान निर्माण गर्ने | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ५ | भलिवल खेल मैदान निर्माण | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ६ | खेलकुदको लागि प्रशिक्षणको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | युवाहरुलाई खेल सम्बन्धि कार्यक्रमहरु संचालन गरी प्रोत्साहित गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य र सांस्कृति वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सरायो नाच र लकडी नाच संरक्षण | | २ लाख | १ | १ | | | |
| २ | कुलपुजा संरक्षण | | १ लाख | ५० | ५० | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|--------|---|---|---|---|--|
| ३ | विभिन्न संस्कृतिहरुको संरक्षण गर्ने | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| ४ | लोपहुन लागेका कला संस्कृतिको लागि संरक्षण गर्ने व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ३ | १ | १ | १ | |
| ५ | पहिचान दिनेखालका भाषा कला र संस्कृतिको सम्बद्धन गर्ने | | ५ लाख | ३ | १ | १ | १ | |
| ६ | पञ्चेवाजाको सेट खरिद गर्ने | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ७ | बाजा बजाउनको लागि तालिमको | | ५ लाख | ३ | १ | १ | १ | |
| ८ | कला संस्कृतिको प्रचार प्रसार गर्ने | | ५ लाख | ३ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | पाडावाङ्ग पिपलटारी पूर्णगाउँ कुना तुषारा मोटरबाटो स्तरोन्नती | | ३० लाख | २० | १० | | | |
| २ | पिपलटारी धमुसिरुवारी माक्रेसिरसिने सडक निर्माण तथा स्तारोउन्नती | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ३ | बहाने स्युरीकाटे थाम माक्रे मोटरबाटो निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | बहाने पिउरीकाटे जाहाधुरी मोटरबाटो निर्माण तथा स्तारोन्नती | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ५ | ढाखोला खलपखरा मसरा मोटरबाटो निर्माण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ६ | पिपलटारी फेदी लुङ्ग मोटरबाटो निर्माण | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | |
| ७ | बहाने लुङ्ग तुसरा मोटरबाटो | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| ८ | लुङ्गपानी गैरा मोटरबाटो | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ९ | बदाने ढाड लेख मोटरबाटो निर्माण | | ५करोड | ३ | १ | १ | १ | |
| १० | खोर लुङ्ग मोटरबाटो | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ११ | पूर्णगाउँ लुङ्ग मोटरबाटो | | ३५ लाख | १० | १० | १० | ५ | |
| १२ | जरीकाडा तुसारा मोटरबाटो | | ८ लाख | ५ | ३ | | | |
| १३ | लाखचौर हरेला किमीचौर मोटरबाटो स्तरोन्नती | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| १४ | ओख्लेबाघ सिमपानी खाल मोटरबाटो | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| १५ | भुमेधारा साउँटोल मोटरबाटो | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| १६ | पौवा पखरा धारापानी रिडरोड | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| १७ | गौराटोल पौवा पखरा मोटरबाटो | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| १८ | सिरवारी माक्रेथान मोटरबाटो | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| १९ | सिसेनी नेटाधारा मोटरबाटो | | १५ लाख | १० | ५ | | | |
| २० | पधेरा खोला सिमलचौर मोटरबाटो | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| २१ | पाखा पानी मोटरबाटो | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २२ | पिपलटारी स्वास्थ्य चौकी मोटरबाटो स्तरोउन्नती | | ३ लाख | १ | १ | १ | | |
| २३ | पाडावाङ्ग पक्की पुल | | ९ करोड | ५ | ४ | | | |
| २४ | धाइरे पिपलटारी पक्की पुल | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |

| | | | | | | | | |
|----|-------------------------------------|--|--------|----|----|----|---|--|
| २५ | अधेरी सिकारी पक्कीपुल | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| २६ | हर्सवाङ्ग खोला पक्की पुल | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| २७ | माके मसरा पक्कीपुल | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| २८ | बड़खोला पक्कीपुल | | ३ करोड | २ | १ | | | |
| २९ | हुर्सवाङ्ग पाखा भलुङ्गे पुल | | ४५ लाख | १५ | १५ | १५ | | |
| ३१ | एकलेखेत भलुङ्गे पुल | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३२ | सिमलबोट लाखा चौर भलुङ्गे पुल | | ४५ लाख | ३० | १५ | | | |
| ३३ | किमीचौर भलुङ्गे पुल | | ४५ लाख | ३० | १५ | | | |
| ३४ | पुर्णगाउँ लुङ्ग पौवा पखरा आकाशे पुल | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३५ | लुङ्घारापानी आकाशे पुल | | ५० लाख | ३० | २० | | | |
| ३६ | सिमीचौर खवाङ्ग मोटरबाटो | | १ करोड | ५० | ३० | २० | | |

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | पिपलटारी वस्ती विकास | ५ करोड | २ | २ | १ | | | |
| २ | माकेवस्ती विकास | ३ करोड | १ | १ | १ | | | |
| ३ | कफली चौर सिर्सेनी वस्ती विकास | २ करोड | १ | १ | | | | |
| ४ | तेरचार मनवाङ्ग वस्ती विकास | २ करोड | १ | १ | | | | |
| ५ | बयल डाँडा वस्ती विकास | २ करोड | १ | १ | | | | |
| ६ | डाड सार्वजनिक भवन निर्माण | ७ लाख | ३ | ३ | १ | | | |
| ७ | पूर्णगाउँ सामुदायिक भवन निर्माण | ९ लाख | ३ | ३ | ३ | | | |
| ८ | मिलीजुली सिर्सेनी कृषि सेवा भवन निर्माण | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | | |
| ९ | पिपलटारी लेकाली भवन निर्माण | ९ लाख | ५ | ४ | | | | |
| १० | किमीचौर भवन निर्माण | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | | |
| ११ | लुङ्घफेदी, पधेरी खोला, एकलेखेत, मुर्दाघर निर्माण | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | | |
| १२ | उपल्लो साहुटोल पिपलबुटा प्रतिक्षालय निर्माण | ९ लाख | ५ | ४ | | | | |
| १३ | नौबहिनी पालिकास्तरीय अस्पताल निर्माण | २५ करोड | १० | ५ | ५ | ५ | | |
| १४ | वडाकार्यालय भवन निर्माण | १ करोड | ४० | २० | २० | २० | | |
| १५ | त्रिकुटाधाम मन्दिर निर्माण | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | | |
| १६ | मस्टथाम पर्यटकीय पूर्वाधार विकास | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा) | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-----------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | थ्रीफेज लाईन विस्तार | ३० लाख | १० | १० | १० | | | |
| २ | टान्सफर्मर थप गर्ने | २० लाख | २० | | | | | |
| ३ | जीर्णपोल फेर्ने | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : सूचना तथा सञ्चार प्रविधि वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बडा नं ६ मा नेपाल टेलिकमको टावर भएको क्षमता बढ़ा गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | सबै चोकहरूमा वाईफाईको सम्भावना रहेको | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : बन तथा जैविक विविधता बडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| क | सिद्धबाबा सामुदायिक बन | | | | | | | |
| १ | दाते ओखर, टिमुर, कुरिलो, | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २ | पानी पोखरी मर्मत, | | ९ लाख | ३ | ३ | ३ | | |
| ३ | बनमारा फडानी | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ख | पेरा सामुदायिक बन | | | | | | | |
| ४ | टिमुर खेती | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५ | दाल चिनी | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ६ | पौवा पोखरा संरक्ष | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ७ | वृक्षारोपण गर्ने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ग) | देउराली कुलाबाटा सामुदायिक बन | | | | | | | |
| ८ | भवन निर्माण | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ९ | वृक्षारोपण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १० | आगलामी नियन्त्रण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | वन्य जन्तु नियन्त्रण | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन बडा नं. ६

| क्र.सं | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|--------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | लुड्खोला नदी नियन्त्रण गर्ने खोपी देखि दोमाड सम्म | | ५ करोड | २ | १ | १ | १ | |
| २ | ढाखोला तार जालीको व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | हसेवाड खोला तार जाली को व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | पधेरीखोला तारजालीको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | नेवारा तारजाली को व्यवस्था गर्ने | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | थोप्लाखोला तारजालीको व्यवस्था गर्ने | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ७ | कोलै देखि बल्ले नदी नियन्त्रणको व्यवस्था गर्ने | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ८ | ढाखोला पिपल पाखुरी वस्ती संरक्षण गर्ने | | १० लाख | ३ | ३ | ३ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : वातावरण तथा फोहोर व्यवस्थापन वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | वातावरण संरक्षण सम्बन्धि कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| २ | मोटरबाटोको साईड साईडमा विरुवाहरु लगाउने | | ५ लाख | २ | ३ | | | |
| ३ | चिम्नी सहितको फलामे चुलोको व्यवस्था गर्ने प्रत्येक घर परिवारलाई | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४ | कुहिने र नकुहिने फोहोर छुट्टाउने व्यवस्था गर्ने साथै ठाउँ ठाउँमा डस्टीनको वितरण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ५ | डस्टीनको व्यवस्था गर्ने प्रत्येक घर परिवारलाई | | ५० लाख | १० | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | ल्याण्डफिल साईडको व्यवस्था गर्ने | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | विपत व्यवस्थापन सम्बन्धि कार्यक्रम गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | विपत व्यवस्थापन कोषमा बजेट वढाइ गर्ने | | ५० लाख | २० | १० | २० | | |
| ३ | जलवायु सम्बन्धि जनचेतनामुलक | | ५ लाख | ५ | ५ | | | |
| ४ | अरनीरिखा कोर्ने र जनचेतनामुलक | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ५ | लेवसे पहिरो नियन्त्रण गर्ने | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ६ | छिपिछ्ये पहिरो नियन्त्रण गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | ढाड पहिरो नियन्त्रण गर्ने | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ८ | धारापानी पहिरो नियन्त्रण गर्ने | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| ९ | बस्नेतधारा पहिरो नियन्त्रण | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १० | आरि घर पहिरो नियन्त्रण | | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |

विषयगत उपक्षेत्र : सुशासन, ऐन, कानून, तथा न्यायिक व्यवस्था वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नागरिक बडापत्र नयाँ राख्ने | | २० हजार | २० | | | | |
| २ | पञ्जीकरण तथा प्रशासनीक तालिम | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|-------|---|---|---|---|--|
| १ | निजी क्षेत्रको लागि सहकार्य कार्यक्रम -सिपमुलक तथा आय आर्जन मुलक कार्यक्रम | | ७ लाख | २ | २ | २ | १ | |
| २ | वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम संचालन गर्ने | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |

विषयगत उपक्षेत्र : मानव संशाधन, संस्थागत विकास तथा सेवा प्रवाह वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सि.सि क्यामेरा तथा विद्युतिय हार्जिरी | | ३ लाख | ३ | | | | |
| २ | वडाकार्यालय भवन निर्माण | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ३ | सभाहल निर्माण | | २० लाख | १५ | १५ | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : योजना व्यवस्थापन वडा नं. ६

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | योजनाहरूको अनुगमन तथा अभियुक्तिकरण कार्यक्रम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |

वडा नं. ७

विषयगतउपक्षेत्र : कृषि विकास वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--------------------|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मकै खेती (बिउ) | ७०० हेक्टर | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| २ | धानखेती (बिउ) | ५०० रोपनी | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ३ | गहु खेती (बिउ) | ७०० हेक्टर | ४ लाख | १ | १ | १ | ५० | ५० |
| ४ | तरकारी खेती | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ५ | अदुवाखेती | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ६ | लशुनखेती | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |
| ७ | हलेतो खेती | | ३ लाख | ७५ | ५० | ५० | २५ | १ |
| ८ | टिमुर खेती | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ९ | स्याउ खेती | | २ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| १० | किविखेती | | १ लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ११ | कागतीखेती | | १ लाख | | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : पशुपंक्षीपालन वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बाखापालन | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | २.५ | २.५ |
| २ | कुखुरा पालन | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| ३ | भैसीपालन | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |

विषयगतउपक्षेत्र : सिंचाइ वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नयासिचाई कुलो | ५०० रोपनी सिंचित | २० लाख | २० | | | | |
| २ | गाउँकुलो सिचाई | ५०० रोपनी सिंचित | २० लाख | २० | | | | |
| ३ | आखेतकुलो सिचाई | ३०० रोपनीसिंचित | २५लाख | २५ | | | | |
| ४ | रुखाचौर कुलो सिचाई | २०० रोपनीसिंचित | ३० लाख | ३० | | | | |
| ५ | नेशलखोला चोराधार, पखेराथात्रासिचाई कुला | १०००रोपनी सिंचित | ५० लाख | ५० | | | | |
| ६ | भकरा खोला, पेडी खोलासिचाई कुलो | ५०० रोपनी सिंचित | १० लाख | १० | | | | |
| ७ | पधेरा खोलासिचाई कुलो | २०० रोपनी सिंचित | ५लाख | ५ | | | | |
| ८ | फुर्सादिद, घोवाङ्गे सिचाई कुलो | २०० रोपनी सिंचित | ५लाख | ५ | | | | |
| ९ | सिचाई पोखरी | ५०० रोपनी सिंचित | २ लाख | २ | | | | |
| १० | टारी सिचाई कुलो वास्की मर्मत | २०० रोपनी सिंचित | १० लाख | १० | | | | |
| ११ | टारी कुलो सिचाई योजना | | १५लाख | ५ | १० | | | |
| १२ | गाउँकुलो सिचाई | | १० लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १३ | नयाँकुलो सिचाई | | १५लाख | | १५ | | | |
| १४ | आखेत कुलो सिचाई | | ५०लाख | | | ५० | | |
| १५ | दारिड्गे कुलो सिचाई | | १ करोड | १ | | | | |
| १६ | खाद घोवाङ्गे सिचाई | | ७० लाख | | | ७० | | |
| १७ | पधेरी खोलातिम्ले सिचाई | | ७० लाख | | २५ | १५ | १० | १० |
| १८ | बास्कोट पधेरी खोलासिचाई | | १ करोड | | २५ | २५ | २५ | २५ |
| १९ | पातचौर पोखरा सिचाई कुलो | | ५० लाख | | २० | १० | १० | १० |
| २० | पाल्लो खोलातिम्ले सिचाई | | १० लाख | | ५ | २ | १५० | १५० |
| २१ | नियालखोला चोराधारा सिचाई | | १ करोड | | २५ | २५ | २५ | २५ |
| २२ | पधेरीखोला साभापाटा सिचाई | | २५लाख | | १० | ५ | ५ | ५ |
| २३ | पल्लोखोला साभापाटा सिचाई | | ६० लाख | | २० | १५ | १५ | १० |
| २४ | जुकेखोला साभापाटा सिचाई | | ३लाख | | १ | १ | ५० | ५० |
| २५ | रिपाखोलाकुलो मर्मत | | ३लाख | | १ | १ | ५० | ५० |
| २६ | फुर्सा खोला देखि तल्लो थात्रा सम्म सिचाई | | २०लाख | | १० | ५ | २५० | २५० |
| २७ | कौछेखोला रुखचौरसिचाई | | ८० लाख | | २० | २० | २० | २० |
| २८ | बास्कोट पधेरी खोला साभापाटा | | १ करोड | | ३० | ३० | ३० | १० |
| २९ | आखेत कुलो बास्कोट सिचाई | | ८० लाख | | ३० | ३० | १० | १० |

| | | | | | | | | |
|----|-------------------------------------|--------------------|--------|----|----|----|----|----|
| ३० | पधेरीखोला, गोठाना, धपडाडा सिचाई | | १५लाख | | १० | ५ | | |
| ३१ | पानिखर्के फुसेपाटा सिचाई | | ६लाख | | ४ | २ | | |
| ३२ | पाल्लो वाँयसला | | १६लाख | १० | ६ | | | |
| ३३ | ओल्लो वाँयसला | | १५लाख | १० | ५ | | | |
| ३४ | सिचाई बास्कोट गाउँकुलो | १३० घरधुरी | ६० लाख | ३० | ३० | | | |
| ३५ | रोमसीखोलाखानेपानी | ३० घरधुरी खानेपानी | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३६ | मारीखोलापखेरा सिचाई | १५ घरधुरी खानेपानी | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३७ | बुद्रामे खोला देखि सुर्दिप सिचाई | उत्पादनवृद्धि | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |

विषयगतउपक्षेत्र : पर्यटन विकास वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--------------------------------|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | लिस्ने पर्यटक स्थल | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २ | घडेरी खोलाभुमेथान पर्यटक | | ३० लाख | १० | १० | ५ | ५ | |
| ३ | कल्लापोखरा मन्दिर निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ४ | चेराधारा ओलेसा गुफानिर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ५ | पालचौर पोखरा शिवालयमन्दिर | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ६ | बुडा सिद्ध मन्दिर निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ७ | स्याउले धुरी मन्दिर निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ८ | माके मन्दिर निर्माण बास्कोट | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | देवीकामन्दिर | | ५ लाख | | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसायतथाआपूर्तिव्यवस्था वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | ब्रेकीउद्योग (पाउरोटी) | सबै | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |

विषयगतउपक्षेत्र : वित्तीय संस्थातथा सहकारी विकास वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मिलीजुली बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लि. नौबहिनी ७ बास्कोट भवननिर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| २ | त्यापटप, फोटोकपीमसिन, इस्क्यान मसिनखरिद | | २ लाख | २ | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिकआप्रवासन वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|----------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बुट्टाभर्ने | ७ नं. | २ लाख | २ | | | | |
| २ | सिलाई कटाई बनावटी | ७ नं. | ५ लाख | २ | | | | |
| ३ | व्यवसाय संचालनको लागि तालिम संचालन | | ५ लाख | २ | २ | २ | | |

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|--|-------------------|---------------|-------------|----------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | मा.वि सञ्चालन ४ कोठे भवन | विद्यालयशिक्षा | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| २ | विद्यालयफर्निचर निर्माण | विद्यार्थी वसाई व्यवस्थापन | १० लाख | २५० | २५० | २५० | २५० | |
| ३ | शिक्षककर्मचारी थप ५ जना | शिक्षण सिकाई | २० लाख | २० | २० | २० | २० | २० |
| ४ | छात्रछात्रा शौचालयनिर्माण | सरसफाई तथा फोहोर व्यवस्थापन | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| ५ | विद्यालय घेरावार आयोजना | सुरक्षाव्यवस्थापन | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| ६ | आइसीटी तथा विज्ञान प्रयोगशाला | सूचनातथा सञ्चार | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ७ | खेलमैदाननिर्माण | खेलकुद र शारीरिक कसरत | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| ८ | विद्यालय खानेपानी आयोजना तथा सामुदायिक (उपल्लो पखेरा देखि थात्रा सम्म) मुहाननेवल खोलाथाक्न देखि चोराधारा, उपल्लो पखेरा देखि थात्रा सम्म | स्वास्थ्यखानेपानी स्वस्थ्यजिवन | १ करोड | २० | २० | २० | २० | २० |
| ९ | किशोर किशोरी स्वास्थ्य सरसफाई प्रजनन सम्बन्धी | स्वास्थ्यतथा सरसफाई | २.५ लाख | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| १० | खेलकुद सामाग्री खरिद कार्यक्रम | स्वास्थ्य र विकास | ५० हजार | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |
| ११ | दिवाखाजा थप रकम आ.वि.तथामा.वि सम्म | स्वच्छता र जागरूकता प्रतिविद्यार्थी रु. ३० को दरले | | | | | | |
| १२ | शिक्षक संख्या थप गर्नुपर्ने | २ जना | १० लाख | ५२० | ५२० | | | |
| १३ | विद्यालय कम्पाउन्डल | | १० लाख | | ५ | ५ | | |
| १४ | फर्निचर निर्माण | | ५लाख | | | | | |
| १५ | शौचालयनिर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| १६ | बालविकास व्यवस्थापन | | २५ हजार | | | | | |
| १७ | कथाअफ्रेड गर्ने | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|---------------------------|---------|----|----|----|--|--|
| १८ | विज्ञान प्रयोगशाला | | ५ लाख | | | | | |
| १९ | खानेपानी मर्मत (ट्याडकी) | | १० लाख | १० | | | | |
| २० | किशोर किशोरी मैत्री सेवा | | ५ लाख | | | | | |
| २१ | इन्टरनेट जडान गर्नुपर्ने | | ५ लाख | | | | | |
| २२ | विपन्नवालबालिकाहरूलाई जेहेन्दार छात्रावृद्धि | | २ लाख | | | | | |
| २३ | भवननिर्माण | | १ लाख | | | | | |
| २४ | विपन्न छात्रावृद्धि | | ६० लाख | | ३० | ३० | | |
| २५ | शैक्षिक सामाग्री | | ५०हजार | | | | | |
| २६ | खाजा रकम | | २०हजार | | | | | |
| २७ | विद्यालय २ कोठे पक्कीभवन | भवननिर्माण | ८०हजार | | | | | |
| २८ | तारबार घेराबार | | ५०हजार | | ५० | | | |
| २९ | खेलमैदान | गुणस्तर वृद्धि | २० लाख | १० | १० | | | |
| ३० | फर्निचर निर्माण | गुणस्तर वृद्धि | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३१ | पुस्तकालय स्थापना | गुणस्तर वृद्धि | १ लाख | १ | | | | |
| ३२ | विज्ञान प्रयोगशाला | गुणस्तर वृद्धि | ५ लाख | | ५ | | | |
| ३३ | विद्यालयअपग्रेड दरबन्दी | गुणस्तर वृद्धि | ५ लाख | | | ५ | | |
| ३४ | सेनीटरी प्याड | गुणस्तर वृद्धि | ५ लाख | | ५ | | | |
| ३५ | नास्ता रकम | गुणस्तर वृद्धि | ५ लाख | | | | | |
| ३६ | विद्यालयमा विद्युतिय हिटर | गुणस्तर वृद्धि | २०हजार | २० | | | | |
| ३७ | स्वास्थ्यकर्मीको व्यवस्था | | ४ लाख | | | | | |
| ३८ | विद्यालयमा शौचालय मर्मत | सहजवातावरण हुनेछ | ७ लाख | १ | ६ | | | |
| ३९ | विद्यालयमा खानेपानी | | ८ लाख | | ८ | | | |
| ४० | विद्यालयमा नेट सञ्चालन | | ८० हजार | ८० | | | | |
| ४१ | विद्यालय मर्मत | | ५ लाख | | ५ | | | |
| ४२ | विद्यालयमा तारबार घेराबार वाल | | ५ लाख | | ५ | | | |
| ४३ | बलविकास व्यवस्थापन गर्नुपर्ने | | ३ लाख | | ३ | | | |
| ४४ | फोटोकपी, प्रिन्ट, कम्प्युटर खरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ४५ | विद्यालयमा फर्निचर निर्माण | बसाई व्यवस्थापनमा सहजहुने | ६ लाख | | ६ | | | |
| ४६ | भवननिर्माण ३ कोठे | | ३० लाख | २० | १० | | | |
| ४७ | तारबार विद्यालय वरिपरी १किलोमिटर | | ३ लाख | | | | | |
| ४८ | खेलमैदान | | ५ लाख | | | | | |
| ४९ | फर्निचर | | २ लाख | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|-------------------------------------|-------------------------------------|---------|----|----|--|----|--|
| ५० | विज्ञान प्रयोगशाला | | २लाख | | | | | |
| ५१ | शिक्षकथप २ | | ६ लाख | | | | | |
| ५२ | कक्षाअपग्रेड गरी ६ कक्षा सुरु गर्ने | | १५लाख | | | | | |
| ५३ | बालविकास व्यवस्थापन गर्नुपर्ने | | १० लाख | | | | | |
| ५४ | मन्दिर शिवजीपातचौर | | १५लाख | | | | | |
| ५६ | विद्यालयमर्मत | बालबालिकाहरुलाई पठनपाठनमा सहज हुनेछ | ५लाख | १ | | | | |
| ५७ | विद्यालयमा नेट संचालन | सूचनाप्रविधिमा सुधार | ५० हजार | ५० | | | | |
| ५८ | विद्यालयशैचालय मर्मत | सहजबातावरण हुनेछ | ५ लाख | | २ | | ५० | |
| ५९ | विद्यालयतथावस्तीखानेपान | सरसफाईमाथप सुधार हुनेछ | ५लाख | ५ | | | | |
| ६० | विद्यालयफर्निचर निर्माण | बसाई व्यवस्थापनमा सहजहुने | ४लाख | २ | २ | | | |
| ६१ | बालविकास व्यवस्थापन | | २लाख | | २ | | | |
| ६२ | विद्यालय स्तान्तरण | ५० घरधुरी | ५० लाख | | ५० | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्यतथापोषण वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत रकम(रु.लाखमा) | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | स्वास्थ्य महिला भवन | | ५ लाख | १ | २० | ३ | ४ | ५ |
| २ | ४ वटा स्वास्थ्य आमासमुहलाई प्रत्येक महिनाको तालिम | | २ लाख | २.५ | ३ | ४ | ५ | ६ |
| ३ | स्वास्थ्य सम्बन्धि जनचेतनामुलक कार्यक्रम | | ६० लाख | | १ | १५ | २ | १५ |
| ४ | गाउँघर किलनिक र खोप किलनिकको भवन | | १२.५० लाख | | २ | ३ | ३५ | ४ |
| ५ | महिलाहरुलाई स्वास्थ्य शिविरको व्यवस्था | | १० लाख | | १५ | २० | २५ | ४० |
| ६ | महिला स्वास्थ्य संयमसेविकालाई प्रत्येक महिनाको तालीम | | १.१० लाख | १ | १ | २ | ३ | ४ |
| ७ | महिला स्वास्थ्य संयमसेविकालाई मासिकभत्त | | ३.५८ हजार | ६० | ७२ | ९६ | ९० | ९२ |
| ८ | गाउँ घर किलनिक र खोपकिलनिकको भवननिर्माण | | २२० लाख | ५ | ७ | ८ | ९ | ९ |
| ९ | गाउँ घर किलनिक र खोपकिलनिकको लागिमहिला संयमसेविकालाई नास्ता | | ५ लाख | २ | ३ | | | |
| १० | पातचौर पोखरा बास्कोटमा स्वास्थ्यइकाई | | १ लाख | ५ | ५ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|-------|---|---|---|--|--|
| ११ | पातचौरमामहिला सामुदायिकभवन रड रोगन कुर्सी डस्वीन | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
|----|--|--|-------|---|---|---|--|--|

विषयगतउपक्रेत्र : खानेपानीतथा सरसफाई बडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत रकम(रु.लाखमा) | | | | | |
|---------|---|----------------------------------|-------------------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिले वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | श्री ने.रा.प्रा.वि. खानेपानी मर्मत | खानेपानीमा शुद्धता | ५ लाख | १० | ४० | | | |
| २ | बास्कोट खानेपानीयोजना | खानेपानीमा शुद्धता | ५ लाख | | ५० | | | |
| ३ | घोवाडगे खा.पा. योजना | खानेपानीमा शुद्धता | ४ लाख | | | ४० | | |
| ४ | दारिङ्गे खा.पा.योजना | खानेपानीमा शुद्धता | ३ लाख | ३० | | | | |
| ५ | ठुलो स्याउले खानेपानी | | १६ लाख | १० | ६ | | | |
| ६ | धाराखर्क खानेपानी | | १५ लाख | १० | ५ | | | |
| ७ | श्री ने.रा.प्रा.वि.पाल्वौर | DPRगर्ने १५०० मिटर | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ८ | तल्लो पोखरा | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | पोखरा रोकाटोल फुलेमोड रोकानोल | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १० | तल्लो पोखरा तिम्ले उपल्लो पध्नेरी खोला, तल्लो खोला | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ११ | पातचौर खा.पा. ५५ घर धारा थप | | २५ लाख | १५ | १० | | | |
| १२ | कटेरी खा.पा मर्मत | | ५ लाख | ५ | | | | |
| १३ | रोम्सी टोल | DPR गरी नयाँ | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १४ | शिवर्जीफूलपसीने खा.पा. | | १ लाख | १ | | | | |
| १५ | धर्मे पोखरा खा.पा. १० घर | ३.५ मिटर २५mm | १० लाख | | | | | |
| १६ | उपल्लो तिम्ले पध्नेरीखोला सल्लामारे खा.पा. ३ घर | | १० लाख | | | | | |
| १७ | तिम्ले वल्लो तिम्ले १६mm ४०० मिटर | | १ लाख | | | | | |
| १८ | पोचालवास खा.पा. निर्माणपातचौर ट्याडकी | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| १९ | भेडी खोर बारेबन सुर्दिप खानीगाउँ खानेपानीयोजना | स्वस्थपित्तने पानी स्वस्थजिवन | १ करोड | २ | २ | २ | २ | २ |
| २० | मैरामारे, चैत गोठान, वायसल्ला, धोकुण्डो, गोगनपानी, रिपाखोलाथपखानेपानी | स्वस्थपित्तने पानी | २ लाख | २ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| २१ | नेवलखोला, खाम्पीवास, चोराधारा, काफलवुटा, गल्डुड, खानेपानी | १०० उपभोतालाई स्वच्छपित्तने पानी | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| २२ | ठुलो लडगुर खानेपानीनिर्माण | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|----|---|---|---|
| २३ | नेवलखोलाथाथाक्ना देखि चोराधारा उपल्लो पछेरा थात्राखानेपानी योजना | लाभग १०० बढी उपभोक्तास्वस्थिपिउने पानी | १ लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| २४ | घकुण्डो खोलादेखि सुर्दिप ने. रा.आ. विद्यालय सम्म खानेपानी | ३० घरधुरी विद्यालयपनि | ५ लाख | ५ | | | | |
| २५ | मर्मत खानेपानी | ५० घरधुरी खानेपानी | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २६ | माझीखोलाखानेपानी | १५ घरधुरी खानेपानी | ५ लाख | ५ | | | | |
| २७ | खानेपानी करडगे | २० घरधुरी खानेपानी | २ लाख | १० | १० | | | |
| २८ | कुवार्मर्म सुर्दिप | १७ घरधुरी खानेपानी | ५ लाख | ५ | | | | |
| २९ | मर्मत खानेपानी | ५० घरधुरी खानेपानी | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : लक्षितवर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--------------------------------------|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | लक्षित महिलाहरुको लागि सिपमुलक तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २ | कानूनी सचेतना सम्बन्धि तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ३ | सिलाईकटाई तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : युवातथा खेलकुद वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | युवाहरुलाई खेल सम्बन्धि प्रशिक्षणको व्यवस्था गर्ने | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| २ | खेल मैदानको व्यवस्था गर्ने | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| ३ | खेलकुद समाग्री वितरण | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |

विषयगतउपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथापुलपुलेसा वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बल्ले खोला देखि मैरामारे रोल्पामो. | | १० करोड | ५ | २ | २ | १ | |
| २ | बास्कोट घोवाङ्गुहुदै मैरामारे मो | | ७ करोड | ५ | २ | | | |
| ३ | तिम्ले खोलापाचौर पोखरा | | २५लाख | १० | १० | ५ | | |
| ४ | पातचौर पोखरा देखि पातचौर मो | | १५लाख | १० | ५ | | | |
| ५ | पोखरा डाडा देखि | | २५ लाख | १० | १० | ५ | | |
| ६ | वाहाने बास्कोट हुदै दारिङ्गे | | १२लाख | ४ | ४ | २ | २ | |
| ७ | वम्माङ खोला देखि वायासालामो. | | १० लाख | ५ | २ | ३ | | |
| ८ | रोकागोठान कमिजामो. | | १५लाख | १० | २ | ३ | | |

| | | | | | | | | |
|----|----------------------------------|--|--------|----|----|----|----|--|
| १ | नियालखोलाजालीनिर्माण | | १० लाख | ५ | ३ | २ | | |
| १० | मैरामारे देखि खालीमोटरबाटो | | १ करोड | ५० | २५ | १५ | १० | |
| ११ | मैरामारे खास्रीबास मोटरबाटो | | १० लाख | १० | १० | | | |
| १२ | भैसीखिकिने देखि वायसाला | | १२लाख | ५ | ५ | | | |
| १३ | सुर्तिप देखि मैरामारे मो. | | १० लाख | ५ | ५ | २ | | |
| १४ | काफल बुडा देखि | | १५लाख | ५ | ५ | | | |
| १५ | स्याउले गमीजा भलझे पुल | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| १६ | थात्रा वडा कार्यालय भलझे पुल | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| १७ | हाईपाखा मसरा पुल | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| १८ | खास्री देखि ताल पोखरी विस्तार | | ६० लाख | ३० | ३० | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिकनिर्माण वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातयाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतयाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--|-----------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बास्कोट मात्रो मन्दिर | | ७लाख | | ७ | | | |
| २ | बुढाथाम दारिङ्गे पाथचौर मन्दिर निर्माण | | १० लाख | | १० | | | |
| ३ | बास्कोट कल्लापोखरा पत्तिक्षालयनिर्माण | | १० लाख | | १० | | | |
| ४ | बास्कोट बराहपुजाधाम | | ७० लाख | | ३० | २० | १० | १० |
| ५ | बास्कोट, पोखरा पाचौर स्वास्थ्यइकाई | | २० लाख | | २० | | | |
| ६ | धोवाडगे खोप केन्द्र | | १० लाख | | १० | | | |
| ७ | बास्कोट बरबोटा चौपारी | | १२लाख | | | ५ | ५ | २ |
| ८ | बधताने पत्तिक्षालय | | ७लाख | | ७ | | | |
| ९ | देविमन्दिर धोवाडग. देविथान | | ३ लाख | | ३ | | | |
| १० | धकुन्डो वस्तीपोखरा डाडामा देविको मन्दिर | | ३ लाख | | ३ | | | |
| ११ | शिवजीमन्दिर पोखरा पाथचौर | | ५ लाख | | | ५ | | |
| १२ | पाचौर गएलमन्दिर निर्माण | | १५लाख | | ५ | ५ | ५ | |
| १३ | पाचौर खानेपानीधारा चौपारी | | ३ लाख | | | ३ | | |
| ४ | थात्रप्रतिक्षालय | | १० लाख | | | ५ | ३ | २ |
| १५ | मैरामारे देविमन्दिर | | १० लाख | | १० | | | |
| १६ | गोमिजा देखि मन्दिर | | ५ लाख | | ५ | | | |
| १७ | थात्र देखि मन्दिर | | ७लाख | | ७ | | | |
| १८ | एकलेखालप्रतिक्षालय र सार्वजनिकशैचालयपोखरा | | १० लाख | | | ७ | ३ | |

| | | | | | | | | |
|----|-------------------------------------|--|--------|--|---|---|---|---|
| १९ | संस्कृति जर्जना भवन | | ५ लाख | | ५ | | | |
| २० | चोराधाराशिवजीमन्दर | | ५ लाख | | ५ | | | |
| २१ | गोवनपानीपोखरी तथा चौपारी निर्माण | | | | | | | |
| २२ | बास्कोट शिवजीमन्दर | | १० लाख | | ५ | ३ | २ | |
| २३ | पखरडाडा प्रतिक्षालय | | जलाख | | २ | २ | २ | १ |

विषयगतउपक्षेत्र : विद्युतथा वैकल्पिकउर्जा वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | थ्रीफेस लाईन विस्तार | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २ | टान्समिटरको क्षमता बढ़ि | | ५०लाख | | २५ | २५ | | |
| ३ | पालचौर स्याउले गमिजा सुर्तिप, भकार, वजुपुज्ञे हुदै वायसल्लाखाम्हीवास विद्युतविस्तार | | २० करोड | | १० | ५ | ५ | |

विषयगतउपक्षेत्र : सूचनातथा सञ्चार प्रविधि वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|--|-----------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|---------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | वडाकार्यालयका सूचनाहरु आदान प्रदानको लागि सामाजिक संजाल तथा पत्रचार | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| २ | मोबाईलको टावर को क्षमता विस्तार | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |

विषयगतउपक्षेत्र : वनतथा जैविकविविधता वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-------------------------|-----------------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | अग्नीरेखानिर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | वृक्षारोपण | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ३ | वनमारा सफाई गर्ने | | ५ लाख | २ | २ | १ | | |
| ४ | वृक्षारोपण दालचिनी | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ५ | सामुदायिकवन. निविकरण | | ५० हजार | १० | १० | १० | १० | १० |
| ६ | टिमुर खेती | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| ७ | होमस्टे | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ८ | दुम्पी, बदेल, नियन्त्रण | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : वातावरण तथाफोहोर व्यवस्थापन वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|------------------------------------|-----------------------|-------------------|---------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | फोहोर मैला व्यवस्थापन | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| २ | सरसफाई सम्बन्ध कार्यक्रम संचालन | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |

विषयगतउपक्षेत्र : विपद्जोखिमन्युनीकरण तथाजलवायु परिवर्तन अनुकूलन वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|-----------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | पहिरो नियन्त्रण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २ | अग्नी रेखा निननम | | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : सुशासन, ऐन, कानून, तथान्यायिकव्यवस्था वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|-------------------------------|-----------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | अपाइग्रामैरी संरचनानिर्माण | अपाइग्राहरुलाई सुविधा | १० लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|----------------------|-----------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सि. सी. क्यामरा जडान | सामाग्री तथाभवन संरक्षण | ३ लाख | ३ | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : मानव संशोधन, संस्थागतविकास तथा सेवाप्रवाह वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १. | जनप्रतिनिधितथाकर्मचारी क्षमताअभिवृद्धि कार्यक्रम | क्षमताविकास | ३ लाख | ३ | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : योजना व्यवस्थापन वडा नं. ७

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल | | | | | |
|---------|---|-----------------------------|--------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूल लागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | उपभोक्ता समितिलाई अभिमूल्खीकरण कार्यक्रम | योजना सहजीकरण | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| २ | सामाजिक समावेशीकरण | सबैको सहजपहुँच | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |

वडा नं. ८

विषयगतउपक्षेत्र : कृषि विकास वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | माटो परीक्षण र रोगव्यादी नियन्त्रण गर्ने | | ६० लाख | २ | २ | १ | १ | |
| २ | वितु र मलको व्यवस्थापन गर्ने | | १० लाख | ३ | ३ | २ | २ | |
| ३ | बजारको व्यवस्थापन गर्ने | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |
| ४ | कृषि संकलन केन्द्र स्थापना गर्ने | | १० लाख | ३ | ३ | २ | २ | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|--------|----|----|----|---|--|
| ५ | प्रांगारीक मल बनाउनतालिम | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ६ | मौरीपालनआधुनिक घार र तालीमको व्यवस्थापन | | ८लाख | २ | २ | २ | २ | |
| ७ | कोल्ड स्टोरको व्यवस्थापन | | ७५ लाख | ५० | १० | १० | ५ | |

विषयगतउपक्षेत्र : पशुपंक्षीपालन वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------------|-----------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | रोग बाट बचनऔषधीको व्यवस्थापन गर्ने | | ८लाख | ३ | २ | २ | १ | |
| २ | बाडमा दक्षपशु प्राविधिकको आवश्यकता | | ६ लाख | २ | २ | १ | १ | |
| ३ | पशुलाई रोग लागदा रोग परिक्षण गर्ने सामग्री र भवननिर्माण गर्ने | | २० लाख | १० | ५ | ३ | २ | |
| ४ | घाँस काटने मिसिनऔजार उपलब्ध गराउने | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५ | १ वटा गुज्जर भैसी १० वटा जर्सी गाई १० वटा जमुना पाठी बाखा१० वटा बोयर बाखाआवश्यकता | | १ करोड | ६० | २० | १० | १० | |
| ६ | दुध डेरी | | ५० लाख | ३० | १० | ५ | ५ | |

विषयगतउपक्षेत्र : सिंचाइ वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--|-----------------------|-----------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | भवने सिचाई कुलो निर्माण | | १० लाख | ५ | २ | २ | १ | |
| २ | उपल्लो अर्भु सिचाई कुलो | | ९ लाख | ५ | २ | १ | १ | |
| ३ | तल्लो अर्भु सिचाई कुलो | | ८लाख | ५ | १ | १ | १ | |
| ४ | खिरापाटा पिपिरे घार सिचाई कुलो | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ५ | द्वारखोलानिपाने सिचाई कुलो | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | रिपा ढार खोलासिचाई कुला | | ५० लाख | १० | १० | १० | २० | |
| ७ | पद्मेरा घाउडा पारी सिचाई कुलो | | ३० लाख | १० | १० | ५० | ५० | |
| ८ | अधेरी खोला गैरा स्याहालाचन्दे सिचाई | | ३५ लाख | १० | १० | १० | ५ | |
| ९ | खिरिका रुखसिचाई कुला | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १० | जक्ती अडके झुसुले चन्दे सिचाई कुला | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| ११ | लाम्टाकुरा सिचाई कुलो | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १२ | जक्ती अडके सिचाई कुलो | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | १० | |
| १३ | द्वारखोला गैरा मारी | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |

| | सिचाई कुलो | | | | | | | |
|----|---|---------------|------------|----|----|----|----|--|
| १४ | चिर सिचाई कुलो | | १५ लाख | ५ | ५ | ५ | | |
| १५ | सिमलारुख वाड टारी मसरा सिचाई कुलो निर्माण | | ५०००००० | | | | | |
| १६ | द्वारखोलागहिराखमारी सिचाई कुलो निर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | | |
| १७ | तेलापाखा पिपलाघात सिचाई कुलो निर्माण | | ३० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| १८ | भैसेतासिचाई कुलो निर्माण | | १ करोड | २० | २० | ५ | ५ | |
| १९ | खरेना परिराघात सिचाई कुलो निर्माण | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | |
| २० | सिमलारुख टारी सिचाई कुलो निर्माण | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | |
| २१ | मुलसिचाई कुलो निर्माण | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | |
| २२ | हुदाटारी सिचाई कुलो निर्माण | | १ करोड | १० | १० | २० | १० | |
| २३ | तल्लाटारी सिचाई कुलो निर्माण | धान, गहु खेती | १ करोड | २० | १० | १० | १० | |
| २४ | हाडी खर्क मिखुनालिप्तसिचाई कुलो निर्माण | धान, गहु खेती | १.१,२ करोड | ५० | २० | २ | १० | |
| २५ | खेतीघैयावि सौना गतिनासिचाई योजना | धान, गहु खेती | ५० लाख | २० | १० | १० | १० | |
| २६ | सिमपानीदुवाखर्क डाडा मानेगान्जासिचाई कुलो निर्माण | धान, गहु खेती | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | |
| २७ | कुरिखोलातल्लो मुन्धासिचाई कुलो निर्माण | धान, गहु खेती | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | |
| २८ | कुरिखोलाउपल्लो मुन्धासिचाई कुलो निर्माण | धान, गहु खेती | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | |

विषयगतउपक्षेत्र : पर्यटन विकास वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------------|-----------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | व्यापकप्रचारप्रसार गर्ने | | ३ लाख | १ | १ | ५० | ५० | |
| २ | आवात जावतको लागि यातायात मोटरवाटो निर्माण | | २ करोड | १ | ५० | २५ | २५ | |
| ३ | ठाकुर बराह देवस्थल मन्दिर बराहताल निर्माण | | २ करोड | १ | ५० | २५ | २५ | |

विषयगतउपक्षेत्र : उद्योग, व्यापार व्यवसाय तथा आपूर्तिव्यवस्था वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--------------------|-----------------------------|-----------------|---------------|----------------|----------------|--------------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| | | | | | | | | |

| | | | | | | | | |
|---|--|--|-------|---|---|---|---|--|
| १ | सानाउद्योग कुटानी पिसानीमिलको व्यवस्थापनतालिमउद्योग संचालनमा औजारहरुको सहयोग | | ५ लाख | २ | १ | १ | १ | |
| २ | खुद्रापसललाई व्यवस्थापनआधुनिककरण गर्न | | ४ लाख | १ | १ | १ | १ | |

विषयगतउपक्षेत्र : वित्तीय संस्था तथा सहकारी विकास वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--|-----------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | बैंक वित्तीय संस्था स्थापनना र सुरक्षाको व्यावस्थापन गर्ने | | २० लाख | १० | ५ | ३ | २ | |
| २ | वित्तीय संस्था जस्ता तालिम | | ५लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ३ | लेखा परीक्षण तालिम | | १० लाख | ४ | २ | २ | २ | |
| ४ | एटियम व्यवस्थापन | | ५लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५ | हितकृषि सहकारी संस्थालाई ४ कोठे भवनतथाजग्गाखरिद | | २० लाख | १० | १० | ५ | ५ | |
| ६ | कम्पयुटर तालिम | | ५लाख | ३ | १ | १ | १ | |
| ७ | सहकारी शिक्षातालिम | | ५ लाख | ३ | १ | १ | १ | |

विषयगतउपक्षेत्र : श्रम, रोजगारी तथा वैदेशिक आप्रवासन वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | युवाहरुको लागि रोजगारी मुलककार्यक्रमको लागिमौसमी अनुसारको तालिम | | ६ लाख | २ | २ | १ | १ | |
| २ | बेरोजगारी युवाहरुको लागिआत्मानिर्भर गर्न आधुनिककरण तालिम | | ६ लाख | २ | २ | १ | १ | |
| ३ | कलकारखाना संचालन गर्न ठूलो उद्योग संचालन गर्ने | | ८ करोड | १ | २ | १ | १ | |

विषयगतउपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | प्रत्येक बालबालिका हरुलाई भौचर व्यवस्था | शैक्षिक स्तर बढाउने | १५ लाख | ३ | ३ | ३ | ३ | ३ |
| २ | ६ वटा कोठा पक्कीभवन (लुप्लुङ्गमा.वि) | | १०० लाख | | ५० | ५० | | |

| | | | | | | | | |
|----|---|--|-------------------|------|------|------|------|------|
| ३ | सभाहल(लुप्लुङ्गमा.वि) | १ | १०० लाख | | २५ | २५ | २५ | २५ |
| ४ | कम्पाउण्डनिर्माण (लुप्लुङ्गमा.वि) | १ | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| ५ | खेलमैदाननिर्माण | १ | ७५ लाख | १५ | १५ | १५ | १५ | १५ |
| ६ | पुस्तकालयव्यवस्थापन | १ | २० लाख | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| ७ | विज्ञान प्रयोगशालार कम्पयूटरप्रयोगशाला | २ | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| ८ | मा.विशेषक दरबन्दी | २ | ६० लाख | १२ | १२ | १२ | १२ | १२ |
| ९ | विद्यालय अ.न.मिव्यवस्थापन | १ | २० लाख | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| १० | निःशुल्कशिक्षाको लागिप्रतिव.अनुदान | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| ११ | विद्यालयको ढल निकास | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| १२ | छात्रावासको व्यवस्था (विद्यार्थी, शिक्षकं | | ५० लाख | १० | १० | ३० | | |
| १३ | १२कक्षा सञ्चालन | | १०० लाख | २० | २० | २० | २० | २० |
| १४ | विद्यालयको खेलकुद शैक्षिक सामाग्रीको व्यवस्था | | ५० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| १५ | बालविकास केन्द्र स्तरउन्नती | | २० लाख | ४ | ४ | ४ | ४ | ४ |
| १६ | शिक्षकविद्यार्थीप्रोत्साहन | | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| १७ | विद्यार्थी क्षमताअभिवृद्धि कार्यक्रम | | ५लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| १८ | शिक्षकविद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| १९ | प्रशासनिक कर्मचारी लाई प्रोत्साहन | | ३ लाख | ०.६ | ०.६ | ०.६ | ०.६ | ०.६ |
| २० | विद्यालयमा सौर्य शक्ति जडान | | ५ लाख | ५ | | | | |
| २१ | अपाङ्गविद्यार्थीलाई सहयोग | | २ लाख | ०.५ | ०.५ | ०.५ | ०.५ | ०.५ |
| २२ | गरिब बालवालिकालाई शैक्षिक सहयोग | | १ लाख | ०.२५ | ०.२५ | ०.२५ | ०.२५ | ०.२५ |
| २३ | दिवाखाजा | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २४ | ४ कोठाको पक्कीभवननिर्माण | ६५ जनाविद्यार्थी | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २५ | डेस्क बेन्चनिर्माण | विद्यार्थी बस्त सहजहुने | ५ लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २६ | घेराबार तथापक्कीवाल | विद्यार्थी लड्ने समस्या बाट हलहुने | ५ लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २७ | फोटोकपी मेसिनतथा प्रिन्ट मेसिनमाग | विद्यालयमा आवश्यककाग जपत्रफोटोकपीतथा प्रिन्ट | ४ लाख | २० | २० | | | |
| २८ | फिल्ड तथाखेलकुद मैदान | विद्यार्थीलाई खेल खेलन सहज | ३ लाख | ३० | | | | |
| २९ | फिल्टरमाग | शुद्ध पानीपिउने | २ लाख | २० | | | | |
| ३० | वायरिड गर्नुपर्ने | बत्तीतथाविद्युतियकामगर्न सकिने | ५० हजार | ५० | | | | |
| ३१ | शिक्षक दरबन्दीमाग | निर्जीशिक्षकलाई दिने तलब सहजहुने | सरकारी नियमअनुसार | | | | | |
| ३२ | भवन रङ्गरोगन | विद्यालयआकर्षण हुने | २ लाख | २० | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|---------------------------|--|----------|-----|-----|-----|-----|-----|
| ३३ | भवनतथाभयाल ढोका मर्मत | अनावश्यकव्यक्तिहरु कोठामा बस्ने सम्प्याहरु | २ लाख | २० | | | | |
| ३४ | पुस्तकालयव्यवस्था | विद्यार्थीले पुस्तक पढने | २.५० लाख | २५ | | | | |
| ३५ | सभालवनाउनुपर्ने | बैठक बस्न सहज हुने | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| ३६ | चमेना गृह | नस्तावनाएर खान सहजहुने | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| ३७ | ४ कोठे पक्कीभवन -१ | विद्यार्थीलाई पठन पाठनमा सहयोग | ५० लाख | ३० | १० | १० | | |
| ३८ | छात्रा शैचालय -१ | छात्राहरुलाई महिनावारीमा सहजीकरण हुने | ५ लाख | २ | ३ | | | |
| ३९ | ३. शिक्षक दरबन्दी -१ जना | पठन पाठनमा सहज | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ४० | खानेपानीको टयाडको निर्माण | विद्यालयमा अध्ययनरत ३५० विद्यार्थी | ३ लाख | ३ | | | | |
| ४१ | इन्टरनेट जडान | विद्यार्थीहरु इन्टरनेटको पहुचमापुग्नेछन | १५ हजार | १५ | | | | |
| ४२ | चमेना गृह | बालबालिकाहरुले खाजाखानव्यवस्थित हुन्छ | १.५० लाख | १ | ५० | | | |
| ४३ | खेलकुदका सामाग्री | पाठ सँग सम्बन्धीत सामाग्रीप्रयोग गरि सिकाउन सकिने | ५० हजार | २५ | २५ | | | |
| ४४ | बाचवादनकासामाग्री | सम्बन्धीत सामाग्रीप्रयोग गरि सिकाउन सकिने | ५० हजार | २५ | २५ | | | |
| ४५ | खेल मैदान | ८. पढाई सँग सम्बन्धीतक्रियाकलाप गराउन सजिलो हुने छ | ५० हजार | २५ | २५ | | | |
| ४६ | १२ कोठे भवननिर्माण | | ७ करोड | ३०० | २०० | १०० | १०० | |
| ४७ | ४ कोठे शैचालयनिर्माण | | ३० लाख | १५ | ५ | ५ | ५ | |
| ४८ | खानेपानीनिर्माण | | १५ लाख | ८ | ४ | २ | १ | |
| ४९ | झरतको अभ्यास | | १० लाख | ५ | २ | २ | १ | |
| ५० | सभालननिर्माण | | १ करोड | ४०० | २०० | २०० | १०० | १०० |
| ५१ | खेलमैदाननिर्माण | | ५० लाख | २ | १ | १ | १ | |
| ५२ | विद्यालय रंगरोगन | | १० लाख | | ३ | ३ | २ | २ |
| ५३ | फर्निचर निर्माण | | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ३ | २ |
| ५४ | प्राविधिककक्षा सञ्चालन | २ वटा दरबन्दीआवश्यकता | | | | | | |
| ५५ | दिवाखाजा | आवश्यकताअनुसार रकमको व्यवस्थागरिदिन | | | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषण वडा नं. ८

| | | | |
|---------|--------------------|-----------------------|-----------------|
| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत |
|---------|--------------------|-----------------------|-----------------|

| | | ध | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
|----|---|---|---------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| १ | स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण (हेलिप्याड सहित) | | ५ करोड | ५०० | | | | |
| २ | खैरापुक गाउँधर खोप क्लिनिक भवन निर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| ३ | फोप्टी स्वास्थ्य चौकीमा फोहोर व्यवस्थापन खाडल निर्माण | | १ लाख | १ | | | | |
| ४ | फोप्टी स्वास्थ्य चौकीको शौचालयको सेपटी ट्याइडकी निर्माण | | १ लाख | १ | | | | |
| ५ | फर्निचर सामाग्री मर्मत (फा. स्वा. चौ) | | ५० हजार | ५० | | | | |
| ६ | स्वास्थ्य संस्थाको तारबार बालनिर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ७ | लुप्लुङ्ग सामुदायिक स्वास्थ्यलाई नर्सिङ स्टाफ व्यवस्थापन | | ६ लाख | ६ | | | | |
| ८ | प्रत्येक स्वास्थ्यआमा समुहरुको भवननिर्माण | | १०० लाख | १०० | | | | |
| ९ | फोप्टी स्वा. चौ खानेपानी मर्मत | | १ लाख | १ | | | | |
| १० | PRRT (pregnant Mother Repaid Response Team) प्रोत्साहनकार्यक्रमफोप्टी स्वा. चौ | | ३ लाख | ३ | | | | |
| ११ | स्वास्थ्यकर्मचारीनियुक्ती गर्ने | | २५ लाख | २५ | | | | |
| १२ | स्वास्थ्यआमासमुहरुलाई विजुविजनतथा स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्यरिसपमुलकता लम | | १ लाख | १ | | | | |
| १३ | बालविवाह निराकरण । रोकथामकार्यक्रम | | ३ लाख | ३ | | | | |
| १४ | घरमा प्रसुती रोकथामतथागर्भवतीप्रोत्सा हनकार्यक्रम | | २ लाख | २ | | | | |
| १५ | गर्भवतीमहिला भिडियो एकसरे रक्त परीक्षण कार्यक्रमनिःशुल्क | | २ लाख | २ | | | | |
| १६ | गर्भवतीमहिला उद्धार स्टेचर व्यवस्था | | | | | | | |
| १७ | आकास्मिक स्वास्थ्य सेवा सञ्चालनकार्यक्रम | | ३ लाख | ३ | | | | |
| १८ | जेष्ठ नागरिक, निःशुल्कऔपधीखरिद कार्यक्रम | | १लाख | १ | | | | |
| १९ | नसर्ने रोग रोकथामतथाScreening कार्यक्रम | | ३ लाख | ३ | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|---------|----|----|----|----|----|
| २० | जाँड, रक्सी, चुरोट विडी जस्ता अस्वस्थकर बानीको लागि रोकथामतथा छोडेकोलाई प्रोत्साहनकार्यक्रम | | १लाख | १ | | | | |
| २१ | म सा. स्वा. स्वयमसेविका दैनिकभत्तातथामासिक बैठक वापतखाजाखच्च | | २० हजार | २० | | | | |
| २२ | CBIMNCI औषधीखरिद कार्यक्रम | | ३ लाख | २० | | | | |
| २३ | कुपोषितबालबालिका रोकथामकार्यक्रम | | १लाख | ३ | | | | |
| २४ | आवश्यकऔषधीखरिद कार्यक्रम | | ३लाख | १ | १ | १ | | |
| २५ | धामीभकाकीहरुलाई स्वास्थ्य सम्बन्धीअभिमुखीकरणका | | २ लाख | १ | १ | | | |
| २६ | १५वर्ष माथिकानागरिकको निःशुल्कKidney/ Pressureचेकजाँच | | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | १० |
| २७ | स्वास्थ्यकाFitness Center लागि स्थापनातथानिर्माण | | २० लाख | २० | | | | |
| २८ | हेलिप्याड निर्माण (गर्भवती र विरामीलाई उद्धार गर्न) | | ५० हजार | ५० | | | | |
| २९ | नर्सिङ स्टाफको लागिआवासतथा रात्रीकालिनभत्ताको व्यवस्था | | २० लाख | २० | | | | |
| ३० | परिवार नियोजन योजनाप्रोत्साहनकार्यक्रम | | १ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ३१ | फोप्सी स्वास्थ्य चौकीमाBaby Warmer /water Filter /projector/ laptop/ delivery bed जस्ता सामाग्रीखरिद | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ३२ | PM RRT अभिमुखीकरण कार्यक्रम | | ५० हजार | | | | | |
| ३३ | गर्भवतीमहिला उद्धारका लागिगोरेटो बाटो मर्मत | | | | | | | |
| ३४ | प्रचारप्रसार तथा सूचना सम्प्रेषण कार्यक्रम (| | ५० हजार | ५० | | | | |
| ३५ | स्वास्थ्यआमा समुहडेसकार्यक्रम | | ४ लाख | ४ | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई बडा नं. ८

| | | | |
|---------|--------------------|-----------------------|-----------------|
| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानितकूललागत |
|---------|--------------------|-----------------------|-----------------|

| | | ध | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
|----|--|------------------------|---------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| १ | लुप्लुङ्गदेवघर गेट हुदै चुच्चे गैरा | | ५ लाख | २ | १ | १ | | |
| २ | लुप्लुङ्ग गैरा देवघर टाडा हुदै मानिने गैरा | | ४ लाख | ४ | | | | |
| ३ | लाकुरी गैरा ढाडा हुदै प्रोखरापाता | | ५ लाख | २ | ३ | | | |
| ४ | गर्तिमिलातल्लाआर्ना | | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| ५ | लुप्लुङ्ग बराहमन्दिर तालहुद | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| ६ | फोरली ठुलढिक ढल निकास | | ७ लाख | ४ | ३ | | | |
| ७ | रोकापाता चुढारा टोल | | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| ८ | चोतारे टोल ढल निकास | | ८ लाख | ३ | ३ | २ | | |
| ९ | तोरीवाङ्ग ढल निकास | | ९लाख | ३ | ३ | ३ | | |
| १० | गौडा गतिना ढल निकास | | १०लाख | ५ | ५ | | | |
| ११ | सेम्माड गुरुड बस्ती | | ६लाख | ३ | ५ | | | |
| १२ | ठुलढिक नौलाफोप्पीनिर्माण | | १२लाख | ४ | ४ | ४ | | |
| १३ | डाडाथोक ढल निकास | | ८लाख | ३ | ५ | | | |
| १४ | तोरीवाङ्ग बुढ बहादुर घर देखि बोहोरा टोल सम्म | | ६लाख | ६ | | | | |
| १५ | पिपलबोट देखि नौलाखर्क | | ५ लाख | | ३ | २ | | |
| १६ | पुर्णागाउँधारापानी ढल निकास | | ८लाख | | ५ | ३ | | |
| १७ | सेम्माडगतिना ढल निकास | | १०लाख | | ५ | ५ | | |
| १८ | चुदांरा टोलहुदै पत्तेखोला | | ७लाख | | ५ | २ | | |
| १९ | घाउडटोलहुदै चौतारेटोल र पात्तेखोला ढल निकास | | ७लाख | | ४ | ३ | | |
| २० | सुनारटोल देखि पात्ते खोला | | ४लाख | | ४ | | | |
| २१ | साउनेफेद देखि गैराथोक | | ३लाख | | २ | १ | | |
| २२ | गेट देखि वडा कार्यालय सम्म | | ३लाख | | ३ | | | |
| २३ | बोहोरा मन्दिर देखि रेवती | | २लाख | | २ | | | |
| २४ | हिसिवाड पूर्णागाउँ | | ५ लाख | | ५ | | | |
| २५ | बाँसरुखे ढल निकास | | ४लाख | | ४ | | | |
| २६ | खैरापुक ढल निकास | | ७लाख | | ७ | | | |
| २७ | पतदेउतीमन्दिर निर्माण | | १०लाख | | | | | |
| २८ | मरन्ठानी मन्दिर निर्माण | | १०लाख | | | | | |
| २९ | खइमाठोमीमन्दिर निर्माण | | १०लाख | | | | | |
| ३० | सिमवावनीखर्क खानेपानी | खानेपानीपिउन सक्ने | ८० हजार | ८ | | | | |
| ३१ | केपनडाडामा ट्याडकी निर्माण | ट्याडकीमा पानीजम्माभएर | ४ लाख | २ | २ | | | |

| | | | | | | | | |
|----|--|--|--------|----|---|---|---|---|
| | | पानीखान सक्ने | | | | | | |
| ३२ | सिमखोलाखानेपानीनिर्माण | खानेपानीपिउन सहजहुने | १० लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| ३३ | मरले केपनडाडा चदिवाङ्काउले खा.पा. मर्मत | टुटेफुटेको पाइप मर्मत गर्दा सहज | २० लाख | २ | | | | |
| ३४ | सिमखोलागोहोरी उखुवारी खा.पा. मर्मत | टुटेफुटेको पाइप मर्मत गर्ने | २० लाख | २ | | | | |
| ३५ | उखुवारी कुभीनी इन्टक निर्माण | उखुवारी मुहानमा इन्टेकबनाएर खा.पा. सहज | ३ लाख | ३ | | | | |
| ३६ | लिस्ने खानेपानीमा सानो पोखरीनेर ट्याडकी | १० घरधुरी लाभसानो पोखरीनेर | ३ लाख | ३ | | | | |
| ३६ | लिस्ने खानेपानीहिसिवाङ्गथाम्काम ११५ घनमिटर ट्याडकी | ११ घरधुरी खानेपानीलाभ | ३ लाख | ३ | | | | |
| ३७ | पुर्नगाउँ मरेले खानेपानीट्याडकी १५ घनमिटर ट्याडकी | ३०घरधुरीलाभाम्बित | ३ लाख | ३ | | | | |
| ३८ | लिस्ने देओठान खा.पा. १० घनमिटर ट्याडकी | | २ लाख | ५० | | | | |
| ३९ | कुरलीखोलामुन्नाखा.पा. आयोजना १० घनमिटर ट्याडकी | | २ लाख | ५० | | | | |
| ४० | डाडाठोक जुकेना खा.पा | | ५ लाख | | | | | |

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षितवर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण बडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजनातथाकार्यक्रम | अपेक्षितलाभतथाउपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---|-----------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तामाको भाडा बनाउने तालिम | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| २ | आरन निर्माण | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | | |
| ३ | आरन सामाग्रीखरिद | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | | |
| ४ | परिवारको लागिवाध्यवादन सामाग्रीखरिद | ५० लाख | २५ | २५ | | | | |
| ५ | परिवार वाध्यवादन संरक्षण | २० लाख | १० | १० | | | | |
| ६ | उद्धोषण तालिम | १० लाख | ५ | ५ | | | | |
| ७ | लोकसेवातयारी कक्षा | २० लाख | १० | १० | | | | |
| ८ | कम्प्युटर कक्षा | ५० लाख | १० | १० | १० | १० | | |
| ९ | पंखा वल्डड सहानखरिद | ४० लाख | २० | २० | | | | |
| १० | जनजातीभाषासिकाइ | २० लाख | २० | | | | | |
| ११ | जनजातीकला संस्कृति संरक्षण | २० लाख | २० | | | | | |
| १२ | जनजाती भवन | २० लाख | २० | | | | | |
| १३ | क्षमताविकास तालिम | १ लाख | ५० | ५० | | | | |
| १४ | क्षमताविकास तथासिप | ५० हजार | ५० | | | | | |

| | | | | | | | | |
|----|---|----------------------|----------|-----|-----|-----|-----|-----|
| १५ | महिलाहिसां न्युनीकरण | | १ लाख | ५० | ५० | | | |
| १६ | आमा समुहभवन ५ वटा | | ५० लाख | १०० | १०० | १०० | १०० | १०० |
| १७ | आमा समुह ड्रेस | | ५ लाख | १ | २ | १ | १ | |
| १८ | आमा समुहलाई बाध्यबाधन | | ८ लाख | २ | २ | २ | २ | |
| १९ | आमा समुहलाई उनवुनाई तालिम | | ४ लाख | २ | २ | | | |
| २० | आमा समुहलाई स्वास्थ्यतालिम | | ६ लाख | २ | २ | २ | | |
| २१ | आमा समुहलाई सिस्तो पाउडर तालिम | | ५ लाख | ३ | २ | | | |
| २२ | आमा समुहलाई सिलाई खरिद मेसिन | | ८० लाख | २० | २० | २० | २० | २० |
| २३ | आमा समुहलाई स्वास्थ्यतथापोषण तालिम | | ६ लाख | २ | २ | २ | २ | |
| २४ | आमा समुहबाट गर्भवती उद्धारकार्यक्रम | | ९० लाख | ५० | ३० | १० | | |
| २५ | स्वास्थ्यआमा समुहलाई उपचारको व्यवस्था | | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| २६ | आमा समुहबाटवालविवाह रोक्नुपन | | ६ लाख | ३ | ३ | | | |
| २७ | स्वयमसेविकालाई खाजा | | १.५ लाख | १ | ५० | | | |
| २८ | स्वयमसेविकालाईभत्ता बढाउने | स्वयमसेविका | २ लाख | १ | १ | | | |
| २९ | स्ट्रेचरको व्यवस्था | सबैआमा समुह | ५० हजार | २५ | २५ | | | |
| ३० | आमा समुहलाई चेतना र विकास | | २ लाख | १० | १० | | | |
| ३१ | खोपक्लिनिक खैरापुरमा | | ३ लाख | १५ | १५ | | | |
| ३२ | स्वास्थ्यचौकीमा डेलिभरी | | १२ हजार | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| ३३ | गर्भवतिदर्ता गर्ने मोबाइल | स्वयमसेविका | ४ लाख | २ | २ | | | |
| ३४ | आमा समुहलाई माला चुरा खेलौना बनाउने तालिम | | १.२० लाख | ५० | ५० | २० | | |
| ३५ | स्वास्थ्यइकाई लुप्लुङ्ग मामहिला स्वस्थ्यकर्मी | वडाभित्रका सबैनागरिक | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |

विषयगतउपक्षेत्र : युवातथा खेलकुद वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानित कूल लागत | | | | | |
|---------|---------------------------------|--------------------------|-------------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | खेल प्रशिक्षणको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | २ | ३ | | | |
| २ | खेलकुद समाग्रीको व्यवस्था गर्ने | | १करोड | २ | २ | २ | २ | २ |

विषयगतउपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य र सांस्कृति वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा | अनुमानितकूललागत |
|---------|----------------------|------------------|-----------------|
|---------|----------------------|------------------|-----------------|

| | | उपलब्धि | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
|---|----------------------------------|---------|---------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| १ | हस्तकला (काष्टकला) निर्माण उपकरण | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| २ | संग्राहलयनिर्माण | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ३ | मारुनीनाँच संरक्षण तथावाच्यवादन | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ४ | नौमतिबाजा | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |

विषयगतउपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथापुलपुलेसा वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | पालकटेरी ठूलो गहिरा देखि भेरी खोर सम्म मोटर बाटो | | ४५ लाख | २० | २० | ५ | | |
| २ | बरारुखदेखि मान्यटोलहुदै लुप्लुङ्गमा.वि स्कुल सम्म मो.वा. निर्माण | | ५० लाख | २० | २० | १० | | |
| ३ | लुप्लुङ्गभुलेनीमो.वा | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ४ | विलोना खोलापुलनिर्माण | | १ लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ५ | कोले आरु खर्कमापुलनिर्माण | | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ६ | पेपर दोमान टुनि खर्क पक्कीपुलनिर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ७ | कमीखोला घारी गाडामा पुलनिर्माण | | १०००००० | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ८ | लुप्लुङ्गतिनामापुलनिर्माण | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ९ | द्वावार खोलापुलनिर्माण | | ५० लाख | २५ | २५ | | | |
| १० | लुप्लुङ्ग वडा कार्यालय पुल | | २० करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ११ | लुप्लुङ्गभुलेनी | | १ करोड | | | | | |
| १२ | मालातनीवालवि.रे.तारबार | | १ लाख | | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिकनिर्माण वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नमुनाआमा समुहप्रतिक्षालयनिर्माण तोरीवाङ्, | | १० लाख | ३ | २ | २ | २ | १ |
| २ | भैसेटा प्रतिक्षालयनिर्माण | | ५ लाख | २० | २० | १० | | |
| ३ | नागरिक सचेतनाभवन मर्मत | | ४ लाख | ३० | १० | | | |
| ४ | लुप्लुङ्गमाझागाउं सभाहल | | २० लाख | १० | १० | | | |
| ५ | गौराथोक सामुदायिक भवन निर्माण | | ५० लाख | ४० | १० | | | |
| ६ | खैरापुर सामुदायिक भवन निर्माण | | २० लाख | १० | ५ | ५ | | |
| ७ | गैराथोक सामुदायिक भवनको नजिक शौचालय निर्माण | | १० लाख | १० | | | | |
| ८ | तोरीवाङ् प्रतिक्षालय निर्माण | | ५ लाख | ५ | | | | |
| ९ | चिक्कलथरी प्रतिक्षालय | | ५ लाख | ५ | | | | |

| | | | | | | | |
|----|-----------------------|-------|--------|----|----|--|--|
| १० | बुढीमट्टी प्रतिक्षालय | | ५ लाख | ५ | | | |
| ११ | सार्वजनिकशैचालय | ५ वटा | ५० लाख | २५ | २५ | | |

विषयगतउपक्षेत्र : विद्युततथा वैकल्पिकऊर्जा वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|--|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नयाँ टार्स्फर्मरको व्यवस्था गर्ने | | १०लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | आवश्यक भएको ठाउँमा थप पोलको व्यवस्था गर्ने | | १०लाख | ५ | ५ | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : सूचनातथा सञ्चार प्रविधि वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | टावरको क्षमता बढ़ि गर्ने | | १० लाख | ५ | ५ | | | |
| २ | आवश्यक ठाउँमा इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | | ५ लाख | ५ | | | | |

विषयगतउपक्षेत्र : बनतथा जैविकविविधता वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---------------------------------------|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | तार जाली स्यावीन बाल | साताले | १० करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| | | देउराली | १५ लाख | ५ | ५ | २५ | २५ | |
| | | देउराली हरियाली | १ लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| | | ठप्पे पुरोनी | १० लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| | | घुरैवी | १५ लाख | ५ | ५ | २५ | २५ | |
| | | सल्लेरी पाखा | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| २ | बन्यजन्तु बदेल, बादर बाट बाली संरक्षण | बडा ८ | २ करोड | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | तारजाली | | २ करोड | ५० | ५० | ५० | ५० | |
| ४ | बन व्यवस्थापन भाडी सुधार | | १ करोड | ५० | ५० | | | |
| ५ | वृक्षारोपण | | १० लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |

विषयगतउपक्षेत्र : भू संरक्षण तथाजलाधार व्यवस्थापन बडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---------------------------|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | नर्सरी स्थापना | ६ | २ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| २ | अग्निरेखानिर्माण | ८ | २ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ३ | जडीबुटी प्रशोधन | ६ | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ४ | जलवायु परिवर्तन न्युनीकरण | ८ | ८० लाख | २ | २ | २ | २ | |
| ५ | फोहोर व्यवस्थापन | ८ | २० लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ६ | मुहान संरक्षण | ८ | ४ करोड | १ | १ | १ | १ | |
| ७ | पोखरी निर्माण | ८ | २ करोड | ५ | ५ | ५ | ५ | |
| ८ | पल्लेखोलाव्यालपानीनदी | ८ | ८ करोड | २ | २ | २ | २ | |

| | | | | | | | | |
|----|--------------------------|---|---------|----|----|----|----|--|
| | नियन्त्रण | | | | | | | |
| ९ | बल्ले खोलानदी नियन्त्रण | ८ | १२ करोड | ३ | ३ | ३ | ३ | |
| १० | सघेरी खोलानदी नियन्त्रण | ८ | १ करोड | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| ११ | हार खोलानदीनदी नियन्त्रण | ८ | १० लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १२ | वनप्राविधिक | १ | १० लाख | २५ | २५ | २५ | २५ | |
| १३ | वन हेरालु | ६ | ६ लाख | २ | २ | १ | १ | |

विषयगतउपक्षेत्र : सुशासन, एन, कानून, तथान्यायिकव्यवस्था वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | विद्युतियहाजिरी | | ५० हजार | ५ | | | | |
| २ | सूचना पाई सुझाव पेटीका | | २५ हजार | २५ | | | | |
| ३ | नागरिक समाजतथा समुदायमाआधारित संस्थाहरुको क्षमताविकास कार्यक्रम | | ५ | १ | १ | १ | १ | १ |

विषयगतउपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---------------------------|--------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | चालु खर्च | | २५ लाख | ५ | ५ | ५ | ५ | ५ |
| २ | वित्तीय साक्षरताकार्यक्रम | | २.५० हजार | ५० | ५० | ५० | ५० | ५० |

विषयगतउपक्षेत्र : मानव संशाधन, संस्थागतविकास तथा सेवाप्रवाह वडा नं. ८

| क्र.सं. | आयोजना तथा कार्यक्रम | अपेक्षित लाभ तथा उपलब्धि | अनुमानितकूललागत | | | | | |
|---------|---|---------------------------|-----------------|------------|-------------|-------------|-----------|------------|
| | | | कूललागत | पहिलो वर्ष | दोश्रो वर्ष | तेश्रो वर्ष | चौथो वर्ष | पाँचौ वर्ष |
| १ | सि.सी क्यामरा जडान | सामाग्रीतथाभव नको सुरक्षा | ३ लाख | ३ | | | | |
| २ | विद्युतियहाजिरी जडान | जनताहरुको काम गर्न सहज | ५० हजार | ५० | | | | |
| ३ | जनप्रतिनिधितथाकर्मचारीलाई क्षमताविकासतालिम | समितिलाई काम गर्न सहज | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |
| ४ | उपभोक्ता समितिलाई अभिमुखीकरण तालिम | | १ लाख | २ | २ | २ | २ | २ |
| ५ | कर्मचारीको वृत्त विकास प्रोत्साहनतथा पुरस्कार कार्यक्रम | | ५ लाख | १ | १ | १ | १ | १ |

आवधिक योजना तर्जुमा : फोटोहरु







